



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ४३] नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर २३, १९८२ (कार्तिक १, १९०४)

No. 43] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 23, 1982 (KARTIKA 1, 1904)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—पर्यावरण १

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 18 सितम्बर 1982

सं० ए० 32014/3/80-प्रशा०-II—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा निम्नलिखित अधिकारियों को प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, ₹० 650-30-740-35-810-८० रु०-35-880-40-1000-८० रु०-40-1200 के वेतनमान में अधीक्षक (त० सं०) के पद पर स्थानापन रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं :—

- | | |
|--------------------------------|-----------------------|
| १. श्री एम एम० शर्मा | १-९-८२ से ३०-११-८२ तक |
| २. श्री जगदीश लाल | —वही— |
| ३. श्रीमती डी० जे० नालवानी | —वही— |
| ४. श्रीमती राज सेठी | —वही— |
| ५. कुमारी मुख्यन हाँडा | —वही— |
| ६. श्री प्रार० प्रार० भारद्वाज | —वही— |
| ७. श्री ओ० पी० सूद | —वही— |

८. श्री जे० जे० चक्रवर्ती १४-९-८२ से ३०-११-८२ तक
९. श्रीमती एस० सरदाना —वही—

उपर्युक्त व्यक्ति नोट कर लें कि अधीक्षक (त० सं०) के पद पर उनकी तार्थ्य नियुक्ति से उनको उपर्युक्त ग्रेड में वरिष्ठता अथवा नियमित विलयन का स्वतः हक नहीं मिलेगा।

कूलबीप कुमार
अनुभाग अधिकारी
कृत सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 2 सितम्बर 1982 १

सं० ए० 32014/3/79-प्रशा.—संघ लोक सेवा आयोग के संबंध में के. स. स्टै. से. के ग्रेड ख के निम्नलिखित स्थायी वरिष्ठ वैयक्तिक सहायकों को राष्ट्रपति द्वारा उनके नामों के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, पूर्णतः अनंतिम अस्थायी और तदर्थ आधार पर उसी सर्वर्ग में निषी सचिव (कै. स. स्टै. से. के. ग्रेड क)

(14671)

के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है :—

कम सं., नाम और अधिकारी

1. श्री जोगिन्द्र सिंह—13-8-1982 से
— 12-11-1982 तक
2. श्री भार. एस. ठाकुर—31-7-1982 से
30-10-1982 तक

य. रा. गांधी
अवर सचिव (प्रशा.)
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय
का. एवं प्र. सुधार विभाग
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो
नई दिल्ली, दिनांक 29 सितम्बर 1982

सं. ए-19021/9/82-प्रशा.-5—केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पूलिस स्थापना में पूलिस अधीक्षक के रूप में प्रतिनियुक्त जम्मू एवं कश्मीर राज्य पूलिस के अधिकारी श्री कोन्थक थोस्पेल का दिनांक 13 सितम्बर, 1982 को स्वर्गवास हो गया।

सं. ए-22013/6/82-प्रशा.-5—निवेशक केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पूलिस महानिरीक्षक, विशेष पूलिस स्थापना अपने प्रसाद से श्री एस. रामाभूर्ति, अपराध सहायक को दिनांक 14-9-1982 से 13-3-1983 तक या नियमित आधार पर यह पद भरे जाने तक, जो भी पहले घटित हो, तबर्थ आधार पर

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, मुख्यालय, जॉन-3 में कार्यालय अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

भार. एस. नागपाल
प्रशासनिक अधिकारी (स्था)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिवेशालय केन्द्रीय रिजर्व पूलिस बल

नई दिल्ली-110066, दिनांक 27 सितम्बर 82

सं. एफ-2/17/82-स्थापना—राष्ट्रपति, डाक्टर फ्रेडर किंशोर सैनी, सिनियर मैडिकल ऑफिसर, को उनकी पदोन्नति के फलस्वरूप 4 सितम्बर 1982 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पूलिस बल में मुख्य-चिकित्सा अधिकारी (कमान्डेट) के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 30 सितम्बर 1982

सं. ओ. वा. 1769/82-(स्था.) स्थापना—राष्ट्रपति श्री, श्री अ. क. सामन्ता भारतीय पूलिस सेवा अधिकारी (स्टेट बंगल) को केन्द्रीय रिजर्व पूलिस बल में उनकी प्रतिनियुक्ति पर उप महानिरीक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री सामन्ता ने केन्द्रीय रिजर्व पूलिस बल के उपमहानिरीक्षक कलकत्ता के पद का कार्य भार दिनांक 15-9-82 के प्राचीन को संभाला।

अ. क. सूरी
सहायक निवेशक (स्थापना)

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग

भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली-110002, दिनांक 30 सितम्बर 1982

सं० वा० ले० प० 1/46-82—अपर उप नियंत्रक-महालेखापरीक्षक (वा०) निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों (वा०) को पदोन्नति करके लेखा परीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) के रूप में स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं और आगे आदेश दिए जाने तक प्रत्येक नाम के सामने नीचे कालम 4 में लिखित कार्यालयों में नीचे कालम 5 में लिखित तारीखों से उसी रूप में तैनात करते हैं :—

क्र० अनुभाग अधिकारी (वा०) का नाम
सं०

कार्यालय जहाँ पदोन्नति से
पहले कार्यरत थे

कार्यालय जहाँ पदोन्नति के
बाद तैनात किए गए

ले० प० (वा०)
के रूप में तैनाती
की तारीख

1	2	3	4	5
सर्वेशी				
1. जी० कृष्णमूर्ति	.	मदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वा० ले० प०, हैदराबाद	सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वा० ले० प०, हैदराबाद	11-6-1982
2. के० चलेया	.	महालेखाकार-II, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद	महालेखाकार-II, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद	11-6-1982
3. भार० गोपालकृष्णन्	.	महालेखाकार, गुजरात अहमदाबाद	महालेखाकार, गुजरात, अहमदाबाद	10-6-1982
4. एस० एस० रामचन्द्र राव	.	महालेखाकार-II, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद	महालेखाकार-II, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद	17-6-1982

1	2	3	4	5
5.	सुविमल घोषाल	सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वा० ले० प०,	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वा० ले० प०,	22-6-1982
6.	सी० एम० मुलमुले	कलकत्ता निदेशक, लेखापरीक्षा (वै० एवं वा० विभाग) बम्बई	कलकत्ता निदेशक लेखापरीक्षा (वै० एवं वा० विभाग) बम्बई	11-6-1982

एम० ए० सोमेश्वर राव,
संयुक्त निदेशक (वाणिज्यिक)

निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व कार्यालय

नई दिल्ली-2, दिनांक 5 अक्टूबर 1982

सं० प्रशासन-1/का० आ० संख्या 311—(क) इस कार्यालय के कार्यालय आवेदन संख्या प्रशासन-1/का० आ० संख्या 120 दिनांक 10-6-82, संख्या प्रशासन-1/का० आ० संख्या 220 दिनांक 5-8-82 और संख्या प्रशासन-1/का० आ० संख्या 268 दिनांक 7-9-82 में आंगिक संशोधन करते हुए निदेशक लेखापरीक्षा केन्द्रीय राजस्व ने नीचे दिए हुए विवरण के अनुसार निम्नलिखित लेखा परीक्षा अधिकारियों की स्थायीकरण की तारीखों को पूर्व दिनांकित किया है।

क्रम०	नाम	स्थायीकरण की मौजूदा तारीख	स्थायीकरण की संशोधन तारीख
सं०			

सर्वश्री

1. एस० आर० घोष दस्तिदार	1-6-82	1-4-82
2. के० बी० माथुर	1-6-82	1-4-82
3. सी० एस० मंगला	1-8-82	1-4-82
4. आर० सी० गोयल	1-9-82	1-4-82

(ख) निदेशक लेखापरीक्षा केन्द्रीय राजस्व एवं द्रव्यालय के निम्नलिखित स्थानापन्न लेखापरीक्षा अधिकारियों को उनके नामों के सामने दर्शायी गई तारीखों से 840-1200 रुपए के समयमान में लेखापरीक्षा अधिकारी के स्थायी पदों पर स्थायी रूप में आगे के लिए नियुक्त करते हैं।

क्रम०	नाम	स्थायीकरण की तारीख	क्रम०	नाम	स्थायीकरण की तारीख
सं०			1	2	3

सर्वश्री

1. रघुनाथ प्रसाद गुप्ता	1-4-1982
2. अहंधि देव	1-4-1982
3. नर्द किशोर	1-4-1982
4. पी० एल० बोहरा	1-4-1982
5. बी० डी० कपूर	1-4-1982

1	2	3
6. जे० बी० दत्ता		1-4-1982
7. भगवती चरण धास		1-4-1982
8. हरीश चन्द्र-II		1-4-1982
9. हंसराज सिंह		1-4-1982
10. कृष्ण नारायण		1-6-1982
11. राम लाल		1-6-1982
12. राजेन्द्र प्रकाश		1-8-1982
13. राम बाबू गोयल		1-9-1982
14. टी० सी० शर्मा		1-10-1982
15. बी० एस० गर्ग		1-10-1982

ए० एस० मध्येन्द्रा,
संयुक्त निदेशक ले० प० (प०)

कार्यालय महालेखाकार-1, बिहार

रांची, दिनांक 22 सितम्बर 1982

सं. प्र.-2-628—महालेखाकार-1, बिहार, रांची अपने कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री देवेन्द्र संथ विश्वास को अपने कार्यालय में दिनांक 31-7-82 के पर्याप्त से अगला आदेश होने तक स्थानापन लेखा अधिकारी के पद पर सही पदान्तर करते हैं।

ह. (आर. भाष्यम)
वरीय उप-महालेखाकार (प्र.) बिहार

कार्यालय महालेखा-1, यज्यस्थान, जयपुर

जयपुर, दिनांक 4 अक्टूबर 1982

सं. प्रशासन-1।/राजपत्र अधिकारी/1531—महालेखाकार राजस्थान-1 ने निम्नलिखित अनुभाग अधिकारीराओं को पदान्तर करके उनके आगे दिए दिनांक से अग्रतर आदेशों के जारी होने तक उसी कार्यालय में स्थानापन लेखाधिकारियों के पद पर नियुक्त किया है :—

- सर्वश्री
- नवल किशोर माथुर, प्र. अ. अ. (प्रोफ़ेसर प्रोफ़ेसन) 16/4/82 (प०.)
 - जय किशोर कुमार, अ. अ. 31/8/82 (प०.) मदन सिंह प्रोफ़ेसर वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्राचार)

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियंत्रक

नई दिल्ली-110066, विमाक 24 सितम्बर 1982

सं० प्रशा०/1/1172/1/जिल्द-I—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों को उक्त सेवा के वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के स्तर-II (मान रु 2250-125/2-2500) में उनके नाम के समक्ष दर्शायी गई तारीख से, आगामी आदेश पर्यन्त, स्थानापन्थ रूप में कार्य करने के लिए, सहज नियुक्त करते हैं :—

क्रम०	नाम	तारीख, जिससे नियुक्त की गई है
सं०		
1.	श्री० एन० रल्लन	11-12-1979
2.	आर० एन० त्यागी	12-11-1979
3.	के० पी० राव	3-12-1979
4.	आर० कुण्णामूर्ति	12-10-1981
5.	के० सम्पथ कुमार	15-10-1981
6.	आर० के० माधुर	12-10-1981
7.	के० सुन्दरारा जैन	28-2-1982
8.	संजीव मुखर्जी	29-4-1982
9.	एम० के० गणेशन	20-7-1982
10.	प्रेम कुमार सबलोक	15-2-1982

2. इस विभाग की निम्नलिखित अधिसूचनाओं में अधिसूचित उपर्युक्त अधिकारियों की भारतीय रक्षा लेखा सेवा के वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के स्तर-II में तदर्थे आधार पर की गई नियुक्ति उपर्युक्त पैरा 1 में उल्लिखित तारीखों से नियमित हो गई है।

- (i) सं० 18342/प्रशा०/(स्तर-II)/78 दिनांक 18-1-1980
- (ii) सं० प्रशा०/1/1172/1/जिल्द-1 (पी० सी०) दिनांक 30-12-1981
- (iii) सं० प्रशा०/1/1172/1/जिल्द-1 (पी० सी०-II) दिनांक 19-2-1982
- (iv) सं० प्रशा०/1/1172/1/जिल्द-1 (पी० सी०-II) दिनांक 17-5-1982
- (v) सं० प्रशा०/1/1172/1/1, (पी० सी०) दिनांक 25-8-1982
- (vi) सं० प्रशा०/1/1172/1/1 (पी० सी०-II) दिनांक 1-9-1982

सं 1/1172/1/जिल्द-1.—राष्ट्रपति भारतीय रक्षा सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों को उक्त सेवा के वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड स्तर-II (मान रु. 2250-125/2-2500) में

उनके नाम के समक्ष दर्शायी गई तारीख से, आगामी आदेश पर्यन्त, 'अनुक्रम नियम के अधीन', सहज नियुक्त करते हैं :—

- | | | |
|----------------------------|------|----------------------------------|
| क्रम सं., | नाम, | और तारीख जिससे नियुक्ति की गई है |
| (1) श्री बी० के० बनर्जी | | 20-3-78 |
| (2) श्री सी० वी० नागेन्द्र | | 7-7-78 (अपराह्न) |

इस विभाग की अधिसूचना सं. प्रशा०/1/1172/1, विमाक 31-10-81 तथा सं. प्रशा०/1/1172/1/जिल्द-1 (पी० सी०) दिनांक 30-12-81 द्वारा उपर्युक्त अधिकारियों की भारतीय रक्षा लेखा सेवा के वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के स्तर-II। में तदर्थे आधार पर की गई नियुक्ति एतद्द्वारा रद्द की जाती है।

सं० प्रशा०/1/1172/1/जिल्द-I—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों (जो प्रतिनियुक्ति में हैं) को उक्त सेवा के वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के स्तर-II (मान रु 2250-125/2-2500) में उनके नाम के समक्ष दर्शायी गई तारीख से, आगामी आदेश पर्यन्त, स्थानापन्थ रूप में कार्य करने के लिए 'अनुक्रम नियम के अधीन' सहज नियुक्ति करते हैं :—

क्रम०	नाम	तारीख, जिससे नियुक्ति की गई है
सं०		

सर्वश्री

- | | |
|-----------------------|------------|
| 1. श्री० एस० जाफा | 15-10-1981 |
| 2. श्री० स्वामीनाथन | 12-10-1981 |
| 3. आर० कल्याणसुन्दरम् | 28-2-1982 |
| 4. श्री० वी० श्रीदावी | 15-2-1982 |
| 5. श्री० जी० जोशी | 20-7-1982 |

2. इस विभाग की निम्नलिखित अधिसूचनाओं में अधिसूचित उपर्युक्त अधिकारियों की भारतीय रक्षा सेवा के वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के स्तर-II में 'अनुक्रम नियम के अधीन' तदर्थे आधार पर की गई नियुक्ति उपर्युक्त पैरा 1 में उल्लिखित तारीखों से नियमित हो गई है।

- (1) प्रशा०/1/1172/1/1 (पी० सी०-II) दिनांक 19-2-1982
- (2) प्रशा०/1/1172/1 (पी० सी०-II) दिनांक 16-7-1982
- (3) प्रशा०/1/1172/1 (पी० सी०-II) दिनांक 1-9-1982
- (4) प्रशा०/1/1172/1/1 (पी० सी०-II) दिनांक 1-9-1982

सं. प्रशा०/1/1172/1/जिल्द-1—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के एक अधिकारी श्री एस० मल्लक की उक्त सेवा के वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के स्तर-II। (मान-2250-125-2-2500) में तदर्थे आधार पर की गई नियुक्ति को अधिसूचित करने वाली इस विभाग की अधिसूचना सं. 86016 (16)/78 प्रशा.-I, दिनांक 20-7-79 को रद्द करते हुए

श्री एस. मलिक की उसी ग्रेड से स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए दिनांक 15-9-78 से, 'अनुक्रम नियम के अधीन', आगामी आदेश पर्यन्त, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं. प्रश्ना./1/1172/1/जिल्हा-।.—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के एक अधिकारी श्री एस. एस. शुक्ला को उक्त सेवा के वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के स्तर-।।। (मान रु. 2250-125/2-2500) में दिनांक 20-3-78 से काल्पनिक आधार पर आगामी आदेश पर्यन्त, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं. प्रश्ना./1/1172/1/जिल्हा-।.—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के एक अधिकारी श्री एस. एस. शुक्ला को उक्त सेवा के वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के स्तर-।।। (मान रु. 2250-125/2-2500) में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए की गई नियुक्ति को अधिसूचित करने वाली इस विभाग की अधिसूचना सं. 86016(15)/77/प्रश्ना.-।।। दिनांक 24-7-78 को आशोधित करते हए श्री एस. एस. महेता की उसी ग्रेड में दिनांक 12-11-79 से आगामी आदेश पर्यन्त स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त करते हैं।

राष्ट्रपति, श्री एस. एस. महेता की भारतीय रक्षा लेखा सेवा के वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के स्तर-।।। में दिनांक 26-6-78 से 11-11-79 तक की गई स्थानापन्न नियुक्ति को भी तदर्थ आधार पर की गई नियुक्ति के स्पष्ट में रंगर्हच मानते हैं।

दिनांक 29 सितम्बर 1982

सं. प्रश्ना./1/1419/4/जि -।.—श्री नी. पी. जेन की भारतीय रक्षा लेखा सेवा के ग्रुप 'क' के विभिन्न नम्रतान में दिनांक 29-5-1982 से प्रृष्ठि कर दी गई है।

रविन्द्र कृष्णराम आधार
रक्षा लेखा अपर महा नियंत्रक (प्रश्ना.)

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्डनैस्स फौटोट्रियो सेवा

आर्डनैस्स फौटोट्रियो नोड-

कलकत्ता, दिनांक 30 सितम्बर 1982

सं. 44/जी/82.—वार्धक्य निवृत्ति आयु ताप्त कर, श्री बी. के. भट्टाचार्यी, स्थायक निदेशक, (सौरिक एवं स्थायी फोरमन/स्टाफ असिस्टेंट) दिनांक 31 अगस्त, 1982 (प्रपराह्न) से सेवा निवृत्त हो।

श्री. के. महेता
निदेशक/स्थापना

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली-1, दिनांक 18 सितम्बर 1982

सं. ए-17011/68/74-प्र.-6.—राष्ट्रपति ने पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में स्थायक निदेशक निरीक्षण (इन्जीनियरी) (भारतीय निरीक्षण सेवा समूह 'ए'

इन्जीनियरी शास्त्र के ग्रेड ।।।) श्री अनिल गुप्ता को दिनांक 10-9-82 के पूर्वाह्न से 26-11-1982 तक तदर्थ आधार पर अगले आदेश दिए जाने तक इसी महानिदेशालय के नई दिल्ली निरीक्षण में उप निदेशक निरीक्षण (इन्जीनियरी) (भारतीय निरीक्षण सेवा समूह 'ए') इन्जीनियरी शास्त्र के ग्रेड ।।। के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है। यह नियुक्ति मुख्यालय में उप निदेशक निरीक्षण श्री डी. बी. जैन जो दिनांक 26-11-1982 तक प्रशिक्षण पर लैदून गए हैं के स्थान पर की गई है।

श्री अनिल गुप्ता की तदर्थ नियुक्ति से उन्हें नियमित नियुक्ति के लिए वावा करने का कोई हक नहीं होगा और उनके द्वारा कोई वाली इस विभाग की अधिसूचना सं. 86016(15)/77/प्रश्ना.-।।। दिनांक 24-7-78 को आशोधित करते हए श्री एस. एस. महेता की उसी ग्रेड में दिनांक 12-11-79 से आगामी आदेश पर्यन्त स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त करते हैं।

न. म. पेरूमाल

उप निदेशक (प्रशासन)

कृत महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

(प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली-1, दिनांक 4 अक्टूबर 1982

सं. प्र.-1/1(1196)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एवं द्वारा नियमित अधिकारियों को दिनांक 6-9-82 (पूर्वाह्न) से पूर्णतः स्थानीय तदर्थ आधार पर अल्प अवधि की नियुक्तियों में पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायता निदेशक (ग्रेड ।।।) के रूप में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं:—

क्रम संख्या नाम तथा पदनाम

- | | | |
|----|---------------------------|-------------------------|
| 1. | श्री एच. जी. बालचन्द्रानी | कौनिष्ठ क्षेत्र अधिकारी |
| 2. | श्री जी. एस. शर्मा | वही |
| 3. | श्री राजिन्द्र प्रसाद | वही |

उपरोक्त अधिकारियों की सहायक निदेशक (ग्रेड ।।।) के रूप में तदर्थ नियुक्ति से उन्हें नियमित नियुक्ति के लिए वावा करने का कोई हक नहीं मिलेगा और उनके द्वारा कोई गई तदर्थ सेवा उस ग्रेड में वरीयता-तथा पवालन्ति और स्थायीकरण की प्रतीक्षा के लिए नहीं गिनी जायेगी।

एस. एल. कपूर

उप निदेशक (प्रशासन)

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 सितम्बर 1982

सं. 7 (175) 58-एस. आई—श्रीमती बी. घोकटरमन, वार्धक्य निष्पादक, आकाशवाणी, मद्रास 31 अगस्त, 1982 के अपराह्न से सुरक्षारी सेवा से स्वेच्छा से सेवा निवृत्त हो गयी है।

विनांक 29 सितम्बर 1982

सं० 3/6/81—एस०-3 (भाग-3) —निम्नलिखित वरिष्ठ इंजीनियरी सहायकों ने अपनी पदोन्नति होने पर आकाशवाणी/दूरदर्शन के विभिन्न कार्यालयों में अस्थायी क्षमता में उनके नाम के सामने दी हुई तारीखों से सहायक इंजीनियर के पदों का कार्यभार संभाल लिया है :—

क्र०	नाम	तैनाती का केन्द्र	कार्य ग्रहण करने की तारीख
सर्वश्री			
1.	एच० पी० माथुर	मुख्य इंजीनियर (उत्तरी क्षेत्र)	23-8-1982
2.	एस० एम० मुखर्जी	"	1-9-1982
3.	संत प्रकाश	"	6-9-1982
4.	धी० कृष्णन	"	28-8-1982
5.	मोहन लाल	"	31-8-1982
6.	एन० के० भट्टनागर	"	2-9-1982
7.	एम० एस० राव	"	26-8-1982
8.	डी० सी० साहा	आ०, कलकत्ता	20-9-1982
9.	एच० एम० चावला	केन्द्रीय भौंडार	30-8-1982
10.	आ० प्रभास	उ० श० प्र० खामपुर	24-8-1982
11.	ए० एन० औषधी	उपग्रह दूरदर्शन केन्द्र, मंडी हाउस, नई दिल्ली	23-8-1982
12.	जी० पी० सक्सेना	दूरदर्शन केन्द्र, नई दिल्ली	21-8-1982
13.	एस० रामलिंगा अग्न्यर	आ०, मद्रास	25-8-1982
14.	पी० राजन	दूरदर्शन केन्द्र, मद्रास	27-8-1982
15.	डी० के० सरकार	आ०, कलकत्ता	26-8-1982
16.	आ० के० करमाकर	आ०, कलकत्ता	27-8-1982
17.	धी० अन्द्रसेष्ठान	आ०, अहमदाबाद	31-8-1982
18.	जी० प्रभाकरन नायर	दूरदर्शन केन्द्र, कट्टक	23-8-1982
19.	पी० आ० के० रेड्डी	दूरदर्शन उपग्रह केन्द्र, हैदराबाद	23-8-1982
20.	टी० एस० तुकाराम	आ०, गोहाटी	28-8-1982
21.	एस० श्रीनिवासन	उपग्रह दूरदर्शन केन्द्र, हैदराबाद	26-8-1982
22.	जी० गोपाल राव	उपग्रह दूरदर्शन केन्द्र, रायपुर	31-8-1982
23.	श्रीमती राजलक्ष्मी	आ०, कलकत्ता	2-9-1982
24.	जे० पी० अग्रवाल	योजना एवं विकास एकक	23-8-1982
25.	समर्जीत सिंह	दूरदर्शन केन्द्र, श्रीनगर	27-8-1982
26.	उधम सिंह	"	27-8-1982
27.	के० धी० मर्मा	आ०, बम्बई	30-8-1982
28.	ए० के० धोष	आ०, अम्बिकापुर	27-8-1982
29.	आ० के० पी० सिन्हा	आ०, दरभंगा	31-8-1982
30.	एन० अग्निप्रसन्न	मुख्य इंजीनियर (दक्षिण क्षेत्र)	8-9-1982
31.	आ० पी० मुजाल	दूरदर्शन केन्द्र, जालन्धर (अपरात्मा)	6-9-1982
32.	गुरमोहर वर्मा	दूरदर्शन केन्द्र, दिल्ली	31-8-1982
33.	पी० एल० गुप्ता	दूरदर्शन केन्द्र, तर्फ़िल्ली	31-8-1982
34.	जी० श्रीनिवासन	मुख्य इंजीनियर (दक्षिण क्षेत्र)	13-9-1982
35.	डी० एफ० यियोडोर	मुख्य इंजीनियर (दक्षिण क्षेत्र) (अपरात्मा)	10-9-1982
36.	धी० एल० धवन	प्रस्तुत्यान विभाग	25-8-1982

1 2

3

4

सर्वश्री

37. जी० पी० बागवरी	दूरदर्शन केन्द्र, लखनऊ	28-8-1982
38. एच० के० मिश्रा	"	28-8-1982
39. पी० एस० बस्सी	ग्राम कास्टिंग हाउस, नई दिल्ली	23-8-1982
40. भगत सिंह	"	23-8-1982
41. के० आर० रामलिंगम	आ० बम्बई	17-9-1982
42. वाई० एम० सहगल	उ० श० प्र० ज्ञामपुर	31-8-1982
43. दर्शन सिंह	दूरदर्शन केन्द्र, जालन्धर	10-9-1982 (अपराह्न)
44. एच० बी० मुखर्जी	दूरदर्शन केन्द्र, नई दिल्ली	11-9-1982

सी० एस० भसीन,
प्रशासन उपनिवेशक
कृते महानिवेशक

नई दिल्ली, दिनांक 29 सितम्बर 1982

सं. 29/5/81-एस.-2—महानिवेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री गणेशेष्वर को आकाशवाणी, धारवाड में दिनांक 12-5-1982 (पूर्वाह्न) से फर्म रोडियो अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

सं. 4/6/82-एस-2—महानिवेशक आकाशवाणी, एतद्वारा श्री कृष्ण कृष्ण कृष्ण सिंह वरिष्ठ अनुवावक, शिक्षा निवेशालय वायु सेना मुख्यालय को प्रतिनियुक्ति पर 17 सितम्बर 1982 से केन्द्र निवेशक के कार्यालय, रोडियो काशीर, श्रीनगर में रु. 650-30-740-35-810 व. रो.-35-880-40-1000 व. रो.-40-1200 के बेतनमान में तदर्थ आधार पर हिन्दी अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

एस. वी. सेषाद्री
प्रशासन उपनिवेशक
कृते महानिवेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिवेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 17 सितम्बर 1982

सं. ए. 12025/6/81-एन. आई. सी. डी. प्रशा-सम-1—राष्ट्रपति ने डा. के. एन. टंडन को 24 मई, 1982 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान (एन. आई. सी. डी.) विली में, पश्चिमित्रा अधिकारी के पद पर अस्थाई आधार पर नियुक्त कर दिया गया है।

टी. सी. जैन
उपनिवेशक प्रशासन (ओ. एंड एस.)

नई दिल्ली, दिनांक 25 सितम्बर 1982

सं. ए. 12026/7/82-डी.—राष्ट्रपति ने श्री एस. के. देसाई औषधि निरीक्षक, केन्द्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन, पश्चिमी क्षेत्र, बम्बई को 8 सितम्बर, 1982 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक सहायक औषधि नियंत्रक (भारत) बम्बई के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

शिव दयाल
उपनिवेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 30 सितम्बर 1982

सं. ए. 19018/1/82-सी. जी. एच. एस.-1—केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना पूर्ण में बदली हो जाने के फलस्वरूप डा. (श्रीमती) इन्द्रा आर्य ने 1 सितम्बर, 1982 अपराह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली के अधीन होम्योपैथिक फिजीशियन के पद का कार्यभार छोड़ दिया तथा 13 सितम्बर, 1982 पूर्वाह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना पूर्ण के अधीन होम्योपैथिक फिजीशियन के पद का कार्यभार सम्भाल लिया है।

टी. एस. राव
उपनिवेशक प्रशासन (सी. जी. एच. एस.)

उत्काष्ठन प्रशिक्षण केन्द्र परियोजना

दहरादून, दिनांक 29 सितम्बर 1982

संस्था 6-237/82-ली. प्रो.—श्री वी. एस. बग्गवाल अनुसंधान सहायक, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, दहरादून की दिनांक 1 सितम्बर 1982 (पूर्वाह्न) से प्रकाष्ठ-निष्कासन केन्द्र परियोजना, दहरादून में प्रकाष्ठ निष्कासन अनुप्रेशक के पद पर अस्थाई रूप से नियुक्ति की जाती है।

के. सी. धर्मियाल
मूल्य कार्यपालक अधिकारी

शमीण विकास भंत्रालय

विपणन एवं निरीक्षण निवेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 29 सितम्बर 1982

सं. ए-19023-10-81-प्र.-111—इस निवेशालय के अधीन फरीदाबाद में विपणन अधिकारी (वर्ग-1) के पद पर श्री ई. एस. पालूज, की तदर्थ नियुक्ति को 3 महीने की अवधि के लिए 26-12-1982 तक या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जा ता है, दोनों में से जो भी पहले हो बढ़ाया गया है।

सं. ए-19023-3-82-प्र.-111—इस निवेशालय के अधीन बंगलादेश में विपणन अधिकारी (वर्ग-1) के पद पर श्री एन.

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स भोपाल प्रिन्टर्स एंड
प्रिलिशर्स प्रायवेट लिमिटेड भोपाल के विषय में
ग्वालियर, दिनांक 29 सितम्बर 1982

मं. 964/सी. पी./2253--कम्पनी अधिनियम, 1956
की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसारण में एतदृश्याः यह
सूचना दी जाती है कि इस तारीख में तीन मास के अवसान पर मैं

भोपाल प्रिन्टर्स एंड प्रिलिशर्स प्रायवेट लिमिटेड का नाम इसके
प्रतिकूल कारण विरुद्ध न किया गया तां रजिस्टर में कोट दिया
जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

सरन्द कमार सक्सेना
कम्पनी रजिस्ट्रार
मध्य प्रदेश, ग्वालियर,

प्रस्तुप आई दी ज्ञ ।।८ ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
वाग 269-व (1) के अधीन मच्चा।

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, विहार, पटना
पटना, दिनांक 16 सितम्बर 1982

निवेश सं० iii 583/अर्जन/82-83—अतः मुझे, प्रबोध
कुमार दुबे,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
₹25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० वसिका के अनुसार कृष्ण प्रवाश रोड,
है तथा, जो पुरानी गोदाम, जिला गया में स्थित है (और इसमें
उपांबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय गया में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25 जनवरी, 1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, हमेसे रूपमान प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एंगों अन्तरण के लिए तथा एया नया प्रति-
फल निम्नलिखित रूपमें भी ३०-३०% तक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर धने के अन्तरक के
साथसाथ उन्हें कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्यों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमति गत्यभामा देवी जीजे श्री राधा रमन दाम
पा० १५८८८, थान दिशीरा, जिला छपरा
उत्तराखण्ड पता सा० ३० झोग नगर थाना विहारशाही
जिला नाम्बदा।

(अन्तरित)

(2) श्रीमती ललिता देवी जीजे श्री केदार प्रमाद अग्रवाल
(वा०) श्री विनय कुमार बल्द श्री केदार प्रमाद
अग्रवाल (मा०) श्री उमा शंकर प्रमाद बल्द श्री केदार
प्रमाद अग्रवाल यमी निवासी के० पा० रोड जिला
गया।

(अन्तरिती)

(3) (ए) श्री लक्ष्मी माव (किरायेदार) (बी) श्री राम-
चन्द्र माव ("") (सं०) अंतरिती, ममी निवासी के०
पा० रोड, गया।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस दूनत के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन तक भीतर उक्त शावर सम्भाली में वित्तबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृश आश्री के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन मय दो मंजिला मकान जिमका रक्का 1380
वर्गफीट है तथा जो के० पी० रोड गया में स्थित है तथा
पूर्ण रूप में बमिका सं० 1417 दिनांक 25-१-८२ में वर्णित
है तथा जिसका निबंधन जिला प्रबाल निबंधक पदाधिकारी,
गया द्वारा समझ दुआ है।

प्रबोध कुमार दुबे,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, विहार, पटना

दिनांक : 16-९-1982

मोहर :

प्रबोध बुमार दौ. एन एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 16 मितम्बर 1982

निवेश सं० III 582/अर्जन/82-83-अत. मुझे, प्रबोध
कुमार दुबे,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (1) से इसमें
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा
269-य के अधीन मध्य प्राप्ति गारी को, उक्त विवास के ने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनमें उचित बाजार पूँजी
25,000/- रुपये में अधिक है।

ओर जिनकी सं० खाता सं० 46, एलाट नं० 70, आना सं० ५,
तोर्जे सं० 2495 वाई सं० ५ हैं नथा जो गोदा आलमगढ़पुर,
स्वराज्यपुरा रोड़, थाना मिविल लालगंग, फिल, गया में स्थित हैं
(ओर इसमें उपावड़े अनुभूति में ओर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रेशन अधिनियम के कार्यालय गया में रजिस्ट्रेशन
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) वे अध्यन दिनांक 18
जनवरी, 1982।

ओर पूर्वोक्त सम्पत्ति उचित बाजार मूल्य में उक्त प्रतिकल ५ लिए प्रत्यन्तिन की गई है ओर मुझे यह विवरण
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल ये, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह
प्रतिशत से पर्याप्त है ओर अन्तरक (अन्तरकों) ओर अन्तरिति
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नया पाया गया
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धारण
में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है। -

(क) अन्तरण नहीं किसी आय की आवत, उक्त शोध-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दागिने
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
ओर/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तिरुती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) 1. श्री मुख्यदेव महतो बल्द स्वर्गीय श्री नन्हे महतो
2. कुष्ठदेव महतो बल्द श्री मुख्यदेव महतो सा०
मोहना दिवो जानाव शहर गया प०० शहर गया।
(अन्तरक)

(2) मैसर्म के० एल० गुप्ता एंड कं० (रजिस्टर्ड फर्म)
महत्वा० स्वराज्यपुरा रोड थाना मिविल लालगंग,
जिला गया पार्टनर द्वारा 1. सर्वश्री अर्जुन प्रमाद
2. किशोरीलाल गुप्ता 3. आलक्षण गुप्ता सभी निवासी
स्वराज्यपुरी रोड थाना सिंचन लालगंग जिला गया।
(अन्तरिति)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरनी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मृश्वाली

परता जमान जो हैंट सिमेंट से घिरा हुआ है एवं जिसका
रुक्का 139×70 वर्ग फॉट मोहना आलमगढ़पुर, स्वराज्यपुरा
रोड थाना मिविल लालगंग में स्थित है एवं पूर्ण रूप से वसिका
सं० 970 दिनांक 18-1-1982 में वर्णित है एवं निवासन
जिला अवर निवासन पदाधिकारी गया द्वारा सम्म पुँजी है।

प्रबोध बुमार दुबे,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

दिनांक: 16-9-1982

मोहर:

प्रस्तुत बाई. टी. एम. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 16 सितम्बर 1982

निर्देश सं. III 581/अर्जन/82-83—अतः मुझे, प्रबोध
कुमार दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सधम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर गम्भीर, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 507,

सर्वे प्लाट सं. 54 होल्डिंग सं. 0 का भाग 116/108/117ए,
वाई सं. 34, सर्किल सं. 249 है तथा जो बोरोंग कनाल रोड
थाना श्रीकृष्णपुरी जिला पटना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी
के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक 7 जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिशत का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री विकाश जैन बल्द श्री के० एन० जैन निवासी
बैंक रोड, गांधी मैदान के नजदीक, जिला पटना।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रामकली देवी जोजे श्री कारू प्रसाद सा०
रेड्डो पोस्ट चमरबोगहा भाया हिलसा जिला
नालन्दा वर्तमान पता बारोंग कैनाल रोड, थाना
श्रीकृष्णपुरी जिला पटना।

(अन्तरिती)

(3) 1. एक कमरा श्री बालेश्वर राम (किराएदार)
2. एक कमरा डा० ए० ओस, एम० बी० रिटायर्ड
असिस्टेंट सिविल सर्जेन
3. एक कमरा डा० एस० के० घोष
एम० बी० एस०

4. एक फार्मेसी

और 3 कमरा श्री कारू प्रसाद

सभी लोग बोरिंग कनाल रोड पटना-800001 के निवासी
हैं। वह व्यक्ति जिसके अधियोग में सम्पत्ति है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कहाँ भी आशेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख भी
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की मासीन सं. 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं.
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबुद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन मय एक मंजिला पक्का भकान जिसका रकबा
1 कट्ठा 18.7 धुर है तथा जो बोरींग कैनाल रोड, थाना
श्रीकृष्णपुरी जिला पटना में स्थित है तथा पूर्ण रूप से वसिन
सं. 172 दिनांक 7-1-82 में वर्णित है तथा जिसका निवंधन
जिला अवर निबंधक पदाधिकारी पटना द्वारा सम्पन्न हुआ है।

प्रबोध कुमार दुबे,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

दिनांक : 16-9-1982

मोहर :

प्रस्तुत माइंटी.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 16 सितम्बर 1982

निर्देश सं. III 585/अर्जन/82-83—ग्रन्त: मुझे, प्रबोध
कुमार दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. खाता सं. 34 एवं 49 प्लाट सं. 1111
एवं 1112 थाना सं. 196 है तथा जो ग्राम खोरा टोली
थाना एवं जिला रांची में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय खुटी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 29 जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिहे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

ग्रन्त: मग, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स मिनीमैक्स लिमिटेड, कोकर जिला रांची
द्वारा प्रभारी मिस्टर मी. बी. हिन्टन।

(अन्तरक)

(2) सेलशियमस आंफ डॉन बेस्को सोसाइटी हेसाग,
थाना, धुम्रा जिला रांची द्वारा श्रद्धेय फादर जोसेफ
केशा लकरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करना है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षय ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि आद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन मधाजी रकबा 1. 42 एकड़ जो ग्राम खोरा टोली,
कोकर, थाना एवं जिला रांची में स्थित है तथा पूर्ण रूप से
वसिका मं. 93 दिनांक 29-1-82 में वर्णित है तथा जिसका
निबन्धन अबर निबन्धक पदाधिकारी खुटी द्वारा सम्पन्न हुआ
है।

प्रबोध कुमार दुबे,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बिहार, पटना

दिनांक : 16-9-1982
मोहर :

प्रकाश नाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 16 सितम्बर 1982

निर्देश सं० III 584/अर्जन/82-83—अंतः मुम्भे, प्रबोध
कुमार दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खाता सं० 116, प्लाट सं० 1059 होल्डिंग
सं० 11 है तथा, जो मौजा करनडोह, चम्पारोड़, प्रथम नगर
थाना परसुडीह, जमशेदपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्न अधिकारी के
कार्यालय जमशेदपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक. 4 जनवरी, 1982
को पूर्णकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वकृत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, एसे दृष्टमान प्रतिफल का
पूर्व प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के भीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूर्छ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए;

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तीयों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती हुवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः उक्त अधिनियम, की भारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती रेवा दास जौजे श्री मुरेश चन्द्र दास निवासी
39 मेन रोड़, प्रथम नगर, थाना परसुडीह, जमशेदपुर
(अन्तरक)

(2) श्रीमती मुझा राय चौधरी जौजे श्री पी० के० राय
चौधरी निवासी 11 चम्पा रोड़, प्रथम नगर, थाना
परसुडीह, जमशेदपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर उक्त सूचना
की तारीख म 30 दिन की अवधि, जाँ भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्त-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकते।

लक्ष्यकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मन्त्रसूची

जमीन मय एक मंजीला पक्का मकान जिसका रकबा
6 कटठा है तथा जो प्रमध नगर चम्पा रोड़, थाना परसुडीह,
जमशेदपुर में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से विसका सं० 2
दिनांक 4-1-82 में वर्णित है एवं जिसका निवंधन अवर
निवंधक पदाधिकारी जमशेदपुर द्वारा सम्पन्न हुआ है।

प्रबोध कुमार दुबे,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

दिनांक : 16-9-1982

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० ७०० एम०---

श्रावकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, पहाड़क श्रावकर श्रावकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, विनांक 11 सितम्बर 1982

श्रादेश सं० राज०/सहा० श्रा० अर्जन/1303 अतः मुझे,
मोहन सिंह,

श्रावकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इससे परवा 'प्राप्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के प्रधीन नन्तर प्राप्ति द्वारा नो प्रद विश्वास रुने का नारा है कि
स्थावर समाति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से प्रधिक है

और जिसकी सं० के-8 ए० है तथा जो जयपुर
में स्थित है (और इससे उपालब्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, जयपुर
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के प्रधीन दिनांक 23 जनवरी, 1982

पूर्वोक्त समाति के उचित बाजार मूल्य से इस के दृश्यमान प्रतिक्रिया
के लिए प्रतिरिक्षण की गई है और नुस्खे ग्रद विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त समाति ना उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल में, ऐन दृश्यमान प्रतिक्रिया का एवं दृष्टि प्रतिशत से व्यधिक है
और अन्तररु (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) न
बीच ऐसे अस्तरण न निर्णय नया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
द्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है।—

(क) प्रन्तरण में हई इसी श्रावकर वाचन, उक्त प्रधि-
नियम के प्रधीन कर दें न अन्तरक द्वायित्र में
कमी करने या उसी वचने में सुनिश्चित के लिए;
ओर/या

(ख) ऐसो किसी श्रावकर प्राप्ति वाचन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें सारोवर श्रावकर प्रधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
उनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रपोजनाथ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना जाहिए था, छिपाने
में विविध के लिए;

नन्तर, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के
प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :—

(1) श्री किशनबन्द गौधूमन, हरीदास मेन्शन,
एम० आई० रौड जयपुर

(अन्तरक)

(2) श्री लोकमन, अर्जुनदास के लिए,
के-8ए फतेहटीबा, जयपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके 'र्वेंग ममति' के ग्रन्त के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त समाति के अर्जन के प्रत्यक्ष में होई थी आशेष :—

(क) इस सूचना न राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या उत्तमत्वात्मी अक्षितयों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के बीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोक्षस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्वष्टोकरण—इसमें प्रपुक शब्दों और पदों ना, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बड़ा
अर्थ होंगा, जो उन प्रधारण में दिया गया है।

अनुसूची

के-8ए फतेहटीबा, जयपुर का एक भाग जो उप पंजियक
जयपुर, द्वारा कम संख्या 85 दिनांक 23-1-82 पर पंजिबद्ध
विक्रय पत्र में ओर विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रावकर श्रावकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 11-9-82

मोहर :

प्रस्तुप आहू. टी. एन. एस.-----

(1) श्री आत्माराम गोधूमल, हरदाम मन्नन, प्रमो अर्ड० नोड, जयपुर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) मोहनदास के लिए श्री लोकूमल, के-8 ए फेहटीबा, जयपुर।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 सितम्बर 1982

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/1304—यतः मुझे,
मोहन सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सभी समाप्त प्राधिकारी को, यह विवाद करने के
कारण है कि इवावर संगठित वित्तीय बाजार मूल्य 26,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० के-8 ए है तथा जो जयपुर में स्थित है,
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 23
जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंचह
प्रतिवात से अधिक है और उक्त अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अंतरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए;
योर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अर्थ आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या छनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना आदी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधी या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधी, जो भी
अवधी बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एव्वलीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मामूली

के-8 ए फेहटीबा, जयपुर की सम्पत्ति का एक भाग जो
उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 86 दिनांक 23-1-82
पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में श्री विस्तृत रूप से विवरित है।

मोहन सिंह,
सधम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 11-9-1982

मोहर :

प्रस्तुप आहे दी एन.एस.-----

(1) श्रीमती रुक्मणी हरदासमल, हरदास मेन्सन, एमो
मार्हें फेव जयपुर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना(2) माहनदाम के लिए श्री लोकमल, के-8 ए फतेहटीबा,
जयपुर।

(अन्तरिमी)

भारत संघकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 सितम्बर 1982

निर्देश सं० राज०/महा० आ० अर्जन/1305—यतः मुझे,
मोहन सिंह,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० के-४ ए है तथा जो जयपुर में स्थित है,
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 23
जनवरी, 1982को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिकृति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिमी
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हृहै किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या वस्त्र आस्तियों
को, जिसके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकाट नहीं किया गया
था या किया जाना आहे था, लिपाने में सुविधा
के लिए।

अनुसूची

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तिया पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी वस्त्र व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।के-४ ए फतेहटीबा, जयपुर पर स्थित मकान सम्पत्ति का
भाग, जो उप पञ्चिक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 92 दिनांक
23-१-८२ पर पञ्चिक विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप
में विवरित है।मोहन सिंह,
मश्रम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन रेंज, जयपुर

दिनांक 11-9-1982

मोहन .

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
3-296GT/82

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आर्थिलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 सितम्बर 1982

निर्देश सं. राज०/सहा० आ० अर्जन/1308—यतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. के-8 ए है तथा जो जयपुर में स्थित है,
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 23
जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तथा पाथा गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कीथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृद्द किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(छ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अविस्तरों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती किशन बाई, विन्द बाई, रुक्मणी, मात्माराम
एवं किशनबन्द, हरदास मेन्सन, एम० आई० रोड,
जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री लाकूमल घनश्यामदास, के 8 ए फतेहटीबा,
जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मन्त्रसूची

के-8 ए फतेहटीबा, जयपुर स्थित मकान सम्पत्ति का एक
भाग जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम मंड्या 93 दिनांक
23-1-82 पर पंजिबज विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से
विवरित है।

मोहन सिंह,
मकान प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 11-9-1982

मोहर:

प्रस्तुत आहे. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 सितम्बर 1982

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/1323—पतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० के-2 है तथा जो जयपुर में स्थित है,
(और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 23
जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं० कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती कमला रानी पत्नि सरदार कर्म सिंह निवासी
के-2, केशवपथ अशोक मार्ग, सी-स्कीम जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती लीलावती अजमेरा पत्नि स्व० श्री के०
सी० अजमेरा, निवासी मोती सिंह भोमियां का रास्ता,
जयपुर।

(अन्तरिक्षीय)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्रमणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को लाभील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में दिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

पूर्वी की तरफ आधा भाग, प्लाट नं० के-2, केशवपथ,
सी-स्कीम, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या
1 दिनांक 23-1-82 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत
रूप से विवरित है।

मोहन सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 11-9-1982

मोहरः

महान् बाहौद. दौ. इन्. पट. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायोरुक (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 10 सितम्बर 1982

निर्देश मं० राज०/सहा० आ० अर्जन/1348—यत. मुझे, मोहन
सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० मकान है तथा जो जयपुर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्स
अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 23 जनवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए, अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इसकी की आय की बाबत उक्त अधिनियम के वधीन कर देने के अन्तरक के दृश्यमान में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
जीरु/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री माधी राम कंपर राठोड़ पत्नी स्वर्गीय श्री मोहन
सिंह, पृष्ठीगांज रोड, मी-स्कीप, जयपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री लगचन्द्र पुत्र निहाल चन्द, आमेर रोड, जयपुर ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरनी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और परां का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सिवाड़ हाउस का भाग, पुरानी आमेर रोड, जयपुर जो
उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 11 दिनांक 23-1-1982
पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप में विवरित है।

मोहन सिंह,
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

दिनांक : 10-9-1982

माहर :

प्रस्तुत बाह्य. टी. एम्. एवं. ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 सितम्बर 1982

आदेश संख्या : राज०/महा० आ० अर्जन/1347—यतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृष्ठात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीष्म जिसकी सं० प्लाट न० के-2 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 23 जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के तिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तर्रारिती) के बीच एसे अन्तरण के तिए तथा पाया गया प्रतिफल अन्तरित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुइं किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आविष्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अस्तारीती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ——

(1) श्रीमती कमला रानी फली सरदार करम सिंह निवासी के-2, केशवपथ अशोक मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री रतनलाल माणक चन्द जैन एच० य० एफ० जरिए माणक चन्द जैन कर्ता खानदान निवासी 9/2 एक खेलात घोष लेन, कलकना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनूसूची

, प्लाट में० के-2, केशवपथ, सी-स्कीम, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 2 दिनांक 23-1-1982 पर पंजिकद्वय विक्रय पत्र में ग्रीष्म विस्तृत रूप से विवरित है।

मोहन सिंह,
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

दिनांक : 11-9-1982

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 16) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रजन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 10 सितम्बर 1982

आदेश सं० : राज०/सहा० आ० ग्रजन/1349—यतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान का भाग है तथा जो जयपुर में
स्थित है, (और इससे उपाखद्वा अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय जयपुर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक, 23 जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं० कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिरी
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हट्टे किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में संविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए।।।

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाग (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री माझी राज कंवर राठोड़ पत्नी स्वर्गीय श्री
सोनल सिंह पृथ्वीराज रोड़, सी-स्कीम, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रामा देवी पत्नी श्री गौरी शंकर एवं
श्रीमती गीता देवी पत्नी प्रेम शंकर, बादशी का
नासिक, जयपुर।

(अन्तरिरी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधिकाल में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सिवाल हाउस का भाग, पुरानी आमेर रोड, जयपुर जो
उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 12 दिनांक 23-1-82
पर पंजिबाल विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरित है।

मोहन सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रजन रेंज, जयपुर

दिनांक : 10-9-1982

मोहन

प्रस्तुति आर्ह, टी. एन. एम. -----

(1) श्री माजी राज कंवर राठोड़ पल्ली रघुर्णीय श्री सांवत मिह, पृथ्वीराज रोड़, मी-स्कीम, जयपुर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

(2) श्री घासीलाल, लल्लूलाल, केलाशचन्द पुत्रान श्री माधोलाल निवासी रामगढ़ जिला जयपुर।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 10 सितम्बर 1982

आदेश संख्या : राज०/सहा० आ० अर्जन/1350—यतः मुझे,
मोहन सिंह,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० मकान का भाग है तथा जो जयपुर में
स्थित है, (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्स अधिकारी के कार्यालय जयपुर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक, 23 जनवरी, 1982।को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निवित में
द्रास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से ही किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में संविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, लियाने में संविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों भें से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त पद्धतों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूसूची

सिवाड हाउस का भाग, पुरानी आमेर रोड, जयपुर जो
उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 15 दिनांक 23 जनवरी,
1982 पर पंजिकद्वय विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरित
है।मोहन सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 10-9-1982

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एग.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर.

जयपुर, दिनांक 10 सितम्बर 1982

आदेश संख्या : गज०/सहा० आ० अर्जन/1351—यतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-घ के अधीन संक्षेप प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मूल मकान का भाग है तथा जो जयपुर में स्थित है,
(और इससे उपावद्ध अनुमूली में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 23
जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि दृश्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उदाहरण में उक्त अंतरण निर्दिष्ट
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुधारा
के लिए; और/या

(ल) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूविधा
के लिए।

मत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री माली राज कंधर राठोड़ पन्नी स्वर्गीय श्री सावन
भिंह, पृथ्वीगां रोड़, गो-ग्वाम, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) मोहनमद रफीक अहमद, मिश्राड हाउस, आमेर
रोड़, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय शूल करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में 'प्रकाशन' की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबूध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वा पास
तिवित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त संबंधों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मोहन सिंह

उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 3 पर दिनांक 23-1-82
को पंजिकाल विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरित है।

मोहन सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 10-9-1982

मोहर :

प्रस्तुति आहे. दो एव. एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(1) माझे राज कावर राठोड़ पनी रवर्गीय श्री मांसल
मिह, पृथ्वीराज रोड, सी-स्कीम, जग्पुर।

(2) अद्वृत शकुर खां, मोहल्ला नलवन्दन, जग्पुर।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (नियंत्रण)

अर्जन रेज, जग्पुर

जग्पुर, दिनांक 10 सितम्बर 1982

आदेश संख्या : राज०/सहा० आ० अर्जन/1352—यतः मुझे,
मोहन मिह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान का भाग है तथा जो जग्पुर में स्थित
है, (ओर इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय जग्पुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
23 जनवरी, 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण निर्धारित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अंतरण से हृद्दे किसी आय की आबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर हने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहित
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जित्हे भारतीय आदकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, इधाने में सहित
के लिए।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

मन्त्री

मिशन हाउस का भाग, पुरानी आमेर रोड, जग्पुर जो
उप पञ्चायक, जग्पुर द्वारा क्रम संख्या 4 दिनांक 23-1-82
पर पंजीबढ़ विक्रय पत्र में श्रीरविस्तृत रूप में विवरित है।

मोहन सिह,

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (नियंत्रण)
अर्जन रेज, जग्पुर

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की/ उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकारी :—

प्रस्तुता आई १८ दी १९८० एन० ५८०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 10 मिन्हम्बर 1982

आदेश संख्या : राज०/सहा० आ० अर्जन/1353—यतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसमें पृष्ठात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा २६९-
घ के अधीन संख्या प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० मकान का भाग है तथा जो जयपुर में
स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक, 23 जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दद्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमें यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दद्यमान प्रतिफल से ऐसे दद्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाथा गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप में कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृङ्कै किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के व्यायित्र में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

सियाड हाउस का भाग, पुरानी आमेर रोड, जयपुर जो
उप पंजिक, जयपुर द्वारा कम संख्या 5 दिनांक 23-1-82
पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरित है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्व आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 77) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए;

मोहन सिंह,
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, भूमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) माजी राज कंवर राठौड़ पत्नी स्वर्गीय सोदन सिंह,
पृथ्वीराज रोड सी-स्कीम, जयपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अखनगी बेगम, मिवाड़ हाउस, आमेर रोड,
जयपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
र्याहाह्यों करता है ॥

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) हम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक
बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

दिनांक : 10-9-1982

मोहन :

प्रस्तुत आई ० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 10 सितम्बर 1982

आदेश सं० : राज०/सहा० आ० अर्जन/1354--यतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान का भाग है तथा जो जयपुर में
स्थित है, (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक, 23 जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) एवं बीच एमें अन्तरण के लिए तथा पात्र गत
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से रुचित नहीं किया गया है :--

(1) माजी राज कंवर राठौड़ पत्नी स्वर्गीय श्री सांखल
सिंह, पृथ्वीराज रोड़, सी-स्कीम, जयपुर ।

(अन्तरक)

(2) असगरी बेगम, सिवाड़ हाउस, आमेर रोड़;
जयपुर ।

(अन्तरिती)

क्यों यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर गम्भीर रूप से हिल-
बद्दल किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, उन्हीं अर्थ हैं, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण के हिले किसी वाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए;
और/या

मोहन सिंह

(ख) एसी किसी वाय या धन या अन्य आंसूयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

मिवाड़ हाउस का भाग, पुरानी आमेर रोड़, जयपुर जो
उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 6 दिनांक 23-1-1982
पर पंजिबद्ध विश्वास पत्र में और विस्तृत रूप से विवरित है।

मोहन सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

बतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिति :--

दिनांक : 10-9-1982
मोहन.

प्रेस आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 10 सितम्बर 1982

आदेश संख्या : राज०/सहा० आ० अर्जन/1355—यतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान का भाग है तथा जो जयपुर में
स्थित है, (और डमसे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 23 जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्तमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके उत्तमान प्रतिफल से एसे उत्तमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिंगत में वास्तविक
रूप से कीथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँह किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आविहए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसार
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी—
मोहन सिंह:

(1) माजी राज कंवर राठोड़ पन्नी स्वर्गीय श्री मांवल
सिंह, पृथ्वीराज रोड़, सी-स्कीम, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अनवरी बेगम, सिवाड़ हाउस, पुरानी आमेर
रोड़, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोइँ भी वाक्येष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरान्वी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मोहन सिंह

मिवाड़ हाउस का भाग, पुरानी आमेर रोड़, जयपुर जो
उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 7 दिनांक 23-1-82
पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरित है।

मोहन सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

दिनांक 10-9-1982
मोहन.

प्रेस बाहे. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 मिन्हम्बर 1982

आदेश सं० . गज०/सहा० आ० अर्जन/1356—यतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसने इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाद करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट नं० 2 है तथा जो जयपुर में स्थित है,
(और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 23
जनवरी, 1982

को पूर्णोत्तम सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिक्लिन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विवाद करने का कारण है कि यथापूर्वोत्तम सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्लिन से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिक्लिन का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्लिन, विभिन्निभित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है—

(क) पन्द्रह प्रतिशत की आवा० उक्त अधिनियम, जो अधीन करने के अन्तरक के बायिन्स में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी व्यवय या अन्य आस्तियों
में, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम; या
घनकर अधिनियम 1937 (1957 का 27) के
प्रयोगानन्द अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता था हिस्से में
सुविधा के लिए;

अतः यदि, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनु-
सारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपलब्धा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा—

(1) श्रीमती कमला कुमारी पत्नी श्री कुशाल चन्द्र,
प्लाट नं० 5, एम० एल० ए० क्वार्ट्स के पास, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स रेगिस्टान प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरें व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अन्तरुत्साही
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाधीनकरण ।— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
प्राधिनियम के प्राप्त्याय 20-क में
परिचालित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
प्राप्त्याय में दिया गया है।

मोहन सिंह

प्लाट नं० 2, तिलक मार्ग, अशोक नगर, सी-स्कीम, जयपुर
जो उपपंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 64 दिनांक 23-1-82
पर पंजिकन्द्र विक्रय पत्र में आंश विस्तृत रूप से विवरित है।

मोहन सिंह,
मकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

दिनांक 11-9-1982

मोहर :

प्रसूप नाई, टी. पर. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 सितम्बर 1982

आदेश सं० : राज०/सहा० आ० अर्जन/1360—यतः मुझे,
मोहन सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान का भाग है तथा जो जोधपुर में
स्थित है, (और इससे उपाखद अमूल्यी में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्सी अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक, 18 जनवरी 1982

को पूर्णकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के असमान
प्रतिफल की लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच दूसे अंतरण के लिए इन पाणी गति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी कमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

(1) श्री पुष्पराज पुल श्री हस्तीमल जी पारख, पावर
एफ इंटर्नॉ श्री चान्द करण गर्ग, इडवोकेट, जोधपुर
(अन्तरक)

(2) श्री राहुल जैन पुल श्री सुमेत्रमल, चन्दी हाल, जोधपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्णकृत सम्पत्ति के बर्जन के
लिए कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णकृत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृप्त
किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अशोहस्त्राक्षरी के पास
लिलित में किए जा सकेंगे।

व्यष्टीकरण:—इसमें प्रदूषित शब्दों वार पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जालम विलास ऐरिया जोधपुर में स्थित हाउस का भाग,
जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 726 दिनांक
18-1-82 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से
विवरित है।

मोहन सिंह
गक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, 'निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 13-9-1982

मोहर :

इरुपू शाहै. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जम्पुर

जम्पुर, दिनांक 7 सितम्बर 1982

आदेश भं० : गज०/सहा० आ० अर्जन/1363—यतः मुझे,

मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह दिव्यास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कुछ भूमि है तथा जो जोधपुर में स्थित है,
(और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 18
जनवरी 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भक्ते यह दिव्यास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण निश्चित में
नास्तिक रूप में कठिन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के असरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य बास्तवों
को, जिन्हें लावकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आवश्यक था, जिसमें प्र-
सूचिका के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जति:—

(1) श्री रमेशमल गांधी पुत्र श्री दिव्यास गांधी द्वारा
मैमर्स जोधपुर के मीकम डण्डस्ट्रीज, जोधपुर
(अन्तरक)

(2) मारवाड़ गृह निर्माण समिति, जोधपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्बति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई श्राद्धेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है :

अनुसूची

कुछ भूमि 31 बीघा 3 बिस्ता स्थित जेमा का नुमा,
पाली रोड़, जोधपुर जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा कम संख्या
358 दिनांक 18-1-82 पर पंजीयन लिक्षण पत्र में और
निस्सूत रूप से विवरित है।

मोहन सिंह
सहम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जम्पुर

दिनांक : 7-9-1982

मोहर :

प्रक्षेप आहे, दी एम. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ष(1) के प्रतीत प्रचना'

भारत सरकार
कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 7 सितम्बर 1982

आदेश मं० गज०/महा० श्रा० अर्जन/1366—यतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 249 खं के अधीन पक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारब दै कि स्थावर सम्पत्ति, उत्तर आयकर मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है और जिसकी नं० प्लाट नं० 16 सेक्टर 4 है तथा जो जोधपुर में स्थित है (और इसे उपावद अनुसूची में और पूर्ण स्वप्न में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक, 21 जनवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आयकर मूल्य में कम के दृश्यमान रकमान के लिए प्रमाणित की जाई है और मुझे यह विश्वास करने का कारब है कि पक्षापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आयकर मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रम से ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रम का प्रदृढ़ पत्रिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथा वाया बया प्रतिफल निम्नलिखित तरीके से उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण में जुई किसी आय की आवत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने से अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मंदिरा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 111 वा उत्तर अधिनियम, या धम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगवाले अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, किसने में सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरन में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपलादा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मोहन किशन पुत्र हरी किशन द्वारा श्री कैशा गण नामांगना विवेक का नाम जीपांडा

(अन्तर्गत)

(2) श्रीमती केमू कवर पत्नी श्री मण्डार सिंह एवं श्रीमती भवर कवर पत्नी श्री नरपति सिंह ग्राम भाकरवाला जिसा जोधपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रतीत के ममत्व म कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी अवक्षितियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन का प्रवधि, जो भी प्रवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अवक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दृश्यवद किसी अन्य अवक्षित द्वारा प्रबोहस्ताथरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्लाट नं० 16, सेक्टर 4, शास्त्रीनगर जोधपुर जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा कम संख्या 258 दिनांक 22-1-82 पर पंजीयक विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरित है।

मोहन सिंह
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 7-९-1982
संस्करण:

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) द्वी
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 सितम्बर 1982

आदेश संख्या : राज०/सहा० आ० ग्रन्जन/1367—यत्. मुझे,
मोहन सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' रुढ़ा गया है), की भारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ह० में अधिक है

और जिसकी सं० मकान का भाग है तथा जो जोधपुर में
स्थित है (और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक, 18 जनवरी 1982
को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त तम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पग्दह प्रतिशत से
अधिक है और अस्तरण (अस्तरकों) पौर मास्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अस्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उदृश्य से उक्त अस्तरण विश्वित में वास्तविक रूप से कठित नहीं
किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबम, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में
कभी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्म
मास्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, लियाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, यौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की संपत्ता (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अन्तिः—
5—296GI/82

- (1) श्री पुष्पराज पुत्र हस्तीमल मुकाराणा भारु श्री
चन्द्र करन गर्म एडवोकेट, जापुर
(ग्रन्तरक)
- (2) श्री सुमेर मन पुत्र ईदक गाज जी पठवा, निवासी
चन्द्रीहाल जोधपुर
(ग्रन्तरिती)

को पूर्व मूल्या नामी करने द्वारा राजा के प्रति है लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जत के नम्बर में कोई सी आक्षर :—

- (क) इस पूर्वा के राजावत न प्राप्त न होने वाले से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
मूल्यानुसार ने 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्णकृत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस मूल्यानुसार के राजावत में प्राप्ताशन की नारीव से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधीनसाक्षरी के पास
लिखित में हिए जा सकते।

स्पष्टीकरण :—इसमें पूर्वा गडरों और वर्दों ।, जो उक्त अधि-
नियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं, वरी
प्रथम होता, जो उस धराव में दिया गया है।

अनुसूची

जालम विलास क्षेत्र में मकान का भाग, जोधपुर जो उप
पंजीयक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 723 दिनांक 18-1-82
पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरित है।

मोहन सिंह
संपादक प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रन्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 13-9-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-वे (1) के अधीन सूचना

(1) श्री जगमाल पुल श्री गुलाब कुम्हार निवासी चक
7 ई छोटी, श्रीगंगानगर

(अन्तरक)

(2) मैसर्स हरयाना इडस्ट्रीज द्वारा श्री पवन कुमार
दुकान नं० 80, धानमंडी, श्रीगंगानगर

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 सितम्बर 1982

आदेश संख्या : राज०/सहा० आ० अर्जन/1373—पतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-वे के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो श्रीगंगानगर में
स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय श्रीगंगानगर
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
5 जनवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हर्दि किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुभू
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित अक्ष 5 ई छोटी क्षेत्रफल 5 बीघा 2 बिस्ता
जो उप पंजीयक, श्रीगंगानगर द्वारा कम संख्या 5 दिनांक
5-1-82 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से
विवरित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर

जहाँ: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-वे की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक: 11-9-1982

मोहन:

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -----

(1) डॉक्टर गोपीनाथ पुरोहित, 5 महावीर मार्ग, जयपुर
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना(2) श्री कमल चन्द्र नवलद्वा, कालों का मोहल्ला, जयपुर
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 सितम्बर 1982

आदेश संख्या : राज०/सहा० आ० अर्जन/1321—यतः मुझे,
मोहन सिंह,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।और जिसकी सं० दुकान नं० 281 है तथा जो जयपुर में
स्थित है (और इससे उपावद्वा अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक, 25 फरवरी 1982को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कीथत नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हर्दौ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षण्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 281, जोहरी बाजार, जयपुर जो उप पंजीयक,
जयपुर द्वारा क्रम संख्या 314 दिनांक 25-2-1982 पर
पंजीयक पत्र में और विस्तृत रूप से विवरित है।मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 8-9-1982

मोहर :

प्रस्तुप् आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 सितम्बर 1982

आदेश संख्या : राज०/सहा० आ० अर्जन/1322—पतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वारार मूल्य 23,000/- रुपये से प्रधिक है। और जिसकी सं. डी-151 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 19 फरवरी 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास उठाने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का उचित प्रतिकल है और अन्तरण (अन्तरण) और करनामा (अनारितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए ना पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित रूप से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हृदृश्य किसी आय का बाहर उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रतिरक्त के दायित्व में करी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या 'पत-क' अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रत्योजनार्थ प्रत्यारंती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः शब्द, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में उक्त अधिनियम की धारा 269-ष को उपचाच (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रवीन्द्र नारायण माथुर एवं श्री महानारायण माथुर पुत्रान् श्री महेश नारायण माथुर, डी-151, दुर्गामार्ग, बनीपार्क, जयपुर

(अन्तरक)

(2) श्री बलदेव कृष्ण ठाकुरल पुत्र श्री रामगोपाल, डी-135, कैलाश मार्ग, बनीपार्क, जयपुर

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त भवन के अर्जन के प्रक्रिया में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्क्षेत्रीय व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन तक अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्येक व्यक्ति द्वारा, प्रधोड़स्नाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एप्पनीहरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रयोग के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. डी-151, बनीपार्क, जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 232 पर दिनांक 19-2-82 को पंजीयक विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 8-9-1982

मोहन :

प्रलैप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्रीमती जयश्री पत्नी श्री सुधीर कुमार, सुभाष मार्ग,
सी-स्कीम, जगपुर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) खादी ग्रामोद्योग मंडल राजस्थान, अमरसर, जयपुर
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 सितम्बर 1982

आदेश संख्या : राज०/सहा० आ० अर्जन/1346—यतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस-८ वी है तथा जो जयपुर में स्थित है,
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25
फरवरी 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण
लिखित में वास्तविक रूप कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अक्षरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपवारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयी घूम करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बूझ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मोहन सिंह

प्लाट नं० एस० 6 वी (भाग) कबीर मार्ग, बनीपार्क, जयपुर
जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 283 दिनांक 25-२-
1982 पर पंजीयन विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरित
है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 11-9-1982

मोहन:

प्रस्तुति आईटी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 16) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 7 सितम्बर 1982

आदेश सं० : राज०/सहा० आ० अर्जन/1357—यतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट नं० 4 ए व बी है तथा जो जोधपुर
में स्थित है, (और इससे उपांडि अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरणी प्राधिकारी के कार्यालय जोधपुर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
विमान 18 फरवरी, 1982।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रखयमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके रखयमान प्रतिफल से, एसे रखयमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीथत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वार्तित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।'

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री महेन्द्र कुमार लोडा मुख्यार आम श्रीमती प्रेम
केवर पत्नी अनोप सिंह, रामपुरा, तहो सिवाना
(अन्तरक)

(2) सर्वेश्वी फतेहलाल एवं जितेन्द्र पुत्रान श्री रोशनलाल,
4 बी रोड, सरवारपुरा, जोधपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधिवाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
गया है।

मूलूची

प्लाट नं० 4 ए एवं बी, पोकरण बंगला, पी० डब्ल्यू० डी०
रोड, जोधपुर जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 380
दिनांक 18-2-1982 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत
रूप से विवरित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 7-9-1982

मोहन:

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री महेन्द्र मुमार लोडा जी० पी० ए० श्रीमती प्रेम कुंवर पत्नी श्री अनोप सिंह, रामपुरा, तहसील सिवाना

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) सर्वश्री फतेहलाल एवं जितेन्द्र पुत्रान श्री रोशनलाल, और्ध्वी बी रोड़, सरकारपुरा, जौधपुर

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 7 सितम्बर 1982

आदेश संख्या: राज०/संहा० आ० अर्जन/1358—यतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 4 ए व बी है तथा जो जौधपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जौधपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक, 19 फरवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से ही किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बंतरक के वायित्व में कर्त्ता करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबूद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जधोहस्ताक्षरी के पास किये जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रकृत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 4 ए एवं बी, पोकरण बंगला, पी० डब्ल्यू० डी० रोड़, जौधपुर जो उप पंजीयक, जौधपुर द्वारा कम संख्या 389 दिनांक 19-2-1982 पर पंजीबद्ध विक्रम पत्र में और विस्तृत रूप से विवरित है।

मोहन सिंह,
संक्षम प्राधिकारी
संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 7-9-1982

मोहर :

प्रृष्ठ प्रृष्ठ आई. टी. एम. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 7 सितम्बर, 1982

आदेश संख्या : राज०/सहा० आ० अर्जन/1359—यतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो बीकानेर में स्थित है,
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बीकानेर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 8 मार्च,
1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मुमोलाल पुत्र श्री मानारत्न गणा माहला
केशर देशर कुम्हा बीकानेर

(प्रत्नतरक)

(2) श्री देवेन्द्र नाथ पुत्र श्री नक्षमण दाम निवासी
चंडीगढ़ कोठी नं० 6 सीक्टर 3 ए.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मन्मूसूची

कृषि भूमि 56 वीथा स्थित ग्राम कानमर जो उप पंजीयक,
बीकानेर द्वारा क्रम संख्या 531 दिनांक 8-3-82 पर पंजीबद्ध
विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरित है।

मोहन सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर.

दिनांक : 7-9-1982

मोहर :

प्रस्तुति आई.टी.एन.एम. -----

(1) श्री उमेष सिंह पुत्र श्री दान सिंह ग्राम बड़ोड़ा जिला जैसलमेर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भाग 269-व (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

(2) श्री छगन गंगवानी पुत्र श्री रोचीराम गंगवानी,
सुभाष चौक, रातनाड़ा, जौधपुर

(अन्तरिती)

कार्यालय, महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 7 सितम्बर, 1982

आदेश सं० : राज०/सहा० आ० अर्जन/1361—यतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थानकर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 6 है तथा जो जौधपुर में स्थित
है, (और उससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय जौधपुर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
7 जून, 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
मूविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6-2960/T/82

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वाक्षर सम्पत्ति में हितवद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

ममसच्ची

प्लाट नं० 6, धर्मनारायणजी का हाथा, जौधपुर जे उप-
पंजीयक, जौधपुर द्वारा कम संख्या 726 दिनांक 7 जनवरी,
1982 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप विवरित
है।

मोहन सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर अनुसूत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 7-9-1982

मोहन :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 सितम्बर 1982

ग्रादेश संख्या: राज०/सहा० आ०/1364—यतः मुझे, मोहन
सिंह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो जौधपुर में स्थित है,
(और इससे उपांडि अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जौधपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 4 जनवरी

1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चांशु प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अंतरण निम्नलिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से है कि कोई आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
वास्तविक में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती रुक्मिणी पत्नी श्री पूनाराम जी ग्राम चोपासनी,
जौधपुर (अन्तरक)

(2) श्री रामचन्द्र, 2. श्रीमती मोहनी 3. श्री दुर्गार्जुन
4. श्री मंगल सिंह व्यास का बाग, सूरसागर, जौधपुर
(अंतरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षण्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्टि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
किये जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 33.75 बीघा स्थित कच्ची झंवर रोड नं० 6,
चौपासनी, जौधपुर जो उप पंजीयक, जौधपुर द्वारा क्रम संख्या
141/148 दिनांक 4-1-82 पर पंजीयक विक्रय पत्र में
और विस्तृत रूप से विवरित है।

मोहन सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

दिनांक : 8-9-1982

मोहन :

प्रस्तुत वाइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 सितम्बर, 1982

आदेश संख्या: राज०/सह० आ० अर्जन/1365—यतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सकारा प्राधिकारी को, वह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कुषि भूमि है तथा जो जौधपुर में स्थित है,
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय जौधपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 4 जून,
1982।

को धूर्खांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति को उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पत्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
सिद्धि में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ दिसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती बाजार प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के, अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती रुक्मी पत्नी पूनाराम निवासी ग्राम
चौपासनी, जौधपुर

(अन्तरक)

(2) श्री ज्ञानसिंह, चैतनसिंह, श्रीमती सह देवी, श्रीमती
भंवरी देवी, भवाला बेरा, मंडोर, जौधपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की हामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या
एवं है।

मनुसूची

33.75 वीषा कुषि भूमि स्थित कच्ची संवर रोड नं०
6, चौपासनी जौधपुर जो उप पंजीयक, जौधपुर द्वारा क्रम
संख्या 139/144 दिनांक 4-1-82 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में
और विस्तृत रूप से विवरित है।

मोहन सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 8-9-1982

मोहर :

प्ररूप श्री. टी. एन. एस. -----

(1) श्री धन्नालाल यादव पुत्र श्री लक्ष्मीनारायण आमनपुर,
सांभर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री चिरंजीलाल जागिड, नान्सा गेट, नवलगढ़
(अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 सितम्बर, 1982

आदेश संख्या: राज०/सह० आ० अर्जन/1369—यतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डी-31 है तथा जो जयपुर में स्थित है,
(और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25 फरवरी,
1982।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहुए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अनुसूची,

प्लाट नं० डी-31, सी-1, स्थित मरस्वती मार्ग, बनीपार्क,
जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 259 दिनांक
25-2-82 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में श्री विस्तृत रूप से
विवरित है।

मोहन सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपभाग (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 8-9-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - - -

(1) श्रीमती मधुबाला घर्मपत्नी श्री अश्वनी कुमार
निवासी सी-स्कीम, सुभाष मार्ग, जयपुर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 16) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना(2) खादी ग्रामोद्योग मंडल, राजस्थान, अमरसर, जयपुर
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 सितम्बर 1982

आदेश संख्या . राज०/सहा० आ० अर्जन/1375—यतः मुझे,
मोहन सिंह,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० प्लाट न० एस-६ वी है तथा जो जयपुर
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय जयपुर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक, 25 फरवरी, 1982।कां पूर्वोक्त नंपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँह यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितिशों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वाम्तरिक रूप में कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हर्द किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाग प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधिवाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी द्वे पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभावित
गया है।

मनुसूची

प्लाट नं० ६ वी (भाग) कबीर मार्ग, बनीपार्क, जयपुर
जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 284 दिनांक 25-2-
1982 पर पंजीबद्ध विश्वास पत्र में श्रीर विस्तृत रूप से विवरित है।मोहन सिंह,
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 11-9-1982

मोहर :

प्रस्तुप अमरै.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 10 सितम्बर, 1982

ग्रादेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/1341—यतः मुझे,
मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवादास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं० छत का भाग है तथा जो जयपुर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
12-3-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इव्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवादास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इव्यमान प्रतिफल से, ऐसे इव्यमान प्रतिफल का
पन्थह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) श्री सुरजभान सिंह पुत्र रावत भान सिंह,
किशोर निवास, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आशा देवी पत्नि श्री विपिन बिहारी,
पुरानी बस्ती, जयपुर।

(अन्तरिती)

क्वे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

किशोर निवास, दिपोलिया बाजार, जयपुर की छत का भाग
जो उपर्युक्त, जयपुर द्वारा कम संख्या 456 दिनांक 12-3-1982
पर पंजीबद्ध विक्रय पद में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

दिनांक : 10-9-1982

मोहन :

प्रस्तुति आहूँ, टी. एन. एस. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रन्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 सितम्बर, 1982

आदेश सं० : राज०/सहा० आ० अर्जन/1341—यतः मुझे,
मोहन सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
म के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

मैं आयकर जिसकी सं० भवन का भाग है तथा जो जयपुर में स्थित है,
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
फर्स अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 12-3-1928
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्त) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(1) श्री सूरजभान सिंह पुल रावत भान सिंह
किशोर निवास, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विजय देशी पति श्री आनन्द विहारी, स्नालानी,
जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैतन के लिए
कार्यवाहीयाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तात्परी से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधिक बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर समति में हितबद्ध किसी
अन्तरित द्वारा, अधोदृस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

प्राप्तीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जों छक्का
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आदत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

किशोर निवास का छत का भाग लिपेलिया बाजार, जयपुर
जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 455 दिनांक 12-3-82
पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

(ल) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या उनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रन्जन रेंज, जयपुर

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 13-9-82

मोहन

प्रधाा प्रादृष्टी० ई० एव० एम०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 सितम्बर 1992

आदेश सं० : राज०/सहा० आ० अर्जन/1330—यतः
मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की भारा 269-व के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो धाऊवास तह० जयपुर में
स्थित है, (और इससे उपावन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक
3-3-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की गई है और मूल्य यद्यपि
विविधास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रन्थिक है और
प्रस्तुत (प्रस्तुतकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप में
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हर्दि किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रतोत्तरायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, भूमि, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षा० ८—

(1) सर्वे श्री रूपा एवं मोती निवासी ग्राम धाऊवास
तहसील व जिला जयपुर।

(अन्तर्क)

(2) श्री राम प्रसाद यादव पुत्र नानगराम यादव अहीर
निवासी—बृजलालपुरा तह० जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करुता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोइँ भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
नामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिनियम में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
प्रथम व्यक्ति द्वारा, प्रवौद्धताकारी के पाव लिखित
में किए जा सकें।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
पर्यायोग, जो उक्त अधिनियम में दिया गया है।

मनुसूची

कृषि भूमि 6 बीघा आधा विस्ता स्थित ग्राम धाऊवास तहसील
व जिला जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 428
दिनांक 3-3-1982 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत
रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 11-9-82

मोहन

प्रस्तुप आई. टी. एन एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 सितम्बर 1982

आदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/1331—यत् मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थापत्य सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
ग्रीष्म जिमकी में० कृषि भूमि है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और
इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 13 सितम्बर,
1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने
का कारण है कि व्यापरोंके संपत्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहित
के लिए; और/या

(ल) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूर्तिधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् ।—

7-296 GI/82

(1) श्री काना पुत्र माझीला जांगिड

निवासी—विचापडा तह० व जिला-जयपुर ।

(अन्तरक)

(2) सर्वे श्री गिरधारी, गणेश रनन पुत्रान धन्ना राम बांगड़ी
निवासी—बृजलालपुरा तह० व जिला जयपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्समान व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बहुध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताभारी के पास
निश्चित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 19 बीथा 9 बिस्त्रा (कल्टीवेटेड) स्थित ग्राम
बृजलालपुरा तह० व जिला जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा
कम संख्या 549 दिनांक 15-3-82 पर पंजिवद्व विक्रय पत्र में
और विस्तृत रूप से विवरणित है ।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 13-9-1982

मोहर :

प्रक्षेप आई.टी.एन.एस. -----

(1) श्री गोदू पुत्र कालू

निवासी—मुडिया रामसर तह ० जयपुर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना(2) श्री राम प्रनाप नानगराम अहीर, बृजलाल पुरा,
तह ० जयपुर

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ता सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

अर्जन रेंज, जालंधर

जयपुर, दिनांक 11 सितम्बर 1982

आदेश सं० : राज०/सहा० आ० अर्जन/1332—यतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपायद ग्रन्ति की मूल्य से अधिक है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 12-3-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूँहे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कीदित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कृषि किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वायित्व में कीदित नहीं या उससे बचने में संविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अंतरित दबाया प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्जतः :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आश्रोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहमाक्षरी व पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मोहन सिंह

कृषि भूमि 15 बीघा 14 बिस्ता (कल्टीबेटेड) स्थित ग्राम मूडिया रामसर तह ० जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 503 दिनांक 12-3-82 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप में विवरणित है।

मोहन सिंह
सभी प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 11-9-82

मोहन :

प्रस्तुति आई टी एन एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 सितम्बर 1982

आदेश सं. राज०/सहा० आ० अर्जन/1337—यत मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000 - रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. प्लाट सं. 16 है, तथा जो जयपुर में स्थित है,
(और इसमें उपावद्ध अनुमूल्य और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टर-
कर्ना अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 12-3-1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अनिवार्य की गई है और मूल्ये यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एम्बे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतर्गतों) और अन-
गती (अतर्गतीयों) के दीच एसे अतरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिशत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए, और/या

(ख) एस किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीय
का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकाट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सविधा
के लिए।

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व (1) की उपधारण
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्री बिरधा पुल गोपी लाल
निवासी—झोटवाडा जयपुर

(अन्तरक)

(2) श्री हरदारी लाल पुल मुरलीधर सोनी
निवासी—श्रीमाधोपुर जिला मीकर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काहू भी जाक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयोक्त शब्दों 'और पदा' का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बनसूची

प्लाट नं. 16, ग्राम झोटवाडा तहसील व जिला जयपुर जो
परियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 520 दिनांक 12-3-82 पर
परिवर्तन विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

दिनांक 11-9-82
माहर

प्रस्तुति आई.टी.एन.एग. -----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 मित्स्वर 1982

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/भोपाल/1339—अतः
मुझे, मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० डी-111 है, तथा जो में स्थित है (और इसमें
उपाबद्ध अनुमती में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 16-3-1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(1) श्री जुगल किशोर शाह, बी०-८ शास्त्री नगर मुज़ावार
ग्राम मेजर परवन सिंह, डी०-२१४, भास्कर मार्ग,
बनीपार्क, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री सुशील कुमार मालपानी पुल चानन मल मालपानी,
ग्रौद्योगिक क्षेत्र, लोटवाडा, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं,
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अंतरण से हूँ अंतरण किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए,

अनुसूची

ग्रावासीय मकान नं० डी०-111, अम्बा बाड़ी, जयपुर
जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 715 विनाक 16-3-
82 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक 13-9-1982

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रसूप आइ०. टी. एन. एस. - - - - -

(1) श्री महावार मल जैन जैन पुय साभागमन जैन,
1 ई०-48, सेक्टर 1 कल्याण बस्ती, नाहरी का नाका,
जयपुर ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 16) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना(2) शार्दूलाल मगल, 1 ई०-48, नाहरी का नाका,
जयपुर ।

(अन्तरक्ती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 सितम्बर 1982

प्रादेश स० . राज०/सहा० ग्रा० अर्जन/1340--यतः
मुझे, मोहन सिंह,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन संधर्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक हैऔर जिसकी स० 1 ई०-48 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और
इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 15 मार्च, 1982को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निम्नित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपने में सुविधा
के लिए ।अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, गौ., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधिकार भी समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा,(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधरी व पारा
लिखित में किए जा सकते ।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
गया है।

अमृतसूची

आवासीय मकान नं० 1 ई० 48 सैक्टर 1, नाहरी का नाका,
जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 570 दिनांक
15-3-82 पर पंजियक विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित
है ।माहन सिंह
मकान प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

दिनांक 13-9-1982

मोहर :

प्रस्तुत आई. टो. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 सितम्बर, 1982

आदेश सं० : राज०/सहा० आ० अर्जन/1342—यतः मुमे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी स० प्लाट नं० 16 प० है तथा जो जयपुर में स्थित
है, (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 12-३-

1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूमे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एवं दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अंतरीती
(अन्तरीतियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दाश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृहृ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा,
के लिए; और/या

(ल) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अंतरीती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण
में, भूमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभाग (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मोर मुकट पुर्व बृज मोहनलाल मुख्तारआम
श्री राजकुमार एवं श्रीमती प्रभाती देवी बगड़ वाली
का गस्ता, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शान्ती देवी पत्नि श्री प्रभूदयाल एवं
श्रीमती कमला देवी पत्नि बाबूलाल लवाना तह०
जमवारामगढ़ जिला जयपुर।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के समंध में कोई भी आक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
मूल्यना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षणी के पास
निर्धित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मोहन सिंह

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

दिनांक : 13-9-1982
मोहन :

प्रस्तुति आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निगेक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 सितम्बर, 1982

ग्राम पंचायत सं० राज०/सहा०/ग्रा० अर्जन/1301—अतः मृशे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मं० प्लाट नं० 87 ऐ० है तथा जो जयपुर में स्थित
है, (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 15-3-

1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृशे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में, सुविधा के लिये,
और/या

(ख) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती निमला कुमारी पत्नि श्री गम सिंह
पंच० 21/77 धूलेश्वर गाँड़न, जयपुर ।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती शशी कोठारी पत्नि श्री मन मोहन कोठारी
प्लाट नं० 15, गोपाल बाड़ी, जयपुर ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कायंवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी न्यूनियों पर सूचना
की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि-
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुत्तमी

प्लाट नं० 87, ए, धूलेश्वर गाँड़न, जयपुर जो उप-पंजियक,
जयपुर द्वारा ऋम संख्या 559 दिनांक 15-3-82 पर पंजिबद्ध
विक्रय पद में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निगेक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 8-9-1982

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 सितम्बर 1982

आदेश मं० : राज०/सहा० आ० प्रर्जन/1300—यतः मुझे,
मोहन मिह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 113 है तथा जो जयपुर में स्थित
है, (और इसे उपाबृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 16) के अधीन, दिनांक 15 मार्च,
1982

को प्रवर्त्तक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्रवर्त्तक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने में अन्तरक के
द्वारा दृश्यमान प्रतिफल का बचने में सहित
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था लिपाने में सहित
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुमेर मिह बोथरा पुन्न श्री उग्रसिह बोथरा,
पीतलियों का चौक, जी० पी० ग० श्री बासुदेव जी
किशोरदाम नाईनानी पुव किशोरदाम बेलीगम जी
निवासी—73 सी०, जनता कालोनी, जयपुर ।
(अन्तरक)

(2) भगवान वास एण्ड ब्रादर्स, बापू बाजार, जयपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रवर्त्तक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर प्रवर्त्तक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांग
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रवर्त्तक शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया
है।

अनुसूची

दुकान नं० 113, बापू बाजार, जयपुर जो उप पंजियक,
जयपुर द्वारा फ्रम संख्या 598 दिनांक 15-3-82 पर पंजिवड्ढ
विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन मिह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज; जयपुर

दिनांक : 8-9-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेंज, जयपुर
जयपुर, दिनांक 11 सितम्बर 1982

आदेश सं० राज०/सहा० आ० प्रज्ञन/1338—अतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है तथा जहे जयपुर में स्थित है, (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 13-4-1982

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्यमान प्रतिफल का पंचहृ
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आव की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था लिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) श्री बद्री नारायण शर्मा पुन्न श्री राधेश्याम
19 सिवाइ एरिया, आमेर रोड, जयपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री किशन गोपाल गर्ग पुन्न श्री रामपाल अग्रवाल,
114, जनता कालोनी, जयपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवृद्ध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

मोहन सिंह

मोहन सिंह
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रज्ञन रेंज, जयपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8-296 GI/82

दिनांक : 11-9-1982

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन. प्रग ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

प्राप्ति, सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 सितम्बर 1982

आदेश सं० राज/ सहा० आ० अर्जन/1343—अत.
मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जे०-196 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और
इससे उपांचाल अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट
अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 13-4-1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्गतों)
और अन्तरिती (अन्तर्निर्दितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्दित में भारतीय रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(1) श्री भगत देवेन्द्र नाथ पुत्र श्री किशन चन्द मुख्यार
आम श्री आनंदपुर ट्रस्ट, करोल बाग, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्री महेश्वर दयाल सिंह पुत्र श्री त्रिष्णेश्वर दयाल सिंह
निवासी—फतेहटीबा, आदर्श नगर, जयपुर।
(अन्तरिती)

को मह सूचना पारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावरीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही वर्ण होगा, जो उम अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिए;
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा
के लिए।

मोहन सिंह
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 13-9-1982
माहूर :

प्रस्तुप श्राई, टो० एव० एस०-----

(1) श्री भगत देवेन्द्र नाथ पुत्र श्री किशन चन्द्र मुख्यार आम
श्री ग्रान्द पुर ट्रस्ट, करोली बाग, नई दिल्ली ।
(अन्तरक)

आपकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 सितम्बर 1982

आदेश सं० : राज०/महा० आ० अर्जन/1344—यतः
मुझे, मोहन सिंह,

आपकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इनके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की वारा 269-व
के अधीन वशम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर गम्भित जिमका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट नं० जे०—196 है तथा जो जयपुर में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूली में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण
प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 13-

4-1982

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नतालिका उद्देश्य से उत्त अन्तरण निर्धित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हु. फॉ. आय वा गव. 1. 344 प्रधि-
नियम के अधीन कर देने वाले अन्तरक के दायित्व में
कमी करने वा उसमें बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसे किसी भाव वा दियो वन वा गम्भीर वास्तविकों
को जिसे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1912
(1922 का 11) वा उसे प्रधिनियम, वा
अन्तरक प्रधिनियम, 1957 (1957 का 37)
के प्रयोगनाये प्रयोगिते द्वारा प्रकट नहीं किया
गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः ग्रन्त प्रधिनियम की वारा 269-ग के अनुसरण
में, मेरे उक्त प्रधिनियम की वारा 269-व की उपवारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्रीमती राजरानी सिंह धर्म पति श्री महेश्वर दयाल
सिंह निवासी—फतेहटीबा आदर्श नगर, जयपुर :
(अन्तरिती)

को यह दूवा जारी करने वाले व्यक्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त नम्बति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वादेयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मोहन सिंह

मोहन सिंह
[सक्षम प्राधिकारी]
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

दिनांक 13-9-1982
मोहर :

प्रस्तुति आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 सितम्बर 1982

आवेदा सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/1345—अतः मुझे,

मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूखण्ड है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और
इससे उपावड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
प्राधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 13-4-1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हर्दि किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री धनश्याम दास शारदा पुत्र श्री डी०डी० शारदा
निं० प्लाट नं० एस०-13 भवानी सिंह मार्ग,
सी०-स्कीम, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री उम्मेद सिंह लोढ़ा पुत्र श्री विरदमल लोढ़ा जाति जैन
निवासी—ए०-2, कान्ती नगर, बनीपार्क, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्बनाइज़ों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आवादी का एक प्लाट (भूखण्ड) युधिष्ठर मार्ग, सी०-
स्कीम, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 923
दिनांक 13-4-1982 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत
रूप से विवरणित है।

मोहम सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

दिनांक : 13-9-82

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री प्रभूदयाल पुत्र श्री राम दयाल
निवासी—मोहल्ला सिद्धीपुरा, अलवर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना(2) श्री रामनारायण पुत्र गूजरमल
निवासी—अलवर

(अंतरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 7 सितम्बर 1982

आदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/1362—यतः मुझे,
मोहन सिंह,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० मकान है तथा जो अलवर में स्थित है, (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अलवर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 26-4-1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूँझे यह विश्वास
करने का कारण है कि इथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चारण से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीथत नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती दबाय प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभाग (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइँ भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्रव्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी व पास
लिखित में किए जा सकेंगे।सम्बोधन :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान स्थित सैनी कालोनी, मोती डूंगरी के पास, अलवर
जो उप पंजियक, अलवर द्वारा क्रम संख्या 669 दिनांक 26-4-
82 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित
है।

मोहन सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयक्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 7-9-1982

मोहन

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्री बाल गोविन्द पुत्र नन्द किशोर ग्राम सरना,
जयपुर।आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(ग्रन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 सितम्बर 1982

आदेश सं० : राज०/सहा० आ० अर्जन/1336—यतः मुझे,
मोहन सिंह,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने के
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी स० कृषि भूमि है तथा जा जयपुर में स्थित है, (और
इसमें उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 12-5-1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्खे यह विश्वास
करने का कारण है कि दृश्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, ग्रंसे दृश्यमान प्रतिफल का
पतन है प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण
लिखित में वास्तविक रूप कीथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाज्ता, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(2) श्री नच्छू राम पुत्र छोटूराम
निवासी—हीरापुरा, जयपुर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
दृष्टि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मोहन सिंह

कृषि भूमि 11 बीघा स्थित ग्राम सरना झूगर जो उप पंजियक,
जयपुर द्वारा क्रम संख्या 1000 दिनांक 12-5-82 पर पंजिबद्ध
विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

दिनांक : 13-9-82

मोहन :

प्रस्तुति आई. टी. एन. एस.-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

(1) श्री बाल गोविन्द पुत्र नन्द किशोर
ग्राम मरना, जयपुर

(अन्तरक)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज, जयपुर
जयपुर, दिनांक 13 सितम्बर 1982

आदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/1336—यतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा था है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. गे अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो जयपुर में स्थित है (और
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 12 मई, 1982
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्खे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्धरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(2) श्री छोटूराम पुत्र कजोड़
हीरापुरा नहूं जयपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

(क) अन्तरण से हृष्ट किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उसमें बचने में गृहिणी के लिये;
और/या

कृषि भूमि 16 बीघा 8 बिस्वा स्थित ग्राम सरना लूंगर जो
उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 1001 दिनांक 12-5-82
पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आनंदियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 13-9-82
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 सितम्बर 1982

आदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/1316—यतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 51 है तथा जो जयपुर में स्थित है,
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 22-5-
1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दस्यमान प्रतिफल से ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वातिलिक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हर्दि किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
को प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गोपीनाथ पिल्लई पुत्र श्री पी० के० के०
प्लाट नं० 51, जनता कालोनी, जयपुर

(अन्तरक)

(2) श्री निर्मल कुमार पाटनी पुत्र श्री मरदारमल जी
एवं श्री ललित कुमार पुत्र सरदारमल,
पाटनी भवन, घी बालों का रास्ता, जयपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना आदी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कार्य भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्त्वांधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
दूषक विस्तृत व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 51, जनता कालोनी, जयपुर जो उप पंजियक
जयपुर द्वारा क्रम संख्या 1045 दिनांक 22-6-1982 पर
पंजियक विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

दिनांक : 8-9-1982

माहर :

प्रस्तुप प्राईंटी ८० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 सितम्बर 1982

आदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/1318—यतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 1503-04 है तथा जो जयपुर में
स्थित है, (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 22-
5-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगजनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

यतः प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात् :—
9-296 GI/82

(1) श्री कैलाश चम्ब शर्मा पुत्र स्वर्गीय हर सहाय शर्मा
प्लाट ए०-५३ नेहरू नगर, जयपुर
(अन्तरक)

(2) श्री श्रीम प्रकाश सोनी पुत्र श्री बुद्धालाल सोनी,
गली कचोलियां, रास्ता पठवान, जयपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मोहन सिंह

मकान नं० 1503-4, मोदी खाना, गली लुहारान, जयपुर
जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 1099 दिनांक 22-5-
1982 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित
है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 8-9-1982

मोहन :

प्रश्न आई.टी.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

लाल चतुर्भुज

कार्यालय, सहायक आयकर बाबत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 सितम्बर 1982

ग्राम पंचायत नं. 74, जयपुर—यतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा या है), की धारा
269-ष के अधीन सकम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपचार बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या नं. 74 है तथा जो कार्यालय जयपुर में
स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 22—
5-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घात
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने वा कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूर्घात प्रतिफल से, ऐसे दूर्घात प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और उन्नतरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच एमें अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कठित नहीं किया गया है—

(क) उक्त संघरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दवें के अन्तरक के दायित्व
में करने वा उससे उपर्युक्त संघरण में सूचिता के लिए;
वाई/था

(क) ऐसी किसी बाय या किसी अन्य बासिताओं
को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
उनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सूचिता के लिए;

अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी बर्तातः—

(1) श्रीमती चन्द्र कंवर सुखलेचा पति श्री पुनम चन्द्र जी
निं. चौ० विशेषवर जी रास्ता गोपालजी गली काशी-
नाथ जी, गोपाल जी का रास्ता, जयपुर
(अन्तरक)

(2) श्री हरदासमल जी पुत्र हासाराम जी सिधी
निं. चौ० तोपखाना देश रास्ता खेजड़ान, जयपुर
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वासेपूर्ण—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकारी के पास
लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उम् अध्याय में दिया
गया है।

मोहन सूची

जयपुर शहर बापू बाजार दुकान नं. 74 का आधा हिस्सा
पश्चिमी जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा अमांक : 1080 दिनांक
22-5-82 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से
विवरणित है।

मोहन सिंह
संथाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 8-9-1982

मोहर :

प्रस्तुप आइं. टी. एन. पएस.-----

प्राप्ति प्राप्ति 1981 (1981 का 43) को धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकल (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 सितम्बर 1982

आदेश सं० : राज०/सहा० आ० अर्जन/1325—यतः

मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम 1931 (1931 का 3) (विने इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-घ के अधीन सभी विभागों को, वह विभाग हरमें जो नारण के स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाजार मूला २३०००/- ५३ से अधिक है और जिसकी सं० 1 के 10 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तिदानांक 22-5-1982 को पूर्णतः सम्पादित के उचित बाजार मूल्य में रुपय के दृश्यमान प्रतिकल के निए अन्तरित की गई है और भुग्य यह वापर करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पादित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का एन्ड्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरा (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरा के निए तथा पारा पारा प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्देश में वास्तविक है स रूपान्तर नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वापर उक्त अधिनियम के अधीन कर वन के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वन में मुविद्या के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी जाय या किसी वन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें मारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तयों, अधाराः :—

(1) श्री पुष्पेन्द्र सिंह पुत्र श्री नारायण सिंह राठोड़,
43-सी०-स्कीम, जयपुर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मोहिनी खुराना पत्नि श्री अशोक खुराना
1 के 10 जवाहर नगर, जयपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

मोहन सिंह

मोहन सिंह
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकल (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 8 सितम्बर 1982
मोहर :

प्रकृष्ट बाईं. टी. एन. एस. -----
मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-ए (1) के अधीन सूचना

प्राइवेट सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 10 सितम्बर 1982

आदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/1324—यतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है
और जिसकी सं० कृपि भूमि है तथा जो जमवारामगढ़ तहसील
में स्थित है (और इसे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जमवारामगढ़ में, रजि-
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
22-5-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का
घन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अन्तरण
में, ये, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभाग 11
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः—

(1) श्री लोकेश कुमार पुत्र गिरधरी लाल गोस्वामी
जोहरी बाजार, जयपुर

(अन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मी नारायण अग्रवाल पुत्र बासुदेव अग्रवाल
बी०-144, तिलक नगर, जयपुर
श्रीमती राजकुमारी पत्नि अशोक कुमार अग्रवाल,
जयपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोहू भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर-सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाबू में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त-
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम कूकस तह० जमवारामगढ़ जिला
जयपुर जो उप पंजियक, जमवारामगढ़ जिला जयपुर द्वारा क्रम
सं० 86/213 दिनांक 22-5-82 पर पंजिवन्द विक्रय पत्र में
और विस्तृत रूप से विवरणित है ।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 10-9-82

मोहर :

प्रेसप्र आर्ट. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 सितम्बर 1982

आदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/1325—यतः मुझे,
मोहन सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो तह० आमेर में स्थित है,
(और इससे उपाबद्ध अनुमूली में और दूर्घ रूप से वर्णित है), रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आमेर में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10 मई,

1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हट्ट किसी आय की मात्रत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी दाय या वित्ती धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्तरण में, रक्त अधिनियम की धारा 269-ए को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ, वर्धातः—

(1) श्री राम नारायण पुत्र नानूराम जाट,
निवासी—ग्राम चिथवाड़ी,
जिला जयपुर।

(अन्तरक)

(2) सर्वे श्री कजोड़, प्रभू, नानू पुत्रान श्री बालू जाट
ग्राम चिथवाड़ी, जिला जयपुर।

(अन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन संबंध में कार्य भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिविक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में विशेष जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम चिथवाड़ी तह० आमेर जिला जयपुर जो उप पंजियक, आमेर द्वारा श्रम संख्या 201 दिनांक 10 मई, 1982 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

दिनांक : 9-9-1982

मोहर :

प्रस्तुप बाइ^१, टौ. इन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 सितम्बर 1982

आदेश सं० : राज०/सहा० आ० अर्जन/1329—यतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कुण्ड भूमि है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 22-5-1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्ये यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृद्दृष्टि किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी पन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उसके अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट ही किया
गया था या किया जाना चाहिए था उपराने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उन प्राधिनियम को धारा 269-गे अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मोर्य पुत्र मांगू, पीथावास,
तह० व जिला जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेन्द्र सिंह पुत्र श्री मोहन सिंह,
निवासी—गोकुलपुरा एवं श्री ललित किशोर पुत्र
भोंडी नाल,
निवासी—पीथावास, तह० जयपुर।

(प्रत्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यबाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में पर्याप्ति
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

धनसूची

कलटीवेटेड कुण्ड भूमि 14 बोधा 9 ब्रिस्वा ग्राम पीथावास
तह० व जिला जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या
1089 दिनांक 22-5-82 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत
रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 11-9-1982

मोहन

प्रस्तुप आइ.टो.एन.एस.-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269 घ(1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 सितम्बर 1982

निदेश सं० राज०/सहा० आ० आर्जन/1333—यतः, मुझे,
 मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-ब के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
 का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार
 मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृपि भूमि है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और
 इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
 अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 12-5-1982
 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अंतरित कर्म गई है और मुझे यह विश्वास करने
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
 उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
 फल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
 वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व
 में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
 और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रन-
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
 था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
 के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सर्वश्री गुला, नानू एवं रामचन्द्र नानूलाल,
 नीमेडा, तहू० जयपुर ।
 (अन्तरक)

(2) श्री श्यामलाल शंकरलाल, हीरापुरा, तहू० जयपुर
 (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहीयों करता हू०।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना
 की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
 में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
 ते किसी वास्ति द्वारा;

(ख) इम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदृस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा पाएंगे।

स्पष्टीकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

17 बीघा 8 बिस्वा कृपि भूमि (कल्टीवेटेड) स्थित ग्राम
 हीरापुरा जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 1009 दिनांक
 12-5-1982 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से
 विवरणित है।

मोहन सिंह
 सक्रम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 आर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 11-9-82

लेहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 सितम्बर 1982

निदेश सं० रा०/सहा० आ० अर्जन/1334—यतः, मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो जयपुर में स्थित है,
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 22-5-
1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चवृह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित भौ-
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः :—

(1) श्री किशन पुत्र श्री नाथू स्वर्य एवं मुख्तार
श्री नारायण पुत्र मुरली एवं हतुमान
ग्राम—पचार, तह ० जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री ग्यारहा पुत्र रुद्रा, प्रभू पुत्र गुल्ला, सावरा पुत्र
भूरा, धीसा पुत्र रुद्रा,
निवासी—ग्राम पचार, तह ० जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बूध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थानिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 17 बीघा 9 बिस्त्रा (कल्टीवेटेड) स्थित ग्राम
पचार, जिला जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या
1060 दिनांक 22-5-1982 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और
विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 11-9-82

मोहन :

प्रस्तुप् ० शाई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 सितम्बर 1982

निदेश स० राज०/महा० आ० अर्जन/1335—यत, मुझे,
मोहन मिह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० कृषि भूमि है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 12-5-1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
वस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से करित
मर्ही किया गया है :—

(ए) वस्तरण से हट्टे किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में भी, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

10—296 GI/82

(1) सर्वेश्वरी बोद्धुराम एवं कोयली नेचुरल गर्जित
आफ रूपा, श्रवण हरी, राजू,
निवासी—पचार, तहा० जयपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री मुरली एवं भावा पुत्र ग्याना एवं लालू, श्योगम
पुत्र बेना
निवासी—पचार, तहा० व जिला जयपुर ।

(अन्तरती)

को यह सूचना आरी करके रुदोवन सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कायंवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
को लामीत ते 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रबुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्दूष्टी

कृषि भूमि 15 बीघा डेढ विस्त्रा (कल्टीवेटेड) जो उप-पञ्जियक,
जयपुर द्वारा क्रम संख्या 1004 दिनांक 12-5-1982 में और
विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन मिह
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

दिनांक : 11-9-82

साहूर

प्रस्तुप आरॉ टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 गिंवर 1982

आदेश सं० राज०/महा० आ० अर्जन/1368—यह मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 7 देवी निकेतन है तथा जो जयपुर में स्थित
है, (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25-
5-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिक्रिया से ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में तुम्हें किसी आप को बाबा, उक्त
अधिनियम के अधीन अर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आप या किसी घन या अन्य प्रासितयों
को, किन्तु भारी आपहर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
प्रनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पहले नहीं किया
गया था या किया जाना शाहिं था तिनाने में
उक्तिया न लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रामता ननित नटरेच पन्न बी० गी० वटरेज,
तारागढ़ जिला काशी।
मुड्डारा आम श्रा भगवती सिंह,
जयपुर

(ग्रन्तरक)

(2) श्रामता गु० के० याहू पांते श्री के० पच० शाह,
गो०-३१, प्रभ मार्ग, निलौ नगर
जयपुर ।

(ग्रन्तरकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों शैक्ष करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इन पूचना के राजावत नारोद से
45 दिन का प्रवधि या उत्तम्बधी अविक्षयों पर
पूचना को गांधीन वे 30 दिन हो अवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, न भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन पूचना के राजावत में प्रकाशन की नारीव से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदृस्ताक्षरों के पान
लिखित में किए जा सकेंगे ।

संहारण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया
गया है ।

मनुष्यों

फ्लाट नं० 7, देवी निकेतन, मरदार पटेल मार्ग, जयपुर जो
उर पजियर, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 1078 दिनांक 25-5-
82 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र से आंग विस्तार रूप से विवरणित
है।

मोहन सिंह
मनुष्यों प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

दिनांक : 8-9-1982

मोहर :

प्रस्तुप माई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 मित्स्वंबर 1982

श्रादेंग मं० राज०/महा० आ० अर्जन/1328—यतः मुझे,
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिनको मं० गुप्ति भूमि है तथा जो प्रामेय नहीं अवधि
है, (श्रीर इसमें उपावद्ध ग्रन्तमूल्यों में ग्राम पूर्ण रूप में वर्णित है),
राजस्त्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आमेर में, राजस्त्रीय वर्ष
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अंतर्गत, दिनांक 16-
6-1982

को प्रावेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास
करने के कारण है कि यथाप्रावेंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके इश्यमान प्रतिफल में ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी
(अन्तरिरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से की थी किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इक्सी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यालय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा :—

(1) सर्वे श्रो भोवां, हनुमान, नानू, राम, शंभू पुष्टान
ग्यासीराम
निं० द्वावना तहसील आमेर जिला जयपुर
(अन्तरक)

(2) सर्वेश्वी छीतरमल पुत्र रामचन्द्र, सुगनचन्द्र पुत्र
धन्नाराम, नाल चन्द्र, रामेश्वरमल पुष्टान गणेश व
भूरामल पुत्र भूंधा
निं०—चौम्
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रावेंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर प्रावेंक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निरीक्षण में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ब० नं० 53/1 रक्वा 54 वीधा 17 विस्वा का आधा भाग जो
उप पञ्जियक, आमेर द्वारा क्रम संख्या 255 दिनांक 16-6-82
पर पंजियक विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

दिनांक : 11-9-82

मोहर :

प्रस्तुति आई. टी. एन् एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 मितम्बर 1982

ग्रामेश सं० राज०/महा० आ० अर्जन/1326—यत. मुझे,
मोहन सिह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाहस करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु से अधिक है

श्री जिसकी स० कृपि भूमि है तथा जो नह० आमेर में स्थित है
(श्री इसमें उपाख्य अनुसूची में श्री पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जिला जयपुर आमेर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 23-6-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अतिरिक्त को गहर है और भूमि यह विवाहस करने
का कारण है कि यथापूर्वकता सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिक्ती
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण तिसित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हट्ट किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अतिरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राम कवर पुत्र श्री घासीराम अहीर
निवासी—ग्राम निडोला नहमील आमेर जिला
जयपुर
(अन्तरक)

(2) मर्वशी सम्पूर्ण सिह, अर्जीत सिह, जागेन्द्र सिह पाप
श्री गुरुनील सिह
ग्राम—मोरीजा ।
(अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी आक्षेप ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निश्चित भूमि किए जा सकेंग।

स्वेच्छाकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उम अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृपि भूमि 29 बीघा 14 विस्वा स्थित ग्राम महेशपुरा तह०
आमेर जो उप पञ्चायक, आमेर द्वाग्र त्रम स० 273 दिनांक
22-6-1982 पर पञ्चायक विक्रय पत्र में श्री विस्तृत रूप से
विवरणित है ।

दिनांक 22-6-82
माहर

मोहन सिह
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

प्रत्येक आई.टी.एम.एस.-----

(1) श्री गिर्धारी मिह पुव लाल मिह राजपूत
निवासी—चतुरपुरा तहसील व जिला जयपुर।
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घोषा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 मित्स्वर 1982

(2) श्री छगन, गोपा, रामेश्वर एवं अन्य, ग्राम आच्छोजाई,
तह० आमेर, जिला जयपुर
(अन्तरिती)निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/1327—यत्, मृद्ग,
मोहन मिह,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० क्रृषि भूमि है तथा जो तह० आमेर में स्थित है
(और इसमें उपावद अनुमूल्यी में और पूर्ण स्वप्न में वर्णित है), रजिस्ट्री
वर्ता अधिकारी के कार्यालय तह० आमेर में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 26-6-82
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
स्वप्न में कथित नहीं किया गया है :—के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किरी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित
गया है।(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अमृसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;—पि भूमि (कल्टीवेटेड) 53 वीघा 14 विस्वा स्थित ग्राम
आच्छोजाई, तहसील आमेर, जिला जयपुर जो उप पंजीयक, आमेर
द्वारा कम संख्या 287 दिनांक 26-6-82 पर पंजीबद्ध विश्व
पत्र में श्रीर विस्तृत स्वप्न में विवरणित है।अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८—मोहन मिह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 11-9-82

मोहर :

प्रकृष्ट आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री ठाकुरदीन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ
लखनऊ, दिनांक 1 मितम्बर 1982

जो ० आई० प्रार० मंड्या प०-११०/अर्जन—अन. मुझे,
ए० प्रमाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु.
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है तथा जो ग्राम गामता लखनऊ में स्थित
है (श्रीर हमें उपायद अनुसूची में शांग पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीर्टा आयकरी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीलरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक:

21-1-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाथा गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(अ) अस्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व
में कठी करने या उससे बचने में सूचिधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या बन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
बार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(2) मेमर्स मोटर सेल्स लि० लखनऊ
द्वारा श्री अजय गुप्ता निदेशक

(अन्तरक)

(3) वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है : स्वयं
विवेता

क्वे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाय लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट भूमि 13 विश्वा 5 विश्वासी जो कि गाव कामता
जिला लखनऊ में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व
फार्म 37-जो मंड्या 309/82 में विर्णत है जिसका पंजीकरण
में रजिस्ट्रायर लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 21-1-1982
को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

दिनांक : 1-10-1982

मोहर :

प्राप्त आई टी.एन.एम.-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, लखनऊ
 लखनऊ, दिनांक 1 सितम्बर 1982

जी० आई० आर० सं० ए०-१११ अर्जन—अतः मूल्य, ए० प्रमाद,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000'
 रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है तथा जो विजईपुर लखनऊ में स्थित
 है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण
 अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी,
 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल्के के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 प्रदृढ़ प्रतिशत से अधिक है और अन्तर (अन्तरकों)
 और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
 तथा ताग गत प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 निखित में वार्ताविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के
 बायित्व में कमी करने या उससे इच्छने से सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) देसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमिनयों
 को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, -या
 बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोगमात्र अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री छोटेलाल
 श्री मथुरा
 श्री रामग्रन्थार
 (अन्तरक)

(2) श्री अजय गुप्ता
 निदेशक मेमर्स मोटर्स मेल्स निं० लखनऊ
 (अन्तरिती)
 (3) वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है : विक्री-
 गण ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए
 कार्यालयीय शुरू करना ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के वर्तमान में हाई भो आज्ञे ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45
 दिन की अवधि या तसम्बन्धी अविक्षियों पर सूचना की
 तारीख से 30 दिन की अवधि; और भी प्रदृढ़ शब्द में
 प्रमाण होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से
 निसी अविक्षिय होता;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
 किसी अन्य अविक्षिय द्वारा अधिकृताधारी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टोक्तरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
 दिया गया ।

अनुसूची

भूमि प्लाट पैमाइस्मी 1 बीघा 3 विस्त्रासी (32000
 स्क्यारफिट) जो कि विजईपुर परगना व तहसील व जिला लखनऊ
 में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विश्वास मेलाडीड व फार्म 37 जो संख्या
 306/82 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार
 लखनऊ के कार्यालय में माह जनवरी, 1982 को किया जा
 चुका है ।

ए० प्रमाद
 मक्षम प्राधिकारी
 महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन धेन, लखनऊ

दिनांक : 1-10-1982.

मोहर :

प्रमुख आर्थ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 1 अक्टूबर 1982

जी० आई० आर० सं० ए०-११२/ए०—अतः मृझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाया है), की धारा 269-ष के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विवाह संबंधी करने का कारण है कि स्थावर प्रमाण त्रियका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी म० प्लाट है तथा जो ग्राम कमता जिला लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विवाह करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण सिवित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) बन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में रुपी करने या उसमें रुपने में सुविधा के लिए;
प्र०/प.

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-जनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आविहए था, जिसने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मोहन लाल

(अन्तरक)

(2) मेमर्स मो० मेम्स निं० लखनऊ
द्वारा — श्री अजय गुप्ता निदेशक

(अन्तरिती)

(3) श्री मोहनलाल ।

वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है :

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तमस्कन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामीन में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावधान में मरण दोगी है, तो उक्त अवधि अवधि व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के गज़रन में पकागत की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अगोहस्ताक्षरी के पास निविन में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रधाराय 20-ह में परिभाषित हैं वही अर्थ दोगा जो उप अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लाट ग्राम कमता जिला लखनऊ में स्थित है जो कि 1 बीघा 10 बिस्ता व 2 विस्वासी है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 8223/82 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय से दिनांक माह जनवरी, 1982 में पंजीकृत किया जा चुका है ।

प्र० प्रसाद

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

दिनांक : 1-10-82

मोहर :

प्रस्तुप आई० दी० एन० एस० —

ग्रामीण प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर शायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 सितम्बर 1982

जी० आई० आर० संख्या एच०-४३/-अर्जन—अतः मुझे,
ए० प्रसाद,

शायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उन्न अधिनियम' रहा गया है) की धारा 269-ग
के अधीन पद्धति प्राप्तिकारी को, भू विवास करने का कारण
है। इसका अधिकारी, विवास वित्त बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये में अधिक है।

और जिसकी सं० मकान नं० 22/29 प्लाट नं० 156 केन्टरोड
लखनऊ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ
में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 13-1-1982

को पूर्वीकृत सम्पादित उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल । लिए अन्नार्थता का गई है और मुझे यह विवास
करने का गरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसरा, तीसरा, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिफल से अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और
अन्तरिता प्रत्यक्षित है। इन सभी प्रत्यक्षित के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उन्हें । उक्त प्रत्यक्षित विवास से
वास्तविक रूप से सहित नहीं रहा गया है:—

(क) प्रत्यक्षित ये हूई किसी व्याय की बाबत, उक्त प्रधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरके व्यायिक में
किसी तरने या रसमें बदले में सुविधा के लिए;
और/या

(घ) ऐसी किसी व्याय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को नहीं भारतीय शायकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धन-का० अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के पद्धतिनायक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या वा। (हिया जाना चाहिए था, छिपाने
ए० अन्तरिती के लिए)।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसूचण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों कथाति:—

11-296 GI/82

(1) श्री सी० बी० लाल
श्रीमती राजेश्वरी लाल
श्री विपुल लाल
श्री संदीप लाल

(अन्तरक)

(2) श्री हरषोत सिंह अलुवालिया (माइनर) नावालिया
द्वारा पिता व संरक्षक श्री गुरुचरन सिंह
(अन्तरिती).

(3) वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है:
स्वयं ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकृत नियति के अन्त के
लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त नियति के अर्जन के सम्बन्ध में कोहौ भा शाजेप।

(ज) इस युवरा के राजपत्र में यकान की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्तमता ००५० रुपये पर
सूचना की तारीख ७ अक्टूबर को अवधि, जो भी
अवधि चार में समाप्त होता है, के नाम पूर्वीकृत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वाक्षर सम्पत्ति पर दितबद्ध
किसी अन्य अवधि द्वारा भागान्वत्वा या स
लिखित में हिंग जा दी होती।

स्वाक्षरीकरण:—इसने भयुन नाम और नदी न० ८८, लंगी-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अवधि होगा, जो उम अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

मकान नं० 22/29 प्लाट नं० 156 पर स्थित है जो कि
1855 स्वाक्षर फिट है जो कि केन्ट रोड लखनऊ पर स्थित है
जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37-जो संख्या 736/
82 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के
कार्यालय में दिनांक 13-1-1982 को किया जा चुका है (37-
जो फार्म के अनुसार)

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक शायकर शायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

दिनांक : 15-9-1982

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 7 सितम्बर 1982

जी० आई० आर० संचया दो-30 अर्जन—अतः मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन संक्षम प्रांधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 35 (ए०-प्लाट) है तथा जो अशोक
नगर कालोनी सारंग तालाब वाराणसी में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 1-1-1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
उद्भव प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में इडॉ किलो ग्राम की चाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन नन देवे अन्तरण के
दायित्व में कमी करने द्य उपाये सभने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः —

(1) अशोक सहकारी गृह नि मणि समिति सि०
द्वारा सविव श्री कैलाश सिंह

(अन्तरक)

(2) श्री तिभुवन नाथ किंगरत

(अन्तरिती)

(3) उपरोक्त अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

क्ये यह सूचना जारी करके प्रवान्धत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीहृष्यां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ० भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, औ भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के
पाय लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—उक्त प्रयोक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्लाट नं० 35 (ए०-प्लाट) अशोक नगर कालोनी सारंग
तालाब वाराणसी में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड
व फार्म 37-जो संचया 57/82 में वर्णित है जिसका पंजीकरण
सब रजिस्ट्रार वाराणसी के कार्यालय में दिनांक 1-1-1982
को किया जा चुका है ।

ए० प्रसाद

संक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

दिनांक : 7-9-1982

मोहर :

प्रलेप आई०, टी०, एन०, एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 7 सितम्बर, 1982

जी० आई० आर० सख्ता-एम०-142/अर्जन—अत मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन मध्यम पारिवारी दो गह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर राम्पनि, आजसका उत्तर बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है।

और जिसकी स० आगाजी प्लाट न० 94-वो है तथा जो मौजा-हाल अशोक नगर कालोनी मागर तालाब परगना सिवायुर तहसील व जिला वाराणसी में स्थित है (ग्राम इस उपायुक्त अनुगूचों में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेटरी अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीफरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 1-1-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूरों यै विश्वास करने का कारण है छि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उत्तर बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एम दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितिश) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हैर्ड किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान म-सुविधा के लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुग्रहण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व दो उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा —

(1) अशोक सहकारी गृह निर्माण समिति लि०

सारग तालाब वाराणसी
द्वारा सचिव कैलाण सिंह

(अन्तरक)

(2) श्री मोहनलाल

(अन्तरिती)

(3) वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।
उपरोक्त अन्तरक।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के माध्यम से कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र म- प्रकाशन की तारीख से 15 दिन का अर्थात् या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र म- प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बृक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्याप्त का, जो उक्त सम्पत्ति के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आराजी प्लाट न० बी०-९४ अशोक नगर कालोनी सारंग तालाब मोजा हाल परगना सिवायुर तहसील व जिला वाराणसी में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेनडीड व फार्म 37-जी संख्या 56/82 में वर्णित है जिसका पजीकरण मब रजिस्ट्रार वाराणसी के कार्यालय में दिनांक 1-1-1982 की किया जा चुका है।

ग० प्रसाद
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, लखनऊ।

दिनांक 7-
मोहर।

प्रसूप आई. टी. एन. एस.
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एरणाकुलम,

कोवीन-16, दिनाक 25 अगस्त 1982

निवेश स० एल० सी० 590/82-83—यत. मुझे पी०
नै० तोमसकुट्टि,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी जो यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसका स० अनुसूची के अनुसार है तथा जो पलनटिटा में
स्थित है (श्रीं इसमें उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) जिस्टीकृत अधिकारी के कार्यालय पलननिटा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनाक 25-1-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्योक्ता सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मूँ
षास्त्रीयक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाशत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वासिताओं
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सविधा के लिए;

अतः यद्य, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण
में है, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती लक्ष्मी अम्मा भास्करन पिल्लै,
पी० नी० शशिधरन पिल्लै, और जी० सरस्वती अम्मा
(अन्तरक)
2. श्रीमती पी० टी० मातृ और ग्रसं मातृ
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर स्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
विलित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसके प्रमुख शब्दों और वर्दों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो इस अध्याय में दिया
गया है।

ठनुसूची

15 cents of land as per schedule attached to Do. No. 194
dt. 25-1-1982.

पी० नै० तोमसकुट्टि
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, एरणाकुलम

तारीख 25-8-1982
मोहर :

प्ररूप आर्द्ध. टी. एन. एस. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एरणामुलम

कोषीन-16, दिनांक 25 अगस्त 1982

निवेश मं० एल० सी० 591/82-83—यतः मुझे पी० न०
तोमसकुट्टि

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन भक्षण प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसमें म० अनुसूची के अनुशार है नथा जो पलनंतिटा में
स्थित है (ओर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रेकर्टा अधिकारी के कार्यालय पलानहिट्टा में
रजिस्ट्रा दरण अधिनियम 1908 (1903 का 16) के अधान
दिनांक 27-1-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विवास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल नहै, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सभी याया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से छूर्ह किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम वो अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या नन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपने में सुविधा
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की भाग 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रामिकों लभ्मो थम्मा, भास्तरन पिल्लै,
पा० जो० शापिधरन पिल्लै और जी० भरस्वत। थम्मा
(अन्तरण)
2. श्रीमती पी० टी० मात्यू और ग्रसी भाल्यु
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद पर समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किए अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
दिलेखित में किए जा सकेंगे।

सम्बोधकरण :—इसमें प्रन्तन शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

15 cents of land as per schedule attached to Doc. No. 198
d. 27-1-1982.

पा० न० तोमसकुट्टि
सक्षम प्राधिकरी
सहायक आयकर आयुक्ता (निरीक्षण)
अर्जन रेज, एरणामुलम

तारीख 25-8-1982
भीहर :

प्रस्तुति आई० ठी० एल० एश०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एरणाकुलम

कोटीन-16, दिनांक 7 सिन्हाम्बर 1982

निदेश सं० एल० मी० 593/82-83—यतः मुझे पी० ने० तोमसकुट्टि,

आगामी अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विधान करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.00/- हजार से अधिक है और जिसको सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो निश्चयेहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्राकर्ता आधिकारी के कार्यालय निश्चयेहर में रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 29-1-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसराना प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाद करने का कारण है कि दूसराना सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टभान प्रतिकाल से, ऐसे दूसराना प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्को) और अंतरिती (अंतर्नियमों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से लक्ष्य अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है ;—

(क) अन्तरण से हूँह किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/वा

1. श्री पी० के० बाहुल्हमीद,

(अन्तरक)

2. श्रीमती सेलमा हंसा

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारे करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक वर्तमान में यों है भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रवर्गक्षम की तारीख से 45 दिन की अवधि या तक्षणधी अवक्षियों पर सूचना की सामीक्षा से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में अपार होती ही, के भीतर पूर्वोक्त अवक्षियों में से निम्न अवक्षित होता,

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रत्याक्षम की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी अन्य अवक्षित होता, अग्रेस्ट्राक्शरों के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

सम्पूर्ण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधान 20-क में परिभ्राष्ट है, वही अर्थ होंगे, जो उव्यायाम में विद्या गया है।

अनुसूची

Acre of land with a building as per schedule attached to
Doc. No. 550 dt. 29-1-1982.

(ख) ऐसी किसी धारा या किसी धन अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1) या उक्त अधिनियम, या धन कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था। छिपा० ५ मविधा के लिए;

पी० ने० तोमसकुट्टि,

सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एरणाकुलम

धूतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की विधाय (1) के अधीन, निम्नलिखित अवक्षियों का दर्शन—

तारीख 7-9-1982

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

1. श्री राम लिंगम,

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. वीरमनी और अन्य

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज

मद्रास, दिनांक 17 सितम्बर 1982

निवेश सं० 29/जनवरी/82—यतः मुझे एस० लहरी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 47/1G1, है तथा जो अन्तनानपट्टी सेलम में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सेलम डाकुमेंट
सं० 388/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त सम्पत्ति के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्प्रवर्त्ती व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयोक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सरवे सं० 47/1G1 अन्तनानपट्टी सेलम (डाकुमेंट
सं० 388/82)।

एस० लहरी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, मद्रास

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख 17-9-82
मोहर:

प्रस्तुत शाहौद, टी. एन., एम.-----

1. मत्तलीना

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

2. श्री वर्मनी और अन्य

(अन्तरिता)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए
कार्यवाहियों करता है।

अर्जन रेज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 सितम्बर, 1982

निर्देश सं० 29 ए/जन०/82—श्रन. मुझे एत० लहरी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 47/1G 1, तथा जे अनन्तानापट्टी सेलम
में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुमूर्च्छा में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सेलम (डाकुमेंट
सं० 381/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 82

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्वह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाजार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपेहस्ताभरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सुनिश्चित रूपः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी व्याय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक द्वे
वावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुमूर्च्छी

(ब) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाएँ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना आवृद्धि पा छिपाने में सुविधा के लिए;

भूमि सर्वे सं० 47/1G 1, अनन्तानापट्टी सेलम (डाकुमेंट
सं० 381/82) ।

एस० लहरी,
ग्राम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज I, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीखः 17-9-82

मोहरः

प्रकृष्ट बाईं, टी. एन. एस. —————

1. सीरिगम्माल,

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

2. श्री अरतनारी, मुदली

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, I मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 सितम्बर 1982

निदेश सं० 46/जन०/82—प्रतः मुझे, प्र० १८८ लहरी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 188 है, तथा जो मल्लसमुद्रम,
नामककल, सेलम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
मल्लसमुद्रम, (डाकुमेंट सं० 17/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उम्मेद दस्यमान प्रतिफल से, उम्मेद दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
दाता है अमावस्या तो, के भीतर प्राकाश
व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति ध्वना;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
दात्य जिसे अन्य व्यक्ति अपार्टमेंट बाह्यकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्लॉटोकरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में दीर्घायित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हट किसी वाय की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दने में अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
श्रीर/या

मृ॒सृ॒ची

भूमि सर्वे सं० 188 मल्लसमुद्रम, नामककल सेलम
(डाकुमेंट सं० 17/82) ।

(ख) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती दिवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

प्र० १८८ लहरी,
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, मद्रास

अतः इव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण
में, व०. उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

12-296 GI/82

तारीख : 17-9-1982

मोहर :

प्रस्तुति प्राइवेटी ०८०० एन० एस०-

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महाप्रश्न प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 सितम्बर 1982

निदेश सं० 47/जन०/82—अतः मुझे, एस० लहरी,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके
रखात् 'उक्त अधिनियम' भी कहा जाता है), वि भारत 269-ख के
प्रधीन अन्तर्गत आयकर प्रायुक्त द्वारा 1908 का अर्जन का राज्या है कि
ध्यावर अंतर्गत उक्त द्वारा आयकर मन्त्र 25,000/-
रु० में अधिक है

और जिमकी सं० सर्वे नं० 188 है जो मल्लसमुद्रम, कीलमगम,
नामक्कल सेलम में स्थित है (और इसमें उपावड्ड अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय
मल्लसमुद्रम (डाकुमेंट सं० 18/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1982
को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करते का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
न्वाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितीय) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से अधिकत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में संविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) द्वारा प्रकट कर अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में भूविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपर्याग (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जन :

1. सीरगम्माल

(अन्तरक)

2. श्री ऐस्त्रियण मुदलियार, और अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
रायेवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बावर में समाप्त होती हो, उक्त भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में श्रितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदृसाक्षरी के पान
निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रायाय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ हो गा, जो उस प्रायाय में दिया
गया है :

अनुसूची

भूमि और निर्माण सर्वे सं० 188, मल्लसमुद्रम कीलमगम,
नामक्कल, सेलम (डाकुमेंट सं० 18/82)

एस० लहरी
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख 17-9-1982

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास
मद्रास, दिनांक 18-9-1982

निदेश सं० 48/जन०/82—अतः मुझे, एस० लंहरी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० 7ए, 7बी, 7सी, 8, 9, 10, 11, 12, 13, और
14 है तथा जो बट्टकुलम, स्ट्रीट, वारट 1, है जो तिसेन्टर
में स्थित है (और इससे उपाबृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तिसेन्टर
(डाकुमेंट सं० 484/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

1. श्री कनदसामी चेट्टियार और अन्य
(अन्तरक)
2. डॉक्टर पेनसी टानियल और नानसी टानियल
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख गं
45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख त
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

भूमि और निर्माण 7ए, 7बी, 7सी, 8, 9, 10, 11, 12,
13 तथा 14 बट्टकुलम स्ट्रीट वारट 1, कील तिसेन्टर
(डाकुमेंट सं० 44/82) ।

एस० लंहरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, मद्रास

तारीख: 18-9-1982
मोहर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपलब्ध (1)
के अधिन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस. -----

1. श्री महीमेनादण

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के पश्चीम सूचना

2. कस्तूरी रेनगण

(अन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 सितम्बर 1982

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निदेश सं० 15/जन०/82—अतः मुझे एस० लहरी
आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा
269-व के अधीन वज्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० में अधिक है।
और जिसकी सं० 71, मनमलैचामी स्ट्रीट है, जो के० म० स० ल०
कालौनी, मदुरै में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और जो पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
तल्लाकुलम, (डाकुमेट स० 271/82) में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी,
1982

को पूर्वीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरीतीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्भी अविकृतों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-
भावित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 71, मनमलैचामी, स्ट्रीट, के० म० स०
ल० कालौनी, मदुरै (डाकुमेट स० 271/82)।

(व) ऐसी किसी आय या किसी वन या अथवा आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर प्रिवियम; 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रशोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

एस० लहरी,
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, मद्रास

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 17-9-1982
मोहर :

प्रधन प्राइंटी एन् एच—

1. श्री सरसवी और मदेस

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. विश्वनाथन,

(प्रत्तिरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 सितम्बर 1982

निदेश सं 23/जन०/82—अतः मुझे एस० लहरी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं ठी० एस० सं 122 है जो के० वारठ, है ब्लाक
12, सेलम टाउन, सेलम में स्थित है (और इससे उपावन्द
में और पूरी रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के
कार्यालय सेलम (डाकुमेट सं 188/82) में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक
जनवरी, 1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पश्चात्
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है।—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवंत
के लिए कार्यालयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन —

- (क) इस सूचना के राजवत्र में प्रकाशन को तारीख पै
45 दिन की अवधि या तस्वीरें व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजवत्र में प्रकाशन भी तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितदद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोवृत्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाही नाम :—इसमें ग्रन्थ शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभ्राषित
है, वही अंग होगा, जो उस अन्याय में
दिया गया है।

भूमि

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में रहीं करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; छोर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या कम्य जास्तियों
को जिस्ते भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन्न-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया जावा या या किया
जाना चाहिए वा, कियाने में सुविधा के सिए;

एस० लहरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, मद्रास

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अविवाद, अर्जन :—

तारीख: 17-9-1982

मोहर:

मुख्य आई. टी. एन. एस. -----

1. श्री आनंदलम्भाल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

2. श्री सेनवम

(अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, मद्रास
मद्रास, दिनांक 17 सितम्बर 1982

निदेश सं० एफैन० 27/जून/82—अतः मुझे, एस० लहरी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 35/300 तथा 301 है, जो सेकनट अग्रहारम
नार्थ, सेलम टाउन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और (पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सेलम (डाकुमेंट सं० 304/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से ऐसे इयमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के बीच तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उत्तरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है ।—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
दृष्टि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(ए) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दीने के अन्तरुक के वायित्र में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निये;
और/या

(घ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अनुसूची

भूमि और निम्नां 35/300 और 301 सेकनट अग्रहारम
नार्थ, सेलम टाउन (डाकुमेंट सं० 304/82)।

एस० लहरी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, मद्रास

अतः जब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-व के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकतः—

तारीख : 17-9-82

मोहर :

प्रलेप बाई.टी.एन.एस.-----

1. श्री लामस कैरा

(अन्तर्रक्ष)

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. उपन लामस और श्रनेश्वर

(अन्तर्रिती)

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 सितम्बर 1982

निदेश नं. 34/जन०/82—अतः मुझे एम० लहरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी प्लाट सं. 2477, है जो ए० ए० नगर
सकिम, नटुवाक्करै, मद्रास में स्थित है (और इससे उपावड़
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी
के कार्यालय सेमियम, (डाकुमेट सं. 191/82) में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्ये यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल दो
पद्धति प्रतिष्ठत में अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा या गया गणि-
फल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन भार देने वाले अन्तरक वे
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1920
(1922 का 11) या उस अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ छल्लरिती हवारा एक नहीं किया
गया था या जिन छानत छानिए थी, फिराने में
सविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण प्लाट सं. 2477, ए० ए० नगर सकिम
नटुवाक्करै, मद्रास (डाकुमेट सं. 191/82)।

एस० लहरी
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, मद्रास

तारीख 17-9-82
मोहर :

प्रस्तुत जाइं. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 16) की भारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

1. श्री बी० सुरेन्द्र

(अन्तरक)

2. ऊसट कोसट,
कम्सकसनस और उनटसटरीस

(अन्तिमिति)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 16 सितम्बर 1982

निवेश सं० 35/जन०/82—आतः मुझे एस० लहरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी भं० 15, मैकनिकल्स रोड, चेटपट है, जो मद्रास-31
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पेरियमेंट (डाकुमेंट
सं० 15/82 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भर्ते यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य,
उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का पन्नह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिंक्ट से
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में संविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वाग प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, जिसने में संविधा
के लिए।

भूमि और निर्माण 15, मैकनिकल्स रोड, चेटपट, मद्रास-31।

एस० लहरी

सक्षम प्राधिकारी

नहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास-600006

अन्. जब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभाग (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥—

तारीख : 16-9-1982

मोहर :

प्रस्तुति नामः टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

1. हैदराबाद बिल्डर्स,
5-3-59, बसीरबाग,
हैदराबाद-500 001

(अन्तरक)

2. श्री जी० मनमोहन रेडी पिता श्री जी० बेंकट भूमा रेडी
1008, मीनार अपार्टमेंट्स,
डेक्कन टॉवर्स, हैदराबाद।

(अन्तरक्ति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयित्वां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान संपत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ्लैट, मीनारा अपार्टमेंट्स, डेक्कन टॉवर्स, बसीरबाग,
हैदराबाद, विस्तीर्ण 1020 चौ० फुट रजिस्ट्रीकूल विलेज
नं० 523/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

(क) अन्तरण से हटा किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के बायित्व में कर्त्ता करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

एम० जेगन मोहन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

तारीख : 8-9-1982

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, महायश आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 8 सितम्बर 1982

आरा० ए० सी० नं० 120/82-83—अतः मुझे एम०
जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), वी धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० नं० 704 है, जो मोगल अपार्टमेंट्स,
हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और जो
पूर्ण स्वप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
हैदराबाद, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अंधीन दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अंतरीतियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीनों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

1 हैदराबाद विल्डर्स,
5-8-69, बशीरबाग,
हैदराबाद-500 001

(अन्तरक)

2. श्री सलीम जूमन कोहमद पिता जूमन मोहम्मद,
एफ नं० 704, मोगल अपार्टमेंट्स, 'डेकन टांवरम',
बशीरबाग, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

के यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमवृत्त
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

फ्लैट नं० 704, मोगल अपार्टमेंट्स, डेकन टॉवर्स, विस्तीर्ण
1410 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 522/82 रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 8-9-19 82
मोहर :

प्रस्तुप. आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 सितम्बर 1982

आरो प० सी० न० 121/82-83—अतः मुझे एम०
जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन अधिकारी सक्षम को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी म० फ्लोट आरो टी० सी० ओम रोड, जो
हैदराबाद में स्थित है (ग्रीष्म इससे उपावस्था अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों)
और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहों किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कामी करने या उससे बचने में मुश्विधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिखने में
संविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपभाग (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैनसर्स भाग्यनगर, बिल्डर्स,
1-1-79, आरो टी० वी० रोड,
मुसीराबाद, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती अम्बी ए. भुलतान, पति श्री जेइनुदीन श्रीली,
पी० बी० न० 1140, अल्कोबार, सौदी अरबीय
प्रेडेन्ट एडेस : 4-1-569, दुप बाजार,
हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तापिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रथम शब्दों और पश्चों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

प्लाट एम० न० 1-1-79, आरो टी० सी० रोड,
हैदराबाद, विस्तीर्ण 1170 चौ० कुट रजिस्ट्रीफ्लॉप बिलेख
न० 512/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन

स्कॉम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 8-9-1982

मोहर :

प्रेस्प्रेस बाई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 सितम्बर, 1982

स० आर० ए० सी० न० 122/82-83—यतः मुझे, एम०
जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मूल्य 1704 है, तथा जो नदीगाम में
स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शादनगर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को इस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य वह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से ऐसे इस्यमान प्रतिफल का
एन्ड्रू प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय काया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्दित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ द किसी भाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी भाय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नरोदमलाल पिता मंगीलाल, पार्टनर, इन
मैसर्स बिवजयनक्षमी, सिल्क मिल्स,
नंदीगाम, शादनगर, तालुक।

(अन्तरक)

2. मैसर्स रामा कृष्णा स्टील री-रोलिंग मिल्स,
बाई० जी० एल० आगरवाल पिता लेट छजूलाल जी,
नंदीगाम, शादनगर, तालुक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्पण के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्परताधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में पैरभावित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मूली जमीन

मूली जमीन विस्तीर्ण 4 एकड़ ; नंदीगाम, गांव, रजिस्ट्रीकर्ता
विलेख न० 122/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शादनगर।

एम० जेगन मोहन

मकाम प्राधिकारी

राहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-9-1982

मोहर :

प्रस्तुप शाही० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 सितम्बर 1982

आर० ए० सी० न० 123/82-83—यतः मुझे, एम०
जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ८/२ और ९/३ है, जो सहरनगर, हैदराबाद में
स्थित है (और इससे उपाधान अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी,
1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि वयाधूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृइ किसी आद की बाबत, उक्त सम्पत्ति
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आद या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यस: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :—

1. श्रीमती राकशाला कुलशर, पिता मोहम्मद जाँ० कर्हीन
अहमद 3-3-803, कुनबीगुडा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री एम० वीरभद्राराव पति एम० यला रात्र,
एम० 572, मलकपेट, कम्मलनी,
हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मोहन

खुली जमीन सर्वे न० ९/२ और ९/३, सहरनगर, हैदराबाद,
विस्तीर्ण 389 चौ० गज, रजिस्ट्रीकून विलेवन० 729/82,
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद पूर्व।

एम० जेगन मोहन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-9-1982
मोहर :

प्रस्तुति आइं. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मिस्रबाद 1982

आरो प्र० मी० नं० 124/82-83—यत् मुझे, एम०
जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1-10-193 है, जो आशोक नगर, हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपावन्द अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चीक्कुपल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्णोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्णोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हूँ इं किसी भाव की वावत्, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण है, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात् :—

1. श्रीमती जे० बेक्टरलम्मा और अन्य धर न० 1-10-193, आशोक नगर, हैदराबाद (अन्तरक)
2. श्रीमती डी० रत्नामुन्दरी, देवी, प्लाट न० 30, भाग्यलक्ष्मी नगर, बाकागम, कवाढीगुड़ा, सिकन्दराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्णोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइं भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

आशुष्मी

घर संपत्ति (धो मजिल की इमारत), न० 1-10-193, आशोकनगर, हैदराबाद, विस्तीर्ण 600 चौ० गज, रजिस्ट्रीकर्ता चीक्कुपल्ली।

एम० जगन मोहन
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 8-9-1982

मोहरः

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदरगाबाद

हैदरगाबाद, दिनांक 8 मिन्हवर 1982

आरा० ए० सी० न० 125/82-83—अन्, मुझे, एम०
जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन भक्षण प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि उक्तवर सम्पर्क, विभवा उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. सा अधिक है।

ओर जिपकी न० 202/सी है, जो काम्पलैकम, गिरन्दराबाद
में स्थित है (ओर इससे उपबङ्ग अनुमूल्य में और गुणवृप्ति में
वरिणि है) रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय गिरन्दराबाद में
रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अंतर्गत
दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास-
विक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदै किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सूचिता के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सूचिता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 मैमर्म काश्चा एंड कंपनी, बाई पाटेन,
श्री एग० प्रभायर रेड्डी,
2-2-132 से 139,
एम० जी० रोड, गिरन्दराबाद।

(अन्तरक)

2 मैमर्म मार्गदर्शी चैट फंड प्रा० न्ह०,
वाइ मैनेजिंग डाइरेक्टर श्री ए० वृष्णामर्णी,
4-1-833/2, अर्बाट्म सर्कल, हैदरगाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोंक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी वे
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मृसूची

कार्यालय परीक्षा न० 202/सी, काम्पलैकम,
2-2-132 मे 139, एम० जी० रोड, गिरन्दराबाद रजिस्ट्रीकर्ता
विलेख न० 39/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सिकन्दरगाबाद।

एम० जेगन मोहन

मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदरगाबाद

तारीख : 8-9-1982

मोहर :

प्रस्तुत वाइ. टी. एम. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 गिनव्वर 1982

म० श्राव० ग० मी० न० 126/82-83-उक्त मुझे, एम०
जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पासात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 202/वी है, जो राष्ट्र कम्लैक्स, मिकन्द्राबाद में स्थित है (आर डॉमेन उपावड अनुसूची में जो पूर्ण स्थान में दर्शा रहा है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मिकन्द्राबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) वे अधीन, जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए यह पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इन्हीं किसी आय की वापस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उगम नचन में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आवश्यक था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कार्यालय का परीक्षा नं० 202/वी, काढ़ा कम्लैक्स 2-2-132 में 139 एम० जी० रोड, मिकन्द्राबाद रजिस्ट्रीकरण विभाग नं० 23/72, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मिकन्द्राबाद।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः:—

1 मैं एम० श्री एम० कमलना, वाइ. एम० एम० प्रभाकर रेडी,
2-2-132 से 139, एम० जी० रोड,
मिकन्द्राबाद ।

(अन्तरक)

2 मैं मैर्स मार्गदर्शी चिट फाई प्रा० नि०,
वाइ. मैर्नेजर डाइरेक्टर, श्री ए० बृला मूर्ती
4-1-833/2, एम०टम० मैर्केल, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

करें यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनवृध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निर्दित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, एसे अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो इस अध्याय में दिया गया है ।

तारीख: 8-9-1982
मोहर:

प्रश्नप्राप्ति. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 सितम्बर 1982

सं. श्रारो ए० मी० नं. 127/82-83—ग्रन्त: मुझे, एम०
जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसको सं. 202/ए, है, जो कानून कम्पलैक्स, मिकन्दराबाद
में स्थित है (और इसमें उपावड़ ग्रन्तसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रथमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके रथमान प्रतिफल से, ऐसे रथमान प्रतिफल का
पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर बने वे अन्तरक के बायित्य में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

14—296 GI/82

1. मैसर्स कानून एंड कम्पनी,

बाइपार्टनर श्रो. एम० प्रभाकर रहु०

2-2-132 से 139,

एम० जी० रोड, राजन्दराबाद।

(अन्तर्क)

2. मैसर्स मार्गदर्शी चाइट फण्डम प्रा० लि०

बाइ मैनेजिंग डाइरेक्टर श्रो. ए० कुण्ठामूर्ती

4-1-833/2, एबीट्स सर्कल, हैदराबाद।

(प्रतिरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्जेक्टों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित है,
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

ग्रन्तसूची

कार्यालय का परिसर नं. 202/ए, कानून कम्पलैक्स,
एम० जी० रोड, मिकन्दराबाद, विम्तीर्ण 564 चौ० फुट०,
रजिस्ट्रीकृत विलोग्न नं. 19/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
सिकन्दराबाद।

एम० जेगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 8-9-1982

मोहर :

प्रख्यु आइ०. डॉ. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 8 सितम्बर 1982

सं० आर० ए० सी० नं० 128/82-83—यतः मुझे, एम०
जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1-1-524/ए और ए१ है, जो गांधीनगर,
हैदराबाद स्थित है (ओर इससे उपावद अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन विनांक जनवरी, 1982

को पूर्णांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पूर्ण
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्ति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीय को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में संविधा
के लिए;

जस्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैं सर्व कामत विल्डर्स ,
बाइ पू० ए० कामत ,
बी-३, विंडू शॉपिंग मॉन्टर, तीलक रोड, बांग्ले ।
(अन्तरक)

2. श्री वृंदि विक्रमांगन, पिना वाइ० नागरणांगव,
१-१७१४/म०, न्यू बांगांगम, हैदराबाद ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकत संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी गाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकत
अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्टि
किसी अन्य अविक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

मनूसूची

फैट एम० नं० 1-1-524/ए, और ए१, बालाजी टाकोज
के पास, गांधीनगर, हैदराबाद, विभ्नोर्ण 661 घौ० फुट, रजिस्ट्री-
क्यून विनेव नं० 628/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
आर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 8-9-1982

मोहर :

प्रलेप. आई.टी.एन.एस. -----

- मैमसं काभिल बिल्डर्स, वाइ एस० ए० कामत,
बी-३, बिन्दु शोपिंग सेंटर, तिलक रोड,
बीम्बे ।

(अन्तर्गत)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 8 सितम्बर 1982

सं० आर० य० सौ० नं० 129/82-83—अतः मुझे, एम०
जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी मं० न० 71-1-524/ए है, जो गांधीनगर, हैदराबाद
में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में आ० जो पूर्ण स्वूप में
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अवान
दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
कूरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ए०से दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और
अंतरिती (अंतरितीय) के बीच ए०से अंतरण के लिए तथा पाया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्री वाइ श्रीधर राव पिता नाई नारायण राव,
1-1-714/सी, गांधीनगर, न्यू बाकाराम,
हैदराबाद ।

(अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आभेष :—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि
जन्य व्यक्ति द्वारा, अधेस्त्राधारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

एक फ्लैट एम० नं० 1-1-524/ए और ए 1 बासाजी
टाकोज के पास, गांधीनगर, हैदराबाद विस्तीर्ण 1000 चौ० फुट
रजिस्ट्रीकून विलेख नं० 627/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन

संक्षेप प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 8-9-1982

मोहर :

प्रस्तुति. आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मित्तम्बर 1982

सं. आरा. ए. मी. नं. 130/82-83—यत मुझे एम.

जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं. ए-6, 1-1-524/ए और ए 1 है, जो गांधीनगर
हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कर्यालय
हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 गा 16)
के अधीन दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

1. मैसर्स कामत बील्डर्स, बाइएस० ए० कामत,
बी-३, बिहु शोपिंग सेटर, तिलक रोड,
बाम्बे ।

(अन्तरक)

2. श्री व्ही० पद्मजा, शहनाय पर्सि व्ही० गनेश शहनाय,
3-4-674 ए, नारायण गुडा, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद से स्पाल होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अंतरण से हूँ अस्ति किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

ए० फ्लैट एम० नं. 1-1-524/ए और ए 1 बालाजी
टाकीज के पास, गांधीनगर, हैदराबाद, विस्तीर्ण 605 चौ० फुट,
रजिस्ट्रीडूट विलेक्षण नं. 514/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख 8-9-1982

मोहर :

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नतिवित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुप आई. टी.एन. एम. ----

- मैसर्स, कामत, विलडम बाइ प्र० आर० कामत,
बो-3, बिंदु शॉपिंग मेटर, तिलक रोड, वार्से ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मित्तम्बर 1982

सं० आर० ए० सी० न० 131/82-83—यतः मुझे एम०
जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके एश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जियकी संख्या 1-1-524/ए और ए 1 है, तथा जो गांधी-
नगर, हैदराबाद में स्थित है (और इसके उत्तर अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता आधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में भारतीय गजट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके छयमान प्रतिफल से, एस छयमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूर्झ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, द्विपाने में स्विधा
के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- मैसर्स, कामत, विलडम बाइ प्र० आर० कामत,

बो-3, बिंदु शॉपिंग मेटर, तिलक रोड, वार्से ।

(अन्तरक)

- श्री क० दयानंद प्रभू, पिना के० सीताराम प्रभू

1-4-84 फर्स्ट फ्लॉर, कलामीगुडा,

सिकन्दराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निर्दिष्ट में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक फ्लैट एम० न० 1-1-524/ए, और ए 1 बालाजी
टाकोज के पास, गांधीनगर, हैदराबाद विस्तार 660 चौ० फुट,
रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 91/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन
संक्षेप प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख 8-9-1982
माहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 सितम्बर 1982

आरो ये० सी० नं० 132/82-83—यतः, मुझे, एम०
जेगन मोहन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० 1-1-524/ए, और ए 1 है, जो गांधीनगर
हैदराबाद में स्थित है (ओर इसमें उपाबद्ध अनुमूली में और पूर्ण
रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 ना 16) के अधीन
दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्हु प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ्य पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अंतरण निम्नलिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हट्ट किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के
दायित्व में करनी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अंतरित व्यावारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्सरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. मैमर्स कामत बिल्डर्स, बाई एम० आर० कामत,
नी-3, बिंदु शोपिंग सेंटर, तिलक रोड,
बास्के ।

(अन्तरक)

2. श्री यस० जी० रामाकृष्णा,
4-1-11/बी, तिलक रोड, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवैध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्टि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधेश्वस्ताक्षरी के पास
निवित में किये जा सकें

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रामित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अन्सूची

एक फ्लैट एम० नं० 1-1-524/ए और ए 1 बालाजी
टाकीज के पास, गांधीनगर, हैदराबाद विस्तीर्ण 960 चौ० फुट,
रजिस्ट्रीशन विलेख नं० 92/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख 8-9-1982

मोहर :

प्रधानमंत्री, टी. पन. एस. —————

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 सितम्बर 1982

सं. भारा० ये० सी० नं. 133/82-83—यतः, मुझे,
एम० जेगन मोहन,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा०
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाद करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. बी-1 1-1-524/ए और ए 1 गांधीनगर,
हैदराबाद स्थित है (और इससे उपावश्य अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1982

को पूर्णैकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टिमान
प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विवाद करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्टिमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टिमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर) और अंतरिती
(अन्तरितियाँ) के दोष ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण के दृष्टि वाय की बाबत, उक्त
अधिनियम वै अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी वाय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिसे भारतीय बाब-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहुए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा० 269-ब के अनुसारण
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा० 269-ब की उपधारा० (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वरपति—

1. मैसर्स कामत बिल्डर्स बाई० यस० भारा० कामत,
बी-3, विदु शार्पिंग सेंटर, तिलक रोड, बाम्बे।
(अन्तरक)

2. श्री पन० वरदारया नायक, बी-1, दामोदर कीपा,
1-1-508/बी०/1, न्यू नाकाराम, गांधीनगर, हैदराबाद।
(अन्तरिती)

मैं यह सूचना आरी करके पूर्णैकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदनः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्णैकत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्रुत्प
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रस्तौलिकरणः—इसमें प्रमुकत शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूसूची

एक प्लैट एम० नं. 1-1-524/ए और ए 1 बालाजी
टाकीज के पास, गांधीनगर, हैदराबाद विस्तीर्ण 960 चौ०
फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेक्ष सं. 188/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
हैदराबाद।

एम० जेगह मोहन
मक्षम प्राधिकारी
सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखः 8-9-1982
मोहरः

प्रस्तुप बाईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 8 सितम्बर 1982

सं० आर० ए० सी० नं० 134/82-83—यतः मुझे,
एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1-1-524/ए और ए१ गांधीनगर, मे
स्थित है (और इसे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्णरूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन जनवरी, 1982

¹ को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दूर्घान प्रतिफल से, ऐसे दूर्घान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भग-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में
मुश्किल के लिए;

1 मैमर्म कामत विल्डम् बाइ एस० आर० कामत,
सी-3, बिंदु शार्पिंग मेंटर, लिलक रोड, बांग्ले।
(अन्तरक)

2 श्री पी ह्वी० लक्ष्मीनारायण शर्मा पिता मीतारामाराव
कैनरा बैंक, बापट्टा। (अन्तरिती)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ता सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षवारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद्ध
किसी बन्ध व्यक्ति क्षवारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बन्धुसंघी

एक फ्लैट, 1-1-524/ए और ए१ गांधीनगर, हैदराबाद
विस्तीर्ण 840 चौ० गज रजिस्ट्रीकूल बिलेख नं० 271/82
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

तारीखः 8-9-1982
मोहरः

प्रह्लाद शाह^१. टी एन. एस.-----
आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा।
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत मंत्रालय

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मितम्बर 1982

सं० आर० ए० सी० नं० 135/82-83—यतः, मुझे,
एम० जेगन मोहन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इनमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-घ के प्रधीन सञ्चाम प्राधिकारी ने, यह विश्वाम करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैओर जिसकी सं० 1-1-524/ए और ए१ गांधीनगर,
हैदराबाद में स्थित है (ओर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ओर
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन नारीख जनवरी, 1982को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अंत-
ग्रन्ती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—1. मैमर्स् कामत विल्डर्स् बाइ० एम० आर० कामत,
बी-३, विंडू जॉर्जिंग मेट्र, निलक रोड, बॉम्बे।
(अन्तरक)2. श्री मधुमूदन पोमी पिंता पी० मुब्बाराव,
वांक आफीसियल, 2/291, वरदाराजस्वामी
टेस्पल, चीतूर।
(अन्तरित)को पहली जारी करके पूर्णतः नियम के अंतर्गत के
तिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्भावित के प्रमेय के अंतर्गत को वा प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्याप्त का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के परिभाषित हैं,
वही अर्थ होंगे, जो उस अध्याय ने दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुश्किल
के लिए, आर०/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धरणों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किसी नाना चाहिए था
छिपाने में सुविधा के लिए.एक फैट एम० नं० 1-1-524/ए आर० ए१ बालाजी
टाकीज के पास, गांधीनगर हैदराबाद, विस्तीर्ण 967 चौ०
फुट रजिस्ट्रीकून विलेज नं० 272/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी, हैदराबाद।एम० जेगन मोहन
गवर्नर ग्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 8-9-1982

मोहर:

प्रसूप बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 सितम्बर 1982

मं. आर० ए० सी० 'नं० 136/82-४३—यतः मुझे,
एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उभके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. 1-1-524/ए और ए। है, जो गांधीनगर,
हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित 'बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एम० दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तर यापा गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुश्किल
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैषम् कामन विलक्ष्म वाड एम० आर० कामन
वी-३, विदू गाँगा मेंटर, निक कोड, वास्त्रे।
(अन्तरक)

2 श्रीमती मीना कुलकर्णी पति प्रकाश कुलकर्णी,
12-10-51, मोताफ्चमडी, मिंदंदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोइ भी जाक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक फ्लैट एम० न० 1-1-52/ए और ए। बालाजी
टाकीज के पोम, गांधीनगर, हैदराबाद विस्तीर्ण 531 चौ०
फुट रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 273/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-9-1982

मोहर :

ਗੁਰੂ ਨਾਨਾ ਸਾਹਿਬ

१. मैसर्स कामत बिल्डर्स वाहू० एस० भार० कामत,
बी-३, बिटू शापिंग मेटर, तिलक रोड, वार्षे।
(अन्तरक)
 - २ श्री सी० सूर्यनारायणापंटा, वाक यम्पुलायी पिता
नारायणापंटाँ, ७-४-३, रगीगीटी स्ट्रीट, विजया-
नगरम्।
(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन मुख्या

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधिकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनाक 8 सितम्बर 1982

म० आर० ए० सी० न० 137/82-83—यत्. मुझे,
एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-से के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थानीय मंपालित, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी म० 1-1-524/ग्र और ए 1 है जो गांधीनगर, हैदराबाद मे स्थित है (आंग इससे उपायद अनुसूची मे पूर्ण रूप मे वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद मे रजिस्ट्रीकरण आधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपर्कित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्कित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तये पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीथुर नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में संविधान के लिए और/या

(क) एसो किमी आय या किमी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त विधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तर्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभाव के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भौत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

करें यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्षस सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काइं भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तटसम्बन्धी व्यक्तियों सूचना की तारीख से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वानु व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारोंख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ्लैट एम० न० 1-1-524/ए और ए। वालाजी-टाकीज, गांधीनगर के पास स्थित है। हैदराबाद, विरमीण 661 चॉ. फुट रजिस्ट्रीकृत विनेश न० 274/82 रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन
मक्षम प्राधिकारी
आपुक्त (निर्विकल्प)
प्रर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख . ८-९-१९८२

माहेर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एम०--

1 मैरसम कामन बिल्डर्स बाण यम० आर० कामत,
बी-३ विदु शैफिंग मेटर, निलक गोड, बांधे।
(अन्तरक)

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रतीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मित्रव्याप्ति 1982

सं० आर० ये० भी० नं० 138/82-83—प्रतः, मुझे,
एम० जेगन मोहन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के
अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
खाते नम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है।

और जिसकी सं० 1-1-524/ए और ए१ है, जो गांधीनगर,
हैदराबाद स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1982
को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान व्यवितरण से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अस्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रम,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में
कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक म कमी करने
या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी नियम या किसी घन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या भ्रमनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अस्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, लिपामें में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के प्रमुखरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपनाम (1) के अधीन,
निम्नलिखित अधिकतयों प्रष्ठति.—

2 श्रीमती पुष्पा यम० शहताँय पति मुधाकर शेहनाँय
3-5-13/3, रामकोट, हैदराबाद।
(अन्तरिती)

तो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आप्तेष 1--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या उत्तराधिकारी अधिकतयों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
ममाप्त दोती दो, के भीतर पूर्णतः अधिकतयों में से किसी
अधिकत द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अधिकत द्वारा, अपोइस्टाक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्वावरण:—इसमें प्रयुक्त पश्चों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्तर्याम 20-क म परिमाणित
है, वही मध्य होगा, जो उम अन्तर्याम में दिया
गया है।

अनुसूची

एक फ्लैट एम० न० 1-1-524/ए और ए१
बालाजी टाकीज के पास, गांधीनगर, हैदराबाद, विस्तीर्ण
605 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत लिपेख न० 278/82 रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 8-9-1982
मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्ता (निर्वाचन) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक ४ मितम्बर १९८२

स० आर० य० मी० नं० 139/82-83—पतः, मुझे,
एम० जेगन मोहन,

प्राप्तकर भविनियम, 1961 (1961 रा 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उच्च भविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अन्तीम सभप्राधिकारी को, यदि विवाहमुरते का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1-1-524/ए और ए१ है, जो गांधीनगर, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्णस्वप्न से वर्णित है), गजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन जनवरी, 1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित शातार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पायापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उभे दृश्यमान प्रतिफल ३, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्ठित में वास्तविक होने चाहिए नहीं निश्चय दिया गया है :—

(क) अन्तरण ये हैं किसी आप सी बाबत उबल प्रधानियम के अधीन कर देने के प्रस्तावक के वायिष्ठ में कभी करने या उसमें बचने में मुद्दिता के लिए; धोर/या

(स) ऐपी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रत्यरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

१ मैसरी कामत विल्डर्स बाई प्र० आर० कामत,
वी→३, विटु शापिंग मेट्रा, तिनक रोड, बाम्बे। (अन्तरक)

२ श्री एम० सुभाष पिंगा एम० शकर नारायण गुप्ता।
सिडीकेट बैंक, चित्तूर। (अन्तर्गती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोंत्र सधिति के घर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के श्रव्यंते के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राबूरी में प्रश्नागत की तारीख में 45 दिन की मध्यमि या तासम्भव्यती व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी मध्यमि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(अ) इस सूचना के राजावत में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मन्युफ्टि में हितबद्ध किसी अन्य घटित द्वारा, अद्वैतवस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, और उक्त प्रविनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही मर्यादा होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

三

एक फ्लट एम० नं० 1-1-524/ए और ए१ बालाजी
टाकोज के पास, हैदराबाद, गाथीनगर विस्तीर्ण 960 चौ०
फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 279/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सद्व्यापक श्रावकर श्रावयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हेदराबाद

तारीख : ८-९-१९८२

३०५

प्रस्तुप आर्द्ध. टी. एन. एस.-----
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के प्रधान सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 सितम्बर 1982
सं० आर० ये० सी० नं० 140/82-83—यत. मुक्ति,
एम० जेगन मोहन,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के प्रधान संक्षम प्रधिकारी को, पहले विष्णवास करने
का कारण है फि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 1-1-524/ए और ए१ है जो गांधीनगर,
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूली में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1982
की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से रुप के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ति यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उक्ते दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
रूप से उक्त अन्तरण चिह्नित में वास्तविक रूप से कथा
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या छिसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, वा
ष्णकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या या जिसे जाना चाहिए या डिपाने में
सुविधा के लिए;

मत: मम, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-ग के, अन्तरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधोतः—

1. मैंसमं कामत विल्डम वाइ यस० आर० कामत,
वी-3. बिदू शापिंग सेंटर. तिलक रोड, वाम्बे।
(अन्तरक)
2. श्रीमती कमला वासीनी, पद्मनाभम पति के० पद्मनाभम
6-3-609/109, खैरलाबाद, हैदराबाद।
(अन्तरिनी)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप ॥

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या नत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

संधीहस्त:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
मर्यादा होगा, जो उप अध्याय में दिया गया है।

अनुमूली

एक फ्लैट एम० नं० 1-1-524/ए और ए१ बालाजी
टाकोज के पास, गांधीनगर, हैदराबाद, विस्तीर्ण 960 चौ०
फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 280/82 रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी
हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन
भक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 8-9-1982
मोहर :

प्रलेप आर्ड. टर्म एन एस ----

1 मैमर्ग शहाजहान अपार्टमेंट्स, 6-2-974, खैरताबाद,
हैदराबाद।
(अन्तर्गत)

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मिन्हवर 1982.

मं. आर० ये० सी० नं० 141/82-83—यतः मुझे,
एम० जेगन मोहन,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी म० एफ० नं० 305 है, जो खैरताबाद, हैदराबाद में
स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्णरूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन जनवरी, 1982

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इ^१ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर रखने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए:
और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमतयाँ
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, लिखाने गं भवित्वा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात्:—

2 श्रीमती गुलबानु रक्षाक पति श्री आनुनदक्षाक,
फ्लाट नं० 305, शहाजहान अपार्टमेंट्स, खैरता-
बाद, हैदराबाद।
(अन्तर्गत)

के यह सूचना आरी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उक्तन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के उक्तन के सम्बन्ध में कोई भी आभेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रदूषित शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मूलसूची

फ्लाट नं० 305, शहाजहान अपार्टमेंट्स, एम० सी०
एच० नं० 6-2-974, खैरताबाद, हैदराबाद विस्तीर्ण
1055 चौ० फूट नीसरा नल, रजिस्ट्रीकूल विलेख नं० 89/
82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन
मक्षम प्राधिकारी
महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 8-9-1982
मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन्. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 सितम्बर 1982

सं० आर० ये० सी० नं० 142/82-83—यतः मुझे,
एम० जेगन मोहन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट नं० 18 है, जो बंजाराहिल्स, हैदरा-
बाद में स्थित है (और इसमें उपावड अनुसूची में और पूर्ण
स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्राप्तफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हटाई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उच्चे बचते में 'दुष्काश' के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भत-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए और/या

यतः यदि, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अल्लियों, अर्थात् :—

1. श्री हूँ श्रीमतन्द, घर नं० 60/4, आर० टी०
वर्कलपुरा, हैदराबाद। (अन्तरक)
2. श्रीमती नूरजहां मीदीकी पति श्री जमील अब्रामद
सिंहीकी, 18/ 3, आर० टी० विजयनगर
कालनी, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूसली

खुली जमीन नं० 18 (भाग) रोड नं० 3, बंजाराहिल्स
हैदराबाद, विस्तीर्ण 605 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख
नं० 179/82 रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन
मध्यम प्राधिकारी
मध्यम आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-9-1982

मोहर :

प्रस्तुप माई. टी. एन. एस. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

1. श्री ही० प्रेमचंद, 60/4 आर० टी० बरकतपुरा,
हैदराबाद।
(अन्तकर)
2. श्रीमती झेवा फरसाना पति डा० मोहम्मद जोवाह
फल्की, पार्टनर इन मेमर्स आंध्रप्रदेश कंस्ट्रक्शन
को० घर नं० 10-3-304/12, हुमायूनगर,
हैदराबाद।
(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 सितम्बर 1982

सं० आर० ये० सी० नं० 143/82-83—यतः मुझे,
एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 18, है, जो बंजाराहिल्स,
हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन जनधरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूसरामान प्रतिफल से, ऐसे दूसरामान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाला गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण सं० हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकोप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोंहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ल्पव्यक्तिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभ्रान्त है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला प्लाट नं० 18, (भाग) ने नं० 3, बंजाराहिल्स, हैदराबाद, विस्तीर्ण 592 चौ० गज, रजिस्ट्रीक्युन विलेख नं० 177/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-9-1982

मोहर:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन्ट रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 सितम्बर 1982

सं० आर० ये० सी० नं० 144/82-83—यतः मुझे,
एम० जेगन मोहन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह प्रिव्यास करने
का कारण है कि इथावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 6-1-142 है, जो पश्चाराव नगर,
सिकंदराबाद में स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची में और
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय,
सिकंदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
प्रिव्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कहीं करने या उससे बचते में सुविधा के
लिए ; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की आय 269-व के अनुहार
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-व की उचिता (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. 1) जूगनू बाई (2) हरीशचंद, 6-1-142,
बालकर टाउन, पश्चारावनगर, सिकंदराबाद।
(अन्तरक)

2. 1) बी० नरसिंह (2) बी० सत्यनारायण,
फोटोग्राफर, 1-3-121, कलासीगुडा, सिकंदरा-
बाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए नियमितीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवृत्ति पर तम्भंत्रियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवृत्ति बाद में
समाप्त होनी हो, के भीतर पुर्वोक्त अधिकारी में से
किसी अधिकता द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त इथावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
आय अधिकता द्वारा, प्रवृद्धशाश्वती के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

एष्टोफरग :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के प्रधाराव 20-व में परिचारित है, वही
अर्थ होगा, जो उस प्रधाराव में दिया गया है।

अनूदित

घर नं० 6-1-142, बालकर टाउन, पश्चाराव नगर,
सिकंदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 41/82 रजिस्ट्रीकर्ता
प्राधिकारी सिकंदराबाद।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन्ट रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-9-1982

मोहन

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 8 सितम्बर 1982

सं० आर० ये० सी० नं० 145/82-83—यतः मुझे,
एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, को धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भू मि है, जो कोथूर गांव में स्थित है (और
इसे उपायकल अन्सूची में अं० दृष्टिकूप से दर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शादनगर में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, सारीख जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंसरक) और अंतरिती
(अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीभत नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हृ० किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी भूमि या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनाथ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पी० गोपाल पिता हनूमया, घंडूपल्ली तालुक,
राजेन्द्रनगर, रंगारेड्डी जिला। (अन्तरक)
2. श्रीमती पी० स्वर्णा पति हनूमया काथूर तालुक,
शादनगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्रह्म
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

भूमि

भूमि, सर्वे नं० 100, 5 एकर, 27 गुठे, कोथूर गांव,
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 123/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
शावनगर।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-9-1982

माहूर० ५

प्रलूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 सितम्बर 1982

सं० आर० ये० सी० नं० 146/82-83—यतः मुझे,
एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, तथा जो कोथूर गांव में
स्थित है (और इसमें उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्णस्त्रप्ति से
वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शादनगर में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1982

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चारणों से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हट्ट किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में संविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम., या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पी० हनुमया पिता बालम्या, थोड़ापल्ली तालुक
राजेन्द्रनगर, रंगारेही जिला। (अन्तरक)
2. श्री पी० अंजया, पिता हनुमया, कोथूर तालुक,
शादनगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अधेष्ठ :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद से समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और परामर्शों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि, 1 एकर, 2 गुण्ठे, कोथूर गांव, रजिस्ट्रीकृत विलेख
नं० 124/82 रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी शादनगर।

एम० जेगन मोहन

संक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 8-9-1982

मालिक :

प्रस्तुप आई. टी. एम. एस. ----

1. श्री पी० गोपाल, पिता हनुमया, थोड़ापली, पी० ओ० रंगरेही जिला। (अन्तरक)
2. श्री पी० ब्रजव्या पिता हनुमया, कोषुर गांव। (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 सितम्बर 1982

सं० आर० य० सी० नं० 147/82-83—यत् मुझे,
एम० जेगन मोहन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि है, जो कोषुर गांव में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शावनगर, में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, जनवरी 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मैंने यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के बायित्व
में कमी करने या उससे बचने में संविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपाधान (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करसा हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धुभ
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

ममृत्यु

खुली जमीन विस्तीर्ण 0.20 सेंट्स, कोषुर गांव, करनुल
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 129/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
शावनगर ।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 8-9-1982

मोहर :

प्रलूप आई. टी. एन. एस. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 सितम्बर 1982

सं. आरा० य० सी० नं० 148/82-83—यतः मुझे,
एम० जेगन मोहन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन संभव प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. ब्लाक 601 है, जो हैदरगुडा, हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चिक्कडपल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित
में बास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवृत्ति, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में संविधा के लिए;
• और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तमों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाग (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स मातृश्री इंजीनियर्स एन्ड बिल्डर्स, 3-5-873,
हैदरगुडा, हैदराबाद। (अन्तरक)
2. श्रीमती जी० सरला देवी, ए० पी० महीला
फेडरेशन, 7बी, ओल्ड एम० एल० ए० क्वार्टर्स,
हैदराबाद। (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।'

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अधेष्ठ :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अधिक या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवृधि बाव भी समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ब्लॉक 601, विस्टरीण 985 चौ० फुट, हैदरगुडा,
हैदराबाद, रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 71/82 रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी चिक्कडपल्ली।

एम० जेगन मोहन

सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-9-1982

मोहर

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

1. मैसर्स मातृश्री इंजीनियर्स एन्ड बिल्डर्स प्रा० लि०,
3-5-873, हैदरगुड़ा, हैदराबाद। (अन्तरक)
2. श्रीमती ए० सीताकुमारी पति ए० राधाकृष्णमूर्ति
इन्कमटैक्स और सेल्सटैक्स प्रेवटीशनर्स, सीदूदीपेट,
मेदक जिला। (अन्तरिती)

भारत भरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 सितम्बर 1982

सं० आर० ये० सी० नं० 149/82-83—यतः मुझे,
एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ए० ब्लाक है, जो हैदरगुड़ा, हैदराबाद में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बण्ठित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चिक्कडपल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य से यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदै किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व
में कमी करते या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) प्रेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट लहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

असः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तामील से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृक्ष
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ए० ब्लाक 307, विस्तीर्ण 1150 चौ० फुट, मातृश्री
अपार्टमेंट्स, हैदरगुड़ा, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं०
72/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चिक्कडपल्ली।

एम० जेगन मोहन
सभम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखः 8-9-1982

मोहनः

प्रह्लप आई० टी० एन० एस०--

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

मारन मरकार

कार्यालय, संदर्भ आपकर आपुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 सितम्बर 1982

सं० आर० ये० सी० न० 150/82-83—यतः मुझे,
एम० जेगन मोहन,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा
269-व के प्रधीन संकाम प्राधिकारी को, यह विवाह करने
का कारण है यि स्थावर ममति, त्रिवेदा उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लाक 208 है, जो हैदरगुडा, हैदराबाद में
स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय, चिक्कड-
पल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, जनवरी, 1982

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विवाह
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परम्परा
अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित चर्चे में उक्त अन्तरण
लिखित में शास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्क के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती बारा प्रकट नहीं कि प
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रा० शर, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मेरे उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अन्तरिती, अन्तरि ॥—

1. मैसर्स मातृश्री हंजोनियर्स एम० विल्डर्स प्रा० नि०
3-5-873, हैदरगुडा, हैदराबाद-500001।
(अन्तरक)

2. श्री एम० हनुमस्मा पिता श्री एम० व्ही० मुब्बा-
राव, 3-4-499, वरकनपुरा, हैदराबाद-27। (अन्तरिती)

जो यह सूचना आरी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अंतर्गत के विव-
रायकालियों करता है।

उक्त सूचना के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तस्वीरधी अधिकारी पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि; जो भी
अवधि बावजूद समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
अधिकारी में से किसी अधिक द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हित-
वद किसी दूसरे अधिकारी के द्वारा, अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

उद्दीकरण:—इसमें प्रमुख लब्धों और पर्यों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रब्लेम 20-व में परिचालित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस प्रब्लेम में हिया गया है।

मानसूची

ब्लॉक नं० 208, विस्तीर्ण 985 चौ० फुट, हैदरगुडा,
हैदराबाद, रजिस्ट्रीकर विलेख नं० 73/82, रजिस्ट्रीकर्टा
अधिकारी चिक्कडपल्ली।

एम० जेगन मोहन
संकाम प्राधिकारी
सहायक आपकर आपुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 8-9-1982

मोहन

प्रकल्प प्राईंट फै० एन० एस०—

आयकर अधिनियम् 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 8 सितम्बर 1982

सं० आर० य० सी० नं० 151/82-83—अतः मुझे,
एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सकार प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 28,000/- रु०
से अधिक न

और जिसकी सं० सी० ब्लौक है, जो हैदरगुडा, हैदराबाद में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चिकड़-
पल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत
से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे व्यन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त व्यन्तरण मिलित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) व्यन्तरण से ह्रास किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कुर देने के बांतरक के वायिलू में
कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीनों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

1. मैसर्स मातृश्री एंजेलियर्स एन्ड बिल्डर्स प्रा० लि०,
3-5-873, हैदरगुडा, हैदराबाद-500 001।
(अन्तरक)

2. श्रीमती विजयालक्ष्मी पति पुरणोत्तम आगरवाल,
3-5-873, फ्लैट नं० 404 ब्लौक सी० मातृश्री
अपार्टमेंट्स, हैदरगुडा, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यदि सूचना आरो करके पूर्वोक्त संपत्ति के अधीन के
लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त संपत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आभेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वृद्धि किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लालोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

मृत्तुची

'सी' ब्लौक 404, विस्टीर्ण 812 घौ० फुट, रजिस्ट्रीकर
चिलेक नं० 74/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चिक्कडपल्ली।

एम० जेगन मोहन

मक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत :—

17-296GT/82

तारीख : 8-9-1982

मोहूर :

प्रलेप बाई टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 सितम्बर 1982

निदेश सं० आर० य० सी० न०/152/82-83—यतः मुझे,
एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, मह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3-5-8 73 है, जो मातृश्री अपार्टमेंट्स
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
चिक्कडपल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँह किसी आय की भावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दृवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
संविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स मातृश्री इंजीनियर्स एन्ड बिल्डर्स प्रा० लि०,
3-5-873, हैदराबाद। (अन्तरक)
- 2 श्री बी० सत्याराय पति लेट बी० नारायण राव,
कचेरला गाव, सीरसीला नालुक, करीमनगर।
(अन्तरिती)

कि यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंतबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं
वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

एक फ्लैट एम० न० 3-5-873, हैदराबाद, हैदराबाद,
विस्तीर्ण 915 घौ० फूट, रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 2/82
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चिक्कडपल्ली।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-9-1982
मोहर

प्रकल्प आई० टी० एन० एड०-
ग्राम्यकर प्रधिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा
268-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 8 सितम्बर 1982

सं० ग्राम० ये० सी० नं० 153/82-83—यतः मुझे,
एम० जेगन मोहन,
ग्राम्यकर प्रधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 268-व के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में
प्रतिक है।

और जिसकी सं० आफीस 202 है, जो एम० जी० रोड, सिकंदराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राम्यकारी के कार्यालय, सिकंदराबाद
में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन जनवरी, 1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्थ्रह
प्रतिशत प्रतिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अनुरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
रूप निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक
रूप से कवित नहीं किया गया है:—

(३) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बदलने में सुविधा के लिए। और/वा

(४) ऐसी ग्राम या किसी धन या ग्रन्थ बासितियों
को, जिन्हें भारतीय ग्राम्यकर ग्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-
कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थं प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

ग्रन्तः प्रब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 268-व के अनुसरण
में, ये, उक्त प्रधिनियम की धारा 268-व की उपग्रामा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धतः:—

1. मैसर्स काङ्गा एड० 61, एम० जी० रोड, सिकंदराबाद
बाहू यस, प्रभाकर रेडी। (अन्तरक)
2. मैसर्स मार्गदर्शी टिचफंड प्रा० लि०, 4-1-833/2,
मार्गदर्शी हाउस, अब्दीहस सर्कल, हैदराबाद, वाइ एम०डी०
श्री ए० कृष्णमूर्ति। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्रामेष:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जोभी प्रवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोवृत्ताकारी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और एदों का, जो उक्त
ग्रधिनियम के ग्रन्थाय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रन्थाय में
दिया गया है।

मौजूदा

कार्यालय नं. 202, इसरी मंजिल, नं० 2-2-132
से 139 काङ्गा कॉम्प्लैक्स, एम० जी० रोड, सिकंदराबाद,
रजिस्ट्रीकूल विलेख नं० 12/82 रजिस्ट्रीकर्ता ग्राम्यकारी
सिकंदराबाद।

एम० जेगन मोहन
सक्षम ग्राम्यकारी
सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद
तारीख: 8-9-1982
मोहर:

प्ररूप आइ० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 सितम्बर 1982

सं० आर० य० सी० न० 154/82-83—यतः मुझे,
एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ए-2/3, है, जो चंद्रलोक, सिंकंदराबाद में
स्थित है (और इससे उपाग्रह अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिंकंदरा-
बाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिति
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिवियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था किया जाना आहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपभाग (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यावितयों, अधितः :—

1. श्रीमती बिमला राव पति श्री के० के० आर०
राव, घर न० ए-2/3, (ओलड न० 1-7-234
से 241) चंद्रलोक कॉम्प्लैक्स, एस० ली० रोड़,
सिंकंदराबाद। (अन्तरक)

2. (1) श्री अरविंद करसन दास (2) श्री भारत
करसनदास (3) श्री मधुसुदन करसनदास (4)
अनील करसनदास, आल सन्स आफ़ करसनदास
वेड, ए 5-6 बी, चंद्रलोक कॉम्प्लैक्स,
सिंकंदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्यः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में निरुद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूसलूपी

फ्लैट ए-2/3, चंद्रलोक अपार्टमेंट्स का पहीला तल,
परिसर न० 1-7-234-241 (पुराना न० 111) एस०
ली० रोड़, सिंकंदराबाद, रजिस्ट्रीकूल विलेख न० 11/82
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सिंकंदराबाद।

एम० जेगन मोहन
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-9-1982

मोहन:

प्रस्तुप. आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 सितम्बर 1982

सं 0 आर० य० सी० नं० 155/82-83—यतः मुझे,
एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. मेर अधिक है

और जिसकी सं ० भूमि है, जो थोकाटा गांव में स्थित है (और
इससे उपांडठ अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मारेडपल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि इथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्छह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और
अंतरिती (अंतरितीय) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हूर्दा किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक - के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आथ-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अन: जब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिस्त्री :—

1. श्रीमती जी० शांतमा पति लेट गंडव्या, बापूजीनगर,
बोबेनपल्ली, सिकंदराबाद। (अन्तरक)
2. श्री मानली को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०
टीयबी, 448, 1-10-316, बापूजीनगर, सिकंदरा
बाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे नं० 21/2, थोकाटा गांव बोबेनपल्ली, सिकंदरा-
बाद कॉनटेनेट, रजिस्ट्रीकूल विलेख नं० 79/82 रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी मारेडपल्ली।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 8-9-1982
मोहर :

प्रसूचना बाई, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 सितम्बर 1982

सं० आर० य० सी० न० 156/82-83—यतः सुने,
एम० जेगन मोहन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ('जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है' कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
में अधिक है'

और जिसकी सं० भूमि है, जो थोकाटा गांव में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मारेडपल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन अनवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है' कि यथापूर्योक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का पञ्चव
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
कास्ताविक रूप से कठित नहीं किया गया है' ८--

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
श्री॒/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयनकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बननकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अस्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए वा, छिराने
में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)
को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती जी० गंगमा, जी० पी० ए० के० माधव-
रेड्डी, 68/सी संतोषनगर, कोलनी, सिकंदराबाद, हैदराबाद।
(अन्तरक)

2. श्री के० माधवरेड्डी पिता गोपालरेड्डी, श्री मालनाइ
कोआपरेटिव हार्टसिंग सोसायटी, टी० य० बी०
448, 1-10-316, बापूजीनगर, सिकंदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सप्तसप्तर्षी व्यक्तियों पर^१
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

रजिस्ट्रीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं; वही
अथ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनूसूची

भूमि सर्वे सं० नं 11/० और 17/६ थोकटा गांव बोवेन-
पल्ली, सिकंदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 78/८२ रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी मारेडपल्ली।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-9-1982
मोहर :

प्रखण्ड बाईं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 सितम्बर 1982

सं. आर० ये० सी० नं. 157/82-83—यतः मुझे,
एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 12-107 है, जो आलवाल, सिकंदराबाद में
स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रंगारेड्डी
जिला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन जनवरी 1982

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विवास
करने का कारण है कि ग्राहपूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हटाई किसी आम की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिनमें भारतीय आम-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में
संविधा के लिए;

1. डा० ललिताकुमार पिता डा० सौमसेखरा राव,
12-107, आलवाल सिकंदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री अग्नोल जे० परीयारे पिता होरनेट परीयारा,
12-107, प्लाट नं. 7, सर्वे नं. 279/2,
वेंकटराव पेट, लोयुकुंटा, आलवाल, रंगारेड्डी
जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयहाँ करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अद्वितीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकते हैं।

स्पष्टीकरण :—इहमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभ्रष्ट
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

मूलसूची

घर नं. 12-107, प्लाट नं. 7, सर्वे नं. 279/2,
वेंकटरावपेट, लोयुकुंटा, आलवाल, रंगारेड्डी जिला, रजिस्ट्रीकर्ता
विलेख नं. 916/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी रंगारेड्डी जिला।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, स्वैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 8-9-1982

मोहन

प्रस्तुप आई० टी. एन. एस.-----

1. श्री एन० सीवय्या और अन्य, 46/347, बी-
पेटा, करनूप।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना2. मेसमं राजा राजस्वरी ट्रैडर्स, 18-175, नेहरू रोड,
करनूप।

(प्रत्तिरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 सितम्बर 1982

सं० आर० य० सी० न० 158/82-83—यतः मुझे,
एम० जेगन मोहन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० भूमि है, जो कलूर गांव स्थित है (और
इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनूल में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख जनवरी 1982को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के दम्भम भैं छोड़ भी जानें:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
वर्वार बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितद्वय
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के शायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

मनूसूची

भूमि, कल्लूर गांव, रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 255/82
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी करमूल।(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबादअतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269 ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—तारीख: 8-9-1982
मोहर:

प्रस्तुत आहू. टी. एन. एस.-----

1. श्री एन० सीवण्या और अन्य 46/347, बी-पेटा
करनूल। (अन्तरक)

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना2 मेसर्स श्री राजा राजेस्वरी ट्रेडर्म, 18-175,
नेहरू रोड, करनूल।

(अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मितम्बर 1982

सं० आरा० य० मी० नं० 159/82-82--यतः मुझे,
एम० जेगन मोहन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपए में अधिक हैऔर जिसकी मं० 0.5 सेंट्रस है, जो कोलूर गांव करनूल
स्थित है (और इसमें उपावढ़ अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनूल में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन जनवरी 1982को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताभरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हूँ इसी किसी आय की वापस उक्त अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या

मन्त्रालय

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जा चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए;खुली जमीन विस्तीर्ण 0.50 सेंट्रस, कोलूर गांव, करनूल,
रजिस्ट्रीकृत विनेक नं० 271/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
करनूल।एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबादअतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्तमान—

18-296 GI/82

तारीख : 8-9-1982

मोहर :

प्रकृष्ट आई. टी. एन. एस.-----

1. श्री एन० सीविया ग्रोर अन्य, 46/347, बी-पेटा,
करनूल।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. मेसमं राजा राजेश्वरी देहर्म, 18-175, नेहरू
रोड, करनूल।

(अन्तरिक्षी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 सितम्बर 1982

सं० आर० ये० सी० नं० 160/82-83—यतः मुझे,
एम० जेगन मोहन,
आयकर अधिनियम, 1961-(1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर मंदिर शिखर उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो कलूर गांव में स्थित है
(और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनूल में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जनवरी, 1982

को पूर्णोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दरमान प्रतिफल से, ऐसे दरमान प्रतिफल का
प्रत्यक्ष प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतीत-
कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से की थी नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम, दी धारा 269-घ के अनुमति
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाय (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्यपैः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्वाक्षरीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि, कल्लूर गांव, रजिस्ट्रीक्युट विनेख नं० 281/82
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी करनूल।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखः 8-9-1982

मोहरः

प्रधन श. डी. पट. एस.-----

1. श्री एन० सीवद्या और अन्य, 46/347, बी-पेटा,
करनूल।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना2. मेसर्से राजा राजेस्वरी ड्रेड्स, 18-175, नेहरू
रोड, करनूल।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 सितम्बर 1982

सं० आर० य० सी० न० 161/82-83—यतः मुझे,
एम० जेगन मोहन,प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी मूल भूमि है, जो कल्लूर गांव स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनूल में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, जनवरी 1982को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्ये यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रदूष प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तर्भृतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक
रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

मनूसूची

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;भूमि, कल्लूर गांव, रजिस्ट्रीकरण विलेख नं० 300/82
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी करनूल।एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबादअतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 8-9-1982

मोहर:

प्राप्ति आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रीजन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 सितम्बर 1982

स० आर० य० स० न० 162/82-83—ग्रत मुझे,
एम० जेगन मोहन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो कलूर गाव स्थित है (और
इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनूल में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, जनवरी, 1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
नन्तरिली (नन्तरितियाँ) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय
पात्र गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चदेश से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हूँहै किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियों
को जिन्हैं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत —

1 श्री एन० सीवन्या और अन्य 46/347,, बी-पीटा,
करनूल।

2 मेसर्स राजा राजेस्वरी ट्रेडर्स, 18-173, नेहरू रोड,
करनूल।

(अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्षेत्र भी आधेप।--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संख्योकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि, कलूर गाव, रजिस्ट्रीकृत विलेख स० 330/82
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी करनूल।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रीजन रेज, हैदराबाद

तारीख 8-9-1982
मोहर

प्रधम बाहरौ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत मंत्रालय

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मितम्बर 1982

स० आर० य० मी० न० 163/82-83—यतः मुझे,
एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो कलूर गांव स्थित है (और
इससे उपांच्छ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनूल में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्खे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्घोषण से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की नावस उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
साथित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आम-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एन० सीदय्या और अन्य, 46/347, बी-पेटा,
करनूल।

(अन्तरक)

2. मेमसी राजा राजस्वरी देउर्स, 18-175, नेहरू रोड
करनूल।

(अन्तरिती)

को मह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
वार्षिकाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्यप . . .

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थानीय सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है ।

अनुसूची :

भूमि कलूर गांव, रजिस्ट्रीक्युन विलेख न० 466/82
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी करनूल।

एम० जेगन मोहन
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-9-1982

मोहर :

प्रस्तुप जाइ ई.एन.एम.-----

1. एम० सीवय्या और अन्य, 46/347, बीपेटा,
करनूल।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

2. मंसरसं राजा राजस्वरी ट्रेडर्स, 18-175, नेहरू रोड
करनूल।

(अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 सितम्बर 1982

मं० आर० य० सी० न० 164/82-83—पतः मुझे,
एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा
269-प के अधीन सधारन प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो कूलूर गांव में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनूल में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकारी) और अंतरिती
(अंतरितारी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हृद्द किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) एसी किसी आय या किसी भूत या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अनुसूची द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

भूमि, कलुर गांव, रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 334/82
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी करनूल।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

पतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :--

तारीखः 8-9-1982
मोहुड़ ४

प्रस्तुप आई टी एन. एस. -- ---
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 सितम्बर 1982

स० श्रावण य० सी० न० 165/82-83---यत मुझे,
 एम० जेगन मोहन,
 आयकर प्रबिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
 इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रबिधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-घ के अधीन सकार प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर मम्पति, जिमफा उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 हप्त से प्रधिक है।

और जिसकी स० भूमि है, जो कोलूर गाव के कार्यालय,
 करनूल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
 का 16) के अधीन जनवरी 1982
 की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अनुरूपता की गई है और मुझे यह विश्वास करने
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त वंशन का उचित बाजार मूल्य
 उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
 प्रतिशत से अधिक है और मन्त्ररक्त (मन्त्रस्त्रों) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
 प्रतिफल, निम्नान्वित उद्देश्य से उक्त प्रतिरोध नियित में वास्त-
 विक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

- 1 श्री एन० सीवय्या और अन्य 46/347, बी-पेटा,
 करनूल।
 (अन्तरक)
 2 मेसर्स गज राजेस्वरी ट्रेडर्स, 18-175, नेहरू रोड,
 करनूल।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वार्ताभासारी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभ्राष्ट
 हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी धारा की बाबत उक्त प्रधि-
 नियम के अधीन करदेने के प्रत्यारक के वायित्व में कभी
 करने या उसमें व्यवहार में सुविधा के लिए आयोग्या

मन्त्रस्त्री

भूमि, कोलूर गाव, रजिस्ट्रीकरण विलेख न० 354/82
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी करनूल।

(ख) ऐसी किसी धारा या किसी धन या अन्य आरूपतयों
 को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 बनकर प्रबिधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोगनार्थ अन्तरिती दी गयी प्रकट हो जाय
 गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में मुश्किल
 के लिए।

प्रत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम द्वारा 269-घ की उपबारा (1) के
 अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

एम० जेगन मोहन
 मक्षम अधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
 अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख. 8-9-1982
 मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एम० एस०----

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 8 सितम्बर 1982

सं० आर० ये० मी० नं० 166/82-83—यत् मृमे,
एम० जेगन मोहन,
आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रधीन संलग्न प्राप्तिकारों को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० भूमि है जो कुलूर गांव करनूल में स्थित
है (और उसमें उपावड़ अनुपूर्वी में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनूल में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्खे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रमुख प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया वित्तन, निम्नलिखित उत्तरण से उत्तर अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरा। न दै इसी क्रमों प्राय की बाबा उत्तर
अधिनियम के द्वारा दिया कर दें के अन्तरक के दायित्व
पे कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए;
योरुग्या।

(ख) एसो किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उसके अधिनियम, या
भनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

निः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1 श्री एन० सीयत्या, और अन्य, 46/347, बी-पेटा
करनूल। (अक्षर)
- 2 मेमरै राज राजेस्वरी देउर्म, 18-175, नेहस गोड़,
करनूल। (अन्तिमी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्षेत्र भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्तमधर्मी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाले में सम्बन्ध होती हो, के भोतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितष्ठ
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षनाकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

भूमि, कोलूर गाव, रजिस्ट्रीकून विलेख न० 365/82
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी करनूल।

एम० जेगन मोहन
सक्षम अधिकारी
महापक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जेन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-9-1982

मोहर :

प्रकाश मार्फ.टी.एन.एस.-----

1. श्री पं० सीवय्या और अन्य, 46/347, बी—पेटा,
करनूल।
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

2. मेसर्सं राज राजस्वरी ट्रेडर्म, 18-175, नेहरू रोड,
करनूल।
(अन्तरित)

भारत सरकार

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 सितम्बर 1982

सं० आर० ये० सी० नं० 167/82-83—यतः मुझे,
एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सकार प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो कोलूर गांव करनूल में स्थित
है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय करनूल में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए आ सकेंगे।

स्वाक्षरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से है किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) एसे किसी आय या किसी भूमि अन्य गांवीयों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए

भूमि, कानूर गांव रजिस्ट्रीक्यूट विलेख नं० 382/82
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी करनूल।

एम० जेगन मोहन
सकार प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

19-296GI/82

तारीख: 8-9-1982

मोहर:

प्रलूप आहूँ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मितम्बर, 1982

सं.प्रा.र. गो. सी. नं. 169/82-83—यतः भुजे एम.

जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'दला अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के उधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का
कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. वे अधिक है

और जिसकी गो. अभि है तथा जो कल्पुर कांथ में स्थित है
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय करनूल में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी,
1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास
करने या कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उपरोक्त प्रतिफल से एम्से दृश्यमान प्रतिफल का
पंचवटी अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अन्तरितिय) दोनों अन्तरण के लिए तथा पाणा गया प्रति-
फल, निम्नलिखित रद्दाद से उक्त अन्तरण चिह्नित में वास्तविक
रूप में किया गया है—

(म) अन्तरण दो हाई किसी शाय की भावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
रायित में कामी करने या उमसे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(म) निम्नों किसी शाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
में, उक्त अधिनियम आयकर अधिनियम, 1922
(1922 वा 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोगसार्थ
अन्तरण दो इतरा प्राप्त दरी 12 दा गो. 47 या या या
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा को निया,

1. एन० मीष्या और शन
46/317, बी-प्लॉट,
करनूल ।

(अन्तरक)

2. मैमर्स राजा राजेश्वरी ट्रॉडम्स
18-175ए, नेहरू, रोड,
करनूल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोहू भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, और भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि कल्पुर गांव, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 400/82,
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी करनूल ।

गो. जेगन मोहन

सक्षम अधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-9-1982

मोहर :

अन: गो. एका अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
में, इक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथाति :—

प्रस्तुप आहे टी एन.एस.-----

1. एन० सीवय्या और श्री
46/347, बी-पेटा,
करनूल ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. मैसर्स राजा राजेश्वरी ट्रेडर्स,
18-175 ए, नेहरू रोड,
करनूल ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर संस्थान (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मिस्रेम्बर 1982

संश्वार० ए० सी० न० 168/82-83—यत् मुझे एम०
जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. सं वधिक है

और जिसकी स० भूमि है तथा जो कल्लूर गाव मे स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय करनूल मे रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी,
1982

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत मे अधिक है और अतरक (अतरकों) और अतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पादा गया प्रति-
फल + निम्नालालित उद्देश्य स उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृइ किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अतरक के
वायित्व मे कभी करने या उक्तसे बचने मे सुविधा
के लिए; और/या

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के निए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोइ भी वाक्षप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख स
45 दिन की अवधि या सत्तरम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद मे समाप्त होती है, वे भीतर इकाई
व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा,
(ब) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन का तारीख स
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति + छिपाये
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहृताक्षरी के पास
लिखित मे किए जा सकेंगे।

सम्बोधण.—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का इ. उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क मे पौराणिक
है, यही वर्ध लागा जो उस अन्य मे दिया
गया है।

अनुसूची

(क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तव्या
के, जिस्त भारतीय आव-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957-(1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने मे
सुविधा के लिए;

भूमि, कल्लूर गाव, रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 400/82,
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी करनूल ।

एम० जेगन मोहन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रज, हैदराबाद

अत अब उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के अन्तरण
मे, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपथारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथात् .—

तारीख. 8-9-1982
माहर :

प्रस्तुत आइँ. टी. एन. एस. —————

1. श्री एन० सीवय्या पिता एन० स्वामी रेडी और मन्ध्य
46/347, बी-पेटा, करनूल ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कायालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

हैदराबाद, विनांक 8 सितम्बर 1982

सं० आर० ए० सी० नं० 170/82-83—प्रतः मुझे
एम० जेगन भोजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है⁴) की धारा 269-स के
अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है⁵
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है⁶

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो कलूह गांव, करनूल में स्थित है
 (और इससे उपावड्ह अनन्सुची में और जो पूर्ण रूप से बण्ठत है)

रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय करनूल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी,

1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पन्थान प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्रक्त (अन्तरकर्ता) और अन्तरिती (अन्तरितीयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से की थित नहीं किया गया है:—

- (ii) अस्तरण के दौरे हिन्दी भाषा की वाचत, उसका लोकप्रियता के क्षेत्र में बढ़ाव देने के अस्तरण के वायिक्ति के कानून का उत्तर उसके दृष्टि में सुविधा के लिए; और

- (८) दूसरी छिपाई वाला दूसरी धन वा अम्ब जास्तीया को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रथमोन्नार्थ झंडार्टी इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के मनस्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखत व्यक्तियों सहित :—

कांगड़ा यह सूचना जारी करके पूर्वानुसार सम्पर्कित को अर्जन के लिए कार्यकारीदार्थीय करता है।

उक्त सम्पर्क के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मानी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्णकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितव्यदृढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही पर्याप्त होता है जो उस अध्याय में विधा या है।

四

खुली जमीन विस्तीर्ण 0.50 सेटंस् कोलूर गांव करनूल,
रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 436/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
करनल ।

एम० जेगत मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, हैवराडा०

तारीख : 8-9-1982

मोहर =

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 सितम्बर, 1982

सं.आरो १० सी० नं० 104/82-83—ग्रतः मुझे एम०
जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य,
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 65-4-1, है, जो काकीनाडा में स्थित है
(और इसे उपाबद्ध 'अनुसूची में' और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काकीनाडा में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायिक्षण में करने करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्णन:—

1. श्रीमती एस०, पचावती पति श्री चंद्रशेखर राव,
एम० आई० जी० बी० १, एफ० ९,
एम० जे० रोड, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

2. श्री बाबी रेहु मुरली मोहन बाबू
पिता श्री बी० बुल्लीराजू,
मेहर नगर, काकीनाडा ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए
कार्यवाहीयां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में क्षेत्र भ्री जाकेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि वा तत्सम्बन्धी अविक्षयों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षयों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वाक्षरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट हैं,
वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

घर सम्पत्ति घर नं० 65-4-1, ब्लाक नं० 65, काकीनाडा,
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 593/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
काकीनाडा ।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-9-1982
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 सितम्बर 1982

सं० आर० ए० सी० नं० 103/82-83—अतः मुझे एम०

जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 55/2 है, तथा जो सालूरु, विजयानगरमें
में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुमति में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सालूरु में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कही भूत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दाविद्वारा में कमी करने या उससे बचने में हुविधा
की विधि; और/मा

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आविष्ट था छिपाने में
सुविधा वही लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एम० सत्यनारायणमूर्ती, पिता श्री गुन्तया नाथू
बीधी, सालूरु ।

(अन्तरक)

2. श्री एन० थमय्या पिता सत्यनारायण मूर्ती,
मैनेजिंग पार्टनर, व्ही, बी० सी०, सुगर स्टार्च काम्पलेक्स
सालूरु-532591, विजयानगरम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए
कार्यबाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यांकत द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 2 एकड़ 17 सेंट्स सालूरु और कंपनी की
इमारत और मशीनरी, सर्वे नं० 55/82, रजिस्ट्रीकृत विलेख
नं० 55/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सालूरु वार्ड नं० 1
विजयानगरम ।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्रधिकारी

सहाय के आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-9-1982

मोहन

प्रलेप शाही श्री १० घण्टा विषय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा १८(१)वा (१) के अधीन सूचना
सारांश सहृदय

कार्यालय, महायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 सितम्बर 1982

सं० आर० ए० सी० नं० 102/82-83—अतः मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के अधीन सकारा प्राधिकारी को, यह विवाह करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 27-16-179 से 82 है, जो विजयवाड़ा, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य ५ करों के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाह करने का आशा है कि प्रधापूर्वीन सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल में, ऐसे दूष्यमान गठित का पद्धति प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य । उक्त अन्तरण लिखित में भास्तविक रूप में कहि, नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दर के अन्तरक के तात्पर्य का अपना करन या उक्त बजने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एका किया जाना या किया धन या अन्य आदित्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भ्रमकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगतार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 263-वा की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अदित्यों, अर्थात्—

१. मर्व श्री (1) जिं येगना नरसिंहा राव,
- (2) जिं लक्ष्मीनरामसहा प्रमाद
- (3) जिं क्ल० एल० पी० गुप्ता,
पालक येगना नरसिंहर प्रमाद
रादर्टमन पेट, मविलीपट्टनम ।

(अन्तरक)

२. डि० वेंकटामुंडा राव, पिता सत्यानारायणा,
पोर्ट रोड, मविलीपट्टनम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए लायिंवाहियों शुल्क दरना है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वापर है—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नसम्बद्धी अवधियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिनियमों में वे किसी अवधि नहीं;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य अवधि द्वारा, प्रबोहस्ताकरी वा पाय लिखित में किए जा पकोंगे ।

स्वाक्षरण :—इनमें गुरुका गंडी ओं द्वारा का, या उक्त अधिनियम के अध्याय 20-का भौं परिवारित है वही अर्थ होगा जो २५ अक्टूबर में लिया गया है ।

अनुसूची

विजयवाड़ा, नगरनिगम, 23 वा वार्ड, घर नं० 27-16-179 में 82, असेसमेंट नं० 130 और डब्ल्यू० ब्लाक, नं० 224, 225-86, चौ० गज, ग्रांदावन, लालज, बीसेट रोड, विजयवाड़ा, रजिस्ट्रीकर्ता द्वारा नं० 209/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाड़ा ।

एम० जेगम मोहन

सक्तम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-9-1982

मोहन :

प्रस्तुप आइ०. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 सितम्बर 1982

म० आर० ए० सी० न० 101/82-83/काकीवाडा स्कॉड—

यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बोजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० 27-17-179 से 82 है तथा जो विजयवाडा में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बोजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बोजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पूर्व ह्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शावत दृश्य अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दार्शनिक में क्षण करने या उससे अचने में सूचित के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तिमों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 19 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था 31 किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचित के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) जी० वाई० नरसिंहा राव रोबर्टसर पेट, मछीलीपट्टनम।
- (2) जी० लक्ष्मीनरसीम्हाप्रसाद
- (3) जी० व्ही० एल० पी० गुप्ता, पालक जी० वाई० नरसीम्हाप्रसाद रोबर्टसर पेट, मछीली पट्टनम।

(प्रत्तरक)

2. श्री डी० व्ही० सुम्बाराव, पिता सत्यानारायणा, पोर्ट रोड, मछीलीपट्टनम।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धन किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के ताम सिद्धित हो किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों 'हाँ' पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति है, वही अर्थ द्वारा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति धर नं० 27-16-179 से 82, बिन्दावन लोज, बेसेट रोड, विजयवाडा, असेसमेंट नं० 20130, 226-04 चौ० गज, आ० छूटी० नं० 9, ब्लाक नं० 5, एन० टी० एस० नं० 224, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 210/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाडा।

एम० जेगन मोहन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 10-9-1982

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ग (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 मिन्हम्बर 1982

आर० ए० सी० न० 100/82-83—अतः मृमे, एम०
जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उन प्रवित्तियों के बारे में' कहा गया है), की भारा 269-ग
के अधीन सभी प्राधिकारी को वह विवास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० में प्रधिक है।

और जिमकी मं० 27-16-179, है जो गवर्नर-ए-प्रेटा, विजयवाड़ा
में स्थित है (और इससे उपायकर अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृमे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त नामित का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या घन्य आदितियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, जिसमें में
विविध नियम;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्मान :—

20—296GI/82

1. (1) जी० वाहू नरमीम्हाराव और ग्रन्थ,
कवात नरवेन्द्रम्,
मछलीपटनम् ।
(2) न्ही० नक्षीनरमीम्हाप्रमाद
(3) न्ही० एन० नरमीम्हा पुरुषोत्तम गुज्जा,
(अन्तरक)

2. सी० एच० सत्यनारायणा,
गुलाबचन्द्र स्ट्रीट, विजयवाडा-1,
(अन्तरिती)

मैं यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के
विषय कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के प्रत्येक में कोई भी आश्रेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की वृद्धि या तत्पञ्चन्ती व्यक्तियों पर
सूचना की जारी न होने के 30 दिन की वृद्धि, जो भी
अधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्पद
किसी व्यक्ति द्वारा प्रशोहसनाक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इनमें प्रयुक्त गद्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधाय-20क में परिभाषित है,
वही वर्ण होगा जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

घर संपत्ति घर नं० 27-16-179 से 82 असेसमेंट नं०.
20130, आर० डब्ल्यू० 9, ब्लाक नं० 5, एन० टी० एस०
नं० 224227 चौ० गज, रजिस्ट्रीकूल विलेख नं० 708/82,
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी विजयवाडा।

एम० जेगन मोहन
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद।

तारीख 10-9-1982
मोहर

प्रस्तुप. आई. टी. एन. एम. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 सितम्बर 1982

आर० ए० मी० न० 99/82-83—यत् मुमो एम०
जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी म० 27-16-179 है, जो गङ्गनरेटा, विजयवाडा
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाडा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्खे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहो किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भत्ता या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) जी० बाह० नरमीम्हा राव और अन्य
पलाथ मर्चेट, मछलीपट्टनम्।

(2) दी०, लक्ष्मीनरमीम्हा प्रमाद

(3) बी० एल० नरमीम्हा पुरुषोन्म गुप्ता

(अन्तरक)

2. सी० एच० सत्यनारायण,
गुलाब अन्द स्ट्रीट, विजयवाडा-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षणे .—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तन्मध्यधी व्यक्तियों पर
मूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि द्वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोक्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

संपत्ति धरनं० 27-16-179 में 82 बींदावन लोज, बेसेट रोड,
गङ्गनरेट पेट, विजयवाडा, नगर निगम वार्ड नं० 23, अमेसमेट
नं० 20/30, आर० डब्ल्यू० 9, अलाक नं० 5, एन० दी० एस०
224, विस्तीर्ण 227.50 चौ० गज० रजिस्ट्रीकूत विलेख
नं० 207/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाडा।

एम० जेगन मोहन
मक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 10-9-1982

मोहर :

प्रस्तुत आहे. टो एन. एस.-----

1 श्री टी० कामेश्वरमा पति कामेश्वर राव,
विजयवाडा।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 सितम्बर 1982

स० आर० ए० सी० न० काकीनाडा स्कॉड/82-83—यत
मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु में अधिक है

ग्रौर जिसकी स० 41-1-256 है जा श्रीणा लका विजयवाडा
में स्थित है (श्रीर हमसे उपाद्व अनुसन्धी में आर जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाडा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और जन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चारण से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में संविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिने भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में
संविधा के लिए;

मनुष्य

घर संपत्ति घर न० 41-1-256, कृष्णा लका, विजयवाडा
रजिस्ट्रीकूत विलेख न० 327/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
विजयवाडा एनटीएम, 359, रेवेन्यू बार्ड न० 10 ब्लॉक न० 10
विजयवाडा।

एम० जेगन मोहन
सम्म प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

यह अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के उन्नसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

तारीख 13-9-1982
मोहर

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 सितम्बर 1982

सं० आर० ये० सी० नं० 88/82-83—काकीनाडा स्कॉड—

यतः मुझे, एम. जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सर्वे नं० 136/3 है, जो ओंगल में स्थित है (ओंगल
इससे उपावन्द अनुमूली में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना
अधिकारी के कार्यालय, ओंगल में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी,

1982

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण सं हर्ई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी भूमि या अन्य वासितयों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
को प्रयोगनार्थ अन्तरिती इयारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री टी० व्रसंतरायण्ठु पिता कोडलाराडु

(2) टी० शंकर राघ

(3) टी० मलीकार्जुनराघ

यह सभी वंमत रायणु के पुत्र हैं, ओंगल।

(अन्तरक)

2. श्री सीयच अंजनयुलू पिता अंकना, ओंगल

(प्रत्यरिती)

को यह सूचना बादी करके पूर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के अन्तर्गत में कर्है भी आक्षेप :—

45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्योक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृक्ष
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क भं परिभाषित है,
वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विद्या गया
है।

मूलभूत

सम्पत्ति सर्वे नं० 136/3, 27 1/2 एकड़, ओंगल, रजिस्ट्री-
कृत विलेख सं० 50/82 रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी ओंगल।

एम० जेगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक : 10-9-1982

मोहर :

प्रस्तुत बाईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की आदा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 सितम्बर 1982

सं० आर० ए० सी० नं० 96/82-83-काकीनाडा स्कॉड—
यसः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), सी भारा 269-व
के अंतीम विधान प्राचिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति विमका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
इए में अधिक है।

और जिसकी सं० 5/726 है, जो स्टोन हाउजपेट नेलौर में स्थित
है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है,)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नेलौर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
जनवरी, 1982

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उपर्युक्त प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित चर्चेश्य से उक्त अस्तरण
निम्नलिखित रूप से किया नहीं किया गया है:—

(न) अस्तरण से दूरी किसी घाव की वाहन, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अस्तरक के
वाक्यमें कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या;

(ष) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य प्रास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, प्र
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की आदा 269-व के अनुसार
म, मे, उक्त अधिनियम की आदा 269-व की उपशारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री सी० एच० राजम्हा

18/410-ए०, पेटा बाजार, नेलौर

(प्रन्तरक)

(2) श्री राचापूडी चलमध्या पिता राधवद्या

केपर आफ विजया लौंज, श्रीरंगराजा पुरम, स्टोन
हाउजपेट, नेलौर-2

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रन्जन के
लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रन्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :—

(क) इस सूचना के ग्राहक वे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के ग्राहक में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निविल में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभ्रान्ति
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूसूची

घर सम्पत्ति घर नं० 5/726, श्री रंगराजापुरम, स्टोन-
हाउजपेट, नेलौर-2, रजिस्ट्रीक्युल विलेंस नं० 330/82 रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी नेलौर।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रन्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 10-9-1982

मोहर:

प्रारूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैंदराबाद

हैंदराबाद, दिनांक 10 सितम्बर, 1982

श्रारो ये० सी० नं० 95/82-83—कार्कीनाडा स्कॉड—
यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके प्रतिशत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० घर नं० 14-90 है, जो गांधीपुरा, ब्लाक 2
राजमंडी में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजमंडी
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे मह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिशत सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चव्यंग्य प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृइं किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
इतिहास में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
नहीं लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आवश्यक था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती चींचली धनम पिता सीयचा रामामृसि
गांधीपुरम-2, राजमंडीक

(अन्तरक)

(2) श्रीमती दारासीया भास्करमा पति डॉ वेंकट
सुर्यनेटी पेदा राव
घर नं० 14-90, गांधीपुरम, राजमंडी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइं भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

घर सम्पत्ति, घर नं० 14-90, गांधीपुरम, ब्लाक नं० 2,
राजमंडी, रजिस्ट्रीकृत विनेद नं० 70/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी राजमंडी।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैंदराबाद

दिनांक : 10-9-1982

मोहर :

प्रस्तुप बाई, टी.एस.एस.-----

(1) श्री सीराम परेप्पा पिला लेट सतथ्या और उसके पुत्र
सुशीकोडा, विशाखापटनम् ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स श्री कृष्ण को-ऑपरेटिव इंजिनियरिंग
पोसाइटी लि०,
बी०-१६४२, विशाखापटनम् ।

(अन्तरित)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-वा० (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 सितम्बर 1982

सं० आर० ये० सी० नं० 954/82-83-काकीनाडा स्कॉड-
यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-वा० के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. सं अधिक हैऔर जिसकी सं० 0.33 सेंट्स है, जो ऋणी कोडा विशाखापटनम्
स्थित है (और इसमें उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विशाखापटनम् में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक जनवरी, 1982को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरक) और अंतरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण अंतरित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ल) एंसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगार्थ अंतरिती इवारा प्रकल्प नहीं किया
गया था या किया थाना थाईए था, जिसमें
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा० के अनुचरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा० की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा:—के यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी माझे पै :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेवाल
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

संपत्ति रुपीकोडा गांव, 0.33 सेंट्स, तालुका विशाखापटनम्
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 176/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विशाखा-
पटनम् ।एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 10-9-1982

मोहर :

प्रस्तुति आई० टी० एम० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 10 सितम्बर 1982

आर० ए० सी० नं० श्री०-८२-४३-फारीनाडा स्टॉड—

यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें उनके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन पश्च प्राधिकारी को, पहले विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार पूँजी 25,000/- रुपये में प्रवित्त है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 9/4 है, जो अद्वितीय कोडोंडा विश्वासपटनम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, विश्वासपटनम में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार पूँजी से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनन्दित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पश्चपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूँजी, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत प्रवित्त है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रतिरिती (अन्तरितियों) के बीच से अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आर० सी शब्द उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के धन्तराफ के दायित्व में रुमी करने वा उसमें बचते में सुविधा लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य शास्त्रियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रसरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मे, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 (1) एम० पेंदा सन्यासी पिता लेट पेंदा अप्पाला स्वामी स्वामी कोडा, विश्वासपटनम
(2) और अन्य 2।

(अन्तरक)

2 मेसर्स श्री कृष्ण को०-ओपरेटिव हाउसिंग विलिंग मोसाइटी, लि०, वी०-1642, विश्वासपटनम।

(अन्तरिती)

जो पहले सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के भवनध में कोई भी ग्राहक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति हारा, अधोक्षस्ताभारी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिचयित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तरूची

संपत्ति, वर्स नं० 9/4, 0.55 सूकर, बंजर भूमि, लूषीकोडा, गांव, विश्वासपटनम-16, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 177/28 रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी विश्वासपटनम।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक : 10-9-1982

मोहर :

प्रलेप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन मञ्चना

भारत सरकार

कार्यालय, भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 सितम्बर 1982

आर० ए० सी० न० 92/82-83-काकीनाडा स्कॉड--
यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम साधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी मूल्य में नं० 44/3 ए०, है, जो रूपीकोंडा विशाखा-
पटनम में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में शीर पूर्णे रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय,
विशाखापटनम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य संकम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य वह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप में कीथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कर्त्ता करने या उससे इनने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधानम् —
21-296GJ/82.

1. (1) व्ही० नूकलम्मा पति सव्यासी
(2) व्ही० अप्पाला नाइडु

(अन्तरक)

- 2 श्री कृष्ण को-ओपरेटिव हाउस बिल्डिंग मोमाइटी
निं० बी०-1624
विशाखापटनम-16।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
नाम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हृत-
बृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

नमूना

मंपति सर्वे न० 44/3-ए०, रूपीकोंडा, विशाखापटनम,
0.99 1/2ए०कर और 44/3 ए०, बी०, सी० छी० विस्तीर्ण
0.99 1/2 सेंटस, बंजर भूमि, रजिस्ट्रीकृत विलोख न० 276/
82 रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी विशाखापटनम।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक : 10-9-1982

मोहर :

प्रधन माइंटी.टी.एम.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 मिन्हवर 1982

आरा० ए० सी० न० 91/82-83—कार्कीनाडा स्कॉड---

यतः मुझे, एम० जैगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मूल्य सर्वे नं० 44/3 ए०है, जो रूपीकोडा विश्वादा-
पटनम में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में पूर्ण स्पष्ट में
बणित है),, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विश्वादापटनम्
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के इथमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मर्फ़ यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इथमान प्रतिफल से, एसे इथमान प्रतिफल का
पञ्चांश प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका०) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
पाता, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप में कीथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(म) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आंमतग्रं
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपायग (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्री छही सन्यासी, रूपीकोडा (एच० ओ०) पैडडा
पौस्ट आफिग नामका वैश्वान।

(अन्तरक)

(2) श्री कुण्डा को-आपरेटिव हाउस विलिंग मोमाहटी
लिं० बी० 1624,
विशादापटनम - 16।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबधूप
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताकरी के पात्र
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसृती

सप्तम सर्वे नं० 44/3प०, बी०, सी० डी० विस्तीर्ण 99
1/2 मेट्रम् रूपीकोडा गाँव, विश्वादापटनम् रजिस्ट्रीकर्स विलेख
न० 275/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विश्वादापटनम्।

एम० जैगन मोहन
मक्षम प्राधिकारीसहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 10-9-1982
मांहूर

प्रस्तुप झाई.टी.एन.एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 सितम्बर 1982

म० आर० ए० सी० न० 90/82-83-काकीनाडा स्काइड—

यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी म० 178 है, जो टी कॉलनी विश्वापटनम् में
स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विश्वापटनम् में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्ताविक
रूप से कार्यित नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण से हूँ इं किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुश्तिधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवाए प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधाग (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती पी० राधालक्ष्मी पति डा० रामभद्रा रामू
टी० पी० टी० कॉलनी विश्वापटनम् ।

(अन्तरक)

(2) श्री के० अब्राहम पिता के० ह० अब्राहम
घर नं० 11-6-5 (ए), नीयर अमरा, महाराष्ट्रा-
पेटा, विश्वापटनम् ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में करें हैं भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के गोतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(छ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्टि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभरी के पास
लिखित रूप किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम,
के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

संपत्ति, ज्ञाट नं० 178, टी० पी० टी० कॉलनी, सीतम्बा-
धारा, वैज्ञाक, विस्तीर्ण 350 चौ० गज० रजिस्ट्रीकून विलेक्षण नं०
201/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वैज्ञाक ।

एम० जेगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक : 10-9-82

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 सितम्बर 1982

आर० य० सी० नं० 89/82-83—काकीनाडा स्काउ—
 यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-ष(1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु. से अधिक है
 और जिसकी सं० 12-17-21 है, जो आरयापुरम, राजमंडी में
 स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
 है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजमण्डी में
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
 दिनांक जनवरी, 1982
 को पूर्वोंका सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि मध्यपूर्वोंका संपत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
 (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
 फल निम्नलिखित उत्तरवेद्य से उक्त अन्तरण निर्दिष्ट में वास्तविक
 रूप से कानूनी नहीं किया गया है :—

(अ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए, और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-
 नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
 अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
 जाना आहये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती ए० भीतामहालक्ष्मी पति सेषाचेलम

डॉर नं० 12-17-21, राजामंडी

(अन्तरक)

(2) श्री जे० बेकटस्वारा राव० पिता सेषावातारम
 बनदारवारी विधि, राजामंडी

(अन्तरिती)

कार्यालय, सूचना जारी करके पूर्वोंका सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंका
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
 बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी वा
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
 नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
 अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर सम्पत्ति आरयापुरम, राजामंडी, घर नं० 12-17-21,
 विस्तीर्ण 316 चौ० गज और 224 चौ० गज रजिस्ट्रीकृत विलेख
 नं० 140/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी राजामंडी।

एम० जेगन मोहन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 10-9-1982

मोहन :

प्रस्तुप आई. टो. एन. एस. ----

(1) श्रीमती ए. मीतामहालक्ष्मी पनि श्रेणाचलम

घर नं. 12-17-21, राजमडी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत

269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 सितम्बर 1982

आर० ये० मी० न० ८९८०/८२-८३—काकीनाडा स्कॉड—
यत मुझे, एम० जेगन माहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 खंड अंदीन सम्बन्ध प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० 12-17-21 है जो आयपुरम राजमडी में स्थित है (और इसमें उपाबंद अनुसूची म और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजमडी में रजिस्ट्री- करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1982

को पूर्वोंकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरन (अन्तरक) और अन्तरिरी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचिभा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हैं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिरी इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिभा के लिए।

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्ननिमित्व व्यक्तियों, अर्थात् —

(2) श्री जौ वेकटेश्वर राव पिता सेणावनारम बडाम्बागी स्ट्रीट राजमडी

(अन्तर्गत)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोंकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पादन के अर्जन के मम्बल्प म वार्ष भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद म समाप्त हाती हा, के भीतर पूर्वोंकित व्यक्तियों म से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितन्दृष्ट किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में दीर्घाधित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर सम्पत्ति आयपुरम राजमडी, घर न० 12-17-21, विस्तीर्ण 224, चौ० गज रजिस्ट्रीकून विलेव न० 140/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी राजमडी

एम० जेगन मोहन
सक्तम प्राधिकारी
महायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक 10-9-1982
मोहन

प्रस्तुत आइ.टी.एम.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 सितम्बर 1982

म ० आर० ए० सी० नं० ९१/८२-८३—काकीनाडा स्कॉड—
यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी म ० 7/11 है, जो कनीगीरी में स्थित है (और इससे
उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, कनीगीरी में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी,
1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्वह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
करी करने या उससे दूने में सुविधा के लिए;
गौरवा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एस० मत्यमारायण पिता सीतारामद्या,
कनीगीरी

(अंतरक)

(2) (1) श्री व्ही० नरसीम्हम
(2) श्री व्ही० रामुल्

(3) श्री व्ही० हारीनारायण राव,
कनीगीरी ।

(अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होता है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
हैं, वहों अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

घर नम्पत्ति, कनीगीरी ब्लॉक न० 7/11, विस्तीर्ण 563
1/2 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 68/82 रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी कनीगीरी ।

एम० जेगन मोहन
मक्षम प्राधिकारीसहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक . 10-9-1982

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (नियोग)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 मिन्हम्बर 1982

आरा० ए० स०० न० 87/82-83—काकानाडा एकाई—
यतः मुझे, प्र० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

प्रौढ़ जिसका नं० 136/3, है, जो ओंगल में स्थित है (प्रौढ़
द्वारा उपाधिक अनुसूची में और पूर्ण स्थान में वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ता
अधिकारी के कार्यालय, ओंगल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी, 1982
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्ननिम्नित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण स हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन वर्द्धने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
वार/था

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिस्त भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

1. (1) सीताराम (2) टी० नरसिंहा राव (3)
टी० वेंकटेश्वर राव (4) टी० वेंकटसुम्माराव (5)टी०
जालम्मा (6) टी० सांवशिव राव (7) टी०
पानीकेम्मा (8) टी० वसन्तरायडू (9) टी० शंकर
राव (10) टी० मलोकार्जन राव।

(अन्तरक)

2. श्रीमती अंजनेयलू पिता प्रकन्दा, ओंगल।
(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संघीत के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षण्यः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर
मध्यना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों गे में कियी व्यक्ति दिवाग;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्टि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसंची

संघीत, ओंगल, नं० 136/3, 27 1/2 एकड़, ओंगल,
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 52/82 रजिस्ट्रीवर्ता अधिकारी, ओंगल।

प्र० जेगन मोहन
संक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (नियोग)
अर्जन रेज, हैदराबाद।

दिनांक : 10-9-1982
मोहन

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—

प्ररूप बाहू, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
वाग 260-व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, हैदरगाबाद

हैदरगाबाद, दिनांक 10 मिनस्त्र 1982

आरा० पा० मी० नं० 86/82-83-कार्कनाडा स्कॉड—
यतः मुझे, पा० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

आरा० जिसकी मं० मर्वे नं० 136/3, है, जो ओंगल स्थित है (आरा०
इसके उपावढ़ अनुमत्तो में आरा० पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, ओंगल में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी,
1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्त) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निरीक्षण
में वास्तविक रूप में कार्यत नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आविष्यों
को, जिनमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में
सविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्ति:—

1. (1) सीतारा (2) टी० नरसिंहा राव (3)
टी० बैंकट सुम्माराव सभी टी० कोटेस्वर राव के
पुत्र हैं।
(4) टी० कोटेस्वर राव पिता —वर्षा—
(5) टी० जानमा पति सूर्यप्रकाश गव (6) टी०.
जनम पति कोंडल राव, गोपालनगरम, ओंगल।
(अन्तरक)

2. श्रीमती सी० एच० मलोकार्जुना राव पिता
अंजनेयल, ओंगल।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन संबंध में कोई भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताधरी के पास
लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

सम्पत्ति, मर्वे नं० 130/3, 27 1/2, पा०, ओंगल, रजि-
स्ट्रीकर्ता विलेख नं० 49/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी ओंगल।

पा० जेगन मोहन
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, हैदरगाबाद।

दिनांक : 10-9-1982

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रमिता टो० मार्नाक्यमा पति टो० यल्लोमेंडेरायडु
गोवान नगर, ओंगल।

(प्रन्तरक)

(2) श्रमिता सीयच नामाक्षीणा पिता श्रजनेश्वर
गोवानगर, ओंगल।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

पर्सन रेज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 सिंवंश 1982

आरो० ये० सो० न० 85/82-83-फाकोनाडा स्काउट--
यत मुझे, एम० जेगन मोहन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थापत सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसको सं० गवें न० 136/3, है, जो ओंगल में स्थित है (ओंगल
इससे उपरवाह अनुमूल्य से और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेशन
अधिकारी के कार्यालय, ओंगल में रजिस्ट्रेशन
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अंतर्गत, दिनांक जनवरी,
1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बादत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यालय में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किसी जाना साहिग था, जिसमें मरिधा
के लिए,

जह अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अन्तरण
में, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

22-296GT/82

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में वर्णित
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

गुप्त भूमि, गवें न० 136/3—27 1/2 एकड, ओंगल,
रजिस्ट्रीकूट विलेख न० 51/82, ग्रा० अन्तरिती अधिकारी ओंगल ।

गम० जेगन मोहन
मक्षम प्राधिकारी
महाया० आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक 10-9-1982

मोहन ।

प्रधान माइंट. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, विहार, पटना

पटना, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निर्देश सं. iii 586/अर्जन/82-83—अल: मुझे, प्रबोध कुमार

द्वारे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिन्हीं में ३० हो० में २४१ पर्वं २४२, वार्ड प्राई०/मी थाता सं० १९०, आर० ए० प्ल० फ्ल० में ५०१, ५०९ (पी०) ५१०, ४९९/५६५ पर्वं ५०१/५६६, सी० ए० प्ल० फ्ल० में ४१८, ४१९, ४१६, ४२४-४२५ है तथा जो प्राम चन्द्रवी पायगता, कांके रोड, थार०/जिला गाँवी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुपची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्र कर्ता अधिकारी के कार्यालय कलहना में रजिस्ट्र अवरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11 जनवरी 1982 को प्रावृत्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मध्ये दह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रवृक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पूर्ण उत्तिष्ठत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितरों) के बीच ऐसे अंतरण के निए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किरी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के कार्यस्व में कमी करने या उसमें दर्दों में प्रविधा के लिए, और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमिलाओं को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भ्रिविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा (1) के अन्पर्व, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा (1) की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रामता रोमा देवी, जौजे श्री, मुकूल घटर्जी निवासी 43, लेन एवेन्यु, थाता टोर्चर्गंज, जिला—24 परगना, कलकत्ता।

(अंतरक)

(2) मैरसं उमा कामर्स प्राइवेट लिमिटेड, द्वारा इसके निदेशक श्री वी० ए० सन्धालिया, रजिं आफिस 24, आर० ए० मुखर्जी रोड, कलकत्ता—700001।

(अन्तरित)

(3) मैरसं उमा मार्टिन ब्लैक लिमिटेड रजिं आफिस 14, प्रोन्टर स्ट्रीट, कलकत्ता।

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्बिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्बिति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोलिखितरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रबोध करणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभ्रषित हैं, वही अर्थ होंगा जो अध्याय में दिया गया है।

लिखित

जमीन मय दुर्मजिला पक्का का मकान जिसका रकबा 4 बिंदा 4 कट्टा है तथा जो ग्राम चन्द्रपरगना, कांके रोड, थाता जिला रांची में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से वसिका सं० 1-144, दिनांक 11-1-182 में वर्णित है एवं जिसका निबन्धन ग्राम निवास आफ एस्टोरेस, कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

प्रबोध कुमार द्वारे,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, विहार, पटना

दिनांक 18-9-1982
मोहर।

संघ सोक सेवा आयोग	
नोटिस	
<u>सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा, मई, 1983</u>	
नई दिल्ली, दिनांक 23 अक्टूबर 1982	
सं. एफ० 8/4/82 प० I (ब) — संघ सोक सेवा आयोग द्वारा अधिनाकित पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु 8 मई, 1983 से एक सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा आयोजित की जाएगी :—	
कोर्स का नाम	रिक्तियों की संख्याविवर सं०
(1) भारतीय सैन्य प्रकादमी, देहरादून जनवरी, 1984 में प्रारम्भ होने वाला 7 दिनों कोर्स,	120 (एन० सी० सी०) सेना संकाय "सी" प्रमाण पद्ध प्राप्त उम्मीदवारों के लिये आरक्षित 32 रिक्तियों सम्मिलित हैं।
(2) नौसेना प्रकादमी, नौचीनी (जनवरी, 1984 में प्रारम्भ हो रहा कोर्स),	60* (एन० सी० सी०) नौसेना संकाय "सी" प्रमाण पद्ध आरियों के लिए आरक्षित रिक्तियों सम्मिलित हैं।
(क) सामान्य रेता	
(3) यायुसेना प्रकादमी ए०एफ० ए० सी०, कील्यालूर (जनवरी, 1984 में प्रारम्भ होने वाला 135 दिनों ए० (पी०) कोर्स के लिए उड़ानपूर्व प्रशिक्षण कोर्स),	(एन० सी० सी० वायु सेना संकाय के "सी" प्रमाणपद्ध आरियों के लिए 15 आरक्षित रिक्तियों [सम्मिलित हैं]
(4) भारतीय प्रशिक्षण शाला, [में प्रारम्भ में प्रारम्भ होने वाला 30 दिनों ए० एस० सी०] एन०टी० (कोर्स)	[268]

विशेष घ्यान:— (I) उम्मीदवार को प्रावेशन पद्ध के कालम 8 (ब) में यह स्पष्ट रूप से बताया गया कि वह किन सेवायों के लिए वरीयता क्रम में विचार किए जाने का इच्छुक है। उसे यह भी सलाह दी जाती है कि वह अपनी इच्छानुसार जितना चाहे उतनी वरीयताओं का उल्लेख करे ताकि योग्यता क्रम में उसके रैंक को व्याप्त में रखते हुए नियुक्ति करसे सभी वरीयताओं पर भली प्रांति विचार किया जा सके।

उम्मीदवारों को व्याप्त में रखना चाहिए कि नीचे विशेष घ्यान (II) की व्यवस्था को छोड़कर उन पर केवल उन्होंने कोर्सों में नियुक्त हेतु विचार किया जाएगा जिनके लिए वे वरीयता निर्दिष्ट करते हैं अत्य कोर्स (कोर्सों) में नियुक्त हेतु नहीं।

उम्मीदवार द्वारा अपने आवेदन पद्ध में पहले निर्विष्ट वरीयताओं में दृढ़ि/परिवर्तन सेतु किसी अनुरोध को आयोग द्वारा अस्वीकार नहीं किया जाएगा।

विशेष घ्यान:— (II) स्थायी कमीशन प्रदान करने के लिए भा० सैन्य प्रकादमी कोर्सों के इस परीक्षा से बचे हुए उम्मीदवार यदि वायु में अल्पकालीन सेवा कमीशन (गैर तकनीकी) कोर्स के लिए विचार किए जाने के इच्छुक हैं तो निम्नलिखित शर्तों के पाश्चात अल्पकालीन सेवा कमीशन (गैर तकनीकी) प्रदान करने के लिए विचारण योग्य हो सकते हैं। उसे

उम्होंने अपने आवेदन पद्धों में इस कोर्स के लिए अपनी पसंद नहीं बताई है :—

(I) यदि अल्पकालीन सेवा कमीशन (गैर तकनीकी) कोर्स के लिए प्रतियोगी सभी उम्मीदवारों को भेजे के बाव भी कमी है, तो

(II) जो उम्मीदवार अल्पकालीन रेता कमीशन (गैर तकनीकी) हुए वरीयता व्यक्त न करने पर भी प्रशिक्षण के लिए भेजे जाते हैं, उम्हों योग्यता सूची के ज्ञम में उस अंतिम उम्मीदवार के बाद रक्षा जाएगा जिन्होंने इस कोर्स के लिए विकल्प सुधित किया है, अद्योक्त ये उम्मीदवार उस कोर्स में प्रवेश पा जाएंगे जिसके लिए वे व्यक्त वरीयता के अनुसार एकदृष्ट नहीं हैं।

मोट 1—एन० सी० सी० (सेना संकाय)/(वायु सेना संकाय (वरिष्ठ प्रमाण)) (मौसेना संकाय) के "सी" प्रमाण पद्ध प्राप्त उम्मीदवार प्रशिक्षकालिक सेवा कमीशन (गैर तकनीकी) कोर्सों की रिक्तियों के लिए भी प्रतियोगिता में बैठ करते हैं। अब भी प्रभी तक उनके लिये इन कोर्स में कोई प्रारक्षण नहीं है। प्रतः इन कोर्स में रिक्तियों को भरने के लिए उम्हों उम्मीदवारों की तद्दु समझा जाएगा। जिन उम्मीदवारों को प्रभी एन० सी० सी० "सी" प्रमाण-पद्ध (सेना संकाय)/(वायु सेना संकाय का वरिष्ठ प्रमाण) (मौसेना संकाय) की परीक्षा उत्तीर्ण करनी है, किन्तु अन्यथा वे आरक्षित रिक्तियों के लिए प्रतियोगिता में बैठने के पाल हैं, तो वे भी आवेदन कर सकते हैं किन्तु उन्हें एन० सी० सी० "सी" प्रमाण-पद्ध (सेना संकाय)/(वायु सेना संकाय)। (नी सेना संकाय का वरिष्ठ प्रमाण) की परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा जो कि आई० एम० ए०/एस० एस० सी० (एन० टी०) प्रथम विकल्प वायु उम्मीदवारों के मामते में सेना मुख्यालय भर्ती ८ (एस० सी०) (ई०) नई दिल्ली-110022 तथा मौसेना के प्रथम विकल्प वायु उम्मीदवारों के मामते में नी सेना मुख्यालय/आर० एण्ड आर०, सेना भवन, नई दिल्ली-110011 को भी वायु सेना के प्रथम विकल्प वायु उम्मीदवारों के मामते में वायु सेना मुख्यालय भर्ती ८ (एस० सी०) (ई०) नई दिल्ली-110011 को 31 दिसम्बर, 1983 तक पहुंच जाए।

आरक्षित रिक्तियों के लिए प्रतियोगिता की परीक्षा हेतु उम्मीदवार ने राष्ट्रीय कैडेट कोर में जो सेवा की हो वह सीनियर डिवीजन सेना संकाय में 2 शैक्षणिक वर्षों से कम न हो और सीनियर डिवीजन वायु-सेना/मौसेना संकाय में 3 शैक्षणिक वर्षों से कम न हो और अध्योग के कार्यालय में आवेदनों की प्राप्ति की अन्तिम तारीख को उसे राष्ट्रीय कैडेट कोर से मुक्त हुए भारतीय सभी प्रकादमी/मौसेना प्रकादमी कोर्स के लिए 24 मास से अधिक न हुए हों।

मोट 11—भारतीय सेना प्रकादमी कोर्स/वायु सेना प्रकादमी कोर्स/नी सेना प्रकादमी कोर्स में एन० सी० सी० (सेना संकाय/सीनियर डिवीजन वायु सेना संकाय/मौसेना संकाय) के "सी" प्रमाणपद्ध भारी उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियों की भरने के लिए परीक्षा परिणाम के आधार पर अनुसार इन उम्मीदवारों के पर्याप्त संख्या में न निलगे के कारण न भरी गई आरक्षित रिक्तियों की अन्तिम तारीख सेवा कमीशन (गैर तकनीकी) प्रदान करने के लिए विकल्प वायु उम्मीदवारों से भरा जाएगा।

आयोग द्वारा आयोजित होने वाली लिखित परीक्षा तथा उसके बाये सेवा चयन बोर्ड द्वारा लिखित परीक्षा बोर्ड में योग्यता प्राप्त उम्मीदवारों के लिए आयोजित बोर्डिंग और अधिकृत परीक्षण के परिणाम के आधार पर उपयुक्त कोसों में प्रवेश दिया जाएगा। (क) परीक्षा की योजना, स्तर और पाठ्यचर्चा, (ख) प्रकादमी/शाला में प्रवेश हेतु या रीरिक्षण कामता स्तर तथा (ग) भारतीय सेना प्रकादमी, नौ सेना प्रकादमी अधिकारी प्रशिक्षण शाला और बायू सेना प्रकादमी में प्रवेश पाने वाले उम्मीदवारों की सेवा प्राविधि की संक्षिप्त सूचना के सम्बन्ध में क्रमांक: परिस्थित I, II, और III में विस्तार से समझाया गया है।

नोट: परीक्षा के समस्त विषयों के प्रश्न पत्रों में केवल वस्तुपूरुष प्रश्न पूछे जायेंगे। नमूने के प्रश्नों सहित विस्तृत विवरण हृष्टप्या परिस्थित V पर “उम्मीदवारों को सुभावाये विवरणिका में” देखिए।

2. परीक्षा के केन्द्र:—भगरतला, घाहमदाबाद, ऐजल, इलाहाबाद, बगलूर, भोपाल, बड़मई, कलकत्ता, चंडीगढ़, कोन्नीन, कटक, दिल्ली, दिस्तुर (गोहाटी), हैदराबाद, इस्कॉल, इटानगर, खयपुर, जम्मू, जोरहाट, कोहिमा, लखनऊ, मद्रास, नागपुर, पण्डी (गोवा), पटना, पोर्टब्लैयर, शिलांग, शिमला, श्रीनगर और तिब्बत।

आयोग यदि चाहे तो उक्त परीक्षा के उपयुक्त केंद्रों तथा तारीखों में परिवर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा के लिये उनको प्रस्त॑य के केन्द्र देने के नभी प्रयास किये जायेंगे तो भी आयोग परिस्थिति बण किसी उम्मीदवार को अपनी विवेका पर अलग केन्द्र दे सकता है। जिन उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाता है उन्हें समय सारी तथा परीक्षा स्थल (स्थानों) की जानकारी दी जाएगी (सीधे पैरा II देखिए)।

उम्मीदवार को व्याप्त रखना चाहिए कि केन्द्र में परिवर्तन से संबद्ध अनुरोध को मान्यता देवीकार नहीं किया जाएगा। किन्तु जब कोई उम्मीदवार अपने उस केन्द्र में परिवर्तन चाहता है जो उसने उक्त परीक्षा हेतु प्रपने आवेदन में निर्दिष्ट किया था तो उसे सचिव, सच सेवा आयोग को इन बात का पूरा और्जित बताते हुए एक पत्र रजिस्टर्ड डाक से प्रवक्ष्य भजना। चाहिए कि वह केन्द्र में परिवर्तन क्यों चाहता है। ऐसे अनुरोधों पर गुणवत्ता के आधार पर विचार किया जाएगा किन्तु 8 अप्रैल, 1983 के बाद प्राप्त अनुरोधों को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

3 पात्रता की शर्तें:—

(क) राष्ट्रिकता:

उम्मीदवार या तो

(i) भारत का नागरिक हो, या

(ii) भूटान की प्रजा हो, या

(iii) नेपाल की प्रजा हो, या

(iv) रिम्बरी शरणार्थी, जो स्थायी रूप से भारत में रहने के द्वारा से 1 जनवरी, 1982 से पहले आ गया हो, या

(v) भारतीय भूल का व्यक्ति हो जो भारत में स्थायी रूप से रहने के उद्देश्य से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, और पूर्वी अफ्रीकी देश जैसे कील्या, उगाना तथा संजानिया का संयुक्त गणराज्य भूतपूर्व टांगानिका और जंजीबार, जाम्बिया, भालासी, जैरे और इथियोपिया और वियतनाम से प्रवासन कर आया हो।

परन्तु उपयुक्त वर्ग (iii) (iv) और (v) के अन्तर्गत आने वाला उम्मीदवार ऐसा व्यक्ति हो जिसको भारत सरकार ने पात्रता प्रमाण-पत्र प्रदान किया हो?

पर मेपाल के गोरखा उम्मीदवारों के लिए यह पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक नहीं होगा।

जिस उम्मीदवार के लिए पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक है उसे उक्त परीक्षा में इस शर्त पर अंतिम रूप से प्रवेश दिया जा सकता है कि सरकार

द्वारा उसे आवश्यक प्रमाण पत्र सत्र लोक सेवा आयोग द्वारा परिणाम की घोषणा से पहले दे दिया जाए।

(ख) आयु-सीमाएं लिग या वैवाहिक स्थिति:—

(i) भा० से० अकादमी, नौसेना अकादमी और बायू सेना के लिये : केवल अविवाहित पुरुष उम्मीदवार पात्र हैं जिनका जन्म 2 जनवरी, 1982 से बाब और 1 जनवरी, 1985 के पहले हुआ हो।

(ii) अधिकारी प्रशिक्षण शाला के लिये : केवल वही पुरुष उम्मीदवार (विवाहित या अविवाहित) पात्र हैं जिनका जन्म 2 जनवरी, 1981 से बाब और 1 जनवरी, 1985 के पहले न हुआ हो।

नोट:—जम्म की तारीख केवल वही मात्र होगी जो मैट्रिक्युलेशन/हायर सेकेन्डरी या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्र त्रै लिखी गई हो। जिन उम्मीदवारों ने भा० से० अकादमी/गौ सेना और बायू सेना के लिये पहली पसंद बताई है, उन्हें ज्यन स्टाफ द्वारा संस्थापन के प्रयोजन हेतु सेवा ज्यन बोर्ड के समक्ष साधारण के लिये उपस्थित होते समय आयु का प्रमाण (सूत्रस्थ में) प्रस्तुत करना है।

(ग) शैक्षिक योग्यताएं :—

(i) भारतीय सेना अकादमी, नौ सेना अकादमी और अधिकारी प्रशिक्षण शाला के लिये किसी मान्यताप्राप्त विषयविद्यालय की डिप्री या समकक्ष योग्यता,

(ii) बायूसेना अकादमी के लिए :—किसी मान्यताप्राप्त विषयविद्यालय की डिप्री या समकक्ष। किस्तु गर्त यह है कि डिप्री या समकक्ष कोसे में प्रवेश लेने से पहले उम्मीदवार को हायर सैकेन्डरी परीक्षा (पुराना पैटर्न) या स्कूली प्रशिक्षण के 10+2 पैटर्न के अन्तर्गत 12वें स्तर की परीक्षा गणित और शैक्षिकी परीक्षा विषय के क्षेत्र में सेकार अवश्य उसीरी ही है।

नौसेना/बायू सेना की पहली पसंद बाले स्नातकों को मैट्रिक्युलेशन के प्रमाण के रूप में प्रोविजनल सर्टीफिकेट सेवा ज्यन बोर्ड गुरा होने के बो सप्ताहों के अन्वर क्रमांक: सेना मुख्यालय (रिकॉर्डिंग) (८ एस० पी०) (ई) / नौसेना मुख्यालय (आर० एण्ड आर० सेक्षन) /बायूसेना मुख्यालय—हाकचर ३ (ए) को प्रस्तुत है।

जो उम्मीदवार अभी डिप्री, परीक्षा में उसीरी होने बाले हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं, परन्तु उनकी डिप्री परीक्षा में उसीरी होने का प्रमाण आई० एम० १०/एस० एस० सी० (एन० टी०) प्रथम विकल्प बाले उम्मीदवारों के मामले में सेना मुख्यालय पर्सी ८ (एस० पी०) (ग) नई दिल्ली-110022 तथा नौसेना के प्रथम विकल्प बाले उम्मीदवारों के मामले में आयु सेना मुख्यालय पी० ३०-३, बायू सेना भवन, नई दिल्ली-110011 को और बायू सेना के प्रथम विकल्प बाले उम्मीदवारों के मामले में आयु सेना मुख्यालय पी० ३०-३, बायू सेना भवन, नई दिल्ली-110011 को निम्नलिखित तारीख तक पहुंच जाए जिसके न पहुंचने पर उनकी उम्मीदवारी रद्द हो जाएगी।

(i) भा० से० अकादमी, नौ सेना तथा बायू सेना अकादमी प्रवेश के लिये ३१ दिसम्बर, १९८३ तक या उससे पहले।

(ii) अधिकारी प्रशिक्षणशाला, मद्रास में प्रवेश के लिए ३० अप्रैल, १९८४ तक या उससे पहले।

जिन उम्मीदवारों के पास व्यावसायिक और तकनीकी योग्यताएं हैं, जो सरकार द्वारा व्यावसायिक और तकनीकी डिप्री के मामकक्ष मान्यता प्राप्त हों वे भी परीक्षा के लिए पात्र होंगे।

अपवाद की परिस्थितियों में आयोग निसी ऐसे उम्मीदवार को इस नियम में लिंगार्थित योग्यताओं में से किसी से युक्त न होने पर भी, शैक्षिक दृष्टि से योग्य मान सकता है जिसके पास ऐसी योग्यताएं हों जिनका सर आयोग के विचार में, इस परीक्षा में प्रवेश पाने योग्य हो।

नोट I:—ऐसे उम्मीदवार जिन्हे उम्री परीक्षा से अमीं अहेता प्राप्त करनी है और जिनको संघ लाक सेवा आयोग की परीक्षा में बैठने की अनुमति दे दी है, उन्हें नोट कर लेना चाहिए। कि उनको दी गई यह विषेष छृष्ट है। उन्हें इनी परीक्षा उत्तरीण करने पर प्रमाण निर्धारित तारीख तक प्रस्तुत करना है और भूनियादी अर्थक विश्वविद्यालय परीक्षा के बैर से आयोगित किये जाने, परिणाम भी घोषणा भवित्व या अन्य किसी कारण से इस तारीख को और आगे बढ़ाने से सम्बद्ध किसी भी अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

नोट II:—जो उम्मीदवार रक्षा मंत्रालय द्वारा योग्य सेवाओं में किसी प्रकार के कमीशन से अपवृच्छित है, वे इस परीक्षा में प्रवेश के पाल नहीं होंगे। अगर प्रवेश दिया गया हो तो उनकी उम्मीदवारी रद्द की जाएगी।

नोट III:—विशेष सेवा नाविकों को औइकर भाकी नाविक (जिनमें किशोर और कारीगर प्रशिक्षु मिलित है), जिनकी अपने नियत कार्य पूरा करने में छह महीने से कम अवधि आकी है, इस परीक्षा में बैठने के पाल नहीं होंगे। जिन विशेष सेवा नाविकों को अपने नियति कार्य पूरे करने में छह महीने से कम अवधि आकी है, उनके आवेदन पत्र तभी नियंत्रित किये जायेंगे जब वे उनके कर्मान्वय अफसरों के द्वारा निर्धारित अनुमति हो।

4. आवेदन के साथ देव शुल्क ₹ १००५.०० (अटॉइस एप्पे) (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों) के लिये ₹ १०००.०० (मात्र रुपए) जिन आवेदन-पत्रों के साथ यह निर्धारित शुल्क नहीं भेजा जाएगा उनको एकदम अस्तीकार कर दिया जाएगा।

5. शुल्क से छृष्ट: आयोग यदि नाहे तो, निर्धारित शुल्क से छृष्ट दे सकता है जब उनको इस बात का जावाहार है। कि आवेदन भट्टान, दूर्वा पाकिस्तान (अब बंगला देश) से बस्तुत विस्थापित व्यक्ति है जो १-१-१९६४ और २५-३-१९७१ के बीच की अवधि में भारत में प्रवेश कर आया है या तस्कालीन परिष्कार पाकिस्तान से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है जो पहली जनवरी, १९७१ तथा ३. मार्च, १९७१ के बीच की अवधि के दौरान प्रवेश कर भारत आया था या वह बर्मा से बस्तुत प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति है जो १५-६-१९६१ को या उसके बाद भारत में प्रवेश कर आया है या वह श्रीलंका से बस्तुत प्रत्यावर्तित भारतीय मूलक: व्यक्ति है जो अक्टूबर, १९६४ के भारत-श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत १ नवम्बर, १९६४ को या उसके बाद भारत आया है या आगे बाला है और निर्धारित शुल्क है सकते के स्थिति में नहीं है।

6. आवेदन कैसे किया जाए: केवल मिलित रक्षा सेवा परीक्षा में, १९८३ के लिये निर्धारित पत्र में छोड़े द्वारा आवेदन-पत्र ही लिये जायेंगे जो इस परीक्षा के नोटिस के साथ लिये हुए हैं। आवेदन-पत्र भर कर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, शौलपूर हाउस, नई दिल्ली-११००११ को भेजा जाने चाहिए। आवेदन प्रवक्त और परीक्षा के पूरे विवरण निम्नांकित स्पानो से प्राप्त किये।

(i) दो रुपये का मनोआहंकर या संघ लोक सेवा आयोग के सचिव को नई दिल्ली प्रदेश डाकघर पर देय रेकार्ड भारतीय पोस्टल ऑर्डर भेजकर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, शौलपूर हाउस, नई दिल्ली-११००११ के बहाने पर डाक द्वारा।

(ii) दो रुपए नक्श देकर आयोग के कार्यालय के काउंटर पर।

(iii) निकटतम भर्ती कार्यालय, प्रिन्सिटी एरिया/ग्राम-एरिया मुल्यालय, एन० सी० सं०० निर्धारित नोमेना तथा चारू सेवा प्रति व्यक्ति के बहाने पर।

आवेदन प्रवक्त तथा पावरी काउंटर उम्मीदवार के हाथों द्वारा स्थानीय कालम या बालपेन से ही भरे जाने चाहिए। सभी प्रविष्टियां जब्तों

में हीनी चाहिए, रेखाओं या बिल्कुलों में नहीं। अधूरा या गलत भरा हुआ आवेदन पत्र रद्द कर दिया जाएगा।

उम्मीदवार यह व्याप्त रखें कि आवेदन-पत्रों को भरते समय भारतीय भक्तों के अन्तर्राष्ट्रीय रूप का ही प्रयोग किया जाता है। वे इस बात का विशेष व्याप्त रखें कि आवेदन-पत्र में कोई प्रविष्टियां स्पष्ट और सुपादृश्य हों। यदि प्रविष्टियां अपादृश्य या आमक हीनी तो उनके निर्वाचन में हीने वाले ग्रम तथा संविधान के लिए उम्मीदवार उत्तरदायी होंगे।

उम्मीदवारों को व्याप्त रखना चाहिए कि आयोग द्वारा आवेदन-पत्र में उनके द्वारा की गई प्रविष्टियों को बदलने के लिए कोई पत्र आदि स्वीकार नहीं किया जाएगा। इसलिए उन्हें आवेदन-पत्र सही रूप में भरने के लिये विशेष साक्षाती बरतनी चाहिए।

सभी उम्मीदवारों को, जाहे वे पहले से ही सरकारी नौकरी में हों, या सरकारी स्वामित्व वाले श्रीखोगिक उपकरणों या इसी प्रकार के संगठनों में काम कर रहे हों या गैर सरकारी संस्थाओं में नियुक्त हों, आयोग को सेवे आवेदन-पत्र में जारी किया जावारा ने अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंच जाए तो उस आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता की आखिरी तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी नौकरी में आकस्मिक या दैनिक दूर कर्मचारी से इतर स्थायी या अस्थायी हैसियत से या कार्यमार्ति कर्मचारियों की हैसियत से काम कर रहे हैं या ऐसे जो कर्मचारी जो लोक उद्यमों में कार्यरत हैं। उन्हें यह परिवर्तन (प्रन्तरटेकिंग) प्रस्तुत करना चाहिए कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिये आवेदन किया है।

उम्मीदवारों को व्याप्त रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियोक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैठने से सम्बद्ध अनुमति रोकते हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन-पत्र अस्तीकृत उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

संशोध सेना में काम कर रहे उम्मीदवार अपने आवेदन पत्र अपने कार्मचारी अफसर के माध्यम से प्रस्तुत करें जो पूछाकल (ऐडिप्रो आवेदन प्रपत्र के भाग 'च') को भर करके आयोग को भेजेंगे।

7. भरा हुआ आवेदन पत्र आवश्यक प्रेक्षणों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, शौलपूर हाउस, नई दिल्ली-११००११ को २० दिसंबर, १९८२ से पहले की किसी तारीख से असम, मेघालय, मण्डलपाल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, तिप्पुरा, सिक्किम, जम्मू और काशीर राज्य का लहान प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लहान और स्पीति जिने ध्रुवमान और निकोबार हीप समूह या लक्षद्वीप भौतिक विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों के भीर जिन उम्मीदवारों के आवेदन उपर्युक्त में से किसी एक इसके से डाक द्वारा प्राप्त होते हैं, उनके मामने में ३ जनवरी, १९८३) तक या उसमें पहले डाक द्वारा अवश्यक भिज्ञा दिया जाए या स्वयं आयोग के काउंटर पर आकर जमा करा दिया जाए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

असम, मेघालय, मण्डलपाल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, तिप्पुरा, सिक्किम, जम्मू और काशीर राज्य के लहान प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लहान और स्पीति जिने ध्रुवमान और निकोबार हीप समूह या लक्षद्वीप भौतिक विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों से आयोग यहि जाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह गकहा है कि वह २० दिसंबर, १९८२ से पहले की किसी तारीख से असम, मेघालय, मण्डलपाल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, तिप्पुरा, सिक्किम, जम्मू और काशीर राज्य का लहान प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लहान और स्पीति जिने ध्रुवमान और निकोबार हीप समूह या लक्षद्वीप भौतिक विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों से आयोग यहि जाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह गकहा है कि वह

टिप्पणी (i):—जो उम्मीदवार ऐसे थेतों के हैं जहाँ के एहत बाले आवेदन की प्रस्तुति हैं तु समय के हक्कार हैं उम्हे आवेदन पत्र के संगत कालम में आपने पतों में अतिरिक्त भवित्व के हक्कार हलों के भाल का भास (अर्थात् भ्रस्म, बेघालय, अमृत तथा कार्यमीर राज्य का लहान भ्रमाण) स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट करता आहिए अन्यथा हो सकता है कि उम्हे अतिरिक्त भवित्व का लाभ न मिले।

टिप्पणी (ii):—उम्मीदवारों को गलाह दी जाती है कि वे अपने आवेदन पत्र को स्वयं स० स० स० ०० भा० के काउटर पर जमा कराएं अधिक रजिस्टर डाक छारा भेजें। आयोग के किसी अन्य कामचारी को दिये गये आवेदन-पत्रों के लिए आयोग उत्तरदायी नहीं होगा।

8 अलेख जो आवेदन के साथ भेजे जाएँ।

(क) सभी उम्मीदवारों द्वारा :

(i) रु 23.00 (अट्टाइस रुपये) [प्रत्यक्षित जातियोजन जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु 7.00 (सात रुपये)] का जो शुल्क जो सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली प्रधान डाक घर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आईंडर के रूप में हो या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग के नाम भारतीय स्टेट बैंक, मुख्य शाखा, नई दिल्ली पर देय भारतीय स्टेट बैंक की किसी भी शाखा से जारी किये गये रेखांकित बैंक ड्रापट के रूप में हो।

टिप्पणी :—उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्र प्रस्तुत करते भवित्व बैंक ड्रापट की पिछली ओर सिरं पर प्रथमना नाम तथा पता लिखना चाहिए। पोस्टल आईंडरों के मामले में उम्मीदवार पोस्टल आईंडर के पिछली ओर इस प्रयोजन के लिए निर्धारित स्थान पर प्रथमना नाम तथा पता लिखें।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे अपने यहाँ के भारत के उच्चायुक्त या राजकूल या विदेशी प्रतिनिधि के कार्यालय में निर्धारित शुल्क जमा करें जिससे वह “051 लोक भेजा आयोग” परीका शुल्क के खाते में जमा हो जाए और उसकी रसीद आवेदन-पत्र के साथ भेज दें।

(ii) आयु का प्रमाण पत्र :—आयोग जाप की वह तारीख स्थिकार करता है जो मैट्रिक्युलेशन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिक्युलेशन के समकक्ष माने गये प्रमाण-पत्र या किसी विश्वविद्यालय द्वारा अनुरक्षित मैट्रिक्युलेटो के रजिस्टर में वर्ज की गई हो और वह उद्दरण विश्वविद्यालय के समुचित प्राप्तिकारी द्वारा प्रमाणित हो। उम्मीदवारों को पूर्वोक्त मैट्रिक्युलेशन या समकक्ष प्रमाण पत्र की दो अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियोगी प्रवर्त्य प्रस्तुत करनी चाहिए। किन्तु जिस उम्मीदवार ने हायर सेकेन्डरी परीका या कोई समकक्ष परीका उत्तीर्ण कर ली है वह हायर सेकेन्डरी परीका प्रमाण पत्र या समकक्ष प्रमाण पत्र की दो अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियोगी प्रवर्त्य प्रस्तुत कर सकता है।

आयु के सम्बन्ध में कोई अन्य दस्तावेज जैसे जन्मसूची, शपथपत्र, नगर निगम के सेवा असिनेक्स से प्राप्त जन्म संबंधी उद्दरण, तथा अन्य ऐसी ही प्रमाण स्थिकार नहीं किये जायेंगे।

प्रमुदेशों के इन भाग में आये हुए “मैट्रिक्युलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीका प्रमाण पत्र” आक्यांक के अन्तर्गत उपर्युक्त यैकल्पिक प्रमाण पत्र नहिं है।

कभी-कभी मैट्रिक्युलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीका प्रमाण पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैट्रिक्युलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीका प्रमाण पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के प्रतिरिक्ष उस संस्थान के हैंड प्रिसिपल के लिये गये प्रमाण पत्र को एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए। इह से उसने मैट्रिक्युलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीका उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण पत्र में उस संस्था के दक्षिण रजिस्टर में वर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या भास्तविक आयु, जिन्हीं हीनी चाहिए। उम्मीदवारों को जैतायी दी जाती है कि वह आवेदन पत्र के साथ इन पत्रोंमें यथा निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन पत्र भ्रस्मीकार किया जा सकता है।

टिप्पणी (i) :—जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद प्राप्त माध्यमिक विद्यालय प्रमाण पत्र हो, उसे केवल आयु से तब्दि प्रविष्ट पृष्ठ की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

टिप्पणी (ii) :—उम्मीदवार यह ज्यान रखें कि आयोग उम्मीदवार की जन्म की उत्तीर्ण तारीख की स्वीकार करेगा जो कि आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की तारीख की मैट्रिक्युलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीका प्रमाण पत्र या समकक्ष परीका के प्रमाण पत्र में वर्ज है और इसके बाद उसमें परिवर्तन के किसी अनुरोध पर न तो विचार किया जाएगा और न उसे स्वीकार किया जाएगा।

टिप्पणी (iii) :—उम्मीदवार यह भी जोड़ कर लें कि उसके द्वारा किसी परीका में प्रवेश के लिये जन्म की तारीख एक बार घोषित कर देने और आयोग हांग उसे अपने असिनेक्स में दर्ज कर देने के बाद उसमें बाद में प्रतिवर्तन करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

(iii) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति

उम्मीदवार को इन आशाएँ के प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति अवश्य प्रस्तुत करनी चाहिए कि उसके पास वैरा ३ (क) में विवित योग्यताओं में एक योग्यता है या उम्मीदवार द्वारा इसके इस प्रकार प्रधित कर देने की संमावना है कि वैरा ३ (ग) में विवित तारीख तक इसको उत्तीर्ण करने का प्रमाण दिया जा सके। जो प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जाए वह वही हो जो योग्यता विशेष को देने वाले प्राधिकरण (भ्रष्टि) विश्वविद्यालय या अन्य परीका निकाय द्वारा जारी किया गया हो। यदि ऐसे प्रमाण पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति प्रस्तुत नहीं की जाती है तो उम्मीदवार को उसके प्रस्तुत न करने की वजह बतानी चाहिए और ऐसे अन्य प्रमाण प्रस्तुत करने वाहिए जो वह प्रतिवर्त योग्यता रखने के दावे के समर्थन में प्रस्तुत कर सकता है। आयोग इस प्रमाण पर गुणवत्ता के साधारण पर विचार करेगा पर इसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं होगा।

यायुसेना प्रकादमी कोर्से हेतु प्रतियोगी उम्मीदवारों को डिप्री परीका उत्तीर्ण करने के प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति के प्रतिरिक्ष हायर सेकेन्डरी परीका (पुराना वैरा ३)/१२वें स्तर की परीका (स्कूली शिक्षा के १०+२ वैरा के अन्तर्गत) उत्तीर्ण करने के विश्वविद्यालय/बोर्ड के प्रमाण पत्र की एक अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति अवश्य प्रस्तुत करने की चाहिए। याय हायर सेकेन्डरी परीका (पुराना वैरा ३)/१२वें स्तर की परीका (स्कूली शिक्षा के १०+२ वैरा के अन्तर्गत) उत्तीर्ण करने के विश्वविद्यालय/बोर्ड के प्रमाण पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति में परीका विषयों का उल्लेख नहीं हो सम्भव प्रिसिपल के प्रमाण पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति अवश्य प्रस्तुत करनी चाहिए जिसमें यह वर्णित है।

गया हो कि उम्मीदवार ने परीक्षा विषयों रूप में गणित और भौतिकी के साथ उक्त परीक्षा उसीरे की है।

(iv) उपस्थिति पत्रक (आवेदन प्रपत्र के साथ संगलन) विधिवत् भरा हुआ।

(v) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 6 सें. मी. ० × 7 सें. मी. ०) के फोटो की एक ऐसी दो प्रतियाँ जिनके उपरी हिस्से पर उम्मीदवार के हस्ताक्षर विधिवत् भर्कित हों।

फोटो की एक प्रति आवेदन प्रपत्र के पहले पृष्ठ पर और दूसरी प्रति उपस्थिति पत्रक में दिये गये निर्धारित रथाम पर चिपका देनी चाहिए।

(vi) लगभग 11.5 सें. मी. ० × 27.5 सें. मी. ० आकार के बिना टिकट सरों दो लिफाके, जिन पर आपका पता लिखा हो।

(vii) अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों द्वारा—प्रति अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के होने के दावा के समर्थन में यहाँ उम्मीदवार या उसके माता पिता (या जीवित माता या पिता) आम तौर पर रहने हों, उस जिन्हें को (किसी प्रमाण पत्र के नीचे लिखित) नक्श प्राधिकारी से परिचिष्ट IV में दिए गए प्रपत्र में लिए गए प्रमाण-पत्र की अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।

(g) शुल्क से छूट लाने वाले उम्मीदवारों के द्वारा :

(i) किसी जिला भूमिकारी या राजपत्रित भूमिकारी या संघ या राज्य विधान मण्डल के सदस्य के लिए गए प्रमाण पत्र को अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि जिसमें यह प्रमाणित किया गया हो कि उम्मीदवार निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है।

(ii) वस्तुतः विस्थापित/प्रत्यावर्तित व्यक्ति होने के दावे के समर्थन में निम्नलिखित प्राधिकारियों से लिए गए प्रमाण-पत्र की अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि :

(k) भूतपूर्व पूर्ण पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति :

(i) दगड़कारण्य पर्योजना के ट्रॉनिट केंद्रों या विभिन्न राज्यों के राहत शिविरों कार्यशिविर में चालक

अध्यक्ष

(ii) उम्मीदवार का जिला मर्जिस्ट्रेट जहाँ पर वह फिलहाल रह रहा हो।

अध्यक्ष

(iii) अपने जिले के अरणार्थी पुनर्वान का प्रभारी अतिरिक्त जिला मर्जिस्ट्रेट

अध्यक्ष

(iv) सब-डिक्टीजमल अफसर अपने अधीनस्थ सब-डिक्टीजमल भी सीमा तक।

अध्यक्ष

(v) अरणार्थी पुनर्वान उपायुक्त पश्चिमी बंगाल/निवेशक (पुनर्बास), कलकत्ता।

(x) श्री लंका में प्रत्यावर्तित :—

श्री लंका में भारत का उच्चायुक्त।

(g) बर्मा में प्रत्यावर्तित :—

भारतीय दूसायास, रंगून या जहाँ का वह रहने वाला हो, उस क्षेत्र का गिरा मर्जिस्ट्रेट।

(h) तत्कालीन परिचयी पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति : (i) विभिन्न राज्यों के ट्रॉनिट केंद्रों तथा राहत शिविरों के हैम्प कमान्डेट।

अध्यक्ष

(ii) उम्मीदवार का जिला मर्जिस्ट्रेट जहाँ वह, फिलहाल रहता हो।

अध्यक्ष

(iii) अपने जिले के अरणार्थी पुर्वकाम के प्रभारी अतिरिक्त जिला मर्जिस्ट्रेट

अध्यक्ष

(iv) अपने प्रभार में गढ़-डिक्टीजमल के अन्तर सब-डिक्टीजमल प्रधिकारी।

अध्यक्ष

(v) अरणार्थी पुनर्वान उपायुक्त।

(x) भारतीय अकादमी और वायु सेना अकादमी और नीसेना अकादमी कोर्स में अतिरिक्त रिकियों के लिए प्रतियोगिता म भाग लेने वाले एन० सी० सी० (सी०) प्रमाण-पत्र (सेना स्कॉल) / (वायु सेना स्कॉल) का वरिष्ठ प्रभाग / (नी सेना स्कॉल) प्राप्त उम्मीदवारों द्वारा।

यह दिवाने के लिए कि उनके पास एन० सी० 'सी०' प्रमाण-पत्र (सेना स्कॉल) / वायु सेना स्कॉल का वरिष्ठ प्रभाग / नी सेना स्कॉल है अथवा वह एन० सी० 'सी०' प्रमाण-पत्र (सेना स्कॉल) / वायु सेना स्कॉल का वरिष्ठ प्रभाग नीसेना स्कॉल परीक्षा में प्रवेश ले रहा है / प्रवेश ले चुका है, इस आशय के प्रमाण-पत्र की अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति लिपि।

टिप्पणी :—उम्मीदवारों को आवेदन-पत्र के साथ मैंजे गए सभी प्रमाण-पत्रों की अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियों पर हस्ताक्षर करके तारीख सिक्कनी है।

9 शुल्क की वापसी :—आवेदन के मूल आयोग को अदा किया गया शुल्क वापस करने के किसी अनुरोध पर नीचे की परिस्थितियों को छोड़कर विचार नहीं किया जा सकता और न वह किसी दूसरी परीक्षा या चयन के लिए मुक्तित रखा जा सकता है।

(i) जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क दे दिया है पर जिसको आयोग ने परीक्षा म बैठने महीने दिया उम्मीदवार को रु. 15.00 (पन्द्रह रुपये) [(अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के भासमाले से रु. 4.00 (चार रुपये)] वापस कर दिया जाएगा। परन्तु यदि कोई आवेदन यह शुल्क प्राप्त होने पर भ्रस्तीकार कर दिया गया हो कि उम्मीदवार इसी परीक्षा में अनुसूची दूश है या इसी परीक्षा म उन्हीं होने का प्रमाण निर्धारित तारीख तक प्रस्तुत नहीं कर पाएगा सो उग उम्मीदवार का शुल्क वापस नहीं किया जाएगा।

(ii) जो उम्मीदवार मई, 1982 या अक्टूबर, 1982 में आयोजित सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा में बैठा हो और उसमें से किसी परीक्षा के परिणाम के आधार पर किसी कोर्स के लिए उसका नाम अनुशंसित हुआ हो तो उसके भासमाले में रु. 28.00 (अष्टाईस रुपये) [अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के भासमाले में रु. 7.00 (सात रुपये)] का शुल्क वापस किया जा सकता है, पर यह जरूरी है कि मई, 1983 की सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी रद्द करने और शुल्क वापस पाने के लिए उस उम्मीदवार का अनुरोध आयोग के कार्यालय म 15 अक्टूबर, 1983 को या उससे पहले पूर्ण हो।

10. आवेदन पत्र की पावती :—आयोग के कार्यालय में वेर से प्राप्त आवेदन-पत्रों सहित प्रत्येक आवेदन-पत्र की पावती दी जाती है तथा आवेदन-पत्र की प्रतियोगिता के प्रतीक भी अप में उम्मीदवार की आवेदन-पत्र की रजिस्ट्रेशन गं. जारी कर दी जाती है। यदि किसी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा के आवेदन-पत्र प्राप्त करने के लिए निर्धारित अंतिम तारीख से एक मास के अन्दर पावती नहीं दिलाई जाती है तो उसे तनात भ्रामण से पावती देने सम्पर्क करना चाहिए।

इस तथ्य का कि उम्मीदवार ने आवेदन-पत्र को रजिस्ट्रेशन संलग्न जारी कर दी गई है प्राप्त आयोग यह अर्थ नहीं है कि आवेदन-पत्र मध्य भ्रामण पूर्ण है और आयोग द्वारा स्वीकार कर दिया गया है।

11. आवेदन का परिणाम.—अगर किसी उम्मीदवार का अपने आवेदन के परिणाम की सूचना परीक्षा शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक आयोग से प्राप्त न हुई तो उसे परिणाम की जानकारी के सिए

आयोग से वरकाल सम्पर्क करना चाहिए। अगर इस बात का पासन नहीं हुआ तो उम्मीदवार अपने मामले में विचार किए जाने के अधिकार से बचिता ही जाएगा।

12. परीक्षा में प्रवेश —किसी उम्मीदवार की पत्रिता या भवालता के संबंध में संघ लोक में विचार का निर्णय अतिम होगा। आयोग में प्राप्त प्रवेश प्रमाण-पत्र के बिना किसी भी उम्मीदवार को परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

13. कवाचार के दोषी उम्मीदवारों के खिलाफ कार्रवाई :—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन पत्र भरते समय कोई गलत विवरण न हों और न किसी गहरायी सूचना की छिपाएं। उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि उनके बाग प्रस्तुत किसी भी प्रेषण या उनकी अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति में किसी भी हालत में वे किसी तरह का संशोधन या परिवर्तन या कोई फेर-बदल न करें और न ही फेर-बदल किए गए घटे हुए प्रेषण को वे प्रस्तुत करें। अगर इस प्रकार के कोई अधिक प्रेषणों में या उनकी अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियों में कोई अपूर्णिया या असंगति हो तो इस असंगति के बारे में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करना चाहिए।

जो उम्मीदवार आयोग द्वारा निम्नांकित कवाचार को दोषी घोषित होता है या हो जुका है :—

- (i) किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारों का समर्थन प्राप्त करना ; या
- (ii) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तुत होना ; या
- (iii) अपने स्थान पर किसी दूसरे को प्रस्तुत करना ; या
- (iv) जाली प्रेषण या फेर-बदल किए गए प्रेषण प्रस्तुत करना ; या
- (v) भयुदय या असत्य अवस्था देना या भृत्यपूर्ण सूचना को छिपाकर रखना ; या
- (vi) परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारों के संबंध में ; किसी अनियत या अनुचित लाभ उठाने का प्रयास करना ; या
- (vii) परीक्षा के समय अनुचित तरीके अपनाए हुए ; या
- (viii) उत्तर पुस्तिका(ओ) पर असंगत बातें लिखी हुए जो अस्तील भाषा या असाध आशय की हों ; या
- (ix) परीक्षा बहन में और किसी प्रकार का दुर्घटनाक होना ; या
- (x) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो ; या
- (xi) उम्मीदवारों को परीक्षा देने की अनुमति देते हुए प्रेषित प्रवेश प्रमाण-पत्र के साथ जारी किसी अनुदेश का उल्लंघन किया हो ; या
- (xii) ऊपर के अण्डों में उल्लिखित सभी या किसी कवाचार की ओर प्रवृत्त होना या ऐसा कारने के लिए किसी को उत्तेजित करना। यह अपने को दफ्तर अधिकारीजन का शिकार बनाने के अतिरिक्त :—
 - (a) वह जिस परीक्षा का उम्मीदवार है उसके लिए आयोग द्वारा अयोग छहराया जा सकता है थथा
 - (b) (i) आयोग द्वारा उनकी किसी भी परीक्षा का चयन के लिए ।
 - (ii) कोई सरकार द्वारा उनके अधीन किसी नियुक्ति के स्थायी रूप से या कुछ नियिष्ट अवधि के लिए अपवर्जित किया जा सकता है ; और
 - (g) अगर वह पहले से सरकारी नौकरी में हो या उन्नीत नियमावली के अनुसार अनुशासनिक कार्रवाई का पात्र

होगा। किन्तु यह यह है कि इस नियम के अधीन कोई सस्ति नव नक नहीं दी जाएगी जब तक —

(i) उम्मीदवार को इस अवधि में लिखित अध्यावेदन जा वह देना शक्ति प्रदान करने का भवमर दिया गया हो और

(ii) उम्मीदवार द्वारा अनुमति समय में प्रस्तुत अध्यावेदन पर, यदि कोई हो, विचार न कर लिया गया हो।

14. मूल प्रमाण-पत्रों का प्रस्तुतीकरण :—सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार में श्रृंखला प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों में से, आई० एम० ए०/एस० एस० सी० (एम० टी०) प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में सेना मुख्यालय/मर्ऱी ६ (एम० पी०) (ग), नई दिल्ली-११००२२ की तथा नई सेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में नई सेना मुख्यालय/आर० एण्ड आर० सेना भवन, नई दिल्ली-११००११ की या वायु सेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में वायु सेना मुख्यालय/पी० भ००-३, वायु सेना भवन, नई दिल्ली-११००११ को अपनी शैक्षणिक योग्यताओं आदि के समर्थन में अपने भूत प्रमाण पत्र सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के पूरा होने के दो सप्ताहों के अन्दर और ३। दिसंबर, १९८३, [एस० एस० सी० (एन० टी०) के मामले में ३० अक्टूबर, १९८४ तक] प्रस्तुत करने होंगे। उक्त प्रमाण-पत्रों की सत्य अधिप्रमाणित प्रतिलिपियाँ या फोटोस्टेट प्रतियों किसी भी स्थिति में खोकार नहीं की जाएंगी।

15. "आवेदन के संबंध में पत्र व्यवहार"—आवेदन के सम्बन्ध में सभी पत्र व्यवहार संचित, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-११००११ के पाते पर करना चाहिए और उसमें निम्नांकित विवरण प्रवधन होना चाहिए :—

- (1) परीक्षा का नाम ।
- (2) परीक्षा का वर्ष और महीना ।
- (3) आवेदन-पत्र की रजिस्ट्रेशन/संख्या, रोल नम्बर या जम्म की तारीख (आवेदन पंजीकरण सं०/रोल नम्बर नहीं मिला हो) ।
- (4) उम्मीदवारों का नाम (दूरा और साफ लिखा हूपा) ।
- (5) पत्र-व्यवहार का पता जैसा आवेदन-पत्र में दिया है ।

संबोध व्यापार—(i) जिन पत्रों के साथ ऊपर का व्यायी नहीं होगा हो सकता है, उस पर कोई कार्रवाई न हो।

(ii) यदि किसी परीक्षा को समाप्ति के बाद किसी उम्मीदवार से पत्र/वार्ता प्राप्त होता है तथा इसमें उसका पूरा नाम और अनुक्रमीक नहीं दिया गया है तो उस पर ध्यान नहीं दिया जाएगा और उस पर कोई कार्रवाई नहीं की जायगी।

16. पते में परिवर्तन—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था करनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में विए पते पर भेजे जाने वाले पत्र आविध आवश्यक होने पर उनके नए पते पर भिजवा दिए जाएं। पते में जो भी परिवर्तन हो उसे ऊपर के पैरा १५ में उल्लिखित विवरण के साथ आयोग की यथार्थी असुविधा सुचित कर देना चाहिए।

सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए आयोग द्वारा अनुपस्थित उम्मीदवारों ने अगर परीक्षा के लिए आवेदन करने के बाद अपना पता बदल दिया हो तो उन्हें परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम घोषित हो जाते ही अपना नाम पता तल्कात सेना मुख्यालय, ए० जी० थॉर्च ट्रिक्टिंग ६ (एम० पी०) (६०) (ii) वेस्ट ब्लाक ३, वर्ग १, रामाकृष्णपुरम, नई दिल्ली-११००२२ और वायु सेना मुख्यालय (पी भ००-३) नई दिल्ली-११००११

को सुचित कर देना चाहिए। जो उम्मीदवार इन आदेशों का पालन मन्त्री द्वारा बहु सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए गम्भीर न निलंबन पर अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से चित्र हो जाएगा।

यद्यपि प्रधिकारी हम प्रकार के परिवर्तनों पर पूरा-पूरा व्यापार देते हैं फिर भी हम मन्त्रन्यास में बहु अपने ऊपर कोई निम्नेदारी नहीं दें सकते।

17. लिखित परीक्षा में योग्य उम्मीदवारों के साक्षात्कार के सम्बन्ध में पूछताला:—जिन उम्मीदवारों के नाम सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए प्राप्तशिक्षित हैं उनको अपने साक्षात्कार के सम्बन्ध में भी पूछताला और प्राप्तशिक्षित सीधे सेना मुख्यालय, ए० जी० बांच रिकॉर्टिंग 6 (एस० सी०) (ई०) (II) बेस्ट ब्लाक 3 चिंग, 1, रामाहुणामुर्म, नई दिल्ली-110022 और बायू सेना उम्मीदवारों के लिए धायु सेना मुख्यालय (पी० ओ०) नई दिल्ली-110011 के पाते पर सिव्वने घाहिए।

उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए भेजे गए सम्मन-पत्र द्वारा सुचित की गई तारीख को सेवा चयन बोर्ड के समक्ष साक्षात्कार हेतु रिपोर्ट करनी है। साक्षात्कार को स्थगित करने से सम्बद्ध अनुरोध पर केवल यथार्थ परिस्थितियों में और प्रशासनिक सुविधा को व्यापार में रखकर ही विचार किया जाएगा जिसके लिए निष्ठायक प्राप्तिकरण सेना मुख्यालय/बायू सेना मुख्यालय होगा।

विभिन्न सेवा चयन कोडों पर सेवा चयन बोर्ड के समक्ष साक्षात्कार हेतु बुलाए गए उम्मीदवार अपने साथ निम्नलिखित बाबूगां लाएंगे—

- (क) सफेद करीब में पासपोर्ट आकार कोटों की 6 प्रतियाँ।
- (ख) बिस्टर और कम्बल (मीसम के अनुसार)।
- (ग) सफेद कमीजों और हाफ वेंटों के दो जोड़े।
- (घ) एक जोड़ी सी० टी० के सफेद जूते और दो जोड़े सफेद मोजे।
- (ङ) वेंटों और कमीजों के दो जोड़े।
- (च) फाउन्टेन पेन स्पाही और पेसिल।
- (झ) बूट पालिश और सफेद स्लैकों।
- (झ) एक मच्छरदामी।

18. लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा योग्यता प्राप्त उम्मीदवारों का साक्षात्कार अंतिम परिणाम की घोषणा और अंतिम रूप से योग्य पाए गए उम्मीदवारों का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में प्रवेश :—

संघ लोक सेवा भायोग अपनी विषया से लिखित परीक्षा के लिए नियमित अनुलम अंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों की एक सूची तैयार करेगा। वे उम्मीदवार उनसे भी प्रविष्टियों के लिए जिनके लिए उन्होंने अर्हता प्राप्त की है बोर्डिंग तथा व्यक्तित्व परीक्षाओं के लिए सेवा चयन बोर्ड के सामने हाजिर होंगे।

जो उम्मीदवार आई० एस० ए० (ही० ई०) कोर्स और/या नीरीना (एस० ई०) और या बायू सेना अकादमी कोर्स की लिखित परीक्षा में अर्हता प्राप्त करते हैं, वाहे वे एस० एस० सी० (एन० टी०) कोर्स के लिए अर्हता प्राप्त करते या नहीं उनको सितम्बर/अक्टूबर 1983 में सेवा चयन बोर्ड द्वारा परीक्षणों के लिए भेजा जाएगा और जो उम्मीदवार केवल एस० एस० सी० (एल० टी०) कोर्स के लिए अर्हता प्राप्त करते हैं, उनको दिसम्बर, 1983/जनवरी, 1984 सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों के लिए भेजा जाएगा।

उम्मीदवार भेजा चयन बोर्ड के नामने हाजिर होकर अपनी ही जोड़िम पर वहाँ के परीक्षणों में शामिल होंगे और सेवा बोर्ड में उनका जो परीक्षण होता है उनके द्वारा या उनके फलस्वरूप अग्रर उनको कोई चोट पहुंचती है तो उनके लिए सरकार की ओर से कोई अतिरूपित या सहायता पाने के लिए हक्कार नहीं प्रोत्तें, वाहे वह किसी व्यक्ति की आपराधिकी से ही या दूसरे किसी कारण से हो। उम्मीदवारों को आवेदन पत्र के साथ मन्त्रन्यास में उस आशय के एक प्रमाण-पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे।

इतीरुति हेतु उम्मीदवारों को (i) लिखित परीक्षा तथा (ii) सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों में अनग-प्रत्यग अनुसाम प्रहृत अंक प्राप्त करने होंगे जो कि आयाग द्वारा उनके निर्णय के अनुगाम लिखित किए जाएंगे। लिखित परीक्षा तथा से० च० बोर्ड के परीक्षणों में प्राप्त कुल अंकों के आधार पर उम्मीदवारों को योग्यता क्रम में रखा जाएगा। अलग-अन्य उम्मीदवारों की परीक्षा के परिणाम किए रूप में और विषय प्रकार सुचित किये जाएं हम बात का निर्णय आयोग अपने आप करेगा और परिणाम के सम्बन्ध में उम्मीदवारों से कोई पत्र व्यवहार नहीं करेगा।

परीक्षा में अकल होने माल से भारतीय सेना अकादमी, नीसेना अकादमी, बायू सेना अकादमी या अधिकारी प्रशिक्षणशाला में जैसी स्थिति हो प्रवेश का कोई अधिकार नहीं मिलेगा। अन्तिम चयन आरोरिक क्षमता और अन्य भी बातों में उपयक्तता के प्रतिरिक्त उपलब्ध रिक्तियों की संख्या को इक्टि में रखते हुए योग्यता के क्रम से किया जाएगा।

19. प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए अर्हताएं :—जो उम्मीदवार राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, भारतीय सेना अकादमी, बायू सेना उद्योग भवा विद्यालय, नी सेना अकादमी की ओर अधिकारी प्रशिक्षणशाला में जैसी स्थिति हो प्रवेश पा चुके हैं पर अनुशासनिक आधार पर वहाँ से निकाल दिए गए हैं उनको भारतीय सेना अकादमी, नी सेना अकादमी, बायू सेना अकादमी या वल सेना अकादमी में अल्पकालिक सेना कमीशन में प्रवेश देसे की बात पर विचार नहीं किया जाएगा।

जिन उम्मीदवारों को एक अधिकारी में प्रवेशित लक्षणों के अनुसार कारण पहले भारतीय सेना अकादमी में बायपस लिया गया हो उनको भारतीय सेना अकादमी में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

जिन उम्मीदवारों को स्पेशल एण्टी नेवल कडेट्स के रूप में पहले उन लिया गया हो पर आद में एक अधिकारी में प्रवेशित लक्षणों के अनुसार के कारण भारतीय रक्षा अकादमी या नीसेना प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों से बायपस लिया गया हो वे भारतीय नी सेना में प्रवेश के पास नहीं होंगे।

जिन उम्मीदवारों की एक अधिकारी में प्रवेशित लक्षणों के अनुसार के कारण भारतीय सेना अकादमी, अधिकारी प्रशिक्षणशाला, एन० सी० सी० तथा नीतिक पाठ्यक्रम से बायपस लिया गया हो उनके बारे में वल सेना में अल्पकालिक सेवा कमीशन देसे की बात पर विचार नहीं किया जाएगा।

जिन उम्मीदवारों को एक अधिकारी में प्रवेशित लक्षणों के अनुसार के कारण, एन० सी० सी० तथा स्नातक पाठ्यक्रम से पहले बायपस लिया गया हो, उनको भारतीय सेना अकादमी में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

20. भारतीय सेना अकादमी या नी सेना अकादमी या बायू सेना अकादमी में प्रशिक्षण के समय पर विचार प्रतिष्ठान :—भारतीय सेना अकादमी और नी सेना अकादमी या बायू सेना अकादमी के पाठ्यक्रमों के उम्मीदवारों को इस बात का वकन देता है कि जब तक उनका सारा प्रशिक्षण पूरा नहीं होगा, तब तक वे शादी नहीं करेंगे। जो उम्मीदवार अपने आवेदन की तारीख के बाद शादी कर लेता है उसको प्रशिक्षण के लिए बुता नहीं जाएगा वह इस परीक्षा में या अगली किसी परीक्षा में भेजी नहीं सकत हो। जो उम्मीदवार प्रशिक्षण काल में शादी कर लेता उसे बायपस भेजा जाएगा और उस पर सरकार ने जो पैसा छूर्च किया वह सब उसने बसूल किया जाएगा। अल्पकालिक सेवा कमीशन (एम० टी०) के पाठ्यक्रम का कोई उम्मीदवार :

(क) जिसने किसी ऐसे अधिकारी के साथ शादी की ही या शादी के लिए नंबिंग कर ली ही पहले से कोई जीवित पति है या या

(ख) जिसने, पहले से जीवित पति/पत्नी होते हुए भी किसी व्यक्ति से शादी की ही हो या शादी के लिए संविदा कर ली हो।

अधिकारी प्रशिक्षणशाला में प्रवेश/अल्पकालिक सेवा कमीशन की प्रधृति का पाल नहीं होगा।

परन्तु, यदि केन्द्रीय सरकार इस बात में संमुच्छ हो कि इस तरह की शावी ऐसे व्यक्तियों के लिए और शावी की भूमिका तरफ के व्यक्तियों के लिए लागू व्यक्तिगत कानून के अनुसार अनुमोदनीय है और ऐसा करने के अन्य तोम कारण हैं तो किसी व्यक्ति को वह इस नियम के अनुपालन में छूट दे सकती है।

21. भारतीय सेना अकादमी या नी सेना अकादमी या वायु सेना अकादमी में प्रशिक्षण के समय अन्य प्रतिबन्ध—भारतीय सेना अकादमी, नी सेना अकादमी, या वायु सेना अकादमी में प्रवेश प्राप्त करने के बाद, उम्मीदवार किसी दूसरे कमीशन के लिए विचार योग्य नहीं होगे। भारतीय सेना अकादमी या नी सेना अकादमी या वायु सेना अकादमी में प्रशिक्षण के लिए अनितम रूप से उसका चयन हो जाने के बाद उनको और किसी भी साक्षात्कार या परीक्षा में उपस्थित होने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

जो उम्मीदवार आ० से० अकादमी/नीसेना अकादमी/वायु सेना अकादमी से इस्तीफा दे देते हैं उन्हें किसी भी परिस्थिति में अधिकारी प्रशिक्षणशाला, मद्रास में शामिल करने पर विचार नहीं किया जाएगा।

विनय शा, संयुक्त सचिव

परिशिष्ट I

(परीक्षा की योजना, स्तर और पाठ्यविवरण)

क. परीक्षा की योजना

1. प्रतियोगिता परीक्षा में निम्नलिखित समिक्षित होगा:—

(क) नीचे के पैरा 2 में निर्दिष्ट रीति से लिखित परीक्षा,

(ख) उन उम्मीदवारों का बृद्धि और व्यक्तिगत परीक्षण (इस परिशिष्ट के गांव या के अनुसार) के लिए साक्षात्कार जिन्हें किसी भी एक भविसेज मलेक्षण रैटर में साक्षात्कार के लिये बुलाया जाए।

2. लिखित परीक्षा के विषय, उनके लिये दिया जाने आला समय और प्रथम विषय के लिए नियम अधिकतम अंक निम्नलिखित होगा:—

(क) भारतीय सेना अकादमी में प्रवेश के लिए

विषय	प्रवेश	अधिकतम अंक
1. अंग्रेजी	2 घण्टे	100
2. सामान्य ज्ञान	2 घण्टे	100
3. प्रारम्भिक गणित	2 घण्टे	100

(ख) नीसेना अकादमी में प्रवेश के लिए

विषय	नियत समय	अधिकतम अंक
1. अंग्रेजी	2 घण्टे	100
2. सामान्य ज्ञान	2 घण्टे	100

वैकल्पिक :

* 3. प्रारम्भिक गणित या प्रारंभिक भौतिकी	2 घण्टे	100
* 4. गणित या भौतिकी	2 घण्टे	150

*जो उम्मीदवार प्रारम्भिक गणित लेंगे उन्हें चौथे प्रश्न पत्र में भौतिकी विषय लेना होगा तथा जो उम्मीदवार प्रारम्भिक भौतिकी लेंगे उन्हें चौथे प्रश्न पत्र में गणित विषय लेना होगा।

(ग) अधिकारी प्रशिक्षणशाला में प्रवेश के लिए

विषय	नियत समय	अधिकतम अंक
1. अंग्रेजी	2 घण्टे	100
2. सामान्य ज्ञान	2 घण्टे	100

(घ) वायु सेना अकादमी में प्रवेश के लिए

विषय	प्रवेश	अधिकतम अंक
1. अंग्रेजी	2 घण्टे	100
2. सामान्य ज्ञान	2 घण्टे	100
3. प्रारम्भिक गणित	2 घण्टे	100

लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के लिये जो अधिकतम अंक नियम किये गये हैं वे प्रत्येक विषय के लिये समान होंगे अर्थात् भारतीय सेना अकादमी, नीसेना अकादमी, प्रकाश ट्रेनिंग स्कूल और वायु सेना अकादमी में भर्ती के लिए लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के लिये नियम अधिकतम अंक अमरा: 300, 450 और 200 और 300 होंगे।

3. समस्त विषयों के प्रश्न-पत्रों में केवल बस्तुपुरक प्रश्न पूछे जाएंगे। नमूने के प्रश्नों महिल विद्यालय बृप्त्या परिणिष्ट V पर उम्मीदवारों को सूचनार्थ विवरणिका में देखिये।

4. प्रश्न पत्रों में जहाँ भी आवश्यक होगा केवल तोल और माप भी मीट्रोरी पद्धति से संबंधित प्रश्नों को ही पूछा जाएगा।

5. उम्मीदवारों को प्रश्न-पत्रों के उत्तर अपने हाथ से लिखने चाहिए। किसी भी इस में उन्हें प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिये लिखने वाले की सहायता सुलभ नहीं की जाएगी।

6. परीक्षा के एक या सभी विषयों के अंदर अंकों का निर्धारण आयोग की विवाद पर है।

7. उम्मीदवारों को बस्तुपुरक प्रश्न पत्रों (परीक्षण-पुस्तिकालों) के उत्तर देने के लिए कैनकुलेटर का प्रयोग करने की अनुमति नहीं है। अतः वे उसे परीक्षा-भवन में न लायें।

ब. परीक्षा का स्तर और पाठ्य विवरण

स्तर:

प्रारम्भिक गणित के प्रश्न पत्रों का स्तर वैट्रिक्योन परीक्षा का होगा, प्रारम्भिक भौतिकी के प्रश्न पत्रों का स्तर उच्चतर माध्यमिक परीक्षा जैसा होगा।

अन्य विषयों में प्रश्न-पत्रों का स्तर लगभग बड़ी होगा जिसकी किसी भारतीय विद्यालय के स्नातक से अपेक्षा की जा रही है।

इनमें से किसी भी विषय में प्रायोगिक परीक्षा नहीं होगी।

पाठ्य विवरण अंग्रेजी (कोड सं० 01)

प्रश्न पत्र हम प्रकार होगा कि जिसमें उम्मीदवार की अंग्रेजी और अंग्रेजी के शब्दों के बोध की परीक्षा ली जा सके।

सामान्य ज्ञान (कोड सं० 02)

सामान्य ज्ञान तथा साथ में मममायिक घटनाओं और दिन प्रतिदिन देखे और अनुभव किये जाने वाले इसी तरह के मामलों के वैज्ञानिक पक्ष की जानकारी जिसकी ऐसे शिक्षित व्यक्ति से प्राप्त की जा सकती है, जिसने किसी वैज्ञानिक विषय का विचार प्रध्ययन न किया हो। प्रश्न पत्र में भारत के इतिहास और धरोहर से संबंधित ऐसे प्रश्न भी होंगे जिनका उत्तर उम्मीदवारों को, उन विषयों का विचार प्रध्ययन किये जिना देना चाहिए।

प्रारम्भिक गणित (कोड सं० 03)

अंक गणित

संबद्ध पद्धतियाँ:—घनपूर्ण, संख्याएँ, पूर्णांक, परिमेय और वास्तविक संख्याएँ, मूल संक्रियाएँ—जोड़, घटाना, गुणन और भिजान, घंटे मूलदर्शकाल विभाजन।

गणिक विधि:—मममय तथा दूरी, समय तथा कार्य प्रतिशतता, साधारण तथा चक्रवृत्त व्याज में अनुप्रयोग, लाभ तथा हानि, अनुपात और समानुपात विवरण।

प्रारम्भिक संडॉटा मिडिल:—विभाजन की कलन विधि, आधारण और माझ संस्कारें, 2, 3, 4, 5, 9 और 11 द्वारा विभाजन के परीक्षण अपवर्त्य और गुण खण्ड/गणन खण्डन प्रमेय/महत्तम समापवर्तक तथा अपवर्त्य समापवर्तक, यूक्लिड की कलन विधि।

प्राधार 10 तक लघुगणक, अपूर्णक के नियम, अमूल्यगतीय मारणियों का प्रयोग।

बीज गणित

आधारभूत संकियाएँ: आधारण गुण खण्ड 1 शेष कल प्रमेय, बहुपदों का महत्तम समापवर्तक और लघुत्तम समापवर्त्य गिद्धांत। द्विघ समीकरणों का हल इसके मूलों प्रीर गुणाकारों के बीच अस्वन्ध (केवल वास्तविक भूल पर विचार किया जाय)। दो अक्षांश राशियों में युगपत रेखिक रामीकरण—विश्लेषण और प्राफ सम्बन्धी हैं। दो चरों में पृष्ठात रेखिक असमिकाये और उनके हल प्रायोगिक प्रश्न जिनसे दो चरों में दो युगपत रेखिक नमीकरण या असमिकाये जनती हैं या एक चर म द्विधात, नमीकरण तथा उनके शुल्क, अमूल्यगतीय भाषा तथा गमच्छय अंकत पढ़ति, परिमेय व्यंजक तथा सप्रतिबन्ध तत्त्वमक आतंक नियम।

त्रिकोणमिति:

ज्या X, कोटिय, X स्पर्श रेखा X जब 90° $\angle \times \angle 90^\circ$
ज्या X, कोटिया X, स्पर्श रेखा X का मान क्योंकि $\times -0^\circ, 30^\circ$,

$45^\circ, 60^\circ$ और 90° सरल त्रिकोणमितीय तत्त्वमक।

त्रिकोणमितीय गणियों का प्रयोग।

ऊंचाईयों और दूरियों के मरल कोण।

ज्योतिषमिति :

रेखा और कोण, समान और असमान प्राकृति: निम्नलिखित पार प्रमेय:—
(i) किसी विन्दु पर दोनों के गुण वर्ष, (ii) असमान रेखाएँ, (iii) किसी त्रिभुज की भूजाएँ और कोण, (iv) त्रिभुजों की नमीगता, (v) गमरूप त्रिभुज (vi) माध्यहास्य और वार्ष, लम्बों का समान, (vii) समानांतर चतुर्भुजों प्रायत और वर्ग के कोणों, भजाओं के विकणों के गुण वर्ष, (viii) वृत्त और उनके गुण वर्ष में जिसमें स्पर्श रेखा तथा श्रमिलम्ब भी शामिल हैं, (ix) स्थानिक संषक।

विस्तार कलन :

वर्णों, आयतों, समानांतर चतुर्भुजों, त्रिभुजों और वृत्तों के क्षेत्रफल। उन आकृतियों के क्षेत्रफल जो इन आकृतियों में विभाजित की जा सकती हैं। (क्षेत्र वर्ती) अनामों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा आयतन/सम्बूद्धीय शंकुओं और बेसमों का पार्श्व-पुढ़ाय तथा आयतन/गोलकों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा आयतन।

सांखिकी :

सांखिकी तथ्यों का संग्रहण तथा सारणीयन। आलेखी निरूपण-आरम्भारता वहुसुज आयत चिह्न शास्त्राका चार्ट पाई चार्ट आदि के ग्रन्थीय प्रकृति के माप रेखाओं के बीच कोण।

प्रारम्भिक भौतिकी (कोड सं 05)

(क) विस्तार कलन:—मापन के मालक, सी ० जी ० एस ० और एम ० के ० एस ० मालक। आदेश और संदर्भ। बल और वेग का संयोजन तथा नियोजन। एक समानवरण। एक गमानवरण के प्रधीत अद्वैतीय गति। न्यूटन का गति नियम। बल की संकलन वस के मालक। माला और भार।

(ख) पिण्ड का बन विज्ञान:—गुरुत्व के प्रधीन/ममान्तरण बल। गुरुत्व के ग्राम्य साम्बन्धिक/माधारण मणीन/वेग अनुपात आनन्द समतल/विच और गियर सहित विभिन्न माधारण मणीन/वर्षण, वर्षणकोण, वर्षण, गुणांक कार्य गति और ऊर्जा/स्थितिज और गतिज ऊर्जा।

(ग) नरन गुणधर्म:—दाव और प्रणोद/मास्कल का नियम। आर्कमिशीज का नियम। घनत्व और विशिष्ट गुरुत्व पिण्डों और द्रव्यों के विशिष्ट गुरुत्वों को निष्ठीरित करने के लिये आर्कमिशीज के नियम का अनुप्रयोग। घनत्व का नियम ०.११८/०.११८। ग्रेड शब्द का मापन। योगी नियम/शायां पर्याप्त।

(घ) ताप:—पिण्डों का रेखिक विस्तार और द्रव्यों का घनाकार वैस्तार। द्रव्यों का वास्तविक तथा आभासी विस्तार। द्रव्याल्बी नियम परम शून्य वैयक्ति और वाल्स नियम, पिण्डों और द्रव्यों का वास्तविक ताप, कलो-रीमित/ताप का संचारण, घातुओं की ताप संबंधित। स्थिति परिवर्तन। संलयन और वापरन की गुप्त ऊष्मा। एम ० पी ० वी ० नमी (आद्रित और आपेक्षिक आद्रेता)।

(ज) प्रकाश:—अद्वैतीय संचरण। परावर्तन के नियम। गोलीय दर्पण, अपवर्तन, अपवर्तन के नियम, सैन्स, प्रकाशित यंत्र कैमरा, प्रक्षेपित, पारापार विवरणी दूरबीन, सूक्ष्मदर्शी, जाइनीक्यूलर तथा परिवर्ती। प्रिज्म, प्रकीर्ण के माध्यम से अपवर्तन।

(ज) घनित:—घनित संचरण, घनित परावर्तन, अनुनाद/घनित वामीकोन का अभिलेखन।

(झ) चुम्बकरूप तथा विद्युत:—चुम्बकरूप के नियम, चुम्बकीय क्षेत्र चुम्बकीय बल रेखाओं, पार्थिक चुम्बकत्व। वालक और रोधी। श्रोमनियम, पी ० डी ०, प्रतिरोधक विद्युत चुम्बकीय बल, श्रेणी पार्श्व में प्रतिरोधक। विभवमापी विद्युत चुम्बकीय बल की तुलना। विद्युत धारा का चुम्बकीय प्रभाव, चुम्बकीय क्षेत्र में संबंधित। कलमिंग का आम हस्तनियम। भापकयंत्र-धारामापी एमीटर, बोल्ट/मीटर, वाटमीटर, विद्युत धारा का रसायनिक प्रभाव, विद्युत लप्त, विद्युत चुम्बकीय प्रेरण, फेरांड नियम, बैसिक ८० सी ० तथा डी ० सी ० जनित्र।

भौतिकी (कोड सं 06)

1. पदार्थ के सामान्य गुण और याकृती:

यूनिट और विभार्ण, स्केलर और वेस्टर, मालकायें, जड़त्व, भाष्याण, नार्य ऊर्जा और संवेग। याकृती के मूल नियम, धूणी गति; गुहाता वा। सरल आवर्त गति, सरल और असरल लोलक, प्रस्तावना; प्रष्ठ तनाव द्रव की शायानता, रोटरी पर्याप्त।

2. घनित:

घनवर्मित, प्रगोवित और मुक्त कम्पन, तरंग-नापि, डाप्टर प्रभाव, घनित तरंग वेग, किसी गैस में घनित के वेग पर वाय, तापमान और/आद्रेता का प्रभाव, डोरियों, शिल्लियों और गैस स्तरमें का कम्पन, अनुनाद विस्तर्पन, स्थिति तरंग। घनित का आवृत्ति वेग तथा तीव्रता। पराप्रथम के मूल तत्व। ग्रामोफोन, टाकीज और लाउड स्पीकरों के प्रारम्भिक विद्धांत।

3. ऊप्पा और गतिविज्ञान

तापमान और उसका मापन; तापीय प्रसार, गैसों में समतापी तथा रुदोप्तम परिवर्तन। विशिष्ट ऊप्पा और ऊप्पा चालकता; द्रव्य के अनुनाद विद्धांत के तत्व; बोल्टसमन के वितरण नियम का भौतिक बोध, बांझवाला का अवस्था समीकरण, जल धाम्पसन प्रभाव, गैसों का इवण; ऊप्पा इंधन; कार्नीटप्रेसेय, ऊप्पागति-विज्ञान के नियम और उनका सरल प्रनुप्रयोग। छुप्पिका का विकिरण।

4. प्रकाश

ज्यामितीय प्रकाशिकी। प्रकाश का वेग, समतल और गोलीय पृष्ठों पर प्रकाश का परावर्तन और अपवर्तन। प्रकाशीय प्रतिविम्बों में गोलीय और धृणिक दोष और उनका निवारण। नेत्र और ग्रन्थ प्रकाशित यंत्र। प्रकाश का तरंग सिद्धांत, व्यक्तिकरण।

5. विद्युत् और चुम्बकरूप

विद्युत् भूत के कारण ऊर्जा, द्रव्य के विद्युत् और चुम्बकीय गुण वर्ष, हिस्टेरिसिस चुम्बकीय वैलता और चुम्बकीय प्रवृत्ति; विद्युत् धारा से उत्पन्न वैम्बकीय वाय; मूर्खिंग मेनेट एण्ड मूर्खिंग व्हायपल गलवेनोमीटर; द्वारा और प्रतिरोध का मापन; रिएक्टिव सर्किट एलिमेंट्स के गुण और वर्ष और उनका निष्ठोरण; ताप विद्युत् प्रभाव, विद्युत् चुम्बकीय प्रेरण, प्रत्यावर्ती धाराओं का उत्पादन। ट्रांसकार्बन और मोटर; इलैक्ट्रोनिक वाल्व और उनका सरल प्रनुप्रयोग।

6. आधुनिक भौतिकी

बोर के परमाणु सिद्धांत के तत्व, इलैक्ट्रॉन, गैसों द्वारा विद्युत् का विसर्जन, क्षेत्रों और उनका निवारण। रेडियोएक्टिवता, क्लिमेट रेडियो एक्टिवता, आइसोरोप विद्युत् और संतरण की प्रारम्भिक व्याप्ति।

गणित (कोड सं. 04)

1. बीज गणित :

समुच्चयों का बीजगणित, सम्बन्ध और फलन, फलन का प्रतिलोभ, युक्त फलन, तुस्ता सम्बन्ध; परिमेयसूचकांक के लिए द-मौयवर का प्रयोग और उसका सरल अनुप्रयोग।

2. मैट्रिसेस

मैट्रिसेस की बीजगणित, मार्गिक सारणिकों के सरल गुण, सारणिकों के गुणफल, महत्वपूर्णज्ञानाध्यूह; मैट्रिसेसों का प्रतिलोभन, मैट्रिस की जाति। ऐक्षिक समीकरण के हल निकालने के लिए मैट्रिसेसों का अनुप्रयोग (तीन आकाश संष्याओं में)

3. विलेयिक ज्यामिति

द्विमिति की विलेयिक ज्यामिति, सरल रेखायें, सरल रेखाओं की जोड़ी, दृश्य, दृश्य निकाय, परकल्प दीर्घवृत्त प्रतिपरिकल्प (मुख्य अंशों के सदर्भ में) द्वितीय अंश समीकरण का मानक रूप में लघूकरण। स्पर्शरेखायें और अभिलम्ब। विलेय की विलेयिक ज्यामिति:

समतल, सीधी रेखाएं और गोलक (केवल कार्तीय निरैशाक)

4. फलन (कैलकुलस) और विभिन्न समीकरण:

अवकल गणित: सीमांत की संकल्पना, वार्तविक चर फलन का सातत्व और अवकलनियता, मानक फलन का अवकलन, उसरोसर अवकलन रोल का प्रयोग। सम्याभान प्रयोग; मैकलरिस और टेलर सिरीज (प्रमाण आवश्यक नहीं है) और उनका अनुप्रयोग परिमेय। सूक्षकांकों के लिए द्विपदप्रसरण भरवातांकी प्रसरण, लम्बुणकीय विक्रोण-वित्तीय और अति परिक्लियक फलन। अनिर्धारित रूप। एकल चर फलन का उच्चिष्ठ और अलिप्त, स्पर्शरेखा, अभिलम्ब, अध्यः स्पर्शी अंशोलम्ब, अनन्तस्पर्शी ब्रॉक्का (केवल कार्तीय निरैशाक) जैसे ज्यामितीय अनुप्रयोग। एनक्लोप्रायांशिक अवकलन। समांगी फलनों के संबंधित आयलर प्रयोग।

समाकलन नीतियाँ:—समाकलन की मानक प्रणाली। सतत फलन के निपित तथा समाकलन की रीमान-परिभाषा। समाकलन गणित के मूल निदृष्टि। परिवोधन, दोकलन, आयतन और परिक्लिय बनाहनि का पृष्ठीय सेक्टर। संल्यात्मक समाकलन के बारे में सिस्मसन का नियम।

अवकल समीकरण, प्रथम कोटि के मानक अवकल समीकरण का हल निकालना। नियम, गुणांक के साथ वित्तीय और उच्चतर कोटि के रेखक समीकरण का हल निकालना। बूद्धि और धय की समस्याओं का सरल अनुप्रयोग, सरल हारमोनिक ल्यात्मरण। साधारण पेन्डलम और समीविश।

5. यांत्रिक (वेक्टर पद्धति का उपयोग किया जा सकता है)

स्थिति विज्ञान: समतलीय तथा समामी बलों की साम्यवस्था की स्थिति। साधारण तर्तों के गुरुत्व केरद। स्थितिक घर्षण, साम्यवर्षण और सीमांत घर्षण-घर्षण कोण। इक्षान्तत समस्तप पर के कण की साम्यवस्था कर्तित कार्य (और आयामों में)।

गति विज्ञान: शुद्ध गति विज्ञान-कण का त्वरण, बेर, जाल और विस्थापन, आवेदित देग। निरत्तर त्वरण की अवस्था में सीधी रेखा की गति। न्यूटन गति सम्बन्धी सिद्धांत। केन्द्र कक्ष। सरल प्रसववा गति; (निर्वात में) गुरुवावस्था में गति। आवेग कार्य और ऊर्जा ऐक्षिक संवेग और ऊर्जा का संरक्षण। समान वर्तन गति।

6. मान्दियकी-प्रायिकता:—प्रायिकता की शास्त्रीय और साम्बिकीय परिमापा, सब्यात्मक प्रणाली की प्रायिकता का परिकलन, योग एवं गणन प्रयोग, अप्रतिबन्ध प्रायिकता। यादृच्छिक चर (विवित और अविवित) घनत्व, फलन, गणितीय प्रत्याय।

मानव विवरण: द्विपद विवरण, परिभाषा माध्यम और प्रमाणण योग्य रीमान रूप मर्ग अनुप्रयोग। यांत्रिक विवरण परिभाषा ग्राफ्ट और प्रमाणण योग्यता,

द्विपद भावकों में ज्वासों बदन का समजन। सामान्य विवरण, सरल समानुपात और सरल अनुप्रयोग, उपलब्ध आंकड़ों में सामान्य में प्रसामान्य बहुन का समजन।

द्विचर विवरण: यह संबंध दो धरों का ऐक्षिक समान्वय, सीधी रेखा का समजन, परवलयिक और चतुरधातांकी, वक्त, सह संबंधित गुणांक के गुण।

सरल प्रतिवर्षी विवरण और परिकल्पनाओं का सरल परीक्षण, यादृच्छिक प्रतिवर्षी (साम्बिकी, प्रतिवर्षी बंटन और मानक त्रुटि) भव्य पर्वों के अन्तर की अर्थवस्ता के परीक्षण में प्रसामान्य टी०, सी० एच० आई०, (CHI2) और एफ० का सरल विवरण।

टिप्पणी: उम्मीदवारों को दो विषयों—सं० ५ यांत्रिकी और सं० ८ साम्बिकी—में से किसी विषय पर प्रयोगों के उत्तर लिखने का विकल्प होगा।

बुद्धि तथा अविलम्ब परीक्षण

उम्मीदवारों की बुनियादी बुद्धि की जांच करने के लिए साक्षात्कार के अतिरिक्त भीजिक सथा लिखित बुद्धि परीक्षा दी जायेगी। उनके युप परीक्षण भी किये जाएंगे जैसे युप परिच्छार्चा, युप योजना, बहिरंग युप कार्यकलाप तथा उन्हें निश्चित विषयों पर संक्षिप्त व्याख्यान देने के लिये कहाँ जायेगा। ये सभी परीक्षा उम्मीदवारों की मेषा शक्ति की जांच के लिए है। भोटे तौर पर यह परीक्षण बास्तव में न केवल उसके बौद्धिक गुणों की जांच के लिये है बल्कि इसमें उनकी सामाजिक विशेषताओं तथा सामाजिक घटनाओं के प्रति विलक्षणीय का भी पता चलेगा।

परिशिष्ट II

सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा के लिये उम्मीदवारों के शारीरिक मानक

टिप्पणी:—उम्मीदवारों को निर्धारित शारीरिक मानकों के अनुसार शारीरिक रूप से स्वस्थ होना आवश्यक है। स्वस्थता संबंधी मानक नीचे दिये जाते हैं।

बहुत से अहंताप्राप्त उम्मीदवार बाद में स्वास्थ्य के आधार पर अस्वीकृत कर दिये जाते हैं। अतः उम्मीदवारों को उनके अपने हित में सलाह दी जाती है कि वे अनित्य अवस्था पर निराशा से बचने के लिए आवेदन-पत्र भेजने से पहले अपने स्वास्थ्य की जांच कर लें।

1. सेवा चयन बोर्ड द्वारा अनुशासित उम्मीदवार को सेवा के चिकित्सा अधिकारियों के बोर्ड द्वारा स्वास्थ्य परीक्षा करानी होगी। अकालभी या प्रशिक्षणास्थ में केवल उन्हीं उम्मीदवारों को प्रवेश दिया जाएगा जोकि चिकित्सा बोर्ड द्वारा स्वस्थ घोषित कर दिये जाने हैं। चिकित्सा बोर्ड की कार्यवाही गोपनीय होती है कि जिसे किसी की नहीं दिखाया जाएगा। किन्तु जयोग्य/अस्याई रूप से अधोग्य घोषित उम्मीदवारों को उनके परिणाम की जानकारी चिकित्सा बोर्ड के अधिकारी द्वारा दी जाएगी तथा उम्मीदवारों को चिकित्सा बोर्ड से अपील ता अनुरोध करने की प्रक्रिया भी बहु दी जाएगी। उम्मीदवारों के लिए नीचे दिखित रूप में दिए गए निर्धारित शारीरिक मानकों के अनुसार स्वस्थ होना आवश्यक है:—

(क) उम्मीदवार का शारीरिक स्वास्थ ठीक होना चाहिए तथा उन्हें ऐसी बीमारी/अस्कृता से मुक्त होना चाहिए जिससे उनके कुशलतापूर्वक कार्य करने में बाधा पड़ सकती हो।

(ख) उनमें कमजोर शारीरिक गठन/वैदिक दोष या स्फूलता नहीं होनी चाहिए।

(ग) कद कम से कम 157.5 में०मी० का हा (नौसेना के लिए 157.5 सें०मी० तथा वायु सेना के लिए 162.5 सें० मी०)। गरुदा और भारत के उत्तर-पूर्व झेल के पर्वतीय प्रदेशों, गढ़वाल तथा कुमाऊ के अधिकारों का 5 में० मी० कम कद स्त्रीकार्य होगा। नौशौरी के उम्मीदवारों के गांगाल में लूनताम कद 5 में० मी०

की कमी भी स्वीकार की जा सकती है। कव और वजन के मानक नीचे दिये जाते हैं:—

कव और वजन के मानक

सेटीमीटरों में कव (बिना जूता)	किलोग्राम में वजन		
	18 वर्ष	20 वर्ष	22 वर्ष
152	44	46	47
155	46	48	49
157	47	49	50
160	48	50	51
162	50	52	53
165	52	53	55
168	53	55	57
170	55	57	58
173	57	59	60
175	59	61	62
178	61	62	63
180	63	64	65
183	65	67	67
185	67	69	70
188	70	71	72
190	72	73	74
193	74	76	77
195	77	78	78

उपर्युक्त सूत्रों में लिये गये ग्रौसत वजन से 10 कम-ज्यादा (नौसेना के लिये 6 कि० ग्र०० कम-ज्यादा) वजन सामान्य कीमत के अन्दर माना जाएगा; किन्तु भारी हड्डियों वाले लम्बे चौड़े व्यक्तियों तथा पतले पर अन्यथा स्वस्थ व्यक्तियों के मामले में गुणवत्ता के आधार पर इसमें कुछ छूट दी जा सकती है।

(घ) छातीं भली प्रकार बिकागित होनी चाहिए तथा पूरा सास नेतृ के बाद इसका अनुनतम फैलाव 5 सें० मी० होना चाहिए। माप हाँ तरह फीता लगाकर की जाएगी की इसका निचला किनारा मामले सूचक से लगा रहे और फीते कीं ऊपरी भाग पीछे स्कन्ध फलक (शोल्डर ऑफ) के निम्न कोण (लोप्पर इनिल) को छूते रहना चाहिए। छातीं का एकमरे करना जरूरी है। इसे यह जानने के लिये किया जाएगा कि छातीं का कोई रोग तो नहीं है।

(ङ) शरीर में हड्डियों और जोड़ों का कोई रोग नहीं होना चाहिए।

(च) उम्मीदवार के सम्बन्ध में मानसिक विकृति या दौरा पड़ने का पूर्ववृत नहीं होना चाहिए।

(छ) उम्मीदवार समान्य रूप से सुन सके। उम्मीदवार को इस योग्य होना चाहिए कि वह शांत करने में प्रत्येक कान से 610 सें० मी० की दूरी से जोर की कानाफूसी सुन सके। काँच नामिका कंठ की पिछली या भ्रव की ओमारी का कोई प्रभाव न हो।

(ज) हृदय या रक्त वाहिकाओं के संबंध में कोई क्रियात्मक या आंतरिक रोग नहीं होना चाहिए। रक्त वाय सामान्य हो।

(झ) उदरपेणियां सुविकसित हों तथा जिगर या तिली बड़ी हुई न हो। उदर के आंतरिक अंग को कोई ओमारी होने पर उम्मीदवार अस्वीकृत बार दिया जाएगा।

(ञ) यदि किसी उम्मीदवार को हृनिया है और उसकी शल्य चिकित्सा न की गई हो तो वह उम्मीदवार अनुपर्युक्त होगा। यदि हृनिया की शल्य चिकित्सा हो गई हो तो वह बहुतमान परियां गेंगे तो या पूर्ण पूर्ण दूरी हुई हो। तिली अंग भी पूरी तरह ठीक हो चुका हो।

- (ट) हाइड्रोसील बेरिकोसील या पाइल्स का रोग नहीं होना चाहिए।
- (ठ) मूत्र की परीक्षा की जाएगी और यदि इसमें कोई असामान्यता मिलती है तो इससे उम्मीदवार अस्वीकृत हो जाएगा।
- (ड) उम्मीदवार को तूर दूषित बाटू में प्रत्येक अंग से ऐनक सहित या एनक बिना (नौसेना तथा वायु सेना के लिये केवल ऐनक बिना) 6/6 पढ़ने में समर्थ होना चाहिए। मायोपिया 3.5 डी तथा हाइपरमेट्रोपिया 3.5 डी (एस्टिगमेट्रिज्म) सहित से अधिक नहीं होना चाहिए। यह जानने के लिये कि अंग में कोई रोग तो नहीं है अंग की आंतरिक परीक्षा शोपथलमोस्कोप से की जाएगी उम्मीदवार के दोनों मेलों की दूषित प्रछड़ी होनी चाहिए। वर्ण दूषित की मानक सी० पी०-३ होगा। उम्मीदवार में लाल व हरे रंगों को पहचानने की क्षमता होनी चाहिए।

नौसेना हेतु उम्मीदवारों का दूषित स्तर निम्न प्रकार होना चाहिए:—

दूर दूषित	6/6, 6/6 तक सुधार योग्य
निकट दूषित	एन—५ प्रत्येक अंग
वर्ण दूषित	एम एल० टी० द्वारा सी० पी०--१
मायोपिया	0.5 डायोप्ट्रेस से अधिक न हो। शाख में 1.50 डायोप्ट्रेस से तथा बुरी शाख में 2.50 डायोप्ट्रेस से अधिक न हो।

नेक्रोपेशी सर्कुलन

मेहूडोक्स रोड टेस्ट के साथ हेट्रोफारिया निम्नलिखित से बिल्कुल अधिक न हों:—

(i) 6 मीटर पर—
ऐसोफोरिया 8 प्रिज्म डायोप्ट्रेस
ऐसोफोरिया 8 „ „
हाइपरफोरिया 1 „ „

(ii) 30 सें० मीटर पर—
ऐसोफोरिया 16 प्रिज्म डायोप्ट्रेस
ऐसोफोरिया 0.6 „ „
हाइपरफोरिया „ „

(३) उम्मीदवार के पर्याप्त संस्था में कुवरसी व भज्जूत दात होने चाहिए। कम से कम 14 दात बिन्दु बाला उम्मीदवार स्वीकार्य है। जब 32 दात होते हैं तब कुल 22 दात बिन्दु होते हैं। उम्मीदवार को सीब्र पारिया का रोग नहीं होना चाहिए।

(४) छाती की एक्स-रे परीक्षा में ग्रेव पशुका की उपस्थिति हेतु प्रेव मेस्टेंड के निचले भाग की परीक्षा भी शामिल होगी। सेना चिकित्सा बोर्ड द्वारा जरूरी समझने पर मेस्टेंड के अग्र भागों की एक्स-रे परीक्षा की जाएगी।

२ केवल वायु भेना के उम्मीदवारों के लिये उपर्युक्त के साथ-साथ निम्नलिखित चिकित्सा मानक भी लागू होंगे:—

(क) वायुसेना के लिए स्वाक्षर्य मानक वेह सम्बन्धीय माप निम्न प्रकार है:—

कव : 162.5 सें० मी०
टांग की अम्बाई कम से कम 99 सें० मी० और अधिक से अधिक 120 सें० मी०

अंड की अम्बाई अधिक से अधिक 64 सें० मी०
बैठकर अंडाई कम से कम 81.5 सें० मी० और अधिक से अधिक 98 सें० मी०।

(ख) मेलदंड का एक्स-रे कटिक्लिक किया जाएगा। एक्स-रे में प्रकट निम्नलिखित शर्तें अनुरूप होंगी:—

- (i) मेलदंड का कणिकागुल्मीय रोग
- (ii) आध्याइटिस/स्पोडिलोसिस
- (iii) मंद से अपेक्षाकृत अधिक कायफोसिस/लडोसिस स्फोटियोमिस नं०-१०-१५ द्वारा 15° से अधिक शारीरिक कारण बनेगा।

- (iv) स्पॉडीलोलिसिम बैमिस/स्पॉडीलोलिसिमिस
- (v) हर्निएटिड न्यूकलियस पल्पोसम
- (vi) कशेलका का मध्यीडन अस्थिमग
- (vii) इवेर मेन का रोग
- (viii) प्रवर्णनीय तत्विकीय या परिसंचरणीय अभाव के साथ ब्रैव पशुका
- (ix) कोई अन्य अपमामान्यता, जिसे कोई विशेषज्ञ ऐसा ठहराए।
- (g) छाती का एक्स-रे जरूरी है।
- (h) दृष्टि

दूर की दृष्टि : 6/6, 6/6 तक

मुद्रात योग्य 6/9

पास की दृष्टि : प्रत्येक आंख की पृष्ठ 0.5

बर्ण दृष्टि : सी 0 पी 0-। (एम 0 आई 0 एल 0)

मेनीफ्लट हाइपरमेट्रोपिया—2.00 डी 0 से प्रधिक न हो।

मेन पेशी सम्मुखन ।

मेडोक्स रोड ईस्क के माथ हैटरोफोरिया निम्नलिखित से प्रधिक न होः—

- (i) 6 मीटर पर एक्सोफोरिया 6 प्रिज्म डायोप्ट्रेस एसोफोरिया 6 प्रिज्म डायोप्ट्रेस
- (ii) 33 सें.मी.मर पर एक्सोफोरिया 16 प्रिज्म डायोप्ट्रेस एसोफोरिया 6 प्रिज्म डायायोप्ट्रेस हाइपरफोरिया 1 प्रिज्म डायोप्ट्रेस मायोपिया, कुछ नहीं एस्टिगमेट्रिज्म + 0.75 डी 0 सिफ़े

द्वितीय दृष्टि—अच्छी द्वितीय दृष्टि का होना अनिवार्य है (वयोजन तथा स्टर्बोमिस तथा साथ में अच्छा आयाम यह गहनता)

(k) मानक

- (i) वाकादमीशन : प्रत्येक कान से 610 सें.मी. कानाफूसी सुनाई दे।
- (ii) अव्याप्तामिक परीक्षण : 250 एच० एक्स तथा 4000 एच० जैड० के बीच की आवत्तियों में अव्याप्तामिक कमी 10 डी 0 डी 0 से प्रधिक न हो।
- (c) छठीन १० मी ० जी ० तथा १० १० जी ० मामान्य सीमा में हो।

3. नीसेनिक विमान शा शा के उम्मीदवार हेतु स्वास्थ्य मानक घट्टी होंगे जो वापुसेना के उड़ान इथटी हेतु उम्मीदवारों के हैं।

4. किसी एक सेवा के लिए निर्वाचित विशेष परीक्षण किए जाने के दौरान यदि किसी अक्षमता का पता खलता है तो भेड़िकल और ड्वारा अनवृक्ष ठहराए जाने की स्थिति में वह अक्षमता उम्मीदवार को अन्य सेवा (सेवाओं) के लिए भी प्रयोग्य ठहरा सकती है।

परिचय III

सेवा आवि के संक्षिप्त विवरण नीचे दिये गये हैं—

भारतीय सेवा अकादमी देहरादून में प्रवेश नेने वाले उम्मीदवारों के लिये—

1. भारतीय नेना अकादमी में भर्ती करने से पूर्व—

(क) उसे इस आशय का प्रमाण पत्र देना होगा कि वह यह समझता है कि किसी प्रशिक्षण के दौरान या उसके परिणाम-स्थल पर यदि उसे कोई छोट लग जाय ऊपर निर्दिष्ट किसी कारण से या अन्यथा आवश्यक किसी मर्गिका आपरेशन या रविदान हरण द्वारा के परिणामस्थल उसमें कोई शारीरिक

अग्रणीता शा जाने या उसकी मृत्यु हो जाने पर वह या उसके बैंध उत्तराधिकारी को सरकार के विलद किसी मुआवजे या अन्य प्रकार की राहत का दावा करने का हक न होगा।

(ब) उसके माता पिता-या संरक्षक को इस आशय के बन्ध-पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे कि यदि किसी ऐसे कारण से जो उसके नियंत्रण में समझे जाते हैं, उम्मीदवार-पाल्यक्रम-पूरा होने से पहले वापस आना चाहता है या कमीशन अस्थी-कार कर देता है तो उस पर विकाश शुल्क, भोजन, वस्त्र पर किए गए व्यय तथा दिये गये वेतन और भस्त्र की कुल राशि या उत्तरी राशि जो सरकार निश्चित करे उसे वापस करनी होगी।

2. अन्तिम रूप से चुने गये उम्मीदवारों को लगभग 18 महीनों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इन्हीं उम्मीदवारों के नाम सेना अधिनियम के अधीन “जैटलमेन कैडेट” के रूप में दर्ज किये जायेंगे। “जैटलमेन कैडेट” पर साधारण अनुशासनात्मक प्रयोजनों के लिये भारतीय सेवा अकादमी के नियम और विनियम लागू होंगे।

3. यद्यपि, आशास, पुस्तक, वर्दी, बोर्डिंग और चिकित्सा सहित प्रशिक्षण के बच्चे का भार सरकार बहन करेगी; लेकिन यह आशा की जाती है कि उम्मीदवार अपना खर्च अवैराग्य करें। भारतीय सेवा अकादमी में (उम्मीदवार का अनुसन्धान मासिक व्यय 55.00 रु० से प्रधिक होने की संभावना नहीं है)। यदि किसी कैडेट के माता पिता या संरक्षक इस बच्चे को भी पूरा या आशिक रूप में बद्धित करने में प्रसभर्थं होती सरकार द्वारा उन्हें विसीय सहायता दी जा सकती है। लेकिन जिन उम्मीदवारों के माता पिता या संरक्षक की मासिक आय 500.00 रु० या इससे प्रधिक हो, वे इस विसीय सहायता के पास नहीं होंगे विसीय सहायता की पात्रता निर्धारित करने के लिये व्रचल सम्पत्तियों और सभी साधनों से होने वाली आय का भी व्यापार रखा जाएगा।

यदि उम्मीदवार के माता पिता/संरक्षक किसी प्रकार की विसीय सहायता प्राप्त करने के इच्छुक हों तो उन्हें अपने पूर्व/संरक्षक के भारतीय सेवा अकादमी में प्रशिक्षण के लिये अन्तिम रूप से चुने जाने के तुरन्त बाद अपने जिला के जिला मणिल्लेट के माध्यम से एक आवेदन पत्र बैना आहिए जिसे जिला मणिल्लेट प्रभानी अनुशासना राहित भारतीय सेवा अकादमी देहरादून के कमांडेन्ट को अप्रेषित कर देगा।

4. भारतीय सेवा अकादमी में प्रशिक्षण के लिये अन्तिम रूप से चुने गए उम्मीदवारों को आने पर, कमांडेन्ट के पास निम्नलिखित राशि जमा करनी होगी :—

(क) प्रतिमास ५५.०० के हिसाब से पांच महीने	
का जेब बच्चे	275.००
(ब) वस्त्र तथा उपस्कर की मध्यों के लिये	800.००
योग	1075.००

उम्मीदवारों को विसीय सहायता भंजूर हो जाने पर उपयुक्त राशि में से नीचे लिखी राशि बापिस कर दी जाएगी :—

55.०० रु० प्रतिमास के हिसाब से पांच महीने का जेब	
बच्चे	275.०० रु०

5. भारतीय सेवा अकादमी में निम्नलिखित छात्रवृत्तियां उपलब्ध हैं :—

- (1) परशाराम भाऊ पठवर्षान्न छात्रवृत्ति :—यह छात्रवृत्ति महाराष्ट्र तथा कनाटक के कैडेटों को भी जाती है। इस छात्रवृत्ति की राशि अधिक से अधिक 500.०० रु० प्रति वर्ष है जो कि कैडेटों को भारतीय सेवा अकादमी में रहने की प्रवधि के दौरान भी जाती है बासर्टे कि उसकी प्रगति संतोष-जनक हो। जिन उम्मीदवारों को यह छात्रवृत्ति मिलती है वे किसी अन्य मण्डली विनीय गढ़यता के हकदार न होंगे।

(2) कर्नातक केंटल फैंक मेमोरियल छावनीवृत्ति :—इस छावनीवृत्ति की गणि 360/- स्थाया प्रति वर्ष है और यह किसी ऐसे पाव मराठा कैडेट को दी जाती है जो किसी भूतपूर्व सैनिक का पुत्र हो। यह छावनीवृत्ति मरकार से प्राप्त होने वाले किसी वित्तीय सहायता के प्रतिरिक्षित होती है।

6 भारतीय सेना अकादमी के प्रत्येक कैडेट के लिये सामान्य भारतीय धरणीत ममय-ममय पर लागू होने वाली वर्ती के प्रनुसार परिधान भासा अकादमी के कमांडेंट को सौंप दिया जाएगा। इस भत्ते की जो रकम वर्ष होगी यह :

(क) कैडेट को कमीशन दे दिये जाने पर दी जाएगी।

(द) यदि कैडेट को कमीशन नहीं दिया गया तो भत्ते की यह रकम राश्य को बापस कर दी जाएगी।

कमीशन प्रदान किये जाने पर इस भत्ते से खरीदे गये वस्त्र तथा राश्य आवश्यक चीज़ कैडेट की व्यक्तिगत सम्पत्ति बन जाएगी। किन्तु यदि प्रशिक्षणाधीन कैडेट त्यागपत्र दे दे या कमीशन से पूर्व उसे तिकाल दिया जाए या बापस शुला लिया जाए तो उपर्युक्त वस्तुओं को उससे बापस ले लिया जाएगा। इन वस्तुओं का मरकार के सर्वोत्तम हित को दृष्टिगत रखने हुए लिपिदातान कर दिया जाएगा।

7 सामान्यतः किसी उम्मीदवार को प्रशिक्षण के दौरान त्यागपत्र देने की अनुमति महीने दी जाएगी। ऐसिन प्रशिक्षण के दौरान त्यागपत्र देने वाले जैटलमैन कैडेट को यस सेना मुख्यालय द्वारा उनका त्यागपत्र स्वीकार होने तक वर जाने की आशा दे दी जाती आहिए। उसके प्रस्थान से पूर्व उसके प्रशिक्षण, भोजन तथा सम्बद्ध सेवाओं पर होने वाले खर्चे उससे बसूल किया जाएगा। भारतीय सेना अकादमी में उम्मीदवारों को भर्ती किये जाने से पूर्व उनके साता पिता/प्रधिभावकों को इस आशय के एक घाँट पर हस्ताक्षर करने होंगे। जिस जैटलमैन कैडेट को प्रशिक्षण का सम्पूर्ण पाश्वक्रम पूरा करने के बाये नहीं गमका जाएगा उससे सेना मुख्यालय को अनुमति से प्रशिक्षण से हटाया जा सकता है। इन परिस्थितियों में सैनिक उम्मीदवार को प्रपनी रेजिमेंट या कोर में बापस भेज दिया जाएगा।

8. यह कमीशन प्रशिक्षण को मफलतापूर्वक करने पर ही दिया जायेगा। कमीशन देने की तारीख प्रशिक्षण की मफलतापूर्वक पूरा करने की तारीख से अग्रणी दिन से गुण होगी? यह कमीशन स्थायी होगा।

9. कमीशन देने के बाद उर्हे सेना के नियमित अफसरों के समान वेतन और भत्ते, पेंगन और छूटी वी जायेगी तथा सेवा की अन्य शर्तें भी वही होंगी जो सेना के नियमित अफसरों पर समय समय पर लागू होंगी।

I प्रशिक्षण :—

10. भारतीय सेना अकादमी में आर्मी कैडेट को "जैटलमैन कैडेट" का नाम दिया जाता है तथा उर्हे 18 मास के लिये कड़ा सैनिक प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे इंफैट्री के उप-यूनिटों का नेतृत्व करने के बोग्य बन सकें। प्रशिक्षण की मफलतापूर्वक पूरा करने के उपरान्त जैटलमैन कैडेटों को ट्रैफिक लेपिटर्नेट के रूप में कमीशन प्रदान किया जाता है वहाँ से कि एस० एच० ए० पी० ई० एम० शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।

II सेवा की शर्तें :—

(i) वेतन

रैक	वेतनमात्रा
सेक्युरिटी लेपिटर्नेट	750-790
लेपिटर्नेट	830-950
फैट्स	1100-1550
मेजर	1450-1800
मेजर (अपन ग्रेड वेतन)	1800-50-1900
लेपिटर्नेट-कर्नल (अपन द्वारा)	1750-1950
लेपिटर्नेट कर्नल (अपन ग्रेड वेतन)	2000-50-2100

रैक	वेतनमात्रा
लेपिटर्नेट कर्नल (गमग वेतनमात्रा)	1900 नियत
कर्नल	1950-2175
ट्रिनोडिपर	2200 2100
मेजर जनरल	2500-125/2-2750
लेपिटर्नेट जनरल	3000 प्रतिमात्रा
लेपिटर्नेट जनरल (आर्मी कमान्डर)	3250 प्रतिमात्रा

(ii) योग्यता, वेतन और अनुदान

लेपिटर्नेट कर्नल और उससे नीचे के रैक के कुछ निर्धारित योग्यता ग्रहने वाले अधिकारी अपनी योग्यताओं के आधार पर 1600 रु, 2400 रु, 4500 रु अथवा 8000 रु के एक मुफ्त अनुदान के हकदार हैं। उड़ान प्रशिक्षक (वर्ग 'ब्र') 60-70 की दर पर योग्यता वेतन के अधिकारी होते।

III भत्ते :—

(iii) वेतन के प्रतिरिक्षित अफसरों को इस समय निम्नलिखित भत्ते मिलते हैं :—

(क) तिविक्षित राजपत्रित अफसरों पर समय-समय पर लागू दरों और शर्तों के अनुसार इन्हें भी नगर प्रतिकर तथा मंहगाई भत्ते दिये जाते हैं।

(ख) 50 रु प्रति मास की दर से किट अनुरक्षण भत्ता।

(ग) भारत के बाहर सेवा करने पर ही प्रवास भत्ता मिलता। यह विवेश भत्ते की तदनुकूली एकल दर का 25 प्रतिशत से 40 प्रतिशत तक होगा।

(घ) नियुक्ति भत्ता जब विवाहित अफसरों को ऐसे स्थानों पर रहना तक किया जाता है जहाँ परिवार सहित नहीं रहा जा सकता है, तब वे अफसर 70/- रु प्रतिमात्रा की दर से नियुक्ति भत्ता प्राप्त करने के हकदार होते हैं।

(इ) सज्जा भत्ता :—प्रारंभिक सज्जा भत्ता 1400 है। प्रथम कमीशन की तारीख से प्रत्येक सात वर्ष के बाद एकव नये सज्जा भत्ते का दावा किया जा सकता है।

(vi) तैनाती

यह सेना अफसर भारत में या विदेश में कही भी तैनात किये जा सकते हैं :—

(v) पदोन्नति :

(क) स्थाई पदोन्नति :

उच्चतर रैकों पर स्थाई पदोन्नति के लिये निम्नलिखित सेवा सीमाएँ हैं :—

समय वेतनमात्रा से

लेपिटर्नेट	2 वर्षे कमीशन प्राप्त सेवा
फैट्स	6 वर्षे कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर	13 वर्षे कमीशन प्राप्त सेवा

मेजर से लेपिटर्नेट कर्नल तक

चयन द्वारा पदोन्नति म द्वारा हो

2.5 वर्षे कमीशन प्राप्त सेवा

चयन द्वारा

लेपिटर्नेट कर्नल	16 वर्षे कमीशन प्राप्त सेवा
कर्नल	20 वर्षे कमीशन प्राप्त सेवा
ट्रिनोडिपर	23 वर्षे कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर जनरल	25 वर्षे कमीशन प्राप्त सेवा
लेपिटर्नेट जनरल	28 वर्षे कमीशन प्राप्त सेवा
जनरल	कोई प्रतिबन्ध नहीं।

(अ) कार्यकारी पदोन्नति :

निम्नलिखित न्यूनतम सेवा सोमाए पूरी करने पर अफसर उच्चतर दंसों पर कार्यकारी पदोन्नति के लिये पात्र होने वाले के लिये उपदेश दूं हैं :—

कैफ्टन	3 वर्ष
मेजर	5 वर्ष
सैप्टिनेंट कॉर्नेल	6-1/2 वर्ष
कॉर्नेल	8-1/2 वर्ष
सिपोहियर	12 वर्ष
मेजर जसरल	20 वर्ष
सैप्टिनेंट जनरल	25 वर्ष

(ब) नौसेना अकादमी कोचीन में भर्ती होने वाले उम्मीदवारों के लिये :—

(1) (क) जो उम्मीदवार अकादमी में प्रशिक्षण के लिये अंतिम रूप से चुन लिये जाएंगे, उन्हें नौसेना की कार्यकारी शाखा में कैफ्टेंटों के रूप में नियुक्त किया जाएगा। उन उम्मीदवारों को नौसेना अकादमी कोचीन के प्रभारी अफसर के पास निम्नलिखित राशि जमा करानी होगी।

(1) जिन उम्मीदवारों ने सरकारी वित्तीय सहायता के लिये आवेदन-पत्र भर्ती दिया है :—

(i) 45.00 रुपये प्रति मास	
कैफ्टेंटों से पांच मास के	
लिये जब वर्ष	225.00 रु.
(ii) कपड़ों और सज्जा-सामग्री के	
लिए	460.00 रु.
जोड़	685.00 रु.

(2) जिन उम्मीदवारों ने सरकारी वित्तीय सहायता के लिये आवेदन-पत्र दिया है :—

(i) 45.00 रु. प्रति मास की दर से दो मास के	
लिये जब वर्ष	90.00 रु.
(ii) कपड़ों और सज्जा-सामग्री के लिए	460.00 रु.
जोड़	550.00 रु.

(ब) (i) चुने हुए उम्मीदवारों को कैफ्टेंटों के रूप में नियुक्त किया जाएगा तथा उन्हें नौसेना जहाजों और प्रतिष्ठानों में नीचे किया गया प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा :—

(ग) कैफ्टेंट प्रशिक्षण तथा 6 मास का नौकारी प्रशिक्षण	1 वर्ष
(घ) मिलिशियर्स की नौकारी प्रशिक्षण	6 मास
(ग) कार्यकारी सब-सैप्टिनेंट तकनीकी पाठ्यक्रम	12 मास
(घ) सब-सैप्टिनेंट :	

उपर्युक्त प्रशिक्षण पूरा होने के बाद, प्रशिक्षकरियों को नौकरी नियुक्त किया जाएगा, जिसके लिये कम से कम 6 मास की अवधि आवश्यक है।

(ii) नौसेना अकादमी में कैफ्टेंटों के लिये शिक्षण, प्राकात्मक और संबद्ध सेवाओं, पुस्तकों, वर्दी, भोजन तथा डाक्टरी इलाज का व्यवहार बहुत करेंगी। किन्तु कैफ्टेंटों के माता-पिता/प्रभिभावकों को उनका जेब वर्ष और निजी वर्ष बहुत करना होगा। यदि कैफ्टेंट के माता-पिता/प्रभिभावकों की मासिक आय 500 रु. से कम हो और वह कैफ्टेंट का जेब वर्ष पूर्णतया आंशिक रूप से पूरा न कर सकते हूं तो सरकार कैफ्टेंट के लिये 55 रु. प्रति मास वित्तीय सहायता स्वीकार कर सकती है। वित्तीय सहायता देने	
---	--

का इच्छुक उम्मीदवार अपने चुने जाने के बाद शीघ्र ही आगे तिना मिश्नेट के माध्यम से आवेदन-पत्र देना करता है। जिन तिनों मिश्नेट उम्मीदवार को अपनी अनुशासा के साथ निवेशक, कार्मिक सेवा, नौसेना मुख्यालय, नई बिल्डिंग के पास भेज देगा। यदि किसी माता-पिता/प्रभिभावक के दो अवश्य उससे अधिक पुत्र या आश्रित नौसेना जहाजों/प्रतिष्ठानों में साथ-साथ प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हों तो उन सभी को साथ-साथ प्रशिक्षण प्राप्त करने की अवधि के लिये उपर्युक्त वित्तीय सहायता दी जा सकती है विशेषता की माता-पिता/प्रभिभावक की मासिक आय 600/- रु. से अधिक न हो।

(iii) बाद का प्रशिक्षण भारतीय नौसेना के जहाजों और स्थापनाओं में भी उन्हें सरकारी वर्ष पर दिया जाता है। अकादमी ओडिशा के बाद उनके पहले छह मास के प्रशिक्षण के दौरान उन्हें उपर्युक्त वैरा (ii) के अनुसार अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त करने वालों को मिलने वाली वित्तीय सहायता के सामान सहायता दी जाएगी। भारतीय नौसेना के जहाजों और उनके प्रतिष्ठानों में छह मास का प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद जिन कैफ्टेंटों की मिलिशियर्समन के रैक में पदोन्नति कर दी जाएगी और वे बेतन प्राप्त करने लगें, तब उनके माता-पिता को उनका कोई वर्ष नहीं देना होगा।

(iv) कैफ्टेंटों को सरकार से नियुक्त वर्ष मिलेगी किन्तु उन्हें इसके प्रत्यावाक कुछ और कपड़े भी नहीं देने होंगे। इन कपड़ों के सही नमूने उसकी एक रूपता को सुनिश्चित करने के लिये, ये कपड़े नौसेना अकादमी में तैयार किये जाएंगे तथा उनको वर्ष कैफ्टेंटों के माता-पिता/प्रभिभावकों की बहन करना होगा। वित्तीय सहायता के लिये आवेदन-पत्र देने वाले कैफ्टेंटों को कुछ कपड़े नियुक्त कर दिया जाएगा।

(v) प्रशिक्षण के दौरान सर्विस कैफ्टेंटों को अपने मूल रैक के वर्षीय बेतन और वर्षीय भर्ती भी नहीं देने होंगे। इन कपड़ों के समय नाविक या सेवक या अप्रेंटिस के पद पर काम करते हुए प्राप्त कर रहे होंगे। यदि उन्हें उस रैक में बेतन वृद्धि दी जानी हो तो वे उस बेतन वृद्धि को पाने के भी हकदार होंगे यदि उनके मूल रैक का बेतन और भर्ती मीठे भर्ती होने वाले कैफ्टेंटों को मिलने वाली वित्तीय सहायता से कम हों तथा वे उस सहायता को प्राप्त करने के पास हों तो उन्हें उपर्युक्त दोनों राशियों के अन्दर की राशि भी मिलेगी।

(vi) प्रशिक्षण के दौरान सर्विस कैफ्टेंटों को अपने मूल रैक के वर्षीय बेतन और वर्षीय भर्ती भी नहीं देने होंगे। जिस कैफ्टेंट को भारतीय नौसेना जहाजों और प्रतिष्ठानों में कोर्स पूरा करने के योग्य नहीं समझा जाएगा उसे सरकार के अनुमोदन से प्रशिक्षण से बापस बुलाया जा सकता है तथा उसे प्रशिक्षण से हटाया भी जा सकता है। इन परिस्थितियों में किसी मर्जिं कैफ्टेंट को उसकी मूल मर्जिं पर बापम भेज दिया जाएगा। जिस कैफ्टेंट को इस प्रकार प्रशिक्षण से हटाया जाएगा या मूल सर्विस पर बापम भेजा जाएगा, वह परवर्ती कोर्स से दुबारा दाखिल होने का पात्र नहीं रहेगा। किन्तु जिन कैफ्टेंटों को कुछ करणजन्म कारणों के आधार पर त्यागपत्र देने की प्रमुखति दी जाती है उनके मामलों पर गुणावग्रण के आधार पर विचार किया जाता है।

1. किसी उम्मीदवार के भारतीय नौसेना में कैफ्टेंट चुने जाने से पूर्व माता-पिता/प्रभिभावक को :

(क) इस आशय के प्रमाण-पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे कि वह भीती भर्ती समझता है कि यदि उसके पुत्र को या आश्रि-

- को प्रशिक्षण के बीचम या उनके कारण कोई खोट लग जाये या गार्निरिक धुंधलता हो जाए या उपर्युक्त कारणों या अन्य कारणों से चोट लगने पर किये गये आपरेशन से या आपरेशन के दौरान मूर्छित करने की औषधि के प्रयोग के कानस्वरूप मृद्दु हो जाए तो उसे या उनके पुत्र या आश्रित को गर्भावाही से मुश्वावजा संगने के दावे का सरकार से अन्य सहायता मांगने का कोई हक नहीं होगा।
- (ग) इस आशय के बाद पर हस्ताक्षर करने वैगे कि किसी ऐसे कारण से जो उनके नियंत्रण के अधीन हो, यदि उम्मीदवार पूरा होते से पहले वापस जाना चाहे या यदि कमीशन दिये जाने पर स्वीकार न करें तो जिक्र, शूलक, भोजन, नस्त्र, वेतन तथा भत्ते, जो कैडेटों ने प्राप्त किये हैं, उनका मल्य या उनका वह धनंजय जो सरकार नियंत्रण करे, चुकाने की जिम्मेदारी वह नेता है।

3. वेतन और भत्ते

(क) वेतन

रेक	वेतनमान भावाल्य सेवा	रुपए
मिडिपिमैन	560.00	
एफिटग सब-लेफिटेंट	750.00	
सब-लेफिटेंट	830-870	
लेफिटेंट	1100-1450	
लेफिटेंट कमोडोर	1450-1800	
कमाण्डर (अध्यन मान द्वारा)	1750-1950	
कमाण्डर (समय वेतनमान द्वारा)	1900.00 (नियत)	
कैप्टन	1950-2400 (कमोडोर वह वेतन प्राप्त करता है जिसके लिये वह कैप्टन के रूप में वरिष्ठता के आधार पर हकदार होता है।)	रुपए
रियर एडमिरल	2500-125/2 2750 रुपए	
आइस एडमिरल	3000 रुपए	

(ब) भत्ते

वेतन के अतिरिक्त अफसरों को निम्नलिखित भत्ते मिलते हैं :—

- (i) सिविलियन राजपत्रित अफसरों पर समय-समय पर लागू दरों और भत्तों के अनुसार उन्हें भी नगर प्रतिकर तथा मंहगाई भत्ता मिलता है।
- (ii) 50/- रु प्रतिमास की दर से किट अनुरक्षण भत्ता (कमोडोर रैक के तथा उनसे नीचे के रैक के अफसरों की)।
- (iii) जब अफसर भाग्न के बाहर सेवा कर रहा हो, तब आपरित रैक के अनुमार 50/- रुपये से 250/- रुपए तक प्रतिमास प्रधास भत्ता।
- (iv) 20/- रु प्रतिमास के लियावाले में इन अफसरों को नियमित भत्ता मिलेगा :—
 - (i) जिन विवाहित अफसरों को ऐसे स्थानों पर तैनात किया जाएगा जहाँ वे परिवार सहित नहीं रह सकते।
 - (ii) जिन विवाहित अफसरों को आई० एन० जहाजों पर तैनात किया जाएगा अथवा जिन्होंने अवधि के लिए वे वेस पल्टों से दूर जहाजों पर रहेंगे।

(iii) जिन्होंने अवधि के लिये वेस पल्टों से दूर जहाजों पर रहेंगे, उन्हीं अधीस के लिये उन्हें मूल रागत मिलेगा।

टिप्पणी I.— उपर्युक्त के अलावा संकट के समय काम करने की रागत पनडुब्बी भस्त्रा, पनडुब्बी वेतन संवेदन, आन-तोषिक/अहृता वेतन/अनुदान तथा गोलाखोरी वेतन जैसी कुछ विशेष रियायत भी अफसरों को दे जा सकती है।

टिप्पणी II.— अफसर पनडुब्बी तथा विमान सेवाओं के लिए अपनी सेवाएं अप्रित कर सकते हैं। इन सेवाओं में सेवा के लिये उन्हें गये अफसर बड़े दूर वेतन तथा भत्तों को पाने के हकदार होते हैं।

4. पदोन्नति

(क) समय वेतनमान द्वारा

मिडिपिमैन से एफिटग

सब-लेफिटेंट तक 1/2 वर्ष

ऐफिटग सब-लेफिटेंट

से सब-लेफिटेंट तक 1 वर्ष

सब-लेफिटेंट से

लेफिटेंट तक

ऐफिटग और स्थाई सब-लेफिटेंट (वरिष्ठता के लाभ/सम्पदहरण के मध्यें) रूप में 3 वर्ष

॥

लेफिटेंट से लेफिटेंट

कमोडोर तक

लेफिटेंट कमोडोर से

कमोडोर तक

लेफिटेंट के रूप में 8 वर्ष की वरिष्ठता

(यदि अपन द्वारा पदोन्नति न हुई हो)

24 वर्ष की संगणीय

कमोडन प्राप्त सेवा

(ब) अपन द्वारा

लेफिटेंट कमोडोर से

कमोडोर तक

लेफिटेंट कमोडोर के रूप म 2-3 वर्ष की वरिष्ठता।

कमोडोर से कैप्टन तक

कैप्टन से रियर एडमिरल

और उससे ऊपर तक

कमोडोर के रूप म 4 वर्ष की वरिष्ठता।

कोई सेवा प्रतिबन्ध नहीं।

5. तैनाती

अफसर भारत और ब्रिटेश में कहीं भी तैनात किये जा सकते हैं।

टिप्पणी :— यदि किसी और सूचना की आवश्यकता हो तो वह निदेशक कार्मिक सेवा नोसेना भूम्यालय, नई विल्सी-110011 से प्राप्त की जा सकती है।

(ग) अफसर ट्रेनिंग स्कूल से भर्ती होने वाले उम्मीदवारों के लिये —

1. इसमें पूर्व कि उम्मीदवार अफसर ट्रेनिंग स्कूल भवास, मद्रास में भर्ती होंगे।

(क) उसे इस आशय से प्रभाण-पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे कि वह भली भांति समझता है कि उसे या उसके बैंध वारिसों की सरकार से भूम्यालय या अन्य किसी सहायता के दावे का कोई दृष्ट नहीं होगा, यदि उसे प्रशिक्षण के शीरान कोई खोट या शारीरिक दुर्बलता हो जाए या मृद्दु हो जाए या उपर्युक्त कारणों से चोट लगने पर किए गए आपरेशन या आपरेशन के दौरान मूर्छित करने की औषधि के प्रयोग के कानस्वरूप ऐसा हो जाए।

(ख) उसके माता-पिता या अभिभावक को एक बाण्ड पर हस्ता-कर करने होंगे कि किसी कारण से जो उसके नियंत्रण के अधीन मान लिया जाए यदि उम्मीदवार कोई पूरा करने से

पूर्व आपिम जाना चाहे या यदि दिये जाने पर कमीशन रवीकार म करे या अफसर ट्रेनिंग स्कूल में प्रशिक्षण प्राप्त करते हुए शावी कर ले तो उसे शिक्षा, खाना, वस्त्र और बेतन तथा भत्ते जो उससे प्राप्त किये हैं, उनकी लागत या उनका वह अंश जो सरकार निर्णय करे चुकाने के जिस्मदार होंगे।

2. जो उम्मीदवार अंतिम रूप से चुने जाएंगे उन्हें अफसर ट्रेनिंग स्कूल म लगभग ९ महीने को प्रशिक्षण कर्त्ता पूरा करना होगा। इन उम्मीदवारों को ‘मैना अधिनियम’ के अन्तर्गत जैष्टलमैन कैडेट के रूप में नामांकित किया जाएगा। सामान्य अधिकारी की दृष्टि से ये जैष्टलमैन कैडेट अफसर ट्रेनिंग स्कूल के नियमों तथा विनियमों के अन्तर्गत रहेंगे।

3. प्रशिक्षण की लागत जिसमें आवास पुस्तक वर्दी व भोजन तथा चिकित्सा सुविधा शामिल है सरकार वहाँ करेंगी और उम्मीदवारों को अपना जेब खर्च रखने वहाँ करना होगा। कमीशन पूर्व प्रशिक्षण के दौरान स्थूलतम ५५ रु प्रतिमास से अधिक खर्च की सम्भालना नहीं है। यदि उम्मीदवार कोई कॉन्ट्रोलरी शिकार जैलना सीरकपाठा दृश्यादि का शौक रखता हो तो तब उसे अतिरिक्त छत की आवश्यकता होगी। यदि कोई कैडेट यह स्थूलतम व्यय की पूर्ण या अधिक रूप में वहाँ नहीं कर सके तो उसे समय-समय पर परिवर्तीय दरों पर इस हेतु वित्तीय सहायता दी जा सकती है बास्तें कि कैडेट और उसके माता/पिता/अभिभावक की आय ५०० रु प्रति मास से कम ही। वर्तमान आदेशों के अनुसार वित्तीय महायता की दर ५५ रुपये प्रतिमास है। जो उम्मीदवार वित्तीय सहायता प्राप्त कर का इच्छुक है उसे प्रशिक्षण के लिये अंतिम रूप से चुने जाने के बाद निर्धारित प्रवत्र पर एक आवेदन अपने जिले के जिला बीजिस्ट्रेट को भेजना होगा जो अपनी स्थायी परिवार की ओर से अपने जिले के जिला बीजिस्ट्रेट को कमांडेट अफसर ट्रेनिंग स्कूल में भेज देता।

4. अफसर ट्रेनिंग स्कूल में अंतिम रूप से प्रशिक्षण के लिये चुने गए उम्मीदवारों को वहाँ पहुँचने पर कमांडेट के पास निम्नलिखित धन राशि जमा करनी होगी:—

(क) ५५.०० रु प्रति मास की वर से	
इस महीने के लिये जेब खर्च	५५०.०० रुपये
(ख) वस्त्र तथा उपकरण के लिये	५००.०० रुपये
योग	१०५०.०० रुपये

यदि कैडेटों की वित्तीय सहायता स्वीकृत हो जाती है तो उपर्युक्त राशि में से (ख) के सामने वी गई राशि बापस दी जाएगी।

5. समय-समय पर जारी किये गये आदेशों के अन्तर्गत परिवान मत्ता मिलेगा।

कमीशन मिल जाने पर इस भर्ते से खारीदे गये वस्त्र तथा अन्य आवश्यक चीजें कैडेट की अवित्तन सम्पत्ति बन जायेंगे। यदि कैडेट प्रशिक्षणाधीन अवधि में त्याग-वर्ष दे दे या उसे निकाल दिया जाए या कमीशन से पूर्व वापस बुला दिया जाए तो इन वस्तुओं को उससे बापस ले लिया जाएगा। इन वस्तुओं का सरकार के सर्वोत्तम हित को दृष्टिगत रखते हुए निपटान कर दिया जाएगा।

6. सामान्यत, किसी उम्मीदवार को प्रशिक्षण के दौरान स्थाय-पद देने की अनुमति नहीं दी जाएगी। लेकिन प्रशिक्षण प्राप्ति होने के बावजूद यात्रा-पद देने वाले जैष्टलमैन कैडेटों को घर सेना मुक्त्यालय द्वारा उनका स्थायी पद देने तक घर जाने की आशा दी जा सकती है। प्रस्थान से पूर्व उनसे प्रशिक्षण भोजन तथा सम्बद्ध सेवाओं पर हीने वाला खर्च असूल किया जाएगा। अफसर प्रशिक्षण स्कूल में उम्मीदवारों को भर्ती किये जाने से पूर्व उन्हें तथा उनके माता-पिता/अभिभावकों को इस आशय का एक बांड भरना होगा।

7. जिस/जैष्टलमैन कैडेट को प्रशिक्षण का सम्पूर्ण कोर्स करने के योग्य नहीं समझा जाएगा उसे सरकार की अनुमति से प्रशिक्षण से हटाया जा

सकता है। इन परिस्थितियों में सेनिक उम्मीदवार को उनको रेजिमेंट कोर में व्यापक भेज दिया जाएगा।

8. कमीशन प्रदान कर दिये जाने के बाद बेतन तथा भर्ते वेशन छुट्टी तथा अन्य सेवा शर्तें निम्न प्रकार होंगी।

9. प्रशिक्षण

1. चुने गये उम्मीदवारों को सेना अधिनियम के अन्तर्गत जैष्टलमैन कैडेटों के रूप में नामांकित किया जाएगा तथा वे अफसर ट्रेनिंग स्कूल में लगभग ९ मास तक प्रशिक्षण कोर्स पूरा करेंगे। प्रशिक्षण सफलता पूर्ण करने के उपरांत जैष्टलमैन कैडेट को प्रशिक्षण के सफलतापूर्वक पूरा करने की तारीख से सेनेंड लेफिटनेंट के पद पर अल्पकालिक भेद्या कमीशन प्रदान किया जाता है।

10. संचार की शर्तें

(क) परिवीक्षा की अवधि

कमीशन प्राप्त करने की तारीख से अफसर ८ मास की अवधि तक परिवीक्षाधीन रहेगा। यदि उसे परिवीक्षा की अवधि के दौरान कमीशन धारण करने के अनुप्रकृत बताया गया तब उनकी परिवीक्षा अवधि के समाप्त होने से पूर्व या उसके बाद किसी भी समय उसका कमीशन समाप्त किया जा सकता है।

(ख) सेनाती

अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त करने पर उन्हें भारत या विदेश में कहीं भी नौकरी पर तैनात किया जा सकता है।

(ग) नियमित की अवधि तथा पवोलानि

नियमित धन सेना में अल्पकालिक सेवा कमीशन पौंछ वर्दी की अवधि के सिये प्रदान किया जाएगा जो अफसर सेना में पौंछ वर्दी के अल्पकालिक सेवा कमीशन की अवधि के बाद सेना में सेवा करने के इच्छुक होंगे यदि हर प्रकार से पात्र तथा उपयुक्त पाए गए तो संबंधित नियमों के अनुसार उसके अल्पकालिक सेवा कमीशन के अंतिम वर्दी में उनको स्थाई कमीशन प्रदान किए जाने की अद्दता प्राप्त नहीं कर पाएंगे उन्हें पौंछ वर्दी की अवधि पूरी होने पर निर्मुक्त कर दिया जाएगा। जो पौंछ वर्दी की अवधि के बाद वर्दी की अवधि नहीं होती है तो उसका कमीशन प्रदान किए जाने की अद्दता प्राप्त नहीं कर पाएंगे उन्हें पौंछ वर्दी की अवधि नहीं होने पर निर्मुक्त कर दिया जाएगा।

(घ) बेतन और भत्ते

अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अफसर वही बेतन और भत्ते प्राप्त करेंगे जो सेना के नियमित अफसरों को प्राप्त होता है।

सैकेष्ड लेफिटनेंट और लेफिटनेंट के बेतन की दर इस प्रकार है:—

सैकेष्ड लेफिटनेंट—२५०-२९० रु प्रति मास

लेफिटनेंट—८३०-९५० रु प्रति मास

तथा अन्य भत्ते जो नियमित अफसरों को मिलते हैं।

(छ) छुट्टी

छुट्टी के संबंध में ये अफसर अल्पकालिक सेवा कमीशन अफसरों के सिये, लागू नियमों से नियमित होने जो सेना अवकाश नियमाली खण्ड-१ वर्ल सेना, के अध्याय पौंछ में उल्लिखित है। ये अफसर ट्रेनिंग स्कूल के पासिंग आउट करने पर तथा छुट्टी प्राप्त करने से पूर्व उक्त नियम १ में वी गई व्यवस्थाओं के अनुसार भी छुट्टी के हक्कदार होंगे।

(ज) कमीशन की समाप्ति

अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अफसर को पौंछ वर्दी सेवा करनी होगी किस्त मात्र भरकार निम्नलिखित कारणों से किसी भी समय उसका कमीशन समाप्त कर सकती है—

(i) अपवाह करने या संतोषजनक रूप में या सेवा करने पर;

(ii) स्वास्थ्य की दृष्टि से अयोग्य होने पर;

(iii) उसकी सेवाओं की ओर अधिक आवश्यकता न होने पर; या

(iv) उसके किसी निर्धारित परीक्षण या कोर्स में अहृता प्राप्त करने में असफल रहने पर।

तीन महीने का नोटिस देने पर किसी अफसर की करुणाजन्य कारणों के आधार पर कमीशन से त्याग-पत्र देने की अनुमति दी जा सकती है। किन्तु इसकी पूर्णता, निपायिक भारत सरकार ही होगी। करुणाजन्य कारणों के आधार पर कमीशन से त्याग-पत्र देने की अनुमति प्राप्त कर लेने पर कोई अफसर सेवात उपदान पाने का पात्र नहीं होगा।

(इ) पेशन लाभ

(i) ये ग्रामी विचाराधीन है।

(ii) अल्पकालिक सेवा कमीशन अफसर 5 वर्ष की सेवा पूरी करने पर 5000.00 का सेवात उपदान पाने के हकदार होते हैं।

(ज) रिजर्व में रहने का वायित्व

5 वर्ष की अल्पकालिक सेवा कमीशन सेवा या बड़ाई गई कमीशन सेवा पूर्ण करने के बाद से 5 वर्ष की अवधि के लिये या 40 वर्ष की आयु तक, जो भी पहले हो, रिजर्व में रहेंगे।

(झ) विविधः—

सेवा संबंधी अन्य सभी शर्तें बाद तक उनका उपयुक्त उपबंधों के साथ ऐद नहीं होता है वही होंगी जो नियमित अफसरों के लिये लागू है।

(ঁ) वायु सेना अकादमी में प्रवेश लेने वाले उम्मीदवारों के लिये प्रैक्ट

1. चयनः—

भारतीय वायु सेना की उड़ान शाखा (पाइलट) में वी प्रकार से भर्ती की जाती है। अर्थात् संघ लोक सेवा आयोग के माध्यम से डायरेक्ट एप्टी और वायु स्कंध चरिट्य प्रयोग के माध्यम से एन० सी० सी०।

(ক) डायरेक्ट-एप्टी—आयोग लिखित परीक्षा के आधार पर चयन करता है, ये परीक्षाएं एक वर्ष में सामान्यतः वर्ष में दो बार और मई और नवम्बर में होती हैं सफल उम्मीदवारों को वायु सेना चयन बोर्ड के सामने परीक्षण और साक्षात्कार के लिये भेजा जाता है।

(খ) एन० सी० सी० के माध्यम से प्रवेश—राष्ट्रीय कैडेट कोर महानिदेशक द्वारा विभिन्न एन० सी० सी० घूमिटों के माध्यम से एन० सी० सी० उम्मीदवारों से आवेदनपत्रों को आमंत्रित करके उन्हें वायु सेना मुख्यालय को अप्रसारित कर दिया जाता है। पारं उम्मीदवारों को परीक्षण और साक्षात्कार के लिये वायु सेना चयन बोर्ड के सामने प्रस्तुत होने का निवेश दिया जाता है।

2. प्रशिक्षण पर भेजना : वायु सेना चयन बोर्ड द्वारा अनुसंधान और उपयुक्त विकिस्त्रा प्राथिकरण द्वारा शारीरिक रूप से स्वस्थ पाये जाने वाले उम्मीदवारों को वरीयता तथा उपलब्ध रिक्तियों की संभावा के आधार पर प्रशिक्षण के लिये भेजा जाता है। डायरेक्ट एप्टी उम्मीदवारों की वरीयता सूची संघ लोक सेवा आयोग द्वारा तैयार की जाती है और एन० सी० सी० उम्मीदवारों की वरीयता-सूची अलग से तैयार की जाती है। डायरेक्ट एप्टी उड़ान (पाइलट) उम्मीदवारों को वरीयता सूची सं० ली० से० आ० द्वारा लिखित प्रशिक्षण में उम्मीदवारों के प्रार्थकों तथा वायु सेना चयन बोर्ड में प्राप्त अंकों को झोड़कर तैयार की जाती है। राष्ट्रीय कैडेट कोर के उम्मीदवारों की वरीयता सूची उसके द्वारा वायु सेना चयन बोर्ड में प्राप्त अंकों के आधार पर तैयार की जाती है।

3. प्रशिक्षण : वायु सेना अकादमी में उड़ान शाखा (पाइलट) के लिये प्रशिक्षण की अवधि व लिंगभर 25 सप्ताह होती है।

4. वायित्व में पदोन्नति की संभावनायेः—प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद उम्मीदवारों को पाइलट अफसर का रैक दिया जाता है और वे उसी रैक के बेतन तथा भर्ते प्राप्त करने के हकदार हो जाते हैं। वर्तमान दरों के आधार पर, उड़ान शाखा के अधिकारियों को लिंगभर रु० 2450/- प्रति माह मिलते हैं जिसमें उड़ान बेतन रु० 750/- प्रति माह भी सम्मिलित है। वायु सेना का वायित्व बहुत उज्ज्वल होता है यथाग प्रिमिय गांधीओं में ऐस पकार की सभावनायें अलग-अलग होती हैं।

भारतीय वायु सेना में दो प्रकार से पदोन्नति होती है अर्थात् कार्यकारी रैक प्रदान करके और स्थाई रैक प्रदान करके प्रत्येक उच्च रैक के लिये अतिरिक्त परिवधियां निर्धारित हैं। रिक्तियों की संख्या पर आधारित हर एक को उच्च कार्यकारी रैक में पदोन्नति प्राप्त करने के अच्छे अवसर मिलते हैं। स्वेच्छन लीडर और विंग कमांडर के रैक में समय बेतनमान पदोन्नति उड़ान (पाइलट) शाखा में क्रमः 11 वर्ष की तथा 14 वर्ष की सफल सेवा पूरी करने के बाद की जाती है। विंग कमांडर और उससे ऊपर के उच्चतर पदों में पदोन्नति विधिवत गठित पदोन्नति बोर्डों द्वारा चयन के आधार पर की जाती है। उचितमान अधिकारियों के लिये पदोन्नति के अच्छे अवसर होते हैं।

5. बेतन तथा भर्ते :—

मूल रैक	उड़ान शाखा
	रु०
पाइलट अफसर	825-865
प्लाईंग अफसर	910-1030
फ्लाइंग लिफ्टनेंट	1150-1550
स्वेच्छन लीडर	1450-1800
विंग कमांडर	1550-1950
पुप कैप्टन	1950-2175
एमर कमांडर	2200-2400
एमर वाइस मार्शल	2500-2750
एमर मार्शल	3000

मंहगाई तथा प्रतिकर भर्ते :—अधिकारियों को ये भर्ते भारत सरकार के सिविलियन कर्मकारियों को लागू होने वाली शर्तों के अंतर्गत की गई दरों पर मिलते हैं।

किट अनुरक्षण भर्ता :—रु० 50/- प्रति माह; उड़ान बेतन; उड़ाव शाखा के अधिकारी निम्नलिखित दरों पर उड़ान बेतन प्राप्त करने के हकदार होते हैं।

विंग कमांडर और उससे नीचे	रु० 750.00 प्रति माह
पुप कैप्टन और एमर कमांडर	रु० 666.00 प्रति माह
एमर वाइस मार्शल और उससे ऊपर	रु० 600.00 प्रति माह

योग्यता बेतन :—कमीशन सेवा के दो या दो से अधिक वर्ष पूरा करने वाले विंग कमांडर और उससे नीचे के रैक के अधिकारियों को विधिष्ठ योग्यताओं के लिये निर्धारित दरों पर योग्यता बेतन/अनुवान प्रदान किया जाता है। योग्यता बेतन की दर रु० 70/- और रु० 100/- है और अनुवान रु० 6000/-, रु० 4500/- रु० 2400/- और 1600/- है।

प्रवास भर्ता :—जहां वायु सेना अधिकारियों को ट्रूकिंगों के रूप में रखा जाना अपेक्षित होता है। उन देशों में नियुक्त एक तृतीय सचिव, तृतीय सचिव, प्रथम सचिव कम्प्लूलर को दिए जाने वाले विदेश भर्ते का 25 प्रतिशत से 40 प्रतिशत तक (परिस रैक के अनुसार) प्रवास भर्ता देय होता है।

नियुक्ति भर्ता :—ऐसे विकाहित अधिकारी जिसकी नियुक्ति ग्रन्ति के दौरान वायु सेना अधिकारियों को प्रतिक्रिया देते हैं। उन देशों में नियुक्त एक तृतीय सचिव, तृतीय सचिव, प्रथम सचिव कम्प्लूलर को दिए जाने वाले विदेश भर्ते का 25 प्रतिशत से 40 प्रतिशत तक (परिस रैक के अनुसार) प्रवास भर्ता देय होता है।

परिषान भर्ता :—वर्दी/उपस्कर जो कि प्रत्येक अधिकारी को अवश्य रखनी पड़ती है उसके मूल्य के बबले में दिया जाने वाला प्रारम्भिक परिषान भर्ता रु० 1400/- है (समय-समय पर इसमें संशोधन किया जाता है) नवीकरण के दिए हर साल साल के बाबू रु० 1200/- दिए जाएंगे। कैम्पिंग कमीशन प्रदान करते समय मुफ्त दी जाती है।

6. सूखी और अब्दकाश यात्रा रियायत भर्ता

वायिक अब्दकाश	वर्ष में 60 दिन
आकस्मिक अब्दकाश	वर्ष में 20 दिन एक बार में 10 दिन से अधिक नहीं।

कमीशन प्राप्त करने के एक बर्ष के बाद जब भी अधिकारी आविष्कार अधिकारी अवकाश लेंगे तो उनके परिवार के सदस्य मफ्त सेवारी के हकदार होंगे औह अवकाश भी अवधि कुछ भी क्यों न हो। जनवरी 1971 से प्रारम्भ होने वाले दो बर्षों के ब्लाक सेवा के बार अधिकारी अपने इयूटी स्थान (यूनिट) से बाहर तक आने के लिये निःशुल्क सेवारी बाहन के हकदार होंगे। जिस बर्ष इस रियायत का उपयोग नहीं किया जायेगा तो उस बर्ष उसे पर्सी सहित 965 कि० मी० के रास्ते के लिए आने और जाने वालों तरफ की सुविधा पाने के हकदार होंगे।

इसके अतिरिक्त उड़ान यात्रा के अधिकारियों को, जो प्राविहास स्थापना में रिक्षितों को भारते के लिए नियमित उड़ान इयूटी पर तैनात होते हैं, अवकाश लेने पर बर्ष में एक बार बारंट पर 1800 कि०मी० की दूरी को तय करने के लिए रेल द्वारा उपयुक्त ब्लास में मुफ्त यात्रा करने की सुविधा होगी इसमें आने और जाने की यात्रा सम्मिलित होगी।

जो अधिकारी छठी लेकर अपने बर्ष से यात्रा करने के इच्छुक हैं वे कलेज्डर बर्ष में तीन बार पली तथा बच्चों के रेल द्वारा प्रथम श्रेणी के किराये का 60 प्रतिशत भुगतान करके यात्रा करने के हकदार होंगे। इसमें एक बार पूरे परिवार के साथ यात्रा की सुविधा दी जाएगी। परिवार से वर्ती तथा बच्चों के असावा अधिकारी पर पूर्णतया अधिकारी माता-पिता, बहन और भावालिंग भाई शामिल होंगे।

7. पेंशन साथ :

सेवा निवृत्ति के समय ईक (स्थायी)	अर्द्ध सेवा की न्यूनतम अवधि	गिरवृति पेंशन की मानक दर	र० प्रति माह
पाइलट अफसर फ्लाईंग अफसर	20 बर्ष	525 "	"
पाइलट लेफ्टिनेंट	20 बर्ष	750 "	"
स्पेशन लीडर	22 बर्ष	875 "	"
विंग कमांडर (समय वेतनमान)	28 बर्ष	925 "	"
विंग कमांडर सेलेक्ट्व	24 बर्ष	950 "	"
पूप हैट्स	26 बर्ष	1100 "	"
एयर कमोडोर	28 बर्ष	1125 "	"
एयर वाइस मार्शल	30 बर्ष	1275 "	"
एयर मार्शल	30 बर्ष	1375 "	"
एयर चीफ मार्शल	30 बर्ष	1700 "	"

8. सेवा निवृत्ति उपादान

राष्ट्रपति की विविधा पर सेवा निवृत्ति उपादान निम्नलिखित हैः—

- (क) 10 बर्ष की सेवा के लिये र० 12,000/- जिसमें से पिछले ईक के बेद महीने के बेतन घटाकर ।
- (ख) प्रत्येक अतिरिक्त बर्ष के लिए र० 1200/- जिसमें से पिछले ईक के 1/4 महीने का बेतन घटाकर ।

पेंशन या उपादान के अतिरिक्त प्रत्येक 4: महीने की अवधि को अद्युक्त सेवा के लिये कुल परिलिखियों के बीचाई के बराबर मूल्य और सेवा निवृत्ति उपादान देय है जोकि परिलिखियों का 16-1/2 गुण होगा और र० 36,000/- से अधिक होगा।

सेवा में रहते हुए मृत्यु हो जाने पर मृत्यु और सेवा निवृत्ति उपादान रूप से होंगे :

- (क) सेवा के पहले बर्ष यदि मृत्यु हो जाए तो वो महीने का बेतन;
- (ख) यदि एक बर्ष की सेवा के बाद तथा पांच बर्ष की सेवा से पहले यदि मृत्यु हो जाये तो 4: महीने का बेतन; और
- (ग) पांच बर्ष की सेवा के बाद मृत्यु हो जाए तो कग से कग 12 महीने का बेतन ।

बिकलांगता पेंशन और बच्चों और अधिकारी (माता-पिता, यहाँ तथा भाई) को विशेष परिवार पेंशन पुरस्कार भी निश्चित नियमों के अनुसार देय है।

9. अन्य सुविधाएँ :

अधिकारी तथा उनके परिवार निःशुल्क विकिरसा सहायता, रियायती दर पर आवास, सुप्र बीमा योजना प्रूप आवास योजना, परिवार सहायता योजना, कैंटीन सुविधाओं आदि के हकदार हैं।

परिवास्थ-4

भारत सरकार के अधीन पर्वों पर नियुक्त हेतु आवेदन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्मः—

प्रमाणित किया जाता है कि श्री
सुप्र श्री जो गाँव/कस्बा*
..... जिला/मंडल*
.....

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र* के निवासी
..... हैं जाति/जनजाति* के हैं जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के रूप में मान्यता दी गई हैः—

संविधान (अनुसूचित जातियों) आदेश 1950*

संविधान (अनुसूचित जनजातियों) आदेश, 1950*

संविधान (अनुसूचित जातियों) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश 1951*

संविधान (अनुसूचित जनजातियों) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश 1951*

अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों सूचियां (संशोधन)

आदेश 1956 बम्बई पुनर्गठन अधिनियम 1960 पंजाब पुनर्गठन अधिनियम 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तर प्रदीप क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम 1971 और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों, आदेश (संशोधन) अधिनियम 1976 द्वारा यथा संशोधित।

संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जातियों आदेश 1956 ।

संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित जनजातियों आदेश 1959* अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित।

संविधान (वादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश, 1962 ।*

संविधान (वादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जनजातियों आदेश, 1962 ।*

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियों आदेश 1964 ।*

संविधान (अनुसूचित जनजातियों) (उत्तर प्रदेश) आदेश 1967 ।*

संविधान (गोआ दमन और दीव) अनुसूचित जातियां आदेश 1968 ।*

संविधान (गोआ दमन और दीव), अनुसूचित जनजातियों आदेश 1968 ।*

संविधान (नागरलेप्ड) अनुसूचित जनजातियों आदेश 1970 ।*

संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जाति आदेश, 1978 ।*

संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जनजाति आदेश 1978 ।*

2. श्री
 श्री/या उनका परिवार आमतौर से गांव/कस्बा*
 जिला /मण्डल*
 राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र में रहता है।

हस्ताक्षर
 **पदनाम
 (कार्यालय की मुहर के साथ
 राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र)

स्थान
 सारीख

*जो शब्द नामून हों उन्हें कृपया काट दें।

मोटः—वहाँ “आमतौर से रहता है” का अर्थ अहीं होगा जो “रिप्रेजेंटेशन भाफ दि और एक्ट 1950” की धारा 20 में है।

**जाति/जनजाति प्रमाण-पत्र आरी करने के लिए सभी अधिकारी

(i) जिला मजिस्ट्रेट/अधिकारी किस्म के काम के लिए सभी कमिशनर/एडिशनल डिप्टी कमिशनर/डिप्टी कलक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मजिस्ट्रेट/सिरी मजिस्ट्रेट *सब डिप्टीजनल मजिस्ट्रेट/ताल्लुक मजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा अधिकारी कमिशनर।

- * (प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मजिस्ट्रेट से कम ओहदे का नहीं)
- (ii) चीफ प्रेसीडेंसी भाफस्ट्रेट/एडिशनल चीफ प्रेसीडेंसी मजिस्ट्रेट/प्रेसीडेंसी मजिस्ट्रेट।
- (iii) रवेन्यू अफसर जिनका आहवा तहसीलदार से कम न हो।
- (iv) उस इलाके का सभ-डिप्टीजनल अफसर जहाँ उसीवार और या उसका परिवार आमतौर से रहता है हो।
- (v) एडमिनिस्ट्रेटर/एडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेवलपमेंट अफसर (सशद्दीप)।

परिशिष्ट-V

मध्य लोक सेवा आयोग

उम्मीदवारों की सूचनार्थी विवरणिका

(क) वस्तुभूक परीक्षण :

आप जिस परीक्षा में बैठते वाले हैं वह “बस्तुभूक परीक्षण” होगा। इस प्रकार की परीक्षा (परीक्षण) में आपको उत्तर लिखने नहीं होंगे। प्रत्येक प्रश्न (जिसको आगे प्रश्नांश कहा जायेगा) के लिए कई सुझाए गए उत्तर (जिसको आगे प्रश्नुत्तर कहा जाएगा) दिये जाते हैं। उनमें से प्रत्येक प्रश्नांश के लिए आपको एक उत्तर चुन लेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य आपको इस परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिवर्तन न होने के कारण आपको कोई शानिन हो।

(ख) परीक्षण का स्वरूप :

प्रश्न-पत्र परीक्षण ‘पुस्तिका’ के रूप में होंगे। इस पुस्तिका में अम संख्या 1, 2, 3 आदि के अम से प्रश्नांश होंगे। हर प्रश्नांश के मीठे ए, बी, सी, डी, चिह्न के साथ सुझाए गए प्रश्नुत्तर लिखे होंगे। आपका काम एक सही या यदि आपको एक से अधिक प्रश्नुत्तर राहीं लगे तो उनमें से सर्वोत्तम उत्तर का चुनाव करना होगा। (अन्त में दिये गये नमूने के प्रश्नांश देखें)। किसी भी स्थिति में प्रत्येक प्रश्नांश के लिये आपको यही प्रश्नुत्तर का चुनाव करना होगा। यदि आप एक से अधिक चुन लेते हैं तो आपका प्रश्नुत्तर गलत माना जाएगा।

(ग) उत्तर देने की विधि :

परीक्षा भवन में आपको अलग एक उत्तर पत्रक दिया जाएगा। आपको अपने प्रश्नुत्तर इन उत्तर पत्रकों ने लिखने होंगे। परीक्षण पुस्तिका में या उत्तर पत्रकों को छाँड़कर अन्य फ्रीमी कागज पर लिखे गए उत्तर नहीं जांचे जाएंगे।

उत्तर पत्रक (जिसकी एक नमूना प्रति आपको प्रवेश प्रमाण-पत्र के साथ भेजी जाएगी) में प्रश्नांशों की संख्याएँ 1 से 160 तक चार खंडों में ढापी गई हैं। प्रत्येक प्रश्नांश के सामने ए०, बी०, सी०, डी०, चिह्न वाले वृत्ताकार स्थान छपे होते हैं। परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नांश को पढ़ लेने और यह मिर्जय करने के बाद कि फौंट सा प्रश्नुत्तर सही या सर्वोत्तम है आपको उस प्रश्नुत्तर के अधर वाले दृष्टि को पेंसिल से पूरी तरह अथवा बना कर उसे अंकित कर देना है जैसा कि (आपका उत्तर विश्वासने के लिए) आपको विश्वासा गया है। उत्तर पत्रक के वृत्त को काला बनाने के लिए स्थानी का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

- 1 a b c d
 2 a b c d
 3 a b c d
 4 b c d

यह जल्दी ही कि :—

1. प्रश्नांशों के उत्तरों के लिये केवल अच्छी किस्म की ए०, बी०, सी०, डी०, पेंसिल (पैसिल) ही लाएं और उन्हीं का प्रयोग करें।

2. गलत निशान को बदलने के लिये उसे मिटाकर फिर से सही उत्तर पर निशान लगाएं। इसके लिए आप अपने साथ एक रबड़ भी लायें।

3. उत्तर पत्रक का उपयोग करते समय कोई ऐसी असाधारणी नहीं बरतनी चाहिए जिससे वह फट जाए या उसमें भोड़ व सिलबट आदि पड़ जाए या चारब हो जाए।

(घ) कुछ महत्वपूर्ण विविध

1. आपको परीक्षा आरंभ करने के लिए निर्धारित समय से बीस मिनट पहले परीक्षा भवन पर्हूँचना होगा और पहुँचते ही अपना स्थान प्रहृण करना होगा।

2. परीक्षण शुरू होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षण में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

3. परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमति नहीं मिलेगी।

4. परीक्षा समाप्त होने के बाद परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्र निरीक्षक/पर्यवेक्षक को सौंप दें। आपको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है। इस नियम का उल्लंघन करने पर कड़ा दंड दिया जाएगा।

5. आपको उत्तर पत्रक पर कुछ विवरण परीक्षा भवन में भरना होगा आपको कुछ विवरण उत्तर-पत्रक पर कूटबद्ध भी करना होगा। इसके बारे में आपके पास अनुदेश प्रवेश प्रमाण पत्र के साथ में जायेंगे।

6. परीक्षण-पुस्तिका में दिए सभी अनुदेश आपको साबधानी से पढ़ने हैं। इन अनुदेशों का साबधानी से पालन न करने से आपके नंबर कम हो सकते हैं। अब उत्तर पत्रक पर कोई प्रबिल्ड संविष्ट है तो उस प्रश्नांश के प्रश्नुत्तर के लिए आपको कोई नम्बर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक के अनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके फ्रीमी भाग की आरंभ पर समाप्त करने को कहे तो उसके अनुदेशों का तत्काल पालन करें।

7. आप अपना प्रवेश प्रमाण-पत्र साथ लाएं आपको अपने साथ एक ए०, बी०, सी०, डी०, पेंसिल, एक रबड़, एक पेंसिल शायंनर और नीली या काली स्थानी चिह्न के कलम भी लानी होगी। आपको सलाह दी जाती है कि आप अपने साथ एक-एक किलो बोर्ड या हाई बोर्ड भी लाएं जिस पर कुछ लिखा न हो। आपको परीक्षा भवन में कोई खाली कागज या कागज का टुकड़ा या पैमाना या आरेख उपकरण नहीं लाने हैं क्योंकि उनकी जारूरत नहीं होगी। पैमाने पर कच्चे काम के लिए आपको अलग कागज दिया जाएगा। आप कच्चा काम मार्ग बनाने के पहले उस पर परीक्षा का नाम अपना रोल नम्बर और परीक्षण की सारी खबर लिखें और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे अपने उत्तर पत्रक के साथ पर्यवेक्षक को आपरा कर दें।

८. विशेष अनुदेश

परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जाने के बाद निरीक्षक आपको उत्तर-पत्रक देंगे। उत्तर पत्रक पर अपेक्षित मूल्यना भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको परीक्षण पुस्तिका देंगे। परीक्षण पुस्तिका मिलने पर आप यह अन्यथा देख लें कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखी हुई है अन्यथा, उसे देखना चाहा जाए। आपको परीक्षण पुस्तिका तब तक छोलने की अनुमति नहीं है जब तक पर्यवेक्षक ऐसा करने के लिये न कहें।

(च) कुछ उपयोगी सुझाव

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य आपको गति की अपेक्षा गुदाता को जांचना है, किंतु भी यह जल्दी ही कि आप अपने समय का यथासंभव उत्तराल से उपयोग करें। संतुलन के साथ आप जितनी जल्दी काम कर सकते हैं, फिर पर आपर-बाही न हो। आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पाए हों तो जिता न करें आपको जो प्रश्न अत्यन्त कठिन मालूम पड़े उन पर समय अर्प्यन न करें। दूसरे प्रश्नों की ओर बढ़ें और उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करें।

सभी प्रश्नों के अंक समान होंगे। उन सभी के उत्तर दें। आपके द्वारा अकिञ्चित सही प्रत्युत्तरों की संख्या के आधार पर ही आपको अंक दिये जायेंगे। गलत उत्तरों के लिये अंक नहीं काटे जायेंगे।

(छ) परीक्षण का समापन :

जैसे ही पर्यवेक्षक आपको लिखाई बंद करने को कहें, आप लिखाना बंद कर दें। आप अपने स्थान पर तब तक बैठे रहें जब तक निरीक्षक आपके पास आकर आपसे सभी आवश्यक वस्तुएँ ले जाएं और आपको हाल छोड़ने की अनुमति दें। आपको परीक्षण-पुस्तिका और उत्तर पत्रक तथा कठिन कार्य का कागज परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है।

नमूने के प्रश्नांश (प्रश्न)

(नोट—*सही/सर्वोत्तम उत्तर-विकल्प को निर्दिष्ट करता है)

1. सामान्य अध्ययन

बहुत ऊँचाई पर पर्यावारोहियों के नाक तथा कान से निम्नलिखित में से किस कारण से रक्त झाप छोता है?

- (a) रक्त का दाढ़ वायुमण्डल के दाढ़ से कम होता है।
- *(b) रक्त का दाढ़ वायुमण्डल के दाढ़ से अधिक होता है।
- (c) रक्त घाहिकाओं की अद्यस्ती तथा बाहरी शिराओं पर दाढ़ समान होता है।
- (d) रक्त का दाढ़ वायुमण्डल के दाढ़ के अनुरूप घटता रहता है।

2. (कृषि)

बरहर में फूलों का छाना निम्नलिखित में से किस एक उपाय से कम किया जा सकता है?

- *(a) धूति नियंत्रक द्वारा छिड़काव
- (b) वृन्दूर पौधे लगाना
- (c) सभी छान में पौधे लगाना
- (d) धौड़-धौड़े फासले पर पौधे लगाना

3. (रसायन विज्ञान)

$H_3 VO_4$ का एनड्राइड निम्नलिखित में से क्या होता है?

- (a) VO_3
- (b) VO_4
- (c) V_2O_3
- *(d) V_2O_5

4. (अर्थशास्त्र)

अम का एकाधिकारी शोषण निम्नलिखित में से किस स्थिति में होता है?

- *(a) सीमांत राजस्व उत्पाद से मजदूरी कम हो।
- (b) मजदूरी तथा सीमांत राजस्व उत्पाद व दोनों बराबर हों।
- (c) मजदूरी सीमांत राजस्व उत्पाद से अधिक हो।
- (d) मजदूरी सीमांत राजस्व उत्पाद के बराबर हो।

5. (बैचूत हेजीनियरी)

एक समाप्त रेखा को अपेक्षित पराबैचूतक 9 के पैराबैचूत के से सम्पूर्ण किया गया है। यदि C मुक्त अत्तराल में संचरण बेग दर्शाता है तो लाइन में संचरण का बेग क्या होगा?

- (a) 3C
- (b) C
- *(c) C/3
- (d) C/9

6. (भूविज्ञान)

बेसलैट में प्लेजिओक्लेस क्या होता है?

- (a) आलिगोक्लेज
- *(b) लैटेडोराइट
- (c) एल्वाइट
- (d) एनाराइट

7. (गणित)

मूल बिन्दु से गुजरने वाला और $\frac{dy}{dx^2} = \frac{dy}{dx} = 0$ समीकरण

को संगत रखने वाला बक-परिवार निम्नलिखित में से किससे निर्दिष्ट है।

- (a) $y = ax + b$
- (b) $y = ax$
- (c) $y = ae^x + be^{-x}$
- *(d) $y = ae^x - a$

8. (भौतिकी)

एक आर्क्य ऊँचाई 400° K और 300° K तापन्य के मध्य कार्य करता है। इसकी कामता निम्नलिखित में से क्या होगी?

- (a) 3/4
- *(b) (4-3)/4
- (c) 4/(3+4)
- (d) 3/(3+4)

9. (साइंस)

यदि द्विपद विचार का माध्यम 5 है तो इसका प्रसरण निम्नलिखित में से क्या होगा?

- (a) 4^2
- *(b) 3
- (c) ∞
- (d) —5

10. (भूगोल)

इमार के विशिष्टी भाग की अत्याधिक समृद्धि का कारण निम्नलिखित में से क्या है?

- (a) यहाँ पर खनिज सामग्री का विपुल भण्डार है।
- *(b) इमार की अधिकांश नदियों का डेलाई भाग है।
- (c) यहाँ ऐलैट बन संपदा है।
- (d) देश के अधिकांश तेल खेत इसी भाग में हैं।

11. भारतीय इतिहास

ब्राह्मणवाद के संबंध में निम्नलिखित में से क्या सत्य नहीं है।

- (a) बौद्ध धर्म के उत्कर्ष काल में भी ब्राह्मणवाद अनुयायियों की संख्या बहुत थी।
- (b) ब्राह्मणवाद बहुत अधिक कर्मकाड़ और आडंबर से पूर्ण धर्म था।
- *(c) ब्राह्मणवाद के अध्युपर्य के साथ, बलि सम्बन्धी यज्ञ कर्म का महत्व कम हो गया।
- (d) वर्गित के जीवन-विवाह की विभिन्न विधाओं को प्रकट करने के स्कौर मिश्चारित हैं।

12. (धर्मोन)

निम्नलिखित में से निरीक्षकरबादी वर्णन समूह कौन-सा है ?

- (a) बौद्ध, न्याय, चार्चाफ़, मीमांसा
- (b) न्याय, धैशेविक, जैन और बौद्ध, चार्चाफ़
- (c) अद्वैत, वैदान, सांख्य, चार्चाफ़ योग
- *(d) बौद्ध, सांख्य, मीमांसा, चार्चाफ़

13. (राजनीति विज्ञान)

'वित्तगत प्रतिनिधित्व' का अर्थ निम्नलिखित में से क्या है ?

- *(a) व्यवसाय के आधार पर विधानसंघर में प्रतिनिधियों का निर्वाचन।
- (b) किसी समूह या किसी व्यावसायिक समुदाय के पक्ष का समर्थन।
- (c) किसी शोजगार संबंधी संगठन में प्रतिनिधियों का चुनाव।
- (d) श्रमिक संघों द्वारा अप्रत्यक्ष प्रतिनिधित्व।

14. (मनोविज्ञान)

लक्ष्य की प्राप्ति निम्नलिखित में से किस को निर्देशित करती है ?

- (a) लक्ष्य संबंधी धावस्थकता में वृद्धि
- *(b) भावात्मक अवस्था में वृद्धि
- (c) व्यावहारिक अधिगम
- (d) पक्षपात्र पूर्ण अधिगम

15. (सामाजिकान्वय)

भारत में पंचायती राज संस्थाओं की गिम्न में से कौन-सी है ?

- *(a) ग्राम सरकार में भूमिकाओं तथा कमज़ोर वर्गों की शोषणात्मक प्रतिवित्व प्राप्त हुआ है।
- (b) छुआछूत कम हुई है।
- (c) बंदिल वर्गों के लोगों को सुखामित्र का साम्राज्य मिला है।
- (d) जन साक्षात्कार में गिराव का प्रसार हुआ है।

टिप्पणी:— उम्मीदवारों को यह घ्यान रखना चाहिए कि उपर्युक्त नमूने के प्रश्ननांश (प्रश्न) के बल उदाहरण के लिए दिए गए हैं और यह जल्दी नहीं है कि ये हस परीक्षा की पाठ्यनर्या के अनुसार हों।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 18th September 1982

No. A. 32014/3/80-Admn. II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints the following officers to officiate as Superintendent (DP) in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-F.B-35-880-40-1000-EB-40-1200 on an ad-hoc basis for the period indicated against each or until further orders, whichever is earlier:—

1. Shri M. M. Sharma	1-9-1982 to 30-11-1982
2. Shri Jagdish Lal	Do.
3. Smt. D. J. Lalwani	Do.
4. Smt. Raj Sethi	Do.
5. Miss Sudarshan Handa	Do.
6. Shri R. R. Bhardwaj	Do.
7. Shri O. P. Sud	Do.
8. Shri J. J. Chakravarty	14-9-1982 to 30-11-1982
9. Smt. S. Sardana	Do.

The above mentioned persons should note that their ad-hoc appointment to the post of Supdt. (DP) will not automatically entitle them to regular absorption or for seniority in the grade.

KULDEEP KUMAR
Section Officer
for Secy.

New Delhi-11, the 2nd September 1982

No. A-32014/3/79-Admn.I.—The President is pleased to appoint the following permanent Senior Personal Assistants (Grade B of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission to officiate as Private Secretary (Grade A of CSSS) in the same cadre on a purely provisional, temporary and ad-hoc basis for the period shown against their names or until further orders, whichever is earlier.

Sl. No., Name & Period

1. Shri Joginder Singh, 13th Aug 1982 to 12th Nov 1982.
2. Shri R. L. Thakur, 31st July 1982 to 30th Oct 1982.

Y. R. GANDHI
Under Secy. (Admn.)
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION
(DEPARTMENT OF PERSONNEL)

New Delhi, the 29th September 1982

No. A-19021/9.82-Ad.V.—SHRI KONCHIAK CHOSPAIL AN OFFICER OF THE JAMMU AND KASHMIR STATE POLICE ON DEPUTATION TO THE CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION, SPECIAL POLICE ESTABLISHMENT AS SUPERINTENDENT OF POLICE EXPIRED ON 13TH SEPTEMBER, 1982.

No. A-22013/6/82-AD.V.—The Director/CBI and Inspector General of Police, Special Police Establishment is pleased to appoint Shri S Ramamoorthy, Crime Assistant as Office Superintendent on ad-hoc basis in Zone-III of CBI : Head Office from 14-9-1982 to 13-3-1983 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

R. S. NAGPAL
Administrative Officer (E)
Central Bureau of Investigation.

DIRECTORATE GENERAL, CRPF FORCE

New Delhi, the 27th September 1982

No. F.2/17/82-Estt.—The President is pleased to appoint on promotion Dr. Krishna Kishore Saini, Senior Medical Officer, to the grade of Chief Medical Officer (Commandant) in the CRPF in an officiating capacity with effect from 4th September 1982 (FN) until further orders.

The 30th September 1982

No. O-II-1769/82-Estt.—The President is pleased to appoint on deputation Shri A. K. Samanta, an IPS officer of West Bengal Cadre as Deputy Inspector General of Police in the C.R.P.F.

Shri Samanta took over charge of the post of Deputy Inspector General of Police, CRPF, Calcutta on the forenoon of the 15th September 1982.

A. K. SURI
Assistant Director (Estt.).

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi-110002, the 30th September 1982

No. CA. I/46-82.—Additional Deputy Comptroller and Auditor General (Commercial) has been pleased to promote the following Section Officers (Commercial) and appoint them to officiate as Audit Officers (Commercial) and post them as such in the offices noted against each name in column 4 below with effect from the dates mentioned in column 5 below until further orders:—

Sl. No.	Name of A.Os (C)	Office where working before promotion	Office where posted on promotion	Date of promotion as Aud Officers (C)
1.	S/Shri G. Krishna Murthy	Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit, Hyderabad.	Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit, Hyderabad.	11-6-1982
2.	K. Chellaiah	Accountant General-II, Andhra Pradesh, Hyderabad.	Accountant General-II, Andhra Pradesh, Hyderabad.	11-6-1982
3.	R. Gopalakrishnan	Accountant General, Gujarat, Ahmedabad.	Accountant General, Gujarat, Ahmedabad.	10-6-1982
4.	S. S. Ramachandra Rao	Accountant General-II, Andhra Pradesh, Hyderabad.	Accountant General-II, Andhra Pradesh, Hyderabad.	17-6-1982
5.	Subimal Ghoshal	Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit, Calcutta.	Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit, Calcutta.	22-6-1982
6.	C. M. Malmule	Director of Audit (S & CD), Bombay.	Director of Audit (S & CD), Bombay.	11-6-1982

M. A. SOMESWARA RAO
Joint Director (Commerce)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT,
CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 5th October 1982

No. Admn. I/O. O. No. 311.—(A) In partial modification of this office orders No. Admn. I.O. O. No. 120 dt. 10-6-82, No. Admn. I/O. O. No. 220 dt. 5-8-82 and No. Admn. I/O. O. No. 268 dt. 7-9-82, the Director of Audit, Central Revenues, has antedated the dates of confirmation of the under mentioned Audit officers as per details given hereunder:—

Sl. No.	Name	Existing date of confirmation	Revised date of confirmation
S/Shri			
1.	S. R. Ghosh Dastidar	1-6-82	1-4-82
2.	K. B. Mathur	1-6-82	1-4-82
3.	C. S. Mangla	1-8-82	1-4-82
4.	R. C. Goyal	1-9-82	1-4-82

(B) The Director of Audit, hereby, further appoints substantively, the undermentioned officiating Audit Officers of this office, against permanent posts of Audit Officers in the time scale of Rs. 840—1200 from the dates shown against each of them:—

Sl. No.	Name	Date of confirmation
S/Shri		
1.	Raghunath Prasad Gupta	1-4-82
2.	Rishi Deva	1-4-82
3.	Nand Kishore	1-4-82
4.	P. L. Vohra	1-4-82
5.	V. D. Kapoor	1-4-82
6.	J. B. Datta	1-4-82
7.	Bhangwati Charan Dass	1-4-82
8.	Harish Chander-II	1-4-82
9.	Hans Raj Singh	1-4-82
10.	Krishan Narain	1-6-82
11.	Ram Lal	1-6-82
12.	Rajinder Prakash	1-8-82
13.	Ram Babu Goel	1-9-82
14.	T. C. Sharma	1-10-82
15.	B. S. Garg	1-10-82

A. S. MOHINDRA
Joint Director of Audit (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I,
BIHAR

Ranchi, the 22nd September 1982

No. Admn.II-Promo/628.—The Accountant General-I, Bihar, Ranchi has been pleased to promote Shri Debendra Nath Biswas, a substantive Section Officer of this office to officiate until further orders as an Accounts Officer with effect from 31st July 1982 (F.N.).

R. BASHYAM
Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I
RAJASTHAN

Jaipur, the 4th October 1982

No. Admn.II/Gazette Notn 1531.—The Accountant General-I, Rajasthan is pleased to promote the following Section Officers of this office and appoint them as Officiating 25—296GI/82

Accounts Officers with effect from the date noted against each until further orders:—

S/Shri

1. Nawal Kishore Mathur, S.G. Section Officer (Pro-forma promotion)—16th April 1982 (FN).
2. Jai Kishore Kusum, S.O.—31st August 1982 (FN).

M. S. SHEKHAWAT
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110066, the 24th September 1982

No. AN/I/1172/1/Vol-I.—The President is pleased to appoint the undermentioned officers of the Indian Defence Accounts Service to officiate in Level-II of the Senior Administrative Grade (Scale Rs. 2250—125/2—2500) of that Service, with effect from the dates shown against their names, until further orders:—

Sl. No. Name & Date from which appointed

S/Shri

1. B. N. Rallan—11th December 1979
2. R. N. Tyagi—12th November 1979
3. K. P. Rao—3rd December 1979
4. R. Krishnamurthi—12th October 1981
5. K. Sampath Kumar—15th October 1981
6. R. K. Mathur—12th October 1981
7. K. Sundararajan—28th February 1982
8. Sanjib Mukherji—29th April 1982
9. M. K. Ganesan—20th July 1982
10. Prem Kumar Sabbilok—15th February 1982

2. The appointments of the abovementioned officers on ad-hoc basis to Level-II of the Senior Administrative Grade of the Indian Defence Accounts Service, notified in this Department's notifications mentioned below stand regularised with effect from the dates shown in para 1 above.

- (i) No. 184342/AN-I(Level-II)/78 dated 18-1-1980
- (ii) No. AN/I/1172/1/Vol. I (PC) dated 30-12-1981
- (iii) No. AN/I/1172/1/Vol-I (PC-II) dated 19-2-1982
- (iv) No. AN/I/1172/1/Vol-I (PC-II) dated 17-5-1982
- (v) No. AN/I/1172/1/I(PC) dated 25-8-1982
- (vi) No. AN/I/1172/1/I(PC-II) dated 1-9-1982

The 24th September 1982

No. AN/I/1172/1/Vol-I.—The President is pleased to appoint the undermentioned officers of the Indian Defence Accounts Service to officiate in Level-II of the Senior Administrative Grade (Scale Rs. 2250—125/2—2500) of that Service, with effect from the date shown against each, under the "Next Below Rule", until further orders:—

Sl. No., Name & Date from which appointed

S/Shri

1. B. K. Banerjee—20th March 1978.
2. C. V. Nagendra—7th July 1978 (AN).

The promotion of the abovementioned officers to Level-II of the Senior Administrative Grade of the Indian Defence Accounts, on an ad-hoc basis, vide this Department's notification No. AN/I/1172/1/I dated 31st October 1981, and No. AN/I/1172/1/Vol. I (PC) dated 30th December 1981, is hereby cancelled.

No. AN/I/1172/Vol.-I.—The President is pleased to appoint the undermentioned officers of the Indian Defence Accounts Service (who are on deputation) to officiate in Level-II of the Senior Administrative Grade (Scale Rs. 2250-125/2-2500) of that Service, with effect from the

date shown against their names until further order under
"Next Below Rule".

Sl No	Name	Date from which appointed
S/Shri		
1	V S. Jafa	15-10-81
2	B Swaminathan	12-10-81
3	R Kalayanasundaram	28-2-82
4	B V Adavi	15-2-82
5	B G Joshi	20-7-82

2 The appointments of the abovementioned officers on *ad hoc* basis to Level-II of the Senior Administrative Grade of the Indian Defence Accounts Service under the "Next Below Rule", notified in this Department's notifications mentioned below stand regularised with effect from the dates shown in para 1 above.

- (1) No AN/I/1172/1/I (P C-II) dt 19-2-82
- (2) No AN/I/1172/1/I (P C-II) dt 16-7-82
- (3) No AN/I/1172/1/I (P C-II) dt 1-9-82
- (4) No AN/I/1172/1/I (P C-II) dt 1-9-82

No AN/I/1172/1/Vol-I—In cancellation of this Department's notification No 86016(16)/78 AN I dated 20th July 1979 notifying the ad-hoc appointment of Shri S Mallick an officer of the Indian Defence Accounts Service to Level II of the Senior Administrative Grade (Scale Rs 2250—125/2—2500) of that Service, the President is pleased to appoint Shri S Mallick to officiate in the same grade with effect from 15th September 1978 under the "Next Below Rule" until further orders.

No AN/I/1172/1/Vol-I—The President is pleased to appoint Shri S S Shukla, an officer of the Indian Defence Accounts Service, to Level-II of the Senior Administrative Grade (Scale Rs. 2250-125/2—2500) of that Service on a *notional basis* with effect from 20th March 1978 until further orders.

No AN/I/1172/1/Vol-I—In modification of this Department's notification No 86016(15)/77/AN-II dated 24th July 1978 notifying the officiating appointment of Shri H S Mehta an officer of the Indian Defence Accounts Service to Level II of the Senior Administrative Grade (Scale Rs 2250 125/2—2500) of that Service the President is pleased to appoint Shri H S Mehta to officiate in the same grade with effect from 12th November 1979 until further orders.

The President is also pleased to treat the period of officiating appointment of Shri H S Mehta to Level II of the Senior Administrative Grade of the Indian Defence Accounts Service from 26th June 1978 to 11th November 1979, as appointment on *ad hoc* basis.

The 29th September 1982

No AN/I/1419/4/VOL-I—Shri V P Jain, has been confirmed in the Junior Time Scale of Group 'A' of the Indian Defence Accounts Service with effect from 29th May 1982.

R K. MATHUR
Addl Controller General of Defence Accounts (AN)

Forcom Staff Assistant) retired from service w.e.f. 31st August 1982 (AN)

V K MEHTA
Director/Estt

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(Admn Section A 6)

New Delhi, the 18th September 1982

No A 17011/68/74 A6—The President is pleased to appoint Shri Anil Gupta Assistant Director of Inspection (Engineering) (Grade III of Indian Inspection Service, Group 'A' Engineering Branch) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi to officiate as Deputy Director of Inspection (Engg) (Grade II of Indian Inspection Service, Group 'A' Engineering Branch) on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 10th September 1982 vice Shri D B Jain DDI (Engg) at Headquarters on training in London upto 26th November 1982 in the same Directorate General at New Delhi and until further orders.

2 The *ad hoc* appointment of Shri Anil Gupta will not bestow on him any right or claim for regular appointment and *ad hoc* service rendered would not count for the purpose of seniority in that grade and for eligibility for promotion and confirmation.

N M PERUMAL
Deputy Director (Administration)

(Administration Section A-1)

New Delhi the 4th October 1982

No A 1/1(1196)—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints the following officers to officiate on purely local *ad hoc* basis as Assistant Director (Grade II) in Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi, with effect from 6th September 1982 (FN) in short term vacancies.

No Name & Designation

- 1 Shri H G Balchandani, JFO
- 2 Shri G S Sharma, JFO
- 3 Shri Rajinder Prasad, JFO

2 The *ad hoc* appointment of the above officers as Assistant Director (Gd II) will not bestow on them any claim for regular appointment and that *ad hoc* service rendered would not count for the purpose of seniority in that grade and for eligibility for promotion and confirmation.

S L KAPOOR
Deputy Director (Administration)

MINISTRY OF DEFENCE

DGOF HQRS CIVIL SERVICE

ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 30th September 1982

No 44/G/82—On attaining the age of superannuation Shri B K Bhattacharjee Assistant Director (Subst & Perm)

DIRECTORATE GENERAL ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 29th September 1982

No 7(175)/58 SI—Smt B Venkataraman, Programme Executive All India Radio Madras retired voluntarily from Government service with effect from the afternoon of 31st August, 1982

The 9th September, 1982

No. 3/6/81-SIII (Pt. III):—Consequent upon their promotion, the under mentioned Sr. Engineering Assistants have assumed charge of the posts of Assistant Engineer at different offices of AIR/Doordarshan in a temporary capacity from the dates mentioned against each:—

S. No.	Name	Station where posted	Date of joining
1.	Shri H. P. Mathur	CE (NZ)	23-8-82 (FN)
2.	Shri S. M. Mukherjee	CE (NZ)	1-9-82 (FN)
3.	Shri Sant Parkash	Do.	6-9-82 (FN)
4.	Shri V. Krishnan	Do.	28-8-82 (FN)
5.	Shri Mohan Lal	Do.	31-8-82 (FN)
6.	Shri N. K. Bhatnagar	Do.	2-9-82 (FN)
7.	Shri M. S. Rao	Do.	26-8-82 (FN)
8.	Shri D. C. Saha	AJR, Calcutta	20-9-82 (FN)
9.	Shri H. M. Chawla	Central Store	30-8-82 (FN)
10.	Shri Om Parkash	HPT, Khampur	24-8-82 (FN)
11.	Shri A. N. Choudhary	UDK, Mandi House	23-8-82 (FN)
12.	Shri G. P. Saxena	DDK, New Delhi	21-8-82 (FN)
13.	Shri S. Ramalinga Iyer	AIR, Madras	25-8-82 (FN)
14.	Shri P. Rajan	DDK, Madras	27-8-82 (FN)
15.	Shri D. K. Sarkar	AIR, Calcutta	26-8-82 (FN)
16.	Shri R. K. Karmarkar	AIR, Calcutta	27-8-82 (FN)
17.	Shri V. Chandrasekharan	AIR, Ahmedabad	31-8-82 (FN)
18.	Shri G. Prabhakaran Nair	DDK, Cuttack	23-8-82 (FN)
19.	Shri P. R. K. Reddy	UDK, Hyderabad	23-8-82 (FN)
20.	Shri T. S. Tukaram	AIR, Gauhati	28-8-82 (FN)
21.	Shri S. Srinivasan	UDK, Hyderabad	26-8-82 (FN)
22.	Shri G. Gopala Rao	DDK, Raipur	31-8-82 (FN)
23.	Smt. Raja Lakshmi	AIR, Calcutta	2-9-82 (FN)
24.	Shri J. P. Agarwal	P & D Unit	23-8-82 (FN)
25.	Shri Samanjit Singh	DDK, Srinagar	27-8-82 (FN)
26.	Shri Udhani Singh	DDK, Srinagar	27-8-82 (FN)
27.	Shri K. V. Sarma	AIR, Bombay	30-8-82 (FN)
28.	Shri A. K. Ghosh	AIR, Ambikapur	27-8-82 (FN)
29.	Shri R. K. P. Sinha	AIR, Darbhanga	31-8-82 (FN)
30.	Shri N. Sasidharan	CE (SZ)	8-9-82 (FN)
31.	Shri R. P. Munjal	DDK, Jalandhar	6-9-82 (AN)
32.	Shri Gurumohar Verma	DDK, New Delhi	31-8-82 (FN)
33.	Shri P. L. Gupta	DDK, New Delhi	31-8-82 (FN)
34.	Shri G. Srinivasan	CE (SZ)	13-9-82 (FN)
35.	Shri D. F. Theodore	CE (SZ)	10-9-82 (AN)
36.	Shri D. L. Dhawan	Research Deptt.	25-8-82 (FN)
37.	Shri G. P. Bagwari	DDK, Lucknow	28-8-82 (FN)
38.	Shri H. K. Mishra	DDK, Lucknow	28-8-82 (FN)
39.	Shri P. S. Bassi	BH, New Delhi	23-8-82 (FN)
40.	Shri Bhagat Singh	BH, New Delhi	23-8-82 (FN)
41.	Shri K. R. Ramalingam	AIR, Bombay	17-9-82 (FN)
42.	Shri Y. M. Sehgal	HPT, Khampur	31-8-82 (FN)
43.	Shri Darshan Singh	DDK, Jullundur	10-9-82 (FN)
44.	Shri H. B. Mukherjee	DDK, New Delhi	11-9-82 (FN)

C. L. BHASIN
Deputy Director of Administration
for Director General

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 29th September 1982

No. 29/5/81-SU.—Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri K. Gunashekhar AIR, to officiate as Farm Radio Officer at All India Radio, Dharwad with effect from 12th May 1982 (FN).

No. 4/6/82-SII.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri K. K. Singh, Senior Translator, Directorate of Education, Air Headquarters as Hindi Officer on deputation in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on *ad hoc* basis

with effect from 17th September 1982 (FN) in the Office of Station Director, Radio Kashmir, Srinagar.

S. V. SESHA DRI
Deputy Director Administration
for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 23rd September 1982

No. A-12025/6/81-NICD/Admin.I.—The President is pleased to appoint Dr. K. N. Tandou to the post of Veterinary

Officer in the National Institute of Communicable Diseases, Delhi in a temporary capacity with effect from 24th May, 1982 (Forenoon) and until further orders.

T. C. JAIN
Deputy Director Administration (O&M)

New Delhi, the 25th September 1982

No. A-12026/7/82-D.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Desai, Drugs Inspector, Central Drugs Standard Control Organization, West Zone, Bombay, to the post of Assistant Drugs Controller (India) Bombay on an *ad hoc* basis with effect from the 8th September, 1982 (F.N.) until further orders.

SHIV DAYAL
Deputy Director Administration (Stores)

New Delhi, the 30th September 1982

No. A-19018/1/82-CGHS-I.—Consequent upon her transfer from Central Govt. Health Scheme, Delhi to Central Govt. Health Scheme, Pune Dr. (Mrs.) Indu Arya, relinquished charge of the post of Homoeopathic Physician under Central Govt. Health Scheme, Delhi with effect from the afternoon of 1st September 1982 and assumed charge of the post of Homoeopathic Physician under Central Govt. Health Scheme, Pune with effect from the forenoon of 13th September 1982.

T. S. RAO
Deputy Director Admin. (CGHS-I)

LOGGING TRAINING CENTRES PROJECT

Dehra Dun, the 29th September 1982

No. 6-237/82-LTCP.—Shri V. S. Bagdwal, Research Asstt. Grade I of F.R.I. & Colleges, Dehra Dun, is appointed as Logging Instructor in Logging Training Centres Project, Dehra Dun (U.P.) in a temporary capacity with effect from the 1st September, 1982 (F.N.) until further orders.

K. C. THAPLIYAL
Chief Executive Officer

MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 12th September 1982

No. A-1923/10/81-A-III.—The ad hoc appointment of Shri E. S. Paulose to the post of Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Faridabad has been extended for a further period of 3 months upto 26th December 1982 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

No. A-19023/3/82-A-III.—The ad hoc appointment of Shri N. Gamarudheen to the post of Marketing Officer (Group I) in the Directorate at Bangalore has been extended for a further period of 3 months upto 29th December 1982 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

G. S. SHUKLA
Agricultural Marketing Adviser
to the Government of India

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 30th September 1982

No. 05012/R1/OP/4177.—Chief Executive, Heavy Water Projects, appoints Shri Kochuthundiyil Thomas Thomas, a permanent Selection Grade Clerk in Heavy Water Projects (Central Office) to officiate as Assistant Personnel Officer, in the same office in a temporary capacity, on *ad hoc* basis, from August 2, 1982 (F.N.) to September 4, 1982 (AN) vice

Smt. K. P. Kallyanikutty, Assistant Personnel Officer, appointed to officiate as Administrative Officer-III.

R. C. KOTIANKAR
Administrative Officer

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT

CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 30th September 1982

No. 17/82.—Shri M. Govindan Kutty Nair, lately posted as Superintendent Group 'B' in the Madurai Collectorate assumed charge of the post of Inspecting Officer Group 'B' in the South Regional Unit of the Directorate of Inspection & Audit, Customs and Central Excise Madras w.e.f. 31st September 1982 (forenoon), vide Directorate order C. No. 1045/10/82 dated 27th July 1982.

S. B. SARKAR
Director of Inspection

MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT

DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-400 038, the 18th September 1982

No. 2-SH(3)/81.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Subimal Chakraborty as Engineer & Ship Surveyor in the Mercantile Marine Department, Calcutta in a temporary capacity with effect from the 2nd February 1982 (F.N.) until further orders.

S. K. MATHUR
Deputy Director General of Shipping

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS

(CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT)

New Delhi, the 15th September 1982

No. 33/2/80-ECIX.—The Director General of Works is pleased to appoint the following nominees of the U.P.S.C. against the temporary posts of Assistant Architect (G.C.S. Group 'B') in the Central Public Works Department on a pay of Rs. 650/1 P.M. in the scale of Rs. 650—30—740—55—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 (plus usual allowances) with effect from the dates shown against each on the usual terms and conditions.

1. Shri Sanjib Sen Gupta—19th July 1982
2. Shri Tarlok Singh Rehs—7th June 1982
3. Shri Jawahar Lal Bose—1st July 1982

2. The pay of the above officer will be fixed according to the rules.

3. They are placed on probation for a period of two years with effect from the dates of their appointment.

Mrs. NEENA GARG
Dy. Director of Administration

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY

AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Association of Plastic Manufacturers*

New Delhi, the 27th August 1982

No. 6518/16843.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration three months from the date hereof the name of the Association of Plastic Manufacturers, unless cause is

shown to the contrary, will be struck off the Register and the company will be dissolved.

G. B. SAXENA
Asstt. Registrar of Companies
Delhi & Haryana

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Jyotsana Vasant Steels Private Limited, Gwalior*

Gwalior, the 29th September 1982

No. 1239/CP/2250.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of M/s. Jyotsana Vasant Steels Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck-off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s Bhopal Printers and Publishers Private Limited
Bhopal (M.P.)*

Gwalior, the 29th September 1982

No. 964/C.P./2253.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of M/s. Bhopal Printers and Publishers Pvt. Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck-off the Register and the said company will be dissolved.

S. K. SAXENA
Registrar of Companies
Madhya Pradesh Gwalior

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE, BIHAR
 BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001
 Patna-800 001, the 16th September 1982

Ref. No. III-583/Acq/82-83.—Whereas, I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- as mentioned in Deed.

situated at Krishna Prakash Road, Purani Godown, Distt. Gaya.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gaya on 25-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Satya Bhama Devi,
 W/o. Sri Radha Raman Das,
 At. Sitalpur, P.S. Dighaura, Distt. Chapra,
 At present residing at Jhing Nagar, P.S.
 Biharsharif, Distt. Nalanda.

(Transferer)

(1) (a) Smt. Lalti Devi,
 W/o. Sri Kedar Pd. Agarwal,
 (b) Sri Vijay Kumar,
 S/o. Sri Kedar Pd. Agarwal,
 (c) Uma Shankar Pd.
 S/o. Sri Kedar Pd. Agarwal,
 All R/o K. P. Road, Distt. Gaya.

(Transferee)

(3) (a) Laxmi Saw (Tenant),
 (b) Ram Chandra Saw (Tenant),
 (c) Transferees all of K. P. Road, Gaya.
 (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 1380 sq. ft. with double storeyed building situated at K. P. Road, Gaya and more fully described in Deed No. 1417; dtd. 25-1-82 registered with D.S.R., Gaya.

P. K. DUBEY
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 16-9-1982
 Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, BIHAR
BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 16th September 1982

Ref. No. JII-582/Acq/82-83—Whereas, I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Khata No. 46, Plot No. 70, P. S. No. 7, Touzi No. 2495; Ward No. 5; situated at Mouza : Alamgirpur, Swarajpuri Road, P. S. Civil Lines, Distt. Gaya (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gaya on 18-1-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Sukdeo Mahto S/o Late Nanu Mahto & Shri Krishnadeo Mahto,
S/o Shri Sukdeo Mahto,
R/o. Dighi Tola, P. S. Civil Lines,
Distt. Gaya.

(Transferer)

(2) M/s. K. L. Gupta & Co. (Registered Firm),
Mohalla—Swarajpuri Road, P. S. Civil Lines,
Distt. Gaya.

Through its partners—

(1) Sri Arjun Prasad,
(2) Sri Kishorelal Gupta,
(3) Sri Balkrishna Gupta,
all of Swarajpuri Road, P. S. Civil Lines,
Distt. Gaya.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land duly bounded by brick with cement measuring 139' 70 Sq. ft situated as Mohalla Alamgirpur, Swarajpuri Road, P. S. Civil Lines, Distt. Gaya and more fully described in deed No. 970; dt'd. 18-1-82 registered with D.S.R., Gaya.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-9-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR
BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 16th September 1982

Ref. No. III-581/Acq/82-83.—Whereas, I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Touzi No. 227/15354; Khata No. 507, S.P. No. 54, Part of H. No. 116/108/117A, Ward No. 34, Circle No. 249; situated at Boring Canal Road, P.S. Srikishnapuri, Distt. Patna.

(and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patna on 7-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Vikas Jain,
S/o. Sri K. N. Jain,
R/o. Bank Road, Near Gandhi Maidan,
Distt. Patna.

(Transferer)

(2) Smt. Ram Kali Devi,
W/o, Sri Karoo Prasad,
R/o. Village—Renri, P.O. Chamarbigha,
Via-Hilsa, Distt. Nalanda.
At present residing at Boring Canal Road,
P.S. Srikishnapuri, Distt. Patna.

(Transferee)

1. One Room — Sri Baleshwar Ram (Tenant),
2. One Room — Dr. A. Bose, M.B., Retired Asst., Civil Surgeon,
3. One Room — Dr. S. K. Ghosh, M.B.B.S.
4. One Pharmacy & 3 rooms — Sri Karoo Prasad.
All persons have their postal address at Boring Canal Road, Patna-800 001.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 1 katha 18.7 dhur with single storeyed pucca structure situated at Boring Canal Road, P.S. Srikishnapuri, Distt. Patna and morefully described in Deed No. 172; dated 7-1-82 registered with D.S.R., Patna.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 16-9-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Minimax Limited, Kokar, Distt. Ranchi,
through incharge Mr. C. B. Hinton.
(Transferer)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE, BIHAR
BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 16th September 1982

Ref. No. III-585/Acq/82-83.—Whereas, I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Khata No. 34, and 49, Plot No. 1111 and 1112, Thana No. 196;
situated at village-Khora Toli, P.S. & Distt. Ranchi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at
Khunti on 29-1-1982
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid
property and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Salesians of Don Basco Society,
Hesag, P. S. Dhurwa, Distt. Ranchi,
through Rev. Fr. Joseph Kejha Lakra.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 1.42 acres situated at village-Khora Tol' Kokar, P.S./Distt. Ranchi and morefully described in Deed No. 93; dtd 29-1-82 registered with S.R., Khunti.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—
26-296GI/82

Date : 16-9-1982
Seal :

FORM ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR
BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 16th September 1982

Ref No. III-584/Acq/82-83.—Whereas, I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

Khata No. 116, Plot No. 1059; Holding No. 11, situated at Mouza Karandih Champa Road, Pramath Nagar, P. S. Parsudih, Jamshedpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jamshedpur on 4-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1927);

(1) Smt. Reva Das,
W/o. Sri Suresh Chandra Das,
R/o. 39, Main Road, Pramath Nagar,
P. S. Parsudih, Jamshedpur.

(Transferer)

(2) Smt. Subhra Roy Choudhury,
W/o Sri P. K. Roy Chowdhury,
R/o 11, Champa Road, Pramath Nagar,
P. S. Parsudih, Jamshedpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 6 katha with single storeyed pucca house situated at 11 Pramath Nagar, Champa Road, P. S. Parsudih, Jamshedpur and more fully described in Dced No 2. dtd. 4-1-82 registered with S. R., Jamshedpur.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-9-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Kichan Chand Godhumal,
R/o Haidas Manson, M I Road, Jaipur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Lokumal for Arjun Das,
R/o K-8A, Fateh Tibra, Jaipur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th September 1982

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1303.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

K 8 A, situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jaipur on 23-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof for more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Part of house of property situated at K-8A, Fateh Tibra, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur vide No 85, dated 23-1-1982.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MOHAN SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 11.9.1982
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE,

CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th September 1982

Ref. No Rej/IAC (Acq.) /1304.—hereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

K-8 A, situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 23-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Atma Ram Godhumal,
R/o Hardas Mansion, M.I. Road, Jaipur.
(Transferor)
- (2) Shri Lohumal, for Mohandas,
R/o K-8 A, Fateh Tibra, Jaipur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Part of property situated at K-8 A, fateh tiba, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R., Jaipur vide No 86 dated 23-1-1982

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MOHAN SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-9-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Rukmani Hardasmal,
R/o. Hardas Mansion, M.I. Road, Jaipur.
(Transferor)

(2) Shri Lokumal son Mohandas,
R/o K-8A, Fateh Tiba, Jaipur
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUTE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th September 1982

Ref. No Rej/IAC (Acq.)/1305.—Whereas, I, MOHAN SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No K-8A situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 23-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given up that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of property situated at K-8A, Fateh Tiba, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur vide No 92 dated 23-1-1982

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date 11-9-1982

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th September 1982

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1306.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. K-8 A, situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 23-1-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shrimati Kishan bai,
Bind Bai,
Rukmani,
Atma Ram and
Kishan Chand,
R/o Hardas Mansion, M.I. Road, Jaipur.
(Transferor)
- (2) Shri Lakumal Ghenshyamdas,
R/o K-8 A, Fateh Tiba, Jaipur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter..

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of property situated at K-8A, Fateh Tiba Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide No. 93 dated 23-1-1982.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Dated . 11-9 1982
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati Kamala Rani,
W/O Sardar Karam Singh,
K/O K-2, Keshav Path, Ashok Marg,
C Scheme, Jaipur.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shrimati Lalawati Ajmera,
W/O Late Shri K. C. Ajmera,
R/O Moti Singh Bhoomion-Ka Rasta, Jaipur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUTE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th September 1982

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1323.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

K-2, situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 23-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Half portion of East side of property situated on plot No. K-2, Keshav Path, C-Scheme, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur vide No 1, dated 23-1-1982.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-9-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Smt. Maji Raj Kanwar Rathore,
W/O Late Sanwal Singh,
R/o Prithvi Aj Road, C-Scheme, Jaipur.
(Transferor)
- (2) Shri Roopchand,
S/o Nihal Chand,
R/o Amer Road, Jaipur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 10th September 1982

Ref. No. Rej IAC (Acq.)/1348.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 23-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Part of 'Siwar House', Old Amer Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur vide No. 11 dated 23-1-1982.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MOHAN SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 10-9-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th September 1982

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1347.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. K-2, situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 23-1-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shrimati Kamala Rani,
W/o Sardar Karam Singh,
R/c K-2, Keshav Path, Ashok Marg,
C-Scheme, Jaipur.
(Transferor)
- (2) Shri Ratanlal Manak Chand Jain, H.U.F.,
R/o 9/2—Khelat Ghosh Lane, Calcutta.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Half portion (West side) of property situated at plot No. K-2, Keshav Path, C-Scheme, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R., Jaipur vide No. 2, dated 23-1-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 11-9-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—
27—296GI/82

FORM ITNS

- (1) Shrimati Maji Raj Kanwar Rathore,
W/o Late Shri Sanwal Singh,
P/o Prithviraj Road, C-Scheme, Jaipur.
(Transferor)
- (2) Shrimati Rama Devi,
W/o Shri Gauri Shankar, &
Smt. Geeta Devi,
W/o Shri Prem Shanker,
R/o Badari Ka Nasik, Jaipur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 10th September 1982

Ref. No. Rej/IAC (Acq.) /1349.—Whereas, I, MOHAN SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act')
have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part of House situated at Jaipur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 23-1-1982
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between, the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of 'Siwar House', Old Amer Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R., Jaipur vide No. 12 dated 23-1-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-9-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shrimati Maji Raj Kanwar Rathore,
W/o Late Shri Sanwal Singh,
R/o Prithviraj Road,
C-Scheme, Jaipur. (Transferor)
(2) Shri Ghasilal, Lallulal, Kailash Chand,
S/o Shri Madholal,
R/o Ramgarh, Jaipur. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 10th September 1982

Ref. No. Rej/IAC (Acc.)/1350.—Whereas, I, MOHAN SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

Part of House situated at Jaipur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering officer at
Jaipur on 23-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(b) facilitating the concealment of any income or any
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the pub-
lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House, Old Amer Road, Jaipur and more fully
described in the sale deed registered by S. R., Jaipur vide
No. 15, dated 23-1-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 10.9.1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 10th September 1982

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1351.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Part of House situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Jaipur on 23-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Maji Raj Kanwar Rathore,
W/o Late Shri Sanwal Singh,
R/o Prithviraj Road,
C-Scheme, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Mohd. Rafiq Ahmed,
R/o 'Siwar House',
Amer Road, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House, Old Amer Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R., Jaipur vide No. 3, dated 23-1-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 10-9-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shrimati Maji Raj Kanwar Rathore
W/o Late Sanwal Singh,
Prithviraj Road, C-Scheme, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Abdul Shakoor Khan, Mohalla Nalbandan,
Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 10th September 1982

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1352.—Whereas, I MOHAN SINGH

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Part of House situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 23-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of 'Siwar House', Old Amer Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide No. 4 dated 23-1-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-9-1982
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR**

Jaipur, the 10th September 1982

Ref. No. : Rej/IAC (Acq.)/1353.—Whereas, I MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Part of House situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 23-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shrimati Maji Raj Kanwar Rathore
W/o Late Sanwal Singh,
Prithviraj Road, C-Scheme, Jaipur.
(Transferor)
- (2) Shrimati Akhatari Begum, Siwar House,
Amer Road, Jaipur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of 'Siwar House', Old Amer Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide No. 5 dated 23-1-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

Date : 10-9-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shrimati Maji Raj Kanwar Rathore
W/o Late Sanwal Singh,
Prithviraj Road, C-Scheme, Jaipur.
(Transferor)
- (2) Shrimati Asgari Begum, Siwar House,
Amer Road, Jaipur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 10th September 1982

Ref. No. : Rej/IAC (Acq.)/1354.—Whereas, I MOHAN SINGH

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Part of House situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 23-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of 'Siwar House', Old Amer Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide No. 6, dated 23-1-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-9-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shrimati Maji Raj Kanwar Rathore
W/o Late Sanwal Singh,
Prithviraj Road, C-Scheme, Jaipur.
(Transferor)
- (2) Shrimati Anwari Begum, Siwar House,
Old Amer Road, Jaipur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 10th September 1982

Ref. No. : Rej/IAC (Acq.)/1355.—Whereas, I MOHAN SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

Part of House situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 23-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of 'Siwar House', Old Amer Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide No. 7 dated 23-1-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, thererore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-9-1982
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shrimati Kamla Kumari, w/o Shri Kushal Chand,
Plot No. 5, Near M.U.A Quarters, Jaipur,
(Transferor)
- (2) M/s. Registan Pvt. Ltd. Co. Jaipur.
(Transferee)

NOTE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th September 1982

Ref. No. : Rej/IAC (Acq.)/1356.—Whereas, I MOHAN SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 2 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 23-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Plot No. 2, Tilak Marg, Ashok Nagar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur vide No. 64 dated 23-1-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

28—296GI/82

Date : 11-9-82

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Pukhraj S/O Hastimal,
GPA : Shri Chand Karan Garg, Advocate,
Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Rahul Jain S/O Sumermal,
Chandi Hall, Jodhpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 13th September 1982

Ref. No. : Rej/IAC (Acq.)/1360.—Whereas, I MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Part of House situated at Jodhpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Jodhpur on 18-1-1982
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of built house at Jalam Vilas area Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur vide No. 726 dated 18-1-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-9-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ummedmal Gandhi, S/O
Shri Devchand Gandhi,
C/O Jodhpur Chemical Industries,
Jodhpur.

(Transferor)

(2) Marwar Grah Nirman Samiti,
Jodhpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 7th September 1982

Ref. No.: Rej/IAC (Acq.)/1363.—Whereas, I MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agriculture Land situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jodhpur on 18-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 31 bighas three biswa situated at Khema Ka Khuan Pali Road, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jodhpur vide No. 358 dated 18-1-82.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-9-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUTE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 7th September 1982

Ref No.: Rej/IAC (Acq)/1366.—Whereas, I MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 16 Sector 4, situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 21-1-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Mohan Kishan, S/o Hari Kishan, Through Shri Kailash Raj Tatiya, Bhiston Ka Bas, Jodhpur. (Transferor)
- (2) Shrimati Kesu Kanwar, W/o Shri Sardar Singh and Smt. Bhanwar Kanwar, D/O Shri Narpat Singh, Vill. Bhankarwala, Distt. Jodhpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Plot No. 16, Sector 4, Shastri Nagar, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jodhpur vide No. 258 dated 22-1-82.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MOHAN SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 7-9-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Pukhraj S/o Hastimal
GPA : Shri Chand Karan Garg,
Advocate Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Sumermal S/o Idak Raj,
Chandi Hall, Jodhpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 13th September 1982

Ref. No. : Rej/IAC (Acq) 1367.—Whereas, 1 MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Part of House situated at Jodhpur

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jodhpur on 18-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of house at Jalam Vilas area Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jodhpur vide No. 723 dated 18-1-82.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 13-9-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Jagmal S/o Gulab Kumar,
R/o Chak 7-E, Chhoti, Sriganganagar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Haryana Industries,
C/o Shri Pawan Kumar,
Shop No. 80, Dhan Mandi, Sriganganagar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th September 1982

Ref. No. Rej/IAC (Acq.) /1373 --Whereas, I, MOHAN SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to in the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Sriganganagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sriganganagar on 5-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agriculture land situated at Chak No. 5-E Choti measuring 5 bigha, 2 biswa and more fully described in the sale deed registered by S. R. Sriganganagar, vide No. dated 5-1-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269L of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-9-1982
Seal :

FORM ITNS—

(1) Dr. Gopi Nath Purohit,
5-Mahavir Marg, Jaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUF CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 8th September 1982

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1321.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 281 situated at Jaipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur, on 25-2-1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 281, Johari Bazar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur, vide No. 314 dated 25-2-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 8-9-1982

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUF CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 8th September 1982

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1322.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D-151 situated at Jaipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 19-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ravinder Narain Mathur & Shri Maha Narain Mathur,
S/o Shri Mahesh Narain Mathur,
D-151, Duraga Marg, Bani Park, Jaipur.
(Transferor)

(2) Shri Baldev Krishna Thukral,
S/o Shri Ram Gopal,
D-135, Kailash Marg, Bani Park, Jaipur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. D-151, Bani Park, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur, vide No. 232 dated 19-2-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 8-9-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Jaisri,
W/o Shri Sudhir Kumar,
Subha h Marg C-Scheme Jaipur
(Transferor)

(2) Khadi Gramodhvog Mandal, Rajasthan,
Amarsar, Jaipur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUTORY CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th September 1982

Ref. No. Rej/IAC (Aeq), 1346.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S-6B, situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jaipur on 25-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of S-6B (Part) Kabir Marg, Bani Park, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur, vide No. 283 dated 25-2-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

29--296GT/82

Date : 11-9-1982
Seal :

FORM IT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

CENTRAL REVENUE BUILDING,

STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 7th September 1982

Ref. No. Rej/TAC (Acq.)/1357.—Whereas, J MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 4-A & B situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), was been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 18-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Mahendra Kumar Lodha, GPA,
Smt. Preeta Kanwal, W/o Sh. Anup Singh,
Rambagh, Teh. Siwana.
(Transferor)

(2) Svs. Hatchlal & Jitendra,
Smt. u/Roshanlal,
4th B-Road, Sardarpura, Jodhpur
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Plot No. 4-A and B—Pothran Bungalow, P.W.D. Road, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jodhpur, vide No. 380 dated 18-2-82.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act Act, 1957 (27 of 1957);

MOHAN SINGH
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date . 7-9-1982
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL LEVEL BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 7th September 1982

Ref No RJ/TAC (Acq)/1358—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No 4 A & B situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jodhpur on 19-2-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(1) Shri Mahendra Kumar Lodha, GPA.
Smt Prem Kanwar,
W/o Shri Anoop Singh,
Rampura, Teh Siwana

(Transferor)

(2) Svs Fatehhal & Jitendra,
S/o Shri Roshan Lai,
4th B-Road Sardarpura, Jodhpur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No 4-A and B Pokaran Bungalow, P W D Road Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by S R Jodhpur vide No 389 dated 19-2-82

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

7 9 1982

Seal

FORM ITNS

(1) Shri Munni Lal,
S/o Shri Mana Ram Mali,
Mohalla Kesar Desar Kuwa, Bikaner.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 7th September 1982

Ref. No. Rej/IAC (Acq.) /1359.—Whereas, I, MOHAN SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural Land situated at Bikaner
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bikaner on 8-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Devendra Nath,
S/o Shri Laxman Das,
R/o Chandi Garh, Koti No. 6, Sector 3A.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agricultural Land measuring 56 bigha of land situated at Village Kanasar and more fully described in the sale deed registered by S. R. Bikaner vide No. 531 dated 8-3-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-9-1982
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 7th September 1982

Ref No Rej/TAC (Acq.)/1361.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Plot No. 6 situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jodhpur on 7-1-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Ummed Singh,
S/o Shri Dan Singh,
Village Bandore, Distt. Jaisalmer.

(Transferor)

(2) Shri Chagan Gangwani
S/o Shri Rochram Gangwani,
Subhash Chowk, Ratnada, Jodhpur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 6, Dharam Narainji Ka Hatha, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Tchhpur vide No 726 dated 7-1-1982

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 7-9-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Shumati Rukai W/o Shri Puna Ram Ji,
Village Chopasani, Jodhpur
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUTORY CIRCLE JAIPUR
Jaipur the 8th September 1982

Ref. No. Rej/IAC (Acq.) 1364—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

Agri. Land situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 4-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) 1 Shri Ramchand.
2 Smt. Mohani,
3 Shri Durga Singh,
4 Shri Mangal Singh,
Vyas-Ka Bag-Sar Sagar, Jodhpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agriculture Land measuring 33.75 bigha situated at Katchi Jhanwa, Road No. 6 Chopasani Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by S R Jodhpur vide No 141/148 dt 4-1-82

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Dated 8-9-1982
Seal

FORM I.T.N.S.— — —

(1) Shrimati Rukarhi W/o Shri Puna Ram Ji,
Villa Chopasni, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Gyan Singh,
Shri Chetan Singh,
Smt. Seh Devi,
Smt. Bhanwati Bhawala Beri,
Mandor, Jodhpur

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 8th September 1982

Ref. No. Rej/IAC (Acq)/1365.—Whereas, I, MOHAN SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and
bearing No.

Agril. Land situated at Jodhpur
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Jodhpur on 4-1-1981
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
Instrument of transfer with object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

Agriculture Land measuring 33.75 bigha situated near
Katchi Annwar Road No. 6 Chopasni, Jodhpur and more
fully described in the sale deed registered by S. R. Jodhpur
vide No. 139/144 dated 4-1-1982

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

MOHAN SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 8-9-1982
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Shri Dhannalal Yadav,
's/o Shri Laxmi Narain,
Asanpur, Sumbhar.

(Transferor)

(2) Shri Chitanjilal Jangid,
Nanwa Gate, Nawalearh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUTE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 8th September 1982

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1369.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

D-31 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 25-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. D-31-C-1 situated at Swaraswati Marg, Bani Park, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur vide No. 259 dated 25-2-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 8-9-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shrimati Madhubala W/o Shri Aswani Kumar,
C-Scheme, Jaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)(2) Khadi Gramodhyog Mandal, Rajasthan,
Amarsar, Jaipur

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th September 1982

Ref. No Rej/IAC (Acq.)/1375 — Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No S-6 B situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jaipur on 25-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
30—296G/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No S-6 B (Part), Kabi Marg, Bani Park, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipu vid. No 284 dated 25-2-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 11-9-1982
Seal :

FORM ITNS -----

(1) Sh. Gujebhan Singh
S/o Rawat Bhan Singh
Kishore Niwas Jaipur

(Transferor)

(2) Shrimati Asha Devi
W/o Shri Vipan Behari
Purani Basti Jaipur

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,

STATUB CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 10th September 1982

Ref No Rej IAC (Acq)/1341—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 23,000/- and bearing No Part of Roof situated at Jaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 12-3-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Part of roof in Kishore Niwas Building Tripolia Bazar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S R Jaipur vide No 456 dated 12-3-82

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-9-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Th. Surajbhan Singh,
S/o Rawat Bhan Singh,
Kishore Niwas, Jaipur.

(Transferor)

(2) Smt Vijay Devi,
W/o Shri Anand Behati Jhalani,
Jaipur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUF CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 13th September 1982

Ref. No Rej/IAC (Acq.) 1341—Whereas, I, MOHAN SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Part of Building situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 12-3-1982
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Part of roof in Kishore Niwas Building, Tripolia Bazar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur vide No 455 dated 12-3-1982.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-9-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Svs. Rughu and Moti,

(Transferor)

R/o Dhawuwas, Teh. Jaipur.

(2) Shri Ram Pd. Yadav S/o Nanagram Yadav Ahir,
R/o Brijtalpura, Teh. Jaipur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX.ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th September 1982

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1330.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. Land situated at Dhawuwas, Teh. Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 3-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Agriculture land measuring 6 bigha 1/2 biswa (cultivated) at village Dhawuwas and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur, vide No. 428 dated 3-3-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 11-9-1982
Seal :

FORM IT.N.S.—

(1) Shri Kana S/o Mangilal Jangid,
R/o Beechpara, Teh. Jaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUF CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 13th September 1982

Ref. No. Rej/IAC (Acq.), 1331.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. Land situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 15-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer so agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Sy. Chhatri, Ganesh, Ratan, Sons of Dhanu Ram Bajra Brijpalpur, Teh. Jaipdr.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agriculture land measuring 19 bigha 9 biswa (cultivated) at village Brijpalpur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur vide No. 549 dated 15-3-82.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 13-9-1982
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Godu S/o Kalu,
R/o Mundia Ramsar, Teh. Jaipur.
(Transferor)

(2) Shri Ram Pratap S/o Nanagram Abir,
Brijtalpur, Teh. Jaipur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th September 1982

Ref. No. Rej/IAC (Acq)/1332.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. Land situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 12-3-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

Agriculture land measuring 15 bigha 14 biswa (cultivated at Village Mundia Ramsar and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur vide No. 50 dated 12-3-1982).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1911 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 11-9-1982
Seal

FORM NO. I.T.I.S. ----

(1) Shri Birha S/o Gopilal,
R/o Jhotwara, Jaipur.
(Transferor)(2) Shri Hardwarilal,
S/o Shri Murudhar Soni,
R/c Simadhopur, Distt. Skar
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur the 11th September 1982

Ref. No. Rej/IAC (Acq)/1337 — Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269(B) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 16 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 12-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between, the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Plot No. 16, at Village Jhotwara and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur, vide No. 520 dated 12-3-1982

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MOHAN SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-9-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 13th September 1982

Ref. No Rej/IAC (Acq.) /1339.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

D-111 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 16-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Jugal Kishore Shah,
B-8, Shastri Nagar,
GPA Major Parvat Singh,
D-214, Bhaskar Marg, Bani Park, Jaipur.
(Transferor)

(2) Shri Susheel Kumar,
S/o Shri Channamal Malpani,
Industrial Area, Jhotwara, Jaipur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Residential House No. D-111, Amba Bari, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur vide No. 715 dated 16-3-1982.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 13-9-1982
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR**

Jaipur, the 13th September 1982

Ref. No. Rcj/IAC (Acq.)/1340.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shops at Katia Karam Singh situated at 1 E-48 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Agent on 15-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Mahacermal Jain,
S/o Sobhagmal Jain,
1 E-48, Sector No. 1, Kachi Basti, Nahari Ka Nakha, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Shadilal Mangal,
1 E-48, Sector No. 1, Kachi Basti, Nahari Ka Nakha, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential House No. 1-E-48, Sector No. 1, Nahari Ka Nakha Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur vide No. 570 dated 15-3-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 13-9-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—
31—296GI/82

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Mor Mukat, S/o Brij Mohanlal,
GPA Shri Raj Kumar & Smt. Prabhati Devi,
Bagru Walon—Ka Rasta, Jaipur.
(Transferor)
- (2) Shrimati Shanti Devi W/o Prabhudayal and
Smt. Kamala Devi, W/o Babulal Lawana,
Teh. Jamwa Ramgarh, Jaipur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 13th September 1982

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1342.—Whereas, I, MOHAN SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 16A situated at Jaipur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in office of the Registering Officer
Jaipur on 12-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 16-A, Agra Road, Truck Stand, Jaipur and more
fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur,
vide No. 448 dated 12-3-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 13-9-1982
Seal :

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shrimati Nirmala Kumari,
W/o Shri Ram Singh,
H-21/77, Duhleshwar Garden, Jaipur.
(Transferor)

(2) Smt. Shashi Kothari,
W/o Shri Man Mohan Kothari,
Plot No. 15, Gopal Bari, Jaipur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 8th September 1982
Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1301.—Whereas, I, MOHAN SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 87-A situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 15-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 87-A, Duhleshwar Garden, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur vide No. 559 dated 15-3-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 8-9-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 8th September 1982

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1300.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 113 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 15-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sumer Singh Bothra,
S/o Shri Ugra Singh Bothra, Chowk Pitaliyan,
G.P.A. Shri Basudeoji Kishoridas, 73-C, Janata
Colony, Jaipur.

(Transferor)

(2) M/s Bhagwandas & Brothers,
113, Bapu Bazar, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 113, Bapu Bazar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur vide No. 598 dated 15-3-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 8-9-1982
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Shri Badri Narain Sharma,
S/o Shri Radhey Shyam,
19-Siwar Area Amer Road, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Kirshan Gopal Garg,
S/o Shri Ramvil Agarwal,
114, Janta Colony, Jaipur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th September 1982

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1338.—Whereas, I, MOHAN SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
bearing No.

Plot situated at Jaipur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908,
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Jaipur on 13-4-1982
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. Mohalla Rawalji Samod Gangapole Gate, Jaipur
and more fully described in the sale deed registered by S. R.
Jaipur, vide No. 852 dated 13-4-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-9-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Bhagat Devendra Nath,
S/o Shri Kishan Chand,
GPA: Shri Anandpur Trust,
Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Maheshwar Dayal Singh,
S/o Shri Bishewshar Dayal Singh,
Fateh Tiba, Adarsh Nagar, Jaipur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUTE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 13th September 1982

Ref. No. Rej/IAC (A/c.)/1343.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

J-196 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 13-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1957);

Half portion of plot No J-196 Fateh Tiba, Adarsh Nagar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur vide No. 893 dated 13-4-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 13-9-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Bhagat Devendra Nath s/o
Kishan Chand, GPA : Shri Anandpur Trust,
Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shrimati RAJRANI SINGH w/o
Shri Maheshwar Dayal Singh, Fateh Tiba,
Adarsh Nagar, Jaipur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 13th September 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1344.—Whereas I,
MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. J-196, situated at Jaipur
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Jaipur on 13-4-1982

for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value
of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
which period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Half portion of plot No. J-196 Fateh Tiba, Adarsh Nagar,
Jaipur and more fully described in the sale deed registered
by S.R. Jaipur vide No. 894 dated 13-4-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section*(1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 13-9-1982
Seal :

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 13th September 1982

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1345.—Whereas I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot, situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 13-4-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Ghanshyamdas Sharda, s/o Shri D. D. Sharda, Plot No. S-13, Bhawani Singh Marg, C-Scheme, Jaipur. (Transferor)
- (2) Shri Umed Singh Lodha s/o Shri Viradmal Lodha, A-2, Kanti Nagar, Bani Park, Jaipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot in Yudishter Marg, C-Scheme, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide No. 923 dated 13-4-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 13-9-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Prabhu Dayal s/o Ram Dayal,
r/o Mohalla Sindhipura,
Alwer.

(Transferor)

(2) Shri Ram Narain, s/o Gujarmal,
r/o Alwer.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 7th September 1982

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1362.—Whereas I,
MOHAN SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
bearing No.

House, situated at Alwer,
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Alwer on 26-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act
1957 (27 of 1957);

House, situated at Saini Colony Near Moti Doongri,
Alwer and more fully described in the sale deed registered
by S.R. Alwer vide No. 669 dated 26-4-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—
32—296GI/82

Date : 7-9-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Bal Govind s/o Nandkishore,
Village Sarna, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Nachhu Ram s/o Chhotu Ram,
s/o Heerapura.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 13th September 1982

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1336.—Whereas I,

MOHAN SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

Agril. Land, situated at Jaipur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Jaipur on 12-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration, and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-tax
Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agriculture land measuring 11 bigha Cultivated at
Village Sarna Doonger and more fully described in the
sale deed registered by S.R. Jaipur vide No. 1000 dated
12-5-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 13-9-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 13th September 1982

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1306.—Whereas I,
MOHAN SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Agri. Land, situated at Jaipur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Jaipur on 12-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(1) Shri Bal Govind, s/o
Nand Kishore,
Village Sarna, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Shri Chhotu Ram, s/o Kajor,
Heerapura, Teh. Jaipur.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agriculture and measuring 16 bigha 8 biswa (cultivated)
at Village Sarna Doonger and more fully described in the
sale deed registered by S.R. Jaipur, vide No. 1001 dated
12-5-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 13-9-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Gopi Nath Pillai, s/o
Shri P. K. K. Pillai,
Plot No. A-51, Jenata Colony,
Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Nirmal Kumar Patni,
s/o Shri Sardarmalji & Shri Lalit Kumar s/o
Sardarmalji, Patni Bhawan,
Ghee-walon-Ka Raste,
Jaipur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 8th September 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1316.—Whereas I,
MOHAN SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Plot No. 51, situated at Jaipur
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the registering officer at
Jaipur on 22-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transferor
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys of other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 51, Janata Colony, Jaipur and more fully de-
scribed in the sale deed registered by S.R. Jaipur, vide
No. 1045 dated 22-5-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 8-9-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri Kailash Chand Sharma,
s/o Late Harsahai Sharma,
Plot No. A-53, Nehru Nagar,
Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Om Prakash Soni,
s/o Shri Buddhalal Soni,
Gali Kacholiyan Rasta Patwan,
Jaipur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 8th September 1982

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1318.—Whereas I,
MOHAN SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 1503-4, situated at Jaipur
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Jaipur on 22-5-1982
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 1503-4, Modi Khana, Gali Luharan, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur vide No 1099 dated 22-5-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 8-9-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 8th September 1982

Ref. No. Rej/IAC/(Acq.)/1319.—Whereas, I,
MOHAN SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 74, situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 22-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shrimati Chandra Kanwar Sukhlecha, w/o Shri Poonam Chand, Gopalji Ka Gali, Kashi Nathji Chokri, Visheshwarji, Jaipur. .

(Transferor)

(2) Shri Hardasmal s/o Shri Hasaram Sandhi, Rasta Khejdan, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 74, Bapu Bazar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur, vide No. 1080 dated 22-5-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-9-1982
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Pushpendra Singh s/o
Shri Naresh Singh Rathore 43-C Scheme,
Jaipur
(Transferor)

(2) Shrimati Mohini Khurana w/o
Shri Ashok Khurana,
1-Ka-10, Jawahar Nagar,
Jaipur
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
STATUTE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 8th September 1982

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1320.—Whereas I,

MOHAN SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No1-Ka-10, situated at Jaipur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 22-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Plot No. 1-Ka-10, Jawahar Nagar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur, vide No. 1090 dated 22-5-1982

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-9-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 10th September 1982

Ref. No. Rej/IAC (Acq)/1324.—Whereas I,
MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural Land,
situated at Jamwa Ramgarh Tehsil

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamwa Ramgarh on 22-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Lokesh Kumar s/o
Sri Goverdhanlal Goswami,
Johari Bazar,
Jaipur.

(Transferor)

(2) 1. Shri Laxmi Narain Agarwal
s/o Shri Basudeo Agrawal,
B-144, Tilak Nagar, Jaipur.

(2) 2. Smt. Raj Kumari w/o
Shri Laxmi Narain Agarwal
Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDEULE

Agricultural Land, situated at Village Kukas, Teh. Jamwa Ramgarh, Distt. Jaipur and more fully described on the sale deed registered by S.R. Jamwa Ramgarh, vide No. 86/213 dated 22-5-82

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-9-1982

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Ram Narain, s/o Nanuram Jat.
R/o Village Chithwari, Jaipur.

(Transferor)

(2) S/Shri Kajor, Prabhu, Nanu, ss/o
Shri Balu Jat
R/o Village Chithwari Jaipur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 8th September 1982

Ref No. Rej/IAC (Acq.)/1325.—Whereas I,
MOHAN SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land, situated at Tehsil Amer,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Amer on 10th May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Agriculture land, situated at Village Chithwari, Teh
Amer, Distt. Jaipur and more fully described in the sale
deed registered by S.R. Amer vide No. 201 dated 10-5-82.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

33—296 GI/82

Date : 18-9-1982.
Seal :

FORMS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Monuji /p Mangu Pithawas,
Teh. Juipur. (Transferor)

(2) Shri Surendra Singh S/o Mohan Singh,
R/o Gokulpura and
Lalit Kishore, S/o Bhawilal (A. X.A.) (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

**ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR**

Jalpur, the 11th September 1982. (a)

Ref. No. : Ref./TAC/1(Accp.) /142Btt+Whrtrs J.
MOHAN SINGH, with no option to dispute said notice
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No. 100, symbol १००, midinw chhong sida
Agri. land, situated at Jaipur, with its neighbourhood
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Jaipur on 22-5-1982,
for 'an apparent consideration' which is less than the 'fair
market value' of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 ('11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Cultivated agriculture land measuring 14 bighas at Village Pithawas and more fully described in the sale deed registered U/o S. R. & D. No. 1555 dated 22-5-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-8-1982.
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Dulari Nanu & Ram Chandra Nanula,
Neemrada Teh. Jaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF 'THE' INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shyamlal, Shankerlal,
Heerapura, Teh. Jaipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE CONTROLLER,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th September 1982

To Rajiben Noni Ramchand (Arun) / 1354-A, Ward No. 11,
 MOHAN SINGH, I hereby call upon to rush said notice to the
 said persons within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons, whichever period expires laterly :—
 Being the Commissioner of Income-tax, Mysore, under section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
 to as the 'said Act'), have reason to believe
 that the immovable property, having a fair market value
 exceeding Rs. 25,000/- and
 Agricultural land situated at village Heerapura
 (and more fully described in the Schedule annexed
 hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
 Jaipur on 12-5-1982, for consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property, and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferor for the
 purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons, whichever period expires laterly :—
 (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as
 given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 17 bigha 6 biswa (Cultivated)
 at village Heerapura and more fully described in the
 sale deed registered by S.R. Jaipur vide No. 1009 dated
 12-5-1982 for its transfer to me.

MOHAN SINGH
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Shri Kishen s/o Natu (Self) & GPA Shri Narain, s/o Murli and Hanuman, Village Bachar, Teh. Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Gyarsa s/o Ruda, Prabhu s/o Gulla, Sajara s/o Bhura and Cheesa s/o Ruda, Village Pachar, Jaipur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR.**

Jaipur, the 8th September 1982

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1334.—Whereas I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land, situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 25-5-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 17 bigha 9 biswa (cultivated) at village Pachar and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide No. 1060 dated 22-5-1982.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-9-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Boduram and Koyali, Natural
guardian to Rupa, Sarwan, Hari Ruje, R/o Pachar,
Teh. Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Murli and Bhinwe, S/o Gyana and Lalu,
Sheoram, S/o Bena,
R/o Pachar, Teh. Jaipur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,**

**ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR**

Jaipur, the 11th September 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq)/1335.—Whereas, I,
MOHAN SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding **Rs. 25,000/-**
and bearing
No. Agri. land situated at Jaipur
(and more fully described in the Schedule
annexed hereto), has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer
at Jaipur on 12-5-1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agriculture land measuring 15 bigha 1½ biswa (cultivated)
and more fully described in the sale deed registered by
S. R. Jaipur vide No. 1004 dated 12-5-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 11-9-82.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 8th September 1982

To Ref. No.: Re/IAC/Acq/1368.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7, Devi Niketan situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 25-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely :—

(1) Smt. Lata Katrach, W/o B. C. Katij, Taragarh Distt. Kangra, H.P., GPA Shri Bhagwati Singh, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shrimati U. K. Shah, W/o Shri R. H. Shah, B-31, Prabhuk Matg, Jaipal Nagar, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of this notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The following words and expressions used herein as so defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 7 Devi Niketan, Sadar Patel Matg, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Patel vide no. 1078 dated 25-5-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

FORM D(1)

(1) Svs Bhinwa Hanuman, Nanu and others
Village Datawata

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Shri Chhitramal, Suganchand, Lalchand and others

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th September 1982

Ref. No. Ref/DAU(Acpq)/3828-34 Whereas, I do

MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Tch Amer

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tch Amer on 16-6-82

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agriculture land measuring 27 bigha 8½ biswn (cultivated) at village Datawata and more fully described on the sale deed registered by S. R. Amer, vide No. 255 dated 16-6-1982

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 11-9-82.
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Ram Kanwar, S/o Shri Ghansiram Ahir,
Village Nidola,
(Transferor)
- (2) Svs. Shampurna Singh, Ajit Singh, Jogendra Singh
and Gurnecl Singh, Village Moriia.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 8th September 1982

Ref. No. Rej. IAC(Acq)/1326.—Whereas, I,
MOHAN SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land situated at Tehsil Amer
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Distt. Jaipur. Amer on 23-6-82

for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ~~Eleven~~ per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 29 bigha 14 biswa and more
fully described in the sale deed registered by S. R. Amer
vide No. 273 dated 22-6-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 22-6-82.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Girdhari Singh S/o Lal Singh Rajput,
Chaturpura & Others
(Transferor)

(2) Shri Chhagan, Gopi, Rameshwari & Others,
Village Achhojai Teh Amer.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th September 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq)/1327.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Teh. Amer on 26-6-82

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Teh. Amer on 26-6-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agriculture land (cultivated) measuring 53 zigha 14 biswa at Village Achhojai and more fully described in the sale deed registered by S. R. Amer vide No. 287 dated 26-6-82.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
34 - 296GT/82

Date : 11-9-82.
Seal .

FORM ITNS

(1) Shri Thakurdin

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) M/s. Motor Sales Ltd Lucknow through Shri Ajay Gupta Director

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 1st October 1982

Ref. No. G.I.R. No. A-110/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Village Kamta Distt. Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 21-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A plot of land measuring 13 Biswa, 5 Biswabasi situate at Village Kamta Distt. Lucknow and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 309/82 which have duly been registered at the office of the Sub Registrar Lucknow on 21-1-1982 (as per 37g Form).

A. PRASAD,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 1-10-1982
Seal :

FORM ITNS

- (1) 1. Shri Chhoty Lal
2. Shri Mathura
3. Shri Ram Avtar.

(Transferor)

- (2) M/s. Motor Sales Ltd., Lucknow
Through Shri Ajay Gupta Director.
(3) Above Vendors

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,
57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 1st October 1982

G.I.R. No. A-II/Acq.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Village Bijacepur Distt. Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Lucknow on January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot situated at Bijace-pur Distt. Lucknow, measuring 1 Bigha 3 Biswa and 12 Biswasi and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and 37G No. 306/82 which have duly been registered at the office of the Sub Registrar, Lucknow on January 1982 (as per 37G form).

A. PRASAD,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Dated: 1-10-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mohan Lal

(Transferor)

NOTICE UNDLR SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Motor Sales Ltd, Lucknow through Shri Ajay Gupta Director
(3) Above Vendor

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,
57 RAM NIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 1st October 1982

GIR No A 112/Acq—Whereas I
A PRASAD,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No

Plot situated at Village Kamta Distt Lucknow
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of Land measuring 1 Bigha 10 Biswa and 2 Biswas situated at Village Kamta Distt Lucknow and all that description of the property which is mentioned in the sale deed form 37C No 8223/82 which have been registered at the Office of the sub Registrar Lucknow in January 1982 (as per 37 G form)

A PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Dated 1 10-1982
Seal

FORM ITNS—

- (1) 1. Sh. C. B. LAL
 2. SMT. RAJESWARI LAL
 3. VIPUL LAL
 4. SANDEEP LAL.

(Transferor)

- (2) Sh. Harpiet Singh Ahluwalia (Minor)
 through Father and Guardian, Sh. Gur Charan
 Singh.

(Transferee)

- (3) Owner.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 15th September 1982

No. G.I.R. No. H-43/Acq.—Whereas, I,
 A. PRASAD,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 22/29 on Plot No. 156 situated at Cantt. Road, Lucknow (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 13-1-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

House No. 22/29 on plot No. 156, measuring 1855 sq. ft. situated at Cantt. Road, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 736/82, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 13-1-1982 (as per form No. 37G).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (7 of 1957);

A. PRASAD
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 15-9-1982
 Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 7th September 1982

No. G.I.R. No. T-30/Acq.—Whereas, I,
A. PRASAD,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 35 (A-Block) situated at Ashok Nagar Sarang Talab, Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 1-1-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Ashok Sahkari Grah Nirman Samiti Ltd., through Secretary, Sh. Kailash Singh.
(Transferor)
- (2) Sh. Tribhuvan Nath Jhingran.
(Transferee)
- (3) Above seller.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 35 (A-Block) situated at Ashok Nagar Colony, Sarang Talab, Varanasi and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 57/82, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Varanasi, on 1-1-1982.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-9-1982
Sect. 1

FORM ITNS

(1) Ashok Sahkari Grah Nirman Samiti Ltd.,
Varanasi, Surang Talab, Varanasi,
through Shri Kailash Singh.

(Transferor)

(2) Sh. Mohan Lal.

(Transferee)

(3) Above seller.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 7th September 1982

No. G.I.R. No. M-142/Acq.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Arazi Plot No. 94-B situated at
Mauza-Hall, Pargana-Shivpur, Teh. & Distt. Varanasi
(and more fully described in the Schedule annexed, hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering
Officer at Varanasi on 1-1-1982
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I
have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen percent of such apparent con-
sideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Arazi Plot No. 94-B, situated at Mauza-Hall, Pargana-
Shivpur, Tehsil and District-Varanasi, and all that description
of the property which is mentioned in the sale deed and form
37G No. 56/82, which have duly been registered in the office
of the Sub-Registrar, Varanasi, on 1-1-1982.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 7-9-1982
Sectl :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, COCHIN-662 016

Cochin-662 016, the 25th August 1982

Ref. No. L.C. 590/82-83.—Whereas, I,
P. J. THOMASKUTTY,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
andbearing Sy. No. as per schedule
situated at Pathanamthitta(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering
Officer at Pathanamthitta on 25-1-1982for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—(1) Smt. Lakshmy Amma Puthiathu Kottupalli
Veedu, 2, Sh. Bhaskaran Pillai Vettipram
3, Sri P. Cr. Sasidharan Pillai Pathanamthitta
4, Smt. G. Saraswathi Amma.

(Transferor)

(2) I. Sh. P. J. Mathew
Smt. Gracy Mathew W/o Sri Mathew
Elareunilkunnathil Chennerkara,
Prakanam, Pathanamthitta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official GazetteEXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

15 cents of land as per schedule attached to Doc. No.
194 dated 25-1-1982.P. J. THOMASKUTTY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam.Date : 25-8-1982
Seal :

FORM ITNS--

(1) Smt. Lakshmi Amma Putthiathu Kottupallil veedu,
 2 Sh. Bhaskaran Pillai Vettipuram
 3 Sh. P. G. Sudidharan Pillai Pathanamthitta
 4 Smt. G. Saraswathi Amma.

(Transferor)

(2) 1 Sh. P. T. Mathew
 Smt. Gracey Mathew, W/o Sh. P. T. Mathew
 Elavunilkunnamthitta, Prakanam, Cheneekura
 Pathanamthitta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, COCHIN-662 016

Cochin-662 016, the 25th August 1982

Ref. No. I.C. 591/82-83—Whereas, I,

P. J. THOMASKUTTY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

bearing Sy. No. as per schedule
 situated at Pathanamthitta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Office at Pathanamthitta on 27-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

15 cents of land as per schedule attached to Doc. No 198 dated 27-1-1982

P. J. THOMASKUTTY,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
 75—296 GI/82

Date : 25-8-1982
 Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, COCHIN-662 016

Cochin 662 016, the 7th September 1982

Ref. No L.C. No. 593/82-83—Whereas, I,
P. J THONASKUTTY,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and

bearing Sy. No as per schedule
situated at Trichur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Officer at Trichur on 29-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property
is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(1) Sri P. K. Shahul Hameed,
S/o Sri Panichavetil Kochumohamed,
Manninkara, Chettupuzha, P.O.
(Via) Trichur

(Transferor)

(2) Mrs Selma Hamza,
D/o Karuppanveetil Abdulkader,
Kalathode, P O Ollukkara, Via. Trichur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning is given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

I Acre of land with a building as per schedule attached
to Doc. No. 550/82 dated 29-1-1982.

P. J. THONASKUTTY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Finakulam.

Date : 7-9-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

FORM ITN8—

(1) C Ramalingam, Fanlands
Salem 636 004

(Transferor)

(2) R Veeramani (Kartha) (HUF)
Gopalapuram
Madras-600 086

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I MADRAS 600 006

Madras 600 006 the 17th September 1982

Ref No T No 29, Jan 82—Whereas I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and

bearing No S No 47/161

situated at Annathanapatti Salem

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Officer at SAIFM Document No 388/82) on January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferee to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957)

THE SCHEDULE

Land in S No 47 161 Annathanapatti Salem
Document No 388/82)S LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I Madras-6

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Date 17-9-82
Seal

FORM ITNS

(1) Sh. R. Mallika
Brindavan Road, Fairlands
Salem 636 004.

(Transferor)

(2) Sh. R. Veeramani, Asaithambi, Sekar, Kumar
Gopalapuram Madras-86

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS 600 006

Madras-600 006, the 17th September 1982

Ref. No. F. No. 29A/Jan./82—Whereas, I,

S. LAHIRI,
being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. S. No 47/1G1 situated at Annathanapatti, Salem

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Salem (Document No. 381/82) on Jan. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land in S. No. 47/1G1, Annathanapatti Salem (Document No. 381/82).

S. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 17-9-82
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Seerangammal
Ammappettai Main Road Salem Town.
(Transferor)

(2) Sh. Arthanari Mudaly & Kamalasckaran
Venkatesapuri Porasalpatti
Mallasamudram Rasipuram
Salem. Salem.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 17th September 1982

Ref. No. F. No. 46/Jan/82.—Whereas, I,
S. LAHIRI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
bearing No. S. No. 188 situated at Mallasamudram, Namakkal, Salem
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Officer at Mallasamudram (Document No 17/82) on Jan. 1982
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land in S. No. 188, Mallasamudram, Namakkal Salem (Document No. 17/82).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely :—

S. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 17-9-82
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madrass-600 006, the 17th September 1982

Ref No. Γ. No. 47/Jan/82.—Whereas, I,

S. LAHIRI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

being No. S. No. 188 situated at
Mallasamudram Kilmugham, Namakkal, Salem
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mallasamudram (Document No. 18/82)
on Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration, and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- | | |
|---|--|
| <p>(1) Smt. Seerangammal
219 Sevapettai Main Road
Salem.</p> <p>(2) C. Perianna Mudaliar
Palanappa Mudaliar
S. K. Annamalai
M. A. Velusamy
K. Velayudham
Murugesan
Perumal Mudaly, Muthusamy Mudaly St. Erode.
(Transferee)</p> | <p>Mallasamudram
Kilmugham
Thiruchengode
Salem</p> |
|---|--|

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building in S. No. 188, Mallasamudram Kilmugham, Namakkal, Salem.
(Document No. 18/82).

S. LAHIRI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date 17-9-82
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th September 1982

Ref. No. 48/Jan./82.—Whereas, I,
S. LAHIRI,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 7A, 7B, 7C, 8, 9, 10, 11, 12, situated at 13 and 14, Butterkulam St., Ward 1, Kizh Thiruchendur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Thiruchendur (Document No. 44/82) on Jan. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sh. A. K. S. Kandaswamy Chettiar
 Sh. S. K. Sankarasubramanian
 Sh. S. K. Muralisankar Karthikeyan
 Veiyukandamman Koil St., Thiruchendur.
 (Transferor)

(2) Dr. Pansy Daniel, West Car St. Thiruchendur.
 Nancy Daniel, Mahaujanagar, Palayamkottai.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land & building No. 7A, 7B, 7C, 8, 9, 10, 11, 12, 13 & 14 Butterkulam Street, Ward 1, Kizh Thiruchendur (Document No. 44/82).

S. LAHIRI,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-9-1982
 Seal :

FORM ITNS—

(1) J. Mahimainathan
3 Venkataramier St. Santhome
Madras-4.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006 the 17th September 1982

Ref. No. F No. 15 Jan/82.—Whereas, I,
S. LAHIRI
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 71, situated at
Manmalaichamy St. K. M. S. L. Colony Madurai
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tallakulam (Document No. 271/82)

on Jan. 1982
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land & Building No. 71 Manmalaichamy St. K. M. S. L. Colony Madurai (Document No. 271/82).

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 17-9-82
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 17th September 1982

Ref. No. 23/Jan 82.—Whereas, I,
S. LAHIRI,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs.
25,000/- and
bearing No. T.S. No. 122 situated at
K Ward, Block 12, Salem Town, Salem
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering
Officer at Salem (Document No. 188/82) on Jan, 1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
30—296 GI/82

(1) Sarambec, Lukman, Abdul Sattar, Mohamed
Murdza, Sahajathee, Noorjehan, Surebaiker and
Abdul Ahad,
Thoppur, Dharmapuri Taluk

(Transferor)

(2) Sh. A. PL. Viswanathan
13 Alam Patti Street
DEVAKOTTAI, Ramnad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of the notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Building in TS No. 122, Block 12, K Ward Salem
Town, Salem (Document No. 188/82).

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 17-9-82
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt A. P. B. Andalammal
42 Sornambigai Agraharam Salem.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 17th September 1982

Ref. No. F. No. 27/Jan./82.—Whereas, I,
S. LAHIRI,
being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. 35, 300 & 301 situated at Second Agraharam North, Salem Town (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Salem (Document No. 304/82) on Jan. 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land & Building No. 35/300 & 301, Second Agraharam North Salem Town (Document No. 304/82).

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-9-82
Seal :

FORM I.T.N.S.—

- (1) Mr. K. Thomas Kora
C II/65 Bapa Nagar
Dr. Zakir Hussain Marg New Delhi-110 002.
(Transferor)
- (2) Mr. P. Eapen Thomas Plot 3892, Block R 18,
Anna Nagar Madras-40
Mrs. Ammini John, 397, L P. Avenue Madras-41.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
KANNAMMAI BUILDING 2nd FLOOR,
621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 17th September 1982

Ref. No. 34/Jan./82.—Whereas, I,
S. LAHIRI,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No
Plot No. 2477 situated at
A. A. Nagar Scheme, Naduvakkarni, Madras
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has
been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Sembiam (Document No 191/82)
on January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date or
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
at that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Land & Building Plot No. 2477, A. A. Nagar Scheme
Naduvakkarni, Madras (Document No. 191/82).

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 17-9-82
Seal :

FORM ITNS

(1) B Sutendai, 4 Gajapathy Road Kilpauk Madras-600 010.
(Transferor)

(2) East Coast Construction and Industries 4 Moores Road Madras 6.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I
KANNAMMAI BUILDING 11nd FLOOR,
621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th September 1982

Ref. No. F. No. 35/Jan/82.—Whereas, I, S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No.

15 Mc Nicols Road situated at Chetpet Madras 31, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Document No 15/82) on January 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land & building at No. 15 Mc Nicols Road, Chetpet Madras-31.
(Document No. 15/82).

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-9-1982
Seal :

FORM ITNS—

(1) M S Hyderabad Builders 5-8-59 Basheerbagh,
Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri G Manmohan Reddy & o Sri G Venkata
Bhooma Reddy 1008 Minar Apartments, Deccan
Towers, Hyderabad
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

HYDERABAD (A P)

Hyderabad, the 8th September 1982

Ruc. No 119/82-83 Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

F No 1068 situated at Minar Apartments, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A flat in Minar Apartments in Deccan Towers located in Basheerbagh Hyderabad having the plinth area of 1020 sq ft, registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No 523/82

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A P)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-9-1982
Seal :

FORM ITNS—

(1) Hyderabad Builders, 5-8-59, Basheerbagh, Hyderabad-500 001.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Salem Juman Mohammed, s/o Juman Mohammed, F, No. 704, Mogul Apartments, "Deccan Towers", Basheerbagh, Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th September 1982

RAC No. 120/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

I. No. 704, situated at Mogul Apartments, Hyderabad, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on January 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A flat No 704 in Moghul Apartments in Deccan Towers having the plinth area of 1410 sft., registered vide document No. 522/82, by the S.R.O., Hyderabad.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 8-9-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Bhagyanagar Builders, 1-1-79, RTC X Roads,
Musheerabad, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. Abi a Sultana, w/o Mr. Zainuddin Ali, P.B.
No. 1140, Alkobar, Saudi Arabia, Present address,
4-1-569, Troop Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th September 1982

RAC. No. 121 /82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at RTC X Roads, Hyderabad, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Hyderabad on January 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A flat in M. No. 1-1-79, RTC X Roads, Hyderabad having the plinth area of 1170 sft., registered vide document No. 512/82 by the S.R.O., Hyderabad.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 8-9-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Sri Narothamlal s/o Mangilal, Pr. in M/s. Vi
laxmi Silk Mills, Nandigam, Shadnagar Tq.
(Transferor)
- (2) M/s. Ramu Krishna Steel Re-rolling Mills, by G. L
Agarwal, s/o Late Chajulalji Nandigam, Shadnagar
Tq
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th September 1982

RAC. No. 122/82-83.—Whereas, I, M JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 1704, situated at Nandigam,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shadnagar on January 1982,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A Open land admeasuring 4 acres situated at Nandigam village, registered by the S.R.O., Shadnagar vide document No. 122/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-9-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Rakshinda Kausar D/o Mohd. G. Karuddin Ahmed, 5-3-803, Kutbiguda, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri M. Veerabhadra Rao w/o M. Yella Rao, M 572, Malakpet Colony, Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad the 8th September 1982

PAC No. 123/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 9/2 and 9/3 situated at Saroornagar, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad-East on January 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot bearing S. No. 9/2 and 9/3 situated at Saroornagar, Hyderabad admeasuring 389 sq. yds. registered by the S.R.O. Hyderabad-East vide document No. 729/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

37.—296GJ/82

Date : 8-9-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.

- (1) Smt. J. Venkata Ratnamma and Others, D. No. 1-10-193, Ashoknagar, Hyderabad.
(Transferor)
- (2) Smt. D. Ratna Sundari Devi R/o Plot No. 30, Bhagyalakshminagar, Bakaram, Kavadiguda, Secunderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th September 1982

RAC No. 124/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-10-193 situated at Ashoknagar, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkadpally on January, 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

House property (double storied building) No. 1-10-193, Ashoknagar Hyderabad area 600 sq. yds. registered with S.R.O., Chikkadpally vide document No. 47/82.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely :—

Date : 8-9-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Kabra and Company, Rep' by its partner Sri S Prabhakar Reddy 2-2-132 to 139 M G Road, Secunderabad
(Transferor)

(2) M/s Margadarsh Chit Funds Pvt Ltd Rep' by its Managing Director Sri A Krishna Murthy, 4 1-833 2 Abids Circle Hyderabad
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad the 8th September 1982

RAC No 125/82 83—Whereas I M JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No 202/C situated at Kabra Complex, Secunderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating or concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

'THE SCHEDULE'

Office No 202/C situated at Kabra Complex, 2-2-132 to 139 M G Road Secunderabad registered vide document No 39 82, by the SRO Secunderabad

M JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date 8 9 1982
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th September 1982

RAC. No. 126/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No 202/B situated at Kabra Complex, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on January 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. Kabra & Co Rep by its partner Sri S. Prabhakar, Reddy, 2-2-132 to 139, M.G. Road, Secunderabad

(Transferor)

(2) M/s. Margadarsi Chit Funds Pvt. Ltd., Rep. by its Managing Director Sri A. Krishna Murthy, 4-1-833/2, Abids Circle, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Office premises No 202/B, situated at Kabra Complex, 2-2-132 to 139, M.G. Road, Secunderabad registered vide document No 23/82 by the S.R.O., Secunderabad.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-9-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th September 1982.

R.A.C. No. 127 & 2-83.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 202-A situated at Kabra Complex Secunderabad, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Secunderabad on January 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

(1) M. S. Kabra and Company, Rep. by its partner Sri S. Prabhakar Reddy, 2-2-132 to 139, M.G. Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) M/S. Margadarsi Chit Funds Pvt. Ltd., Rep. by its Managing Director Sri A. Krishna Murthy, 4-1-833/2, Abids Circle, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises No. 202/A situated at Kabra Complex, M.G. Road, Secunderabad having the plinth area of 564 sft. registered vide document No. 19/82 by the S.R.O., Secunderabad

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 8.9.1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th September 1982

Rac. No. 128/82-83.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-1-524/A & AI situated at Gandhinagar, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) M/s. Kamath Builders, by S.R. Kamath, B-3, Bundi Shopping Centre, Tilak Road, Bombay.
(Transferor)
- (2) Sri Y. Trivikramarao, s/o Y. Narayana Rao, 1-1-714/C, New Bakaram, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of his notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A flat in M. No. 1-1-524/A & AI near Balaji Talkies, Gandhinagar, Hyderabad having the plinth area of 661 sqft., registered vide document No. 628/82 by the SRO, Hyderabad.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 8-9-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) M H Mohamed Basseer, M H Mohamed Nazer,
M/s. Kamath Builders, by S. R. Kamath, B-3,
Bindu Shopping Centre, Tilak Road, Bombay.
(Transferor)

(2) Sri Y. Sridhar Rao, s/o Y. Narayana Rao, 1-1-714/
C, Gandhinagar, New Bakarwam, Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th September 1982

RAC. No. 129/82-83.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN, being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

71-1-524/A situated at Gandhinagar, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in January 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned : —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A flat in M. No. 1-1-524/A & A1, Near Balaji Talkies, Gandhinagar, Hyderabad consisting of 1000 sqt. plinth area registered vide document No. 627/82 by the S.R.O., Hyderabad.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-9-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Kamath Builders, by S.R. Kamath, B-3, Bindu Shopping Centre, Tilak Road, Bombay.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri V. Padmaja Shenoy, w/o V. Ganesh Shenoy, 31674 A, Narayanguda, Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th September 1982

RAC. No. 130/82-83—Whereas, I M. JEGAN MOHAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No A-6, 1-1-524/A situated at Al Gandhinagar, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on January 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 50 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A flat in M. No. 1-1-524/A and Al near Balaji Talkies, Gandhinagar, Hyderabad consisting of 605 sft. plinth area registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No. 514/82

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Seal :
Date : 8-9-1982

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Kamath Builders, by S. R. Kamath, B-3, Bindu Shopping Centre, Tilak Road, Bombay.
(Transferor)

(2) Sri K. Dayananda Prabhu, s/o K. Seetharama-prabhu 1-4-84, 1st Floor, Kalasiguda, Secunderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad the 8th September 1982

RAC. No. 131/82-83.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-1-524/Gandhinagar Kalasiguda, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Hyderabad on January 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A flat in M. No. 1-1-524/A & AI situated near Balaji Talkies, Gandhinagar, Hyderabad having the plinth area of 660 sft., registered vide document No. 91/82 by the S.R.O., Hyderabad.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
38—296GI/82

Date : 8-9-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) M. S. Kamath Builders, by S. R. Kamath, B-3, Bindu Shopping Centre, Tilak Road, Bombay.
(Transferor)

(2) Sri S. G. Rama Krishna, 4-1-11/B, Tilak Road, Hyderabad
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th September 1982

RAC. No. 132/82-83.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 1-1-524/A & AI situated at Gandhinagar, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Hyderabad on January 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A flat in M. No 1-1-524/A & AI situated near Balaji Talkies, Gandhinagar, Hyderabad having the plinth area of 960 sft., registered vide document No. 92/82 by the S.R.O. Hyderabad

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 8-9-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS

- (1) M/s. Kamath Builders, by S. R. Kamath, B-3,
Bindu Shopping Centre, Tilak Road, Bombay.
(Transferee)
- (2) Sri N. Varadaraya Naik, B-1, Dmodar Kripa,
1-1-508/B/1, New Bakaram, Gandhinagar, Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th September 1982

RAC. No. 133/82-83.—Whereas, I
M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-1 in 1-1-524, A & AI Hyderabad,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on January 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A flat in M. No. 1-1-524/A & AI near Balaji Talkies, Gandhinagar, Hyderabad having the plinth area of 960 sft. registered with the S.R.O. Hyderabad vide document No. 188/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-9-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Kamath Builders, by S. R. Kamath, B-3, Bindu Shopping Centre, Tilak Road, Bombay.
(Transferor)(2) Sri P. V. Laxmi Narayana Sharma, s/o Seetharama Rao, Canara Bank, Bapatla.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th September 1982

RAC. No. 134/82-83.—Whereas, I
M. JEGAN MOHAN,
 being the Competent Authority under Section 269B
 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 No. 1-1-524/A, & AI situated at Hyderabad,
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
 Hyderabad on January 1982,
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A flat in 1-1-524/A & AI situated at Gandhinagar, Hyderabad having the plinth area of 840 sft. registered vide document No. 271/82 by the S.R.O. Hyderabad.

M. JEGAN MOHAN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-9-1982
 Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Kamath Builders, by S. R. Kamath, B-3, Bindu Shopping Centre, Tilak Road, Bombay.
(Transferor)

(2) Sri Madhusudhan Poshi s/o Shri P. Subba Rao, Bank Official, 2/291, Varadarajawamy Temple, Chittoor.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th September 1982

RAC. No. 135/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1-1 524/A & AI situated at Gandhinagar, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any income or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A flat in M. No. 1-1-524/A & AI situated near Balaji Talkies, Gandhinagar, Hyderabad having the plinth area of 697 sq. ft. registered vide document No. 272/82 by the S.R.O., Hyderabad.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 8-9-1982

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

- (1) M/s Kamath Builders, by S R Kamath, B-3, Bindu Shopping Centre, Tilak Road, Bombay.
(Transferor)
- (2) Smt Smitha Kulkarni, W/o Shri Prakash Kulkarni, 12-10-51, Seethaphalmandi, Secunderabad
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th September 1982

RAC No 136/82-83—Whereas, J. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 1-1-524/A & AI situated at Gandhinagar, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Jan 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A flat in M No 1-1-524/A & AI situated near Balaji Talkies, Gandhinagar Hyderabad having the plinth area of 531 sq ft registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No 273/82

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 8-9-1982
Seal

FORM I(TNS)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) M/s. Kamath Builders, by S.R. Kamath B-3, Bindu Shopping Centre, Tilak Road, Bombay.
(Transferor)
(2) Sri C. Suryanarayana Patro, Bank Employee, s/o Shri Narayana Patro, 74-3, Rangireti Street, Vizianagaram
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th September 1982

RAC. No. 137/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1-1-524/A & AI situated at Gandhinagar, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A flat in M. No. 1-1-524/A & AI located near Balaji Talkies, Gandhinagar, Hyderabad having the plinth area of 661 sq ft registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No 274/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8.9.1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

- (1) M/s. Kamath Builders, by S. R. Kamath, B-3 Bindu Shopping Centre, Tilak Road, Bombay.
(Transferor)
- (2) Smt. Pushpa S. Shenoy, w/o Shri Sudha Shenoy, 3-5-13/3, Ramkot, Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th September 1982

RAC No 138/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing, No. 1-1-524/A & AI situated at Gandhinagar, Hyderabad, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Jan., 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A flat in M. No 1-1-524/A and AI near Balaji Talkies, Gandhinagar, Hyderabad having the plinth area of 605 sq. ft. registered vide document No. 278/82 by the S.R.O., Hyderabad.

M. JEGAN MOHAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 8-9-1982

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM NO. I.T.N.S.—

- (1) M/s. Kamath Builders, by S. R. Kamath, B-3, Bindu Shopping Centre, Tilak Road, Bombay.
(Transferor)
- (2) Sri M. Subhash, s/o M. Shunkar Narayana Gupta, Syndicate Bank, Chittoor.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th September 1982

RAC No. 139/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

No. 1-1-524/A & AI situated at Gandhinagar, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Jan., 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A flat in M. No. 1-1-524/A and AI situated near Balaji Talkies, Gandhinagar, Hyderabad having the plinth area of 960 sq. ft. registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No 279/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 8-9-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
39-296GI '82

FROM ITNS--

- (1) M/s Kamath Builders, by S. R. Kamath B-3 Bindu Shopping Centre, Tilak Road, Bombay.
(Transferor)
- (2) Smt. Kamalavasini, Padmanabham, w/o K. Padmanabham, 6-3-609/109, Kairatibad, Hyderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th September 1982

RAC No 140/82-83.—Whereas, I, M. IFGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-1-524/A & AI situated at Gandhinagar, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, Hyderabad on Jan., 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A flat in M. No. 1-1-524/A and AI situated near Balaji Talkies, Gandhinagar, Hyderabad having the plinth area of 960 sq. ft. vide document No. 280/82 by the S.R.O., Hyderabad No. 179/82

M. IFGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 8-9-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

- (1) M/s. Shahjehan Apartments, 6-2-974, Khairatabad,
Hyderabad.
(Transferor)
- (2) Smt. Gulbanu Razack, w/o Sri Abdul Razack, Flat
No. 305, Shahjehan Apartments, Khairatabad,
Hyderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th September 1982

RAC No. 141/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

F. No. 305 situated at Khairatabad, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Jan., 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 305 situated at Shahjehan Apartments Mch. No. 6-2-974, Khairatabad, Hyderabad admeasuring 1055 sq. ft. in 3rd floor, registered vide document No. 89/82 by the S.R.O., Hyderabad.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 8-9-1982
Seal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Sri Valichala Premchand, H. No. 60/4 RT, Barkat-puram, Hyderabad.
(Transferor)
- (2) Mrs. Noor Jehan Siddiqui, w/o Mr. Jameel Ahmed Siddiqui, 18/3 RT Vijayanagar Colony, Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th September 1982

RAC No. 142/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 18 situated at Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on Jan., 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property so aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 192nd (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open plot No. 18 (Portion) situated at Road No. 3, Banjara Hills, Hyderabad admeasuring 605 sq. yds. registered vide document No. 179/82 by the S.R.O., Hyderabad.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 8-9-1982
Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th September 1982

RAC No 143/82-83.—Whereas, I, M JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

Plot No 18 situated at Banjara Hills, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Jan., 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sri Valichala Premchand, H. No. 60/4 RT, Bathupura, Hyderabad
(Transferor)
- (2) Smt. Zaiba Farzana w/o Dr. Mohd. Jowad Farooqui, Prm M/s Andhra Pradesh Construction Co., II No 10-3-304/12, Humayunnagar Hyderabad.
(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open plot No. 18 (Portion) situated at Road No. 3, Banjara Hills, Hyderabad admeasuring 592 sq. yds. registered vide document No. 177/82 by the S.R.O., Hyderabad

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 8-9-1982
Seal :

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Jugu Bai, (2) Harishchand,
6-1-142 Walker Town Padmarao nagar, Secunderabad.
(Transferor)

(2) (1) B. Narasimha, (2) B. Satyanarayana Photographei 1-3-121 Kalasiguda, Secunderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th September 1982

Ref. No. RAC No. 144 82-83.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6-1-142 situated at Padmarao Nagar, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on January 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 6-1-142 walker town Padmarao Nagar Secunderabad registered with Sub-Registrar Secunderabad vide Doc. No. 41/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 8-9-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri P. Gopal S/o Hanumalaih
Thalapally Tq., Rajendranagar
Rangareddy Dt.

(Transferor)

(2) Shrimati P. Swarna W/o Anjaiah
Kothur Tq. Shadnagar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th September 1982

Ref. No. RAC/145/82-83.—Whereas, I, M. JEGANMOJAN being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Kathur Village (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Simhachalam on January 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land in Survey No. 100 5Ac. 27 guntas at Kothur village registered with Sub-Registrar Shadnagar vide Doc. No. 123 82.

M. JEGANMOJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 8-9-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri P. Hanumaiah S/o Balaiah
Thondepally Tq. Rajendranagar
Rangareddy Dt.

(2) P. Anjaiah S/o Hanumaiah
Kothur tq. Shadnagar

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th September 1982

Ref. No. RAC/146/82-83—Whereas, I, M. JEGAN—
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. Land situated at Kothur village
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering
Officer at Shadnagar in January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land 1 Ac 2 guntas at Kothur village registered with Sub-
Registrar Shadnagar vide Doc. No. 124/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 8-9-1982
Seal .

FORM ITNS

(1) Shri P. Gopal S/o Hanumaiah
Thondapply P. O. R. R. Dt

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri P. Anjaiah S/o Hanumaiah
Kothur village.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th September 1982

Ref. No. RAC No. 147/82-83.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN,
 being the Competent Authority under Section 269B
 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property having a fair market value exceeding
 Rs. 25,000/- and bearing
 No. Land situated at Kothur village,
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
 1908) in the office of the Registering Officer at
 Shadnagar in January 1982
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property, and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
 property, within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein
 are defined in Chapter XXA of the said Act.
 shall have the same meaning as given in
 that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer,
 and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act
 1957 (27 of 1957);

Open land admeasuring 0-20 cents situated at Kothur
 village, Kurnool registered vide document No. 129/82 by
 the S. R. O. Shadnagar.

M. JEGANMOHAN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
 ing persons, namely :—
 40-296 GI/82

Date : 8-9-1982
 Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A P)**

Hyderabad the 8th September 1982

Ref. No RAC No 148/82-83—Whereas, I, M JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Block 601 situated at Hyderguda Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikadpally in January 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(1) M/s Matrusri Engineers & Builders
J-5-873 Hyderguda
Hyderabad

(Transferor)

(2) Smt G Sarala Devi
A P Mahila Federation
7 Old MLA quarters
Hyderabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Block 601 area 985 sq ft at Hyderguda, Hyderabad registered with sub-registrar Chikadpally vide Doc No 71/82

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Hyderabad (A P)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 8-9-1982
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Mastrusii Engineers Builders
3-3-873 Hyderabad,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt A Sitakumari W/o A Radhakrishna Murthy
I.I & Sales tax Practitioner
Siddipet Medak Dt

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th September 1982

Ref No RAC No 149/82-83.—Whereas, I, M JEGANMOHAN

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No A Block situated at Hyderguda Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikadpally in January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration thereto by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A Block 307 area 1150 sft at Matrusii Apartments at Hyderguda Hyderabad registered with Sub-Registrar Chikadpally vide Doc No. 72/82

M JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date 8-9-1982
Seal.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—
39—286 GI/82

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th September 1982

Ref. No. RAC. No. 150/82-83.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. block 208 situated at Hyderguda Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikadpally in January 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) M/s. Mauithru Engineers & Builders Ltd.
3-5-873 Hyderguda,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) M. Hanumayamma
D/o Sri M. V. Subba Rao
3-4-499 Barkatpura
Hyderabad 27

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Block 208 area 985 sq. ft at Hyderguda, Hyderabad registered with sub-registrar Chikadpally vide Doc. No. 73/82

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-9-1982
Seal :

FORM ITNS-

- (1) M/s Matrusri Engineers & Builders (Pvt.) Ltd.
3-5-873 Hyderguda,
Hyderabad.
(Transferor)
- (2) Smt. Vijayalakshmi W/o Purushotham Agarwal
3-5-873 Flat No. 404 Block 'C'
Matrusri Apartments Hyderguda
Hyderabad
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th September 1982

Ref. No RAC No. 151/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No C-Block situated at Hyderguda Hyderabad

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikadpally in January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1857);

'C' Block 404 area 812 sq. ft. Matrusri Apts. Hyderguda Hyderabad registered with Sub-Registrar Chikadpally vide Doc No 74/82

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of said Act, to the following persons, namely :—

Date 8-9-1982
Seal :

FORM ITNS-----

(1) Sh. Matrusri Engineers & Builders (P) Ltd.
3-5-873, Hyderguda, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th September 1982

Ref. No. RAC No. 152/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-5-873 situated at Matrusri Apartments, Hyd (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkadpally on Jan. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A flat in M. No. 3-5-873 situated at Hyderguda, Hyderabad having the plinth area of 915 sft. registered by the S.R.O., Chikkadpally vide document No. 2/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-9-1982
Seal :

FORM ITNS

- (1) M/s Kabra & Co.
61, M. G. Road Secunderabad
Rep. By S. Prabhakar Reddy.
(Transferor)
- (2) M/s Margadarsi Chit Funds Pvt. Ltd.
4-1-833/2 Margadarsi House
Abids Circle Hyderabad
By M. D. Sri A. Krishna Murthy
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th September 1982

Ref. No. RAC No. 153/82-83.—Whereas, I, M JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Office 202 situated at M. G. Road Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on Jan. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or amounts or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office no 202 in 2nd floor at No. 2-2-132 to 139 Babra complex M. G. Road, Secunderabad registered with Sub-Registrar Secunderabad vide Doc. No. 12/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date : 8-9-1982
Seal :

FORM LT.N.S.—**NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)**

Hyderabad, the 8th September 1982

Ref. No. RAC 154/82-83.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
 being the Competent Authority under Section 269B of
 the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding
 Rs. 25,000 and bearing
 No. A-2/3 situated at Chandralok
 Secunderabad
 (and more fully described in the Schedule annexed
 hereto), has been transferred under the Registration Act,
 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
 Secunderabad on Jan. 1982
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

- (1) Smt. Vimla Rao W/o Sri K. K. R. Rao
 H. No. A-2/3 (Old No. 1-7-234 to 241
 Chandralok Complex, S. D. Road
 Secunderabad.
 (Transferor)
 (2) 1. Sri Arvind Karandas 2. Sri Bharat Karsandas
 3. Sri Madhusudham Karsandas, 4. Anil
 Karsandas all sons of Karsandas ved R/o A5-6B
 Chandralok Complex, Secunderabad.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
 of 45 days from the date of publication of this
 notice in the Official Gazette or a period of 30
 days from the service of notice on the respective
 persons, whichever period expires later;
 (b) by any other person interested in the said immovable
 property, within 45 days from the date of the publica-
 tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat A-2/3 First floor of Chandralok Apartments in pre-
 mises bearing No. 1-7-234-241 (Old No. 111) S.D. Road
 Secunderabad Registered with Sub-Registrar Secunderabad vide
 Doc No 11/82.

M. JEGAN MOHAN,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act to the following
 persons, namely :—

Date : 8-9-1982
 Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. G. Shanthamma W/o late Gandiah
Bapujinagar Bowinpally
Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri Malam Co-operative Housing Society Ltd.
T/AH 448 1-10 316 Bapujinagar
Secunderabad

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGI, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad the 8th September 1982

Ref. No. RAC No. 155/82-83.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Thokatta village,
Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering
Officer at Mardepally on Jan. 82
for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land in Survey No. 21/2 at Thokatta village Bownpally
Secunderabad cantonment registered with Sub-registrar Mardepally
vide Doc. No 79/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date : 8-9-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—
41—296G.I/82

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th September 1982

Ref. No. RAC No. 156/82-83.—Whereas, I, M JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Thokatta village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mardepally on Jan. 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Smt. Cr. Gangamma
GPA K. Madhava Reddy
68/C Santhoshnagar Colony
Sandabad, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri K. Madhava Reddy S/o Gopal Reddy
Sree Malamai Co-operative Housing Society
TAB 448 1-10-316 Bapujinagar
Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land in S. No. 11/A & 17/A Thokatta village Bowenpally Secunderabad registered with Sub-Registrar Mardepally vide Doc. No. 78/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 8-9-1982
Seal :

FORM ITNS

- (1) Sh. D. Lalitha Kumar S/o D. Somasekhara Rao
12-107 Alwal Secunderabad.
(Transferor)
- (2) Sri Agnol J. Pariaro S/o Hornet Periara
R/o 12-107 Plot No. 7 Survey No. 279/2
Venkatrao pet Lothukunta, Alwal
R.R.Dt.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGI, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th September 1982

Ref. No. RAC No. 157/82-83.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12-107 situated at Alwal Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

R. R. Dt. on Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 12-107 plot No. 7 in Survey No. 279/2 Venkatrao pet Lothukunta Alwal R.R. Dt. registered with Sub-Registrar R.R. Dt. vide Doc. No. 916/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 8-9-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. N. Sivayya & other
46/347 B-peta
Kurnool.

(Transferor)

(2) M/s Raja Rajewari Traders
18-175 Nehru Road
Kurnool.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th September 1982

Ref. No. RAC 158/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Kallur village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kurnool on Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at Kallur village registered with Sub-Registrar Kurnool vide Doc. No. 255/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date : 8-9-1982
Seal :

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Sri N. Sivaram and Others
46/347 B Pera Kurnool

(Transferor)

(2) M/s Sri Raja Rajeswari Traders
18/175 A Nachu Road Kurnool

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad the 8th September 1982

Ref No RAC No 159/82 83—Whereas I

M JEGAN MOHAN
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000 and being No situated at

Kalluru village Kurnool

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kurnool on Jan 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957)

THE SCHEDULE

Open land adjoining 0.50 cents situated at Kalluru village Kurnool registered vide document No 271/82 by the SRO Kurnool

M JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely —

Date 8/9/1982
SRI

FORM ITNS—

(1) Sri N. Sivayya & other
46/347 B-peta
Kurnool.

(Transferor)

(2) M/s Raja Rajeswari Traders
18-175 Nehru Road
Kurnool.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th September 1982

Ref. No. RAC 160/82-83.—Whereas, I,
M. JEGANMOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Land situated at

Kallur village,
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Kurnool on Jan. 82
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at Kallur village registered with Sub-Registrar Kurnool
vide Doc. No. 281/82.

M. JEGANMOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition
of the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-9-1982
Scal :

FORM ITNS—

(1) Sh N Sivayya & others
46/347 B-peta
Kurnool

(Transferor)

(2) M/S Raja Rajeswari Traders
18-175 Nehru Road
Kurnool.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th September 1982

Ref No RAC 161/82 83 - Whereas I,
M. JEGANMOHAN,
being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs 25,000/- and bearing
No. Land situated at
Kallur village
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Kurnool on Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Kallur village registered with Sub-Registrar Kurnool
vide Doc No. 300/82

M. JEGANMOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 8-9-1982

Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. N. Sivappa & others
16/34/ B-Pet
Kurnool

(Transferor)

(2) M. S. Raja Rajeswari Traders
18-175 Nehru Road
Kurnool

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th September 1982

Ref No RAC 162/82-83.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

I and situated at Kallur village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kurnool on Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land at Kallur village registered with Sub-Registrar Kurnool vide Doc. No 330/82

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGANMOHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 8-9-1982
Seal .

FORM ITNS—

(1) Sh. N. Sivayya & others
46/347 B-Peta
Kurnool

(Transferor)

(2) M/s. Raja Rajeswari Traders
18/175 Nehru Road
Kurnool

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th September 1982

Ref. No. RAC 163/82-83.—Whereas I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No. 1 and situated at
Kallur village
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Kurnool on Jan. 82
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of ---

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the concealment of any income or any
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at Kallur village registered with Sub-Registrar Kurnool
vide Doc. No. 466/82

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date : 8-9-1982
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
42—296GJ/82

FORM ITNS—

(1) Sh. N. Sivayya & other
16/347 B-Pura
Kurnool

(Transferor)

(2) M. S. Raja Rajeswari Traders
18-175 Nehru Road
Kurnool

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th September 1982

Ref. No. RAC 164/82-83.—Whereas I,
M. JEGANMOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Kallur village
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Kurnool on Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
so aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at Kallur village registered with Sub-Registrar Kurnool
Vle Doc. No. 334 82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 8-9-1982
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sh. N. Sivayya & others
46/347 B.P.L.
Kurnool

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Kaja Rageswari Traders
18-175 Nehru Road
Kurnool.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th September 1982

Ref. No. RAC 165/82-83.—Whereas I,
M. JEGANMOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Kallui village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registered Officer at Kurnool on January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE.

Land at Kallui village registered with Sub-Registrar Kurnool vide Doc. No. 354 82.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-9-1982

Seal .

FORM ITNS—

(1) Sh. N. Sivayya & others
46/347 B-Peta
Kurnool.

(Transferor)

(2) M/s Raja Rajeswari Traders
18-175 Nehru Road
Kurnool.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICER OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th September 1982

Ref. No. RAC 166/82-83.—Whereas I,
M. JEGANMOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Kallur village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kurnool on Jan. 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at Kallur village registered with Sub-Registrar Kurnool vide Doc. No. 365/82

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date : 8-9-1982
Seal .

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS -----

(1) N. Sivayya & others
46/347 B-Peta
Kurnool

(Transferor)

(2) M. S. Raja Rajeswari Traders
18-175 Nehru Road
Kurnool.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th September 1982

Ref. No. RAC/167/82-83.- Whereas I, M. JEGANMOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Kallur village (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kurnool on January 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of . . .

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at Kallur village registered with Sub-Registrar Kurnool vide Doc. No. 382/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-9-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th September 1982

Ref. No. RAC/168/82-83.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Kallur Village
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Kurnool on January 1982
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) N. Sivayya & others
46/347 B-Peta
Kurnool

(Transferor)

(2) M/s. Raja Rajeswari Traders
18-175 Nehru Road
Kurnool.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at Kallur village registered with Sub-Registrar Kurnool vide Doc. No. 400/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : -

Date 8.9.1982
Seal .

FORM ITNS

(1) N. Sivayya & others
46/347 B-Peta
Kurnool

(Transferor)

(2) M s. Raja Rajeswari Traders
18-175 Nehru Road
Kurnool.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th September 1982

Ref. No. RAC 169/82-83.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN, being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Kallur Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kurnool on January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at Kallur village registered with Sub-Registrar Kurnool vide Doc. No. 417/82

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range. Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 8-9-1982.
Seal :

FORM LT.N.S.—

(1) N. Sivaiah S/o N. Swamy Reddy,
46/347 B-Peta
Kurnool

(Transferor)

(2) M. s. Raja Rajeswari Traders
18-175 Nehru Road
Kurnool.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th September 1982

Ref. No. RAC/170/82-83.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN, being the competent authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Kallur Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kurnool on January 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the respect of any income arising from the transfer; 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1951);

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 0-50 cents at Kalluru village, Kurnool registered vide document No. 436/82 by the S.R.O., Kurnool.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-9-1982.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Smt. Lokireddi Padmavati, W/o Sri Chandrasekhara MIG.B.I F.9, M. J. Road, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Sri Baddireddi Murali Mohan Babu,
S/o Sri B. Bulliraju, Meher Nagar, Kakinada.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th September 1982

Ref. No. RAC/104/82-83.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 65-4-1 situated at Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House Property at Door. No. 65-4-1 Block No. 65, Kakinada registered with S.R.O. Kakinada vide document No. 593/82

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date: 10-9-1982

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—
43—296 GI/82

FORM I.T.N.S.—

(1) A. Satyanarayana Murthy,
S/o Sri Gunnayya Naidu Veedhi Saluru
(Transferor)

(2) Sh. Narla Thammayya, S/o Satyanarayana
Murthy, Managing partner,
V. R C Sugars Starch Complex Saluru-532591,
Vizianagaram
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th September 1982

Ref. No. RAC No./103/82-83.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
S No 55/2 situated at Saluru Vizianagaram
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Saluru on Jan. 1982
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land of Ac. 2-17 cents at Saluru and factory
Building & Machinery registered with S.R.O., Saluru, vide
document No. 55/82. Survey No. 55/82, Saluru 1 ward,
Vizianagaram.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date: 10-9-1982.
Seal

FORM I.T.N.S —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th September 1982

Ref. No. RAC. No /102/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

27-16-179 to 82 situated at Vijayawada situated at Nizampura area, Baroda City (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Vijayawada on Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) 1. Godavarti Yagna Narasimharao,
2. G. Laxminarasimha Prasad
3. G. V. L. P. Gupta M/g. G. Yagna Narasimha
Prasad Robertson Pet, Machilipatnam
(Transferor)

(2) Shri Desu Venkata Subba Rao, S/o Satyanarayana
Port Road, Machilipatnam.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Vijayawada Municipal 23rd ward, Door No. 27-16-179 to 82 asst. No 20130 RWA Blocks Nos. 224, 225-86 sq. vds. Brindavan Lodge, Beent Road, Vijayawada registered with S.R.O. Vijayawada, vide document No. 209/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 10-9-1982.
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th September 1982

Ref. No. RAC 101/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

27-16-179 to 82 situated at Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on January 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Godavarti Yagna Narasimha Rao Robertson pet, Machilipatnam
2. G. Laxminarasimha Prasad.
3. G. V. L. N. P. Gupta,

(Transferor)

- (2) Sh. Deshu Venkata Subba Rao,
S/o. Satyanarayana Port Road, Machilipatnam.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at D. No. 27-16-179 to 82 Brindavan Lodge, Besant Road, Vijayawada, registered with S.R.O. Vijayawada vide document No. 210 82, Asstt. No. 20130 226-04 sq. yds. R.W. 9, Block No. 5, NTS. No. 224.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .—

Date. 10-9-1982.

Seal :

FORM ITNS.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX,

**ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)**

Hyderabad, the 10th September 1982

Ref. No. 100/82-83.—Whereas, J.
M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 27-16-179 to 82 situated at Vijayawada
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer

at Vijayawada on Jun 1982
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property at door No. 27-16-179 to 82 asst. No. 20130 R. W. 9, Block No. 5 NTS. No. 224227 sq. yds. registered with S.R.O. Vijayawada, vide document No. 708 82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date: 10-9-1982.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th September 1982

Ref. No RAC/99/82-83 ---Whereas, I,
M JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs 25,000/- and bearing No
27 16-179 situated at Governmentpet Vijayawada 1
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Vijayawada on 1 in 1982
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) 1 Godavarthi Yagna Narasimha Rao & Others
Cloth Merchants Machilipatnam
- 2 G Laxminarasimha Prasad
- 3 Venkata Laxmi Narasimha Purushothama Gupta
(Transferor)
- (2) Chalavadi Satyanarayana, Gulabchand street,
Vijayawada-1.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

THE SCHEDULE

Property at D No 27-16-179 to 82 Brindavan Lodge, Besant Road, Governor Pet Vijayawada, registered with S.R.O. Vijayawada, vide document No 207/82 & 208/82 Municipal Ward No 23 Asst No 20/30, R.W. 9, Block No 5, NTS, 224 in 227-50 sq. yds

M JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date 10/9/1982
Seal .

FORM ITNS—

(1) Smt. Tadikonda Kameswaramma, W/o
Kameswara Rao Vijayawada
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Bhoomana Kanaka Mahalaxmi W/o Raja
Rao 41-1-256, Krishna Lanka Vijayawada
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th September 1982

Ref. No. RAC No. 98/82-83—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 41-1-256 situated at Krishnalanka Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on Jan. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property bearing Door No. 41-1-256, Krishna Lanka, Vijayawada, registered with S.R.O. Vijayawada, vide document No. 327/82 NTS. 359, Revenue Ward No. 10 Block No. 10 Vijayawada.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-9-1982.
Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Sanagavararu Satyanarayana, S/o Sitharamayya
Kanigiri.
(Transferor)

(2) 1. Sri Vuppala Natasimham,
2. Sri V. Ramulu,
3. Sri Vuppala Harinarayana Rao,
Kanigiri.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

**ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)**

Hyderabad, the 10th September 1982

Ref. No. RAC No. 97/82-83.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

7/11 situated at Kanigiri
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Kanigiri on Jan. 1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property at Kanigiri Block No. 7/11, registered
with S.R.O. Kanigiri, vide document No. 68/82 in 563+ sq.
yds.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date: 10-9-1982.
Seal :

FORM LTNS —————

(1) Chinni Ethirajamma 18/410 A Peddi Bazar
Nellore

(Transferor)

(2) Rachipudi Chalamaiyah, S/o Raghavayya
C/o Vijaya Lodge, Sriangalaja Puram,
Stonehousepet Nellore 2

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th September 1982

Ref No RAC No 96/82-83—Whereas, I,
M JEGAN MOHAN
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs 25,000/- and bearing
No 5/726 situated at Stonehousepet Nellore-2
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Nellore on Jan 1982

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer is agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property at Door No 5/726, Sri Rengarajapuram
Stonehousepet Nellore-2, registered with S.R.O. Nellore
file document No 330/82

M JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date 10-9-1982
Seal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, in the following
persons namely :—
44—296 GI/82

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Chinchali Dhanam, D/o Chinchali Ramamurthy, Gandhipuram-2, Rajahmundry.
(Transferor)

(2) Smt. Dara Seetha Bhaskaramma,
W/o Dara Venkata Surya Chitti Pyda Rao,
D. No. 14-90, Gandhipuram Rajahmundry.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th September 1982

Ref. No. 95/82-83.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing D. No. 14-90 situated at Gandhipuram Block II, Rajahmundry (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry on January 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 50 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property at D. No. 14-90, Gandhipuram, Block-II, Rajahmundry, registered with S.R.O. Rajahmundry, vide document No. 70/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date: 10-9-1982.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

(1) Sh. Seeram Adeppa S/o Late Sattayya and his Son Rushikonda, Vijag.
(Transferor)

(2) Sri Krishna Co-op. House Building Society, Ltd., B-1624, Visakhapatnam-16.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th September 1982

Ref. No. RAC 94/82-83.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 0-33 cents situated at Rushikonda Vijag
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Vijag on Jan. 1982,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at Rushikonda Village 0-33 cents, Visakhapatnam Tal. Registered with S.R.O. Vijag, vide document No. 176/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date: 10-9-1982.
Seal .

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

FORM ITNS—

(1) 1. Shri Mugada Peda Sanyasi S/o Late Peda Appalaswamy Rushikonda Visakhapatnam and 2 others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s Sri Krishna Coop. House Building Society Ltd., B. 1642, Visakhapatnam.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th September 1982

Ref. No. RAC No. 93 82-83.—Whereas, 1. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 9/4 situated at Rushikonda Visakhapatnam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on January 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property at S. No. 9/4 ac. 0-55 cents dry land at rushikonda Village Visakhapatnam-16, registered with S.R.O., Visakhapatnam vide document No. 177/82.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date, 10-9-1982.

Seal :

FORM ITNS—

(1) 1. Smt. V. Nookalamma W/o Sanyasi, 2. V. Appalanaidu.

(Transferor)

(2) M/s. Sukishna Co-op. House Building Society Ltd., B. 1624 Visakhapatnam-16.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th September 1982

Ref. No. RAC No. 92/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 44/3A situated at Rushikonda Vizag, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 44/3-A at Rushikonda, Visakhapatnam 0-99 $\frac{1}{2}$ acres, & 44/3 A, B, C, D, Area ac., 0-99 $\frac{1}{2}$ cents dry land registered with S. R. O. Visakhapatnam vide document No. 276/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 10-9-1982.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th September 1982

Ref No RAC No 91/82 83—Whereas I M JECHAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No S No 44/3A situated at Rushikonda Vizag (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on January 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri V Sanyasi, Rushikonda (H.O.), Yendada P.O., Vizag, (Taq)
(Transferor)

(2) Sri Krishn Co Op House Building Society Ltd
B 1624, Vizag -16
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Property at S No 44/3-A B C D, area 0.99½ at Rushikonda Village, Visakhapatnam registered with SRO 2 Vizag vide document No 275/82

M JECHAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date 10-9-1982

Seal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th September 1982

Ref No RAC No. 90 82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 178 situated at T.P.T. Colony Vizag

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Vizag on January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. P. Radha Lakshmi W/o Dr. Ramabhadri Raju, T.P.T. Colony, Vizag.
(Transferor)
- (2) Sri K. Abraham S/o K. Ettiyavu Abraham, D. No. 11-6-5(a), Near Apsara, Mahanupeta Vizag.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at Plot No. 178, T.P.T. Colony, Seethammadhara Vizag, in 350 sq. yds., and house thereon registered with S.R.O. vide document No. 201/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 10-9-1982.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

- (1) Smt. Addepalli Seethamahalaxmi w/o Seshachalam
Door No. 12-17-21, Rajahmundry.
(Transferor)
- (2) Sri Jupudi Venkateswara Rao S/o Seshavataram.
Bandaruvuri Street, Rajahmundry.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)**

Hyderabad, the 10th September 1982

Ref. No. RAC 89/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12-17-21 situated at Aryapuram Rajahmundry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry on January 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and than the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property at Aryapuram Rajahmundry, Door No. 12-17-21. Registered with S.R.O., Rajahmundry, Vide document Nos. 140/82. (area in 316 sq. yds. & 224 sq. yds.)

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-9-1982.
Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Addepalli Seethamahalakshmi, W/o Seshachalam, Door, No. 12-17-21, Rajahmundry.
(Transferor)

(2) Shri Jupudi Venkateswara Rao, S/o Seshavataram, Bandaruvarri Street, Rajahmundry.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th September 1982

Ref. No. RAC No. 89(A)/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12-17-21 situated at Aryapuram, Rajahmundry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry on January 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property at Aryapuram Rajahmundry, Door. No. 12-17-21, Registered with S.R.O. Rajahmundry vide document No. 140/82. (area in 224 sq. yds.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

45—296GI/82

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 10-9-1982.
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT-COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th September 1982

Ref. No. RAC No. 88/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 136/3 situated at Ongole (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) In the office of the Registering Officer at Ongole on January 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) 1. T. Vasantherayudu S/o Kondalarayudu, 2. T. Sankararao, 3. T. Makkarjuna Rao S/o T. Vasantha Rayudu, Ongole.

(Transferor)

(2) Ch. Anjayeyulu S/o Ankamma Gopalanagaram Ongole.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at S. No. 136/3 27½ Acres situated at Ongole, registered with S.R.O., Ongole, vide document No. 50/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-9-1982,
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th September 1982

Ref. No. RAC No. 87/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 136/3 situated at Ongole (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ongole on January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Sitaram, 2. T. Narasimha Rao, 3. T. Venkateswararao, 4. T. Venkata Subbarao, 5. T. Jalamma, 6. T. Sambasiva Rao, 7. T. Manikyamma, 8. T. Vasanthayudu, 9. T. Sankara Rao, 10. T. Malikarjunarao, Ongole.

(Transferors)

- (2) Ch. Anjaneyulu, S/o Ankamma, Ongole.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at Ongole, S. No. 136/3 27 $\frac{1}{2}$ Acres, at Ongole, registered with S.R.O., Ongole, vide document No. 52/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-9-1982.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th September 1982

Ref. No. RAC. No. 86/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 136/3 situated at Ongole (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ongole on January 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) 1. Sitaram, 2. T. Narasimharao, 3. T. Venkata Subba Rao Sons of T. Koteswara Rao, 4. T. Venkateswara Rao Sons of T. Koteswara Rao, 5. T. Jalamma W/o Suryaprakasha Rao, 6. T. Ratnam w/o Kondala Rao, Gopalanagaram, Ongole.
(Transferees)

(2) Ch. Mallikajuna Rao S/o Anjaneyulu Ongole.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at S. No. 136/3 at Ongole 27½ acres at Ongole registered with S.R.O., Ongole, vide document No. 49/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 10-9-1982.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

- (1) T. Manikyamma W/o T. Yellamandaryudu, Gopalanagaram, Ongole.
(Transferor)
- (2) Ch. Ramakrishna S/o Anjaneyulu, Gopalanagaram, Ongole.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th September 1982

Ref. No. RAC No. 5/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 136/3 situated at Ongole

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ongole on January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agl. Land at S. No. 136/3 Acre 27 $\frac{1}{4}$ situated at Ongole, registered with S.R.O., Ongole, vide document No. 51/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-9-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR
BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001
Patna-800 001, the 18th September 1982

Ref. No. III-586/Acq/82-83.—Whereas, I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing H. No. 241 & 242, Ward 1/C, Thana No. 190, R. S. Plot No. 501, 509(P), 510, 499/565 and 561/566, C. S. Plot No. 418, 419, 416, 424-25 situated at Village Chandwipargannas, Kanke Road, PS./ Dist-Ranchi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 11-1-1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Roma Devi,
W/o Sri Mukul Chatterjee,
R/o-43, Lake Avenue, P.S. Tollygunge.
Dist-24, Parganas, Calcutta-26. (Transferer)

(2) M/S. Uma Commerce Private Limited,
Through its Director Sri B. L. Santhalia,
Registered office at—
No. 24, R. N. Mukherjee Road, Calcutta-700 001. (Transferee)

(3) M/S. Usha Martin Black Limited,
Registered office at—
14, Princep Street, Calcutta.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any,, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

THE SCHEDULE

Land measuring 4 Bighas 4 Kathas with double storeyed pucca building situated at village Chandwipargannas, Kanke Road, P.S./Dist.-Ranchi and more fully described in deed No. I-144 dt. 11-1-82 registered with Sub-Registrar of Assurances at Calcutta.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range Bihar Patna

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-aforesaid property by the issue of this notice under sub-persons; namely :—

Date : 18-9-1982
Scal :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

COMBINED DEFENCE SERVICES EXAMINATION

MAY, 1983

New Delhi, the 23rd October 1982

No. F.8/4/82-EI(B).—A combined Defence Services Examination will be held by the Union Public Service Commission commencing from 8th May, 1983, for admission to the undermentioned courses :—

Name of the Course and Approximate No. of Vacancies

(1) Indian Military Academy, Dehra Dun
(76th Course commencing in January, 1984) 120

[Includes 32 vacancies reserved for NCC 'C' Certificate (Army Wing) holders].

(2) Naval Academy, Cochin Course commencing in January, 1984)

(a) General Service 60*

[Including 6 reserved for N.C.C. 'C' Certificate (Naval Wing) holders].

(b) Naval Aviation 30

(3) Air Force Academy AFAC, Coimbatore [Pre-Flying Training Course for 135th F(P) Course commencing in January, 1984] 35@

@[Includes 15 reserved for NCC 'C' certificate (Air Wing) holders].

(4) Officers' Training School Madras [39th SSC (NT) course commencing in May, 1984] 268

N.B. (i)—A candidate is required to specify clearly in Col. 8(b) of the Application Form the Services for which he wishes to be considered in the order of his preference. He is also advised to indicate as many preferences as he wishes to, so that having regard to his rank in the order of merit, due consideration can be given to his preferences when making appointments.

Candidates should note that, except as provided in N.B. (ii) below, they will be considered for appointment to those courses only for which they express their preference and for no other course(s).

No request for addition/alteration in the preferences already indicated by a candidate in his application will be entertained by the Commission.

N.B. (ii)—The left over candidates of IMA Course for grant of Permanent Commission of this examination may be considered for grant of SSC (NT) even if they have not indicated their choice for this course in their applications if they are subsequently willing to be considered for this Course, subject to the following conditions :—

- (i) There is a shortfall after detailing all the candidates who competed for the SSC(NT) Course; and
- (ii) The candidates who are detailed for training even though they have not expressed their preference for SSC (NT) will be placed in the order of Merit List after the last candidate who had opted for this Course, as these candidates will be getting admission to the Course to which they are not entitled according to the preferences expressed by them

Note I : NCC 'C' Certificate (Army Wing)/(Senior Division Air Wing)/(Naval Wing) holders may also compete for the vacancies in the Short Service Commission (Non-Technical) Course, but since there is no reservation of vacancies for them in this course, they will be treated as general candidates for the purpose of filling up vacancies in this Course. Candidates who have yet to pass NCC 'C' Certificate (Army Wing/Senior Division Air Wing/Naval Wing) examination, but are otherwise eligible to compete for the reserved vacancies, may also apply but they will be required to submit the proof of passing the NCC 'C' Certificate (Army Wing/Senior Division Air Wing/Naval Wing) examination to reach the Army HQ/Rtg 6 (SP) (c), New Delhi-110022 in case of IMA/SSC(NT) first choice candidates and Naval HQ/R&R, Sena Bhawan, New Delhi-110011 in case of Navy first choice candidates and Air HQ/PO-3, Vayu Bhavan, New Delhi-110022 in case of IMA/SSC(NT) first notice dates by 31st December, 1983.

To be eligible to compete for reserved vacancies the candidate should have served for not less than 2 academic years in the Senior Division Army Wing/3 academic years in the Senior Division Air Wing/Naval Wing of National Cadet Corps and should not have been discharged from the NCC for more than 24 months for IMA/Naval Academy/Air Force Academy Courses on the last date for receipt of applications in the Commission's office.

Note II : In the event of sufficient number of qualified NCC 'C' Certificate (Army Wing/Senior Division Air Wing/Naval Wing) holders not becoming available on the results of the examination to fill all the vacancies reserved for them in the Indian Military Academy Course/Air Force Academy Course/Naval Academy Course, the unfilled reserved vacancies shall be treated as unreserved and filled by general candidates.

Admission to the above courses will be made on the result of the written examination to be conducted by the Commission followed by intelligence and personality test by a Services Selection Board, of candidates who qualify in the written examination. The details regarding the (a) scheme, standard and syllabus of the examination (b) physical standards for admission to the Academy/School, and (c) brief particulars of service etc for candidate joining the Indian Military Academy, Naval Academy, Air Force Academy and Officers' Training School are given in Appendices I, II and III respectively.

NOTE :—THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS OF THE EXAMINATION WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.

2. CENTRES OF EXAMINATION.—Agartala, Ahmedabad, Aizawl, Allahabad, Bangalore, Bhopal, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Cochin, Cuttack, Delhi, Dispur (Gauhati), Hyderabad, Imphal, Itanagar, Jaipur, Jammu, Jorhat, Kohima, Lucknow, Madras, Nagpur, Panaji (Goa), Patna, Port Blair, Shillong, Simla, Srinagar and Trivandrum.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION, WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION. THE COMMISSION MAY AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See para 11 below).

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 8th April, 1983 will not be entertained under any circumstances.

3. CONDITIONS OF ELIGIBILITY

(a) Nationality

A candidate must either be—

- (i) a citizen of India, or
- (ii) a subject of Bhutan, or
- (iii) a subject of Nepal, or
- (iv) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India or
- (v) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka and East African countries of Kenya, Uganda, United Republic of Tanzania, (formerly Tanganyika and Zanzibar), Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (iii), (iv) and (v) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India

Certificate of eligibility will, not however, be necessary in the case of candidates who are Gurkha subjects of Nepal.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination provisionally subject to the necessary certificate being given to him by the Govt. before declaration of result by UPSC.

(b) Age limits, sex and marital status :—

- (i) For I.M.A., Naval and Air Force Academy—Unmarried male candidates born not earlier than 2nd January, 1962 and not later than 1st January 1965 are only eligible.
- (ii) For Officer's Training School—Male candidates (married or unmarried) born not earlier than 2nd January, 1961 and not later than 1st January 1965 are only eligible.

NOTE .—Date of birth as recorded in Matriculation/Highest Secondary or equivalent examination certificate will only be accepted.

Candidates with first choice of IMA/Navy and Air Force are to submit proof of age (original) while reporting for SSB interview for the purposes of verification by the Selection Staff.

(c) Educational qualifications :—

- (i) For I.M.A. Naval Academy and Officers' Training School :—Degree of a recognised University or equivalent.
- (ii) For Air Force Academy :—Degree of a recognised University or equivalent provided that before joining the degree or equivalent course the candidates must have passed the Higher Secondary Examination (old pattern) or the 12th Standard Examination under the 10+2 pattern of school education with Mathematics and Physics as subjects of the Examination.

Graduates with first choice as Navy/Air Force are to submit proof of graduation provisional certificates within two weeks of completion of SSB interview, to Army HQ [Rtg. 6 SP (e)] NHQ (R&R Section)/Air HQ-PO3A respectively.

Candidates who have yet to pass the degree examination can also apply but they will be required to submit proof of passing the degree examination to reach the Army HO/Rtg 6/Sp (e), New Delhi-110022 in case of IMA/SSC (N.L.) first Choice candidates and Naval HQ/R&R, Sena Bhawan New Delhi-110011 in case of Navy first choice candidates and Air HQ/PO-3, Vayu Bhawan, New Delhi-110011 in case of Air Force first choice candidates by the following date failing which their candidature will stand cancelled:—

- (i) For admission to IMA, Naval and Air Force Academy on or before 31st December, 1983.
- (ii) For admission to Officers Training School, Madras on or before 30th April, 1984.

Candidates possessing professional and technical qualifications which are recognised by Government as equivalent to professional and technical degrees would also be eligible for admission to the examination.

In exceptional cases the Commission may treat a candidate, who does not possess any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications, the standard of which, in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

Note I Those candidates who have yet to qualify in the Degree Examination and are allowed to appear in the UPSC Examination should note that this is only a special concession given to them. They are required to submit proof of passing the Degree examination by the prescribed date and no request for extending this date be entertained on the grounds of late conduct of basic qualifying university Examination, delay in declaration of results or any other ground whatsoever.

Note II Candidates who are debarred by the Ministry of Defence from holding any type of Commission in the Defence Services shall not be eligible for admission to the examination and if admitted, their candidature will be cancelled.

Note III Naval Sailors (including boys and artificer apprentices) except Special Service Sailors having less than 6 months to complete their engagements are not eligible to take this examination. Applications from Special Service Sailors having less than six months to complete their engagements will be entertained only if these have been duly recommended by their Commanding Officers.

4. FEE TO BE PAID WITH THE APPLICATION.—Rs. 28/- (Rupees Twenty-eight) [Rs. 7/- (Rupees Seven) for Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates]. Application not accompanied by the prescribed fee will be summarily rejected.

5. REMISSION OF FEE.—The Commission may, at their discretion, remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and has migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971 or is a *bona fide* displaced person from erstwhile West Pakistan and has migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March 1973 or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma who migrated to India on or after 1st June, 1963 or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka who migrated to India on or after 1st November, 1964 or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964 and is not in a position to pay the prescribed fee.

6. HOW TO APPLY.—Only printed application on the form prescribed for the Combined Defence Services Examination May, 1983 appended to the Notice will be entertained. Completed applications should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011. Application forms and full particulars of the examination can be had from the following sources :—

(i) By post from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by remitting Rs 2/- (Rupees Two) by Money Order or by crossed Indian Postal Order payable to Secretary, U.P.S.C. at New Delhi G.P.O.

(ii) On cash payment of Rs. 2/- (Rupees Two) at the counter in the Commission's office.

(iii) Free of charge from nearest Recruiting Office, Military Area/Sub-Area Headquarters, N.C.C. Directorates, Naval and Air Force Establishments.

The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting in ink or with ball point pen. All entries/answers should be in words and not by dashes or dots. An application which is incomplete or is wrongly filled in will be rejected.

Candidates should note that only International form of Indian numerals are to be used while filling up the application form. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They should, therefore, take special care to fill up the application form correctly.

All candidates whether already in Government service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government service whether in a permanent or temporary capacity or as work-charged employees other than casual or daily-rated employees or those serving under the Public Enterprises are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for/attending at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

A candidate serving in the Armed Forces must submit his application through his Commanding Officer who will complete the endorsement (vide Section 'B' of the application form) and forward it to the Commission.

7. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 20th December, 1982 (3rd January, 1983 in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State Lahoul and Spiti District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands, or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 20th December, 1982 and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahoul and Spiti District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahoul and Spiti District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 20th December, 1982.

NOTE (i) Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J&K State, etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.

Sometimes the Matriculation/Higer Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases, a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higer Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higer Secondary Examination, showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

NOTE (ii) Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or send it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.

8. DOCUMENTS TO BE SUBMITTED WITH THE APPLICATION

(A) By all candidates :—

- (i) Fee of Rs. 28/- (Rupees Twenty-eight) [Rs. 7/- (Rupees Seven) for Scheduled Castes/Tribes candidates] through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

NOTE :—Candidates should write their names and addresses on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the name and addresses should be written by the candidates on the reverse of the Postal Orders at the space provided for the purpose.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad as the case may be for credit to the account Head '051 Public Service Commission—examination fee' and the receipt attached with the application.

(ii) Certificate of age—

The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. Candidates must submit two attested/certified copies of the aforesaid Matriculation or equivalent certificate. However, a candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit two attested/certified copies of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate.

No other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation/Higer Secondary Examination certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application will be rejected.

NOTE 1 :—A CANDIDATE WHO HOLDS A COMPLETED SECONDARY SCHOOL CERTIFICATE NEED SUBMIT ONLY AN ATTESTED/CERTIFIED COPY OF THE PAGE CONTAINING ENTRIES RELATING TO AGE.

NOTE 2 :—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN THE MATRICULATION/HIGHER SECONDARY EXAMINATION CERTIFICATE OR AN EQUIVALENT CERTIFICATE ON THE DATE OF SUBMISSION OF APPLICATION WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION, AND NO SUBSEQUENT REQUEST FOR ITS CHANGE WILL BE CONSIDERED OR GRANTED.

NOTE 3 :—CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTLY OR AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

- (iii) Attested/certified copy of certificate of educational qualification.

A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in para 3(c) or is likely to acquire it so as to be able to submit proof of passing it by the date prescribed in para 3(c). The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualification. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

Candidates competing for Air Force Academy Course must submit an attested/certified copy of the University/Board Certificate of passing the Higher Secondary Examination (old pattern)/12th Standard Examination (under the 10+2 pattern of school education) in addition to the attested/certified copy of the Certificate of passing the degree examination. If the attested/certified copy of the University/Board Certificate of passing the Higher Secondary Examination (old pattern)/12th Standard Examination (under the

10+2 pattern of school education) does not indicate the subjects of the examination, an attested/certified copy of a Certificate from the Principal concerned showing that the candidate has passed the examination with Mathematics and Physics as subjects of the examination, must be submitted.

(iv) Attendance sheet (attached with the application form) duly filled.

(v) Two identical copies of recent passport size (5 cm X 7 cm, approx.) photograph of the candidate duly signed on the front side.

One copy of the photograph should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein.

(vi) Two self-addressed unstamped envelopes of size approximately 11.5 cm X 27.5 cms.

(B) By Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates :—

Attested/certified copy of certificate in the form given in Appendix IV from any of the competent authorities (mentioned under the certificate) of the District in which he or his parents (or surviving parent) ordinarily reside, in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribes.

(C) By candidates claiming remission of fee :—

(i) An attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer or a Member of Parliament or State Legislature certifying that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(ii) An attested/certified copy of a certificate from the following authorities in support of the claim to be a bona fide displaced person/repatriate :—

(a) Displaced person from erstwhile East Pakistan :

(i) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States.

OR

(ii) District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident.

OR

(iii) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in his district.

OR

(iv) Sub-Divisional Officer within the sub-division in his charge.

(v) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation) in Calcutta.

(b) Repatriates from Sri Lanka :

High Commission for India in Sri Lanka.

(c) Repatriates from Burma :

Embassy of India, Rangoon or District Magistrate of the area in which he may be resident.

(d) Displaced persons from erstwhile East Pakistan :

(i) Camp Commandant of the Transit Centres or of Relief Camps in various States.

OR

(ii) District Magistrate of the area in which he may for the time being, be resident.

OR

(iii) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in his district.

OR

(iv) Sub-Divisional Officer within the sub-division in his charge.

OR

(v) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner.

(D) By NCC 'C' Certificate (Army Wing)/(Senior Division Air Wing/Naval Wing) holders competing for the vacancies reserved for them in the I.M.A., Air Force Academy Course, and Naval Academy Course.

An attested/certified copy of a certificate to show that he is a NCC 'C' Certificate (Army Wing)/(Senior Division Air Wing/Naval Wing) holder or a certificate to the effect that he is appearing or has appeared in the N.C.C. 'C' Certificate (Army Wing/Senior Division Air Wing/Naval Wing) examination.

NOTE :—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SIGN THE ATTESTED/CERTIFIED COPIES OF ALL THE CERTIFICATES SENT ALONG WITH THE APPLICATION FORM AND ALSO TO PUT THE DATE.

9. REFUND OF FEE.—No refund of fee paid to the Commission with the application will be made except in the following cases, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection :—

(i) A refund of Rs. 15/- (Rupees fifteen) [Rs. 4/- (Rupees four) in case of candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes] will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, an application is rejected on receipt of information that the candidate has failed in the degree examination or will not be able to submit the proof of passing the degree examination by the prescribed date, no refund of fee will be made to that candidate.

(ii) A refund of Rs. 28/- (Rupees Twenty-eight) [Rs. 7/- (Rupees seven) in the case of candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes] will be made in the case of a candidate who took the Combined Defence Services Examination held in May, 1982, or in October, 1982 and is recommended for admission to any of the courses on the results of any of these Examinations provided his request for cancellation of candidature for the Combined Defence Services Examinations May, 1983, and refund of fee is received in the office of the Commission on or before 15th October, 1983.

10. ACKNOWLEDGEMENT OF APPLICATIONS—Every application including late one, received in the Commission's Office is acknowledged and Application Registration No. is issued to the candidate in token of receipt of his application. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date prescribed for receipt of application for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

The fact that the Application Registration No. has been issued to the candidate does not, *ipso-facto*, mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.

11. RESULT OF APPLICATION.—If a candidate does not receive from the Commission a communication regarding the result of his application one month before the con-

mencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

12. ADMISSION TO THE EXAMINATION.—The decision of the Union Public Service Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate shall be final. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

13. ACTION AGAINST CANDIDATES FOUND GUILTY OF MISCONDUCT.—Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form. Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its attested/certified copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or their attested/certified copies, an explanation regarding the discrepancy should be submitted.

A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination, or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s), or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall, or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations, or
- (xi) violating any of the instructions issued to candidates along with their Admission Certificate permitting them to take the examination, or
- (xii) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable :—
 - (a) to be disqualified by the Commission from the Examination for which he is a candidate; or
 - (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them; and
 - (ii) by the Central Government from any employment under them; and
 - (c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this paragraph shall be imposed except after—

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
- (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed, to him, into consideration.

14. ORIGINAL CERTIFICATES—SUBMISSION OF.—Only those candidates who qualify in the SSB interview are required to submit their original certificates in support of their age and educational qualifications etc. to Army HQ/Rtg 6(SP) (e), New Delhi-110022 in case of IMA/SSC(NI) first choice candidates and Naval HQ/R&R, Sena Bhawan, New Delhi-110011 in case of Navy first choice candidates and Air HQ/PO-3, Vayu Bhavan, New Delhi-110011, in case of Air Force first choice candidates within two weeks of completion of SSB interview and not later than 31st December, 1983 [30th April, 1984 in case of SSC (NT) only]. Certified true copies or photostat copies of the certificates will not be accepted in any case.

15. COMMUNICATION REGARDING APPLICATIONS.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS :—

- (1) NAME OF EXAMINATION.
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (3) APPLICATION REGISTRATION NUMBER/ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE APPLICATION REGISTRATION NUMBER/ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (4) NAME OF CANDIDATES (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B. (i)—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

N.B. (ii)—IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.

16. CHANGE OF ADDRESS.—A candidate must see that communications sent to him at the address stated in his application are redirected, if necessary. Change in address should be communicated to the Commission at the earliest opportunity giving the particulars mentioned in paragraph 15.

CANDIDATES RECOMMENDED BY THE COMMISSION FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD WHO HAVE CHANGED THEIR ADDRESSES SUBSEQUENT TO THE SUBMISSION OF THEIR APPLICATIONS FOR THE EXAMINATION SHOULD IMMEDIATELY AFTER ANNOUNCEMENT OF THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION NOTIFY THE CHANGED ADDRESS ALSO TO ARMY HEADQUARTERS, A.G.'S BRANCH RTG. 6(SP) (e) (ii) WEST BLOCK 3, WING 1, RAMAKRISHNAPURAM,

NEW DELHI-110022, AND AIR HQ (PO3) VAYU BHAWAN, NEW DELHI-110011. FAILURE TO COMPLY WITH THIS INSTRUCTION WILL DEPRIVE THE CANDIDATE OF ANY CLAIM TO CONSIDERATION IN THE EVENT OF HIS NOT RECEIVING THE SUMMONS LETTERS FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD.

Although the authorities make every effort to take account of such changes they cannot accept any responsibility in the matter.

17. ENQUIRIES ABOUT INTERVIEW OF CANDIDATES QUALIFYING IN THE WRITTEN EXAMINATION.—Candidates whose names have been recommended for interview by the Services Selection Board, should address enquiries or requests, if any, relating to their interview direct to the Army Headquarters, AG's Branch, RTG 6(SP)(e)(ii) West Block 3, Wing 1, Ramakrishnapuram, New Delhi 110022, and Air Headquarters (PO3) Vayu Bhawan, New Delhi-110011 in the case of Air Force candidates.

Candidates are required to report for SSB interview on the date intimated to them in the call up letter for interview. Request for postponing interview will only be considered in very genuine circumstances and that too if it is administratively convenient for which Army HQ/Air Headquarters will be the sole deciding authority.

The candidates called for SSB interview at different Services Selection Centres will bring with them the following articles :

- (a) Passport size photographs in white shirt -6 Nos.
- (b) Bedding and blankets (according to season)
- (c) Two pairs of white shirts and shorts.
- (d) A pair of white PT shoes and two pairs of white socks.
- (e) Two pairs of trousers and shirts.
- (f) Fountain Pen, ink and pencils.
- (g) Boot polish and white blanco.
- (h) One mosquito net.

18. ANNOUNCEMENT OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION, INTERVIEW OF QUALIFIED CANDIDATES, ANNOUNCEMENT OF FINAL RESULTS AND ADMISSION TO THE TRAINING COURSE OF THE FINALLY QUALIFIED CANDIDATES.—The Union Public Service Commission shall prepare a list of candidates who obtain the minimum qualifying marks in the written examination as fixed by the Commission in their discretion. Such candidates shall appear before a Services Selection Board for Intelligence and Personality Tests simultaneously for all the entries for which they have qualified.

Candidates who qualify in the written examination for IMA (D.E.) Course and/or Navy (S.E.) Course and/or Air Force Academy Course irrespective of whether they have also qualified for SSC (NT) Course or not, will be detailed for S.S.B. tests in September/October, 1983 and candidates who qualify for SSC (NT) Course only will be detailed for SSB tests in December, 1983/January, 1984.

Candidates will appear before the Services Selection Board and undergo the tests thereat at their own risk and will not be entitled to claim any compensation or other relief from Government in respect of any injury which they may sustain in the course of or as a result of any of the tests given to them at the Services Selection Board whether due to the negligence of any person or otherwise. Candidates will be required to sign a certificate to this effect on the form appended to the application.

To be acceptable candidates should secure the minimum qualifying marks separately in (i) written examination and (ii) S.S.B. tests as fixed by the Commission in their discretion. The candidates will be placed in the order of merit on the basis of the total marks secured by them in the written examination and in the S.S.B. tests. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

Success at the examination confers no right of admission to the Indian Military Academy the Naval Academy, Air Force Academy or the Officers' Training School as the case may be. The final selection will be made in order of merit subject to medical fitness and suitability in all other respects and number of vacancies available.

19. DISQUALIFICATIONS FOR ADMISSION TO THE TRAINING COURSE.—Candidates who were admitted to an earlier course at the National Defence Academy, Indian Military Academy, Air Force Flying College, Naval Academy Cochin Officers' Training School, Madras but were removed therefrom on disciplinary grounds will not be considered for admission to the Indian Military Academy, Naval Academy, Air Force Academy or for grant of Short Service Commission in the Army.

Candidates who were previously withdrawn from the Indian Military Academy for lack of Officer like qualities will not be admitted to the Indian Military Academy.

Candidates who were previously selected as Special Entry Naval Cadets but were withdrawn from the National Defence Academy or from Naval Training Establishments for lack of Officer like qualities will not be eligible for admission to the Indian Navy.

Candidates who were withdrawn from Indian Military Academy, Officers' Training School, N.C.C. and Graduate Course for lack of Officer like qualities will not be considered for grant of Short Service Commission in the Army.

Candidates who were previously withdrawn from the N.C.C. and Graduates' Course for lack of Officer like qualities will not be admitted to the Indian Military Academy.

20. RESTRICTIONS ON MARRIAGE DURING TRAINING IN THE INDIAN MILITARY ACADEMY OR IN THE NAVAL ACADEMY OR IN THE AIR FORCE ACADEMY.—Candidates for the Indian Military Academy Course or Naval Academy Course, or Air Force Academy Course must undertake not to marry until they complete their full training. A candidate who marries subsequent to the date of his application, though successful at this or any subsequent examination will not be selected for training. A candidate who marries during training shall be discharged and will be liable to refund all expenditure incurred on him by the Government.

No candidate for the Short Service Commission (N.T.) Course—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
- (b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for admission to the Officers' Training School/grant of Short Service Commission.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such persons and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

21. OTHER RESTRICTIONS DURING TRAINING IN THE INDIAN MILITARY ACADEMY OR IN THE NAVAL ACADEMY OR IN THE AIR FORCE ACADEMY.—After admission to the Indian Military Academy or the Naval Academy or the Air Force Academy candidates will not be considered for any other Commission. They will also not be permitted to appear for any interview or examination after they have been finally selected for training in the Indian Military Academy, or the Naval Academy or the Air Force Academy. Candidates who resign from IMA/Naval Academy/Air Force Academies will not be considered for induction in OTS Madras under any circumstances.

VINAY JHA,
Joint Secretary

APPENDIX 1

(The scheme, standard and syllabus of the examination)

A. SCHEME OF THE EXAMINATION

1. The Competitive examination comprises :—

- (a) written examination as shown in para 2 below :
- (b) Interview for intelligence and personality test (*vide* Part 'B' of this Appendix) of such candidates as may be called for interview at one of the Service Selection Centres.

2. The subjects of the written examination, the time allowed and the maximum marks allotted to each subject will be as follows :—

(a) For admission to Indian Military Academy :

Subject	Duration	Maximum Marks
1. English	2 Hours	100
2. General Knowledge	2 Hours	100
3. Elementary Mathematics	2 Hours	100

(b) For Admission to Naval Academy :

Subject	Time allowed	Maximum Marks
1. English	2 Hrs.	100
2. General Knowledge	2 Hrs.	100

COMPULSORY

1. English	2 Hrs.	100
2. General Knowledge	2 Hrs.	100

OPTIONAL

*3. Elementary Mathematics or Elementary Physics	2 Hrs.	100
*4. Mathematics or Physics	2 Hrs.	150

*Candidates offering Elementary Mathematics will take Physics as their 4th paper and Candidates offering Elementary Physics will take Mathematics as their 4th paper

(c) For Admission to Officers' Training School :

Subject	Time allowed	Maximum Marks
1. English	2 Hours	100
2. General Knowledge	2 Hours	100

(d) For Admission to Air Force Academy :

Subject	Duration	Maximum Marks
1. English	2 Hours	100
2. General Knowledge	2 Hours	100
3. Elementary Mathematics	2 Hours	100

The maximum marks allotted to the written examination and to the interviews will be equal for each course i.e. the maximum marks allotted to the written examination and to the interviews will be 300, 450, 200 and 300 each for admission to the Indian Military Academy, Naval Academy, Officers' Training School and Air Force Academy.

3. THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.

4. In the question papers, wherever necessary, questions involving the metric system of Weights and Measures only will be set.

5. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write answers for them.

6. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects at the examination.

7. The candidates are not permitted to use calculators, for answering objective type papers (Test Booklets). They should not, therefore, bring the same inside the examination hall.

B. STANDARD AND SYLLABUS OF THE EXAMINATION

STANDARD

The standard of the paper in Elementary Mathematics will be of Matriculation Examination and that of Elementary Physics will be of Higher Secondary Examination.

The standard of papers in other subjects will approximately be such as may be expected of a graduate of an Indian University.

There will be no practical examination in any of the subjects.

SYLLABUS

ENGLISH (Code No. 01)

The question paper will be designed to test the candidate's understanding of English and workman like use of words.

GENERAL KNOWLEDGE (Code No. 02)

General Knowledge including knowledge of current events and of such matters of everyday observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific subject. The paper will also include questions on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study.

ELEMENTARY MATHEMATICS (Code No. 03) Arithmetic

Number System—Natural numbers, Integers, Rational and Real numbers. Fundamental operations—addition, subtraction, multiplication, division, Square roots, Decimal fractions.

Unitary method—time and distance, time and work, percentages—applications to simple and compound interest, profit and loss. Ratio and proportion, variation.

Elementary Number Theory—Division algorithm, Prime and composite numbers. Tests of divisibility by 2, 3, 4, 5, 9 and 11. Multiples and factors. Factorisation Theorem H.C.F. and L.C.M. Euclidean algorithm.

Logarithms to base 10, laws of logarithms, use of logarithmic tables.

Algebra

Basic Operations; simple factors, Remainder Theorem, H.C.F., L.C.M. Theory of polynomials, Solutions of quadratic equations, relation between its roots and coefficients. (Only real roots to be considered). Simultaneous linear equations in two unknowns—analytical and graphical solutions. Simultaneous linear inequations in two variables and their solutions. Practical problems leading to two simultaneous linear equations or inequations in two variables or quadratic equations in one variable and their solutions. Set language and set notation. Rational expressions and conditional identities. Laws of Indices.

Trigonometry

Sine X, Cosine X, Tangent X when $0^\circ \leq X \leq 90^\circ$.

Values of sin x, cos x and tan x, for $x=0^\circ, 30^\circ, 45^\circ, 60^\circ$ and 90° .

Simple trigonometric identities.

Use of trigonometric tables.

Simple cases of heights and distances

Geometery

Lines and angles, Plane and plane figure. Theorems on (i) Properties of angles at a point, (ii) Parallel lines, (iii) Sides and angles of a triangle, (iv) Congruency of triangles, (v) Similar triangles, (vi) Concurrence of medians and altitudes, (vii) Properties of angles, sides and diagonals of a parallelogram, rectangle and square, (viii) Circle and its properties including tangents and normals, (ix) Loci.

Mensuration

Areas of squares, rectangles, parallelograms, triangle and circle. Areas of figures which can be split up into these figures. (Field Book) Surface area and volume of cuboids, lateral surface and volume of right circular cones and cylinders. Surface area and volume of spheres.

Statistics

Collection and tabulation of statistical data. Graphical representation—frequency polygons, histograms, bar charts, pie charts etc.

Measures of central tendency.

ELEMENTARY PHYSICS (Code No. 05)

(a) **Mensuration**.—Units of measurement; CGS and MKS units, scalars and vectors. Composition and resolution of forces and velocities. Uniform acceleration. Rectilinear motion under uniform acceleration. Newton's Laws of Motion, concept of Force. Units of Force. Mass and weight.

(b) **Mechanics of Solids**.—Motion under gravity. Parallel forces, Centre of Gravity. States of equilibrium. Simple Machines. Velocity Ratio. Various simple machines including inclined plane Screw and Gears. Friction angle of friction coefficient of friction. Work. Power and energy. Potential and kinetic energy.

(c) **Properties of fluids**.—Pressure and Thrust. Pascal's Law. Archimedes principle. Density and Specific gravity. Application of the Archimedes principle for the determination of specific gravities of solids and liquids. Laws of flotation. Measurement of pressure exerted by a gas. Boyle's Law. Air pumps.

(d) **Heat**.—Linear expansion of solids and cubical expansion of liquids. Real and apparent expansion of liquids. Charles Law. Absolute Zero; Boyles and Charles Law; specific heat of solids and liquids; calorimetry. Transmission of

heat. Conductivity of metals. Change of State. Latent heat of fusion and vaporization. SVP humidity, dew point and relative humidity.

(e) **Light**.—Rectilinear propagation. Laws of reflection, spherical mirrors; Refraction laws of refraction. Lenses, Optical instruments, camera, projector, epidiascope, telescope. Microscope, binocular & perioscope. Reflection through a prism, dispersion.

(f) **Sound**.—Transmission of sound; Reflection of sound, resonance. Recording of sound-gramophone.

(g) **Magnetism & Electricity**.—Laws of Magnetism, Magnetic field. Magnetic lines of force, Terrestrial Magnetism, Conductors and insulators. Ohm's Law. P.D. Resistances EMF (Resistances in series and parallel). Potentiometer Comparison of EMF's Magnetic effect of an electric current; A conductor in a magnetic field. Fleming's left hand rule. Measuring instruments—Galvanometer, Ammeter, Voltmeter, Wattmeter, chemical effect of an electric current, electroplating, Electromagnetic induction. Faraday's Laws, Basic AC & DC-generator.

PHYSICS (Code No. 06)

1. General properties of matter and mechanics

Units and dimensions, scalar and vector quantities; Moment of Inertia, Work, energy and momentum. Fundamental laws of mechanics; rotational motion gravitation. Simple harmonic motions, simple and compound pendulum. Elasticity, Surface tension; Viscosity of liquids. Rotary pump.

2. Sound

Damped, forced and free vibrations. Wave motion. Doppler effect, velocity of sound waves; effects of pressure temperature and humidity on velocity of sound in a gas. Vibration to strings, membranes and gas columns. Resonance, beats; stationary waves. Measurement of frequency, velocity and intensity of sound. Elements of ultra sonics. Elementary principles of gramophone, talkies and loudspeakers.

3. Heat and Thermodynamics

Temperature and its measurement; thermal expansion; isothermal and adiabatic changes in gases. Specific heat and thermal conductivity; Elements of the kinetic theory of matter; Physical ideas of Boltzmann's distribution law; van der wall's equation of state; Joule Thompson effect; liquefaction of gases; Heat engines; Carnot's theorem; Laws of thermodynamics and simple applications. Black body radiation.

4. Light

Geometrical optics Velocity of light. Reflection and refraction of light at plane and spherical surfaces. Spherical and chromatic defects in optical images and their correction. Eye and other optical instruments. Wave theory of light, interference.

5. Electricity and Magnetism

Energy due to a field; Electrical and magnetic properties of matter; Hysteresis permeability and susceptibility; Magnetic field due to electrical current; Moving magnet and moving coil galvanometers. Measurement of current and resistance; Properties of reactive circuit elements and their determination, thermoelectric effect; Electromagnetic induction; Production of alternating currents. Transformers and motors; Electronic valves and their simple applications.

6. Modern Physics

Elements of Bohr's theory of atom. Electrons. Discharge of Electricity through gases; Cathode Rays and X-rays. Radioactivity. Artificial radioactivity, Isotopes. Elementary ideas of fission and fusion.

MATHEMATICS (Code No. 04)**1. Algebra**

Algebra of Sets, relations and functions, inverse of functions; composite function; equivalence relation; De Moivre's theorem for rational index and its simple applications.

2. Matrices

Algebra of Matrices, determinants, simple properties of determinants, product of determinants; adjoint of a matrix; inversion of matrices, rank of a matrix. Application of matrices to the solution of linear equations (in three dimensions).

3. Analytical Geometry*Analytical Geometry of two dimensions*

Straight lines, pair of straight lines, circles, systems of circles ellipse, parabola, hyperbola (referred to principal axis). Reduction of a second degree equation to standard form. Tangents and normals.

Analytical Geometry of three dimensions

Planes, straight lines and spheres (Cartesian co-ordinate only).

4. Calculus and Differential Equation

Differential calculus—Concept of limit, continuity and differentiability of a function of one real variable, derivative of standard functions, successive differentiation. Rolle's theorem. Mean value theorem; Maclaurine and Taylor series (proof not needed) and their applications. Binomial expansion for rational index, expansion of exponential, logarithmic trigonometrical and hyperbolic functions. Indeterminate forms. Maxima and Minima of a function of a single variable geometrical applications such as tangent, normal, sub-tangent, subnormal, asymptotic curvature (Cartesian co-ordinates only). Envelope; Partial differentiation. Euler's theorem for homogenous functions.

Integral calculus—Standard methods of integration. Riemann definition of definite integral of continuous functions. Fundamental theorem of integral calculus. Rectification, quadrature, volumes and surface area of solids of revolution. Simpson's rule for numerical integration.

Differential equations—Solution of standard first order differential equations. Solution of second and higher order linear differential equations with constant coefficients. Simple application of problems on growth and decay, simple harmonic motion. Simple pendulum and the like.

5. Mechanics (Vector methods may be used)

Statics.—Conditions of equilibrium or coplanar and concurrent forces. Moments, Couples, Centre of gravity of simple bodies. Friction, Static and limiting friction, angle of friction equilibrium of a particle on a rough inclined plane. Virtual work (two dimensions).

Dynamics.—Kinematics. Displacement, speed velocity and acceleration of a particle; relative velocity. Motion in a straight line under constant acceleration. Newton's law of motion. Central Orbits. Simple harmonic motion. Motion under gravity (in vacuum). Impulse work and energy. Conservation of energy and linear momentum. Uniform circular motion.

6. Statistics.—Probability—Classical and statistical definition of probability, calculation of probability of combinatorial methods, addition and multiplication theorems, conditional probability. Random variables (discrete and continuous), density function. Mathematical expectation.

Standard distribution—binomial Distribution, definition mean and variance, skewness, limiting from simple application; Poisson distribution—definition, mean and variance additive property fitting of Poisson distribution to give data. Normal distribution, simple properties and simple applications fitting a normal distribution to given data.

Bivariate distribution—Correlation, linear regression involving two variables, fitting of straight line, parabolic, and exponential curves properties of correlation coefficient.

Multiple sampling distribution and simple tests of hypothesis. Random sample. Statistics. Sampling distribution and standard error. Simple application of the normal, t, chi² and F distributions to testing of significance of difference of means.

Note :—Out of the two topics No. 5 Mechanics and No. 6 Statistics, the candidates will be allowed the option of answering questions on any of the two topics.

INTELLIGENCE AND PERSONALITY TEST

In addition to the interview the candidates will be put to Intelligence Tests both verbal and non-verbal, designed to assess their basic intelligence. They will also be put to Group Tests such as group discussions, group planning outdoor group tasks, and asked to give brief lectures on specified subjects. All these tests are intended to judge the mental calibre of a candidate. In broad terms, this is really an assessment of not only his intellectual qualities but also his social traits and interests in current affairs.

APPENDIX II*Physical Standards for Candidates for Combined Defence Services Examination*

NOTE.—CANDIDATES MUST BE PHYSICALLY FIT ACCORDING TO THE PRESCRIBED PHYSICAL STANDARD. THE STANDARDS OF MEDICAL FITNESS ARE GIVEN BELOW.

A NUMBER OF QUALIFIED CANDIDATES ARE REJECTED SUBSEQUENTLY ON MEDICAL GROUNDS. CANDIDATES ARE THEREFORE ADVISED IN THEIR OWN INTEREST TO GET THEMSELVES MEDICALLY EXAMINED BEFORE SUBMITTING THEIR APPLICATIONS TO AVOID DISAPPOINTMENT AT THE FINAL STAGE.

1. A candidate recommended by the Services Selection Board will undergo a medical examination by a Board of Service Medical Officers. Only those candidates will be admitted to the academy or school who are declared fit by the Medical Board. The proceedings of the Medical Board are confidential and will not be divulged to anyone. However, the candidates declared unfit/temporarily unfit will be intimated by the President of the Medical Board and the procedure for request for an Appeal Medical Board will also be intimated to the candidate. The candidates must be physically fit according to the prescribed physical standards which are summarised below:—

(a) The candidate must be in good physical and mental health and free from any disease/disability which is likely to interfere with the efficient performance of duties.

(b) There should be no evidence of weak constitution, bodily defects or a weight

(c) The minimum acceptable height is 157.5 cms (157 cms for Navy and 162.5 cms for Air Force). For Gorkhas and individuals belonging to hills of North Eastern regions of India, Garhwal and Kumaon the minimum acceptable height will be 5 cms less. In case of candidates from Laccadives the minimum

acceptable height can be reduced by 2 cms. Height and weight standards are given below :—

Height and Weight Standards

Height in Centimetre (without shoes)	Weight in Kgs.		
	18 years	20 years	22 years
152	.	44	46
155	.	46	48
157	.	47	49
160	.	48	50
162	.	50	52
165	.	52	53
168	.	53	55
170	.	55	57
173	.	57	59
175	.	59	61
178	.	61	62
180	.	63	64
183	.	65	67
185	.	67	69
188	.	70	71
190	.	72	73
193	.	74	76
195	.	77	78

A $\pm 10\%$ (± 6 Kg for Navy) departure from the average weight given in the Table above is to be considered within normal limits. However, in individuals with heavy bones and broadbuilt as well as individuals with thin but otherwise healthy this may be relaxed to some extent on merit.

- (d) Chest should be well developed. The minimum range of expansion after full inspiration should be 5 cms. The measurement will be taken with a tape so adjusted that its lower edge should touch the nipple in front and the upper part of the tape should touch the lower angle of the shoulder blades behind. X-Ray of the chest is compulsory and will be taken to rule out any disease of the chest.
- (e) There should be no disease of bones and joints of the body.
- (f) A candidate should have no past history of mental breakdown or fits.
- (g) The hearing should be normal. A candidate should be able to hear a forced whisper with each ear at a distance of 610 cms. in a quiet room. There should be no evidence of present or past disease of the ear, nose and throat.
- (h) There should be no signs of functional or organic disease of the heart and blood vessels. Blood pressure should be normal.
- (i) The muscles of abdomen should be well developed and there should be no enlargement of liver or spleen. Any evidence of disease of internal organs of the abdomen will be a cause for rejection.
- (j) Un-operated hernias will make a candidate unfit. If operated, this should have been done at least 1 year prior to the present examination and healing is complete.

(k) There should be no hydrocele, varicocele or piles.

(l) Urine examination will be done and any abnormality if detected will be a cause for rejection.

(m) Any disease of the skin which is likely to cause disability or disfigurement will also be a cause for rejection.

(n) A candidate should be able to read 6'6 in a distant vision chart with each eye with or without glasses (For Navy and Air Force without glasses only). Myopia should not be more than 3.5 D and hypermetropia not more than 1.5 D including Astigmatism. Internal examination of the eye will be done by means of ophthalmoscope to rule out any disease of the eye. A candidate must have good binocular vision. The colour vision standard will be CP-3. A candidate should be able to recognise red and green colours.

The candidates for Navy should have the following vision standards:

Distant Vision 6/6 6/9 correctable to 6/6
Near vision N-5 each eye

Colour Vision CP-1 by MLT

Myopia is not to exceed 0.5 dioptres and Hypermetropia not more than 1.50 dioptres in the better eye and 2.50 dioptres in the worse eye.

Ocular Muscle Balance

Heterophoria with the Maddox Rod test must not exceed :

- (i) at 6 meter Exophoria 8 prism dioptres
Esophoria 8 prism dioptres
Hyperphoria 1 prism dioptres
- (ii) at 30 cm Exophoria 16 prism dioptres
Esophoria 06 prism dioptres
Hyperphoria 1 prism dioptres

(o) The candidate should have sufficient number of natural and sound teeth. A minimum of 14 dental points will be acceptable. When 32 teeth are present, the total dental points are 22. A candidate should not be suffering from severe pyorrhoea.

(p) X-Ray examination of the chest will include the lower part of cervical spine for presence of cervical ribs. X-Ray examination of other parts of spine will be taken if the SMR considers it necessary.

2 In addition to the above, the following medical standards will be applicable in respect of Air Force candidates only :—

(a) Anthropometric measurements acceptable for Air Force are as follows :—

Height 162.5 cms.
Leg length Min. 99 cms. & Max 120 cms.
Thigh Length Max. 64 cms.
Sitting

Height Min. 81.5 cms. & Max 96 cms

(b) X-ray Lumbo sacral spine will be carried out. The following conditions detected in the X-ray will be disqualifying :—

(i) Granulomatous disease of Spine

(ii) Arthritis/Spondylosis

(iii) More than mild kyphosis/Lordosis Scoliosis. More than 15° by Cobb's method will be cause for rejection.

- (iv) Spondylolisthesis/spondylosis
- (v) Herniated Nucleus Pulpous
- (vi) Compression fracture of Vertebra
- (vii) Scheurman's Disease
- (viii) Cervical Ribs with demonstrable neurological or circulatory deficit.
- (ix) Any other abnormality, if so considered by specialist.

(c) X-Ray Chest is compulsory.

(d) Vision

Distant Vision : . . . 6/6 6/9 Correctable to 6/6.

Near vision : . . . N-5 each eye

Colour Vision : . . . CP-I (MTL)

Manifest Hypermetropia...must not exceed 2.00 D

Ocular Muscle Balance

Heterophoria with the Maddox Rod test must not exceed :

(i) at 6 metres	Exophoria 6 prism dioptres
	Esophoria 6 prism dioptres.
	Hyperphoria 1 prism dioptres.
(ii) at 33 cms	Exophoria 16 prism dioptres
	Esophoria 6 prism dioptres
	Hyperphoria 1 prism dioptres
	Myopia Nil
	Astigmatism + 0.75D only

Binocular Vision—Must possess good binocular vision (fusion and stereopsis with good amplitude and depth)

(e) Hearing Standards

(i) Speech test . . . Whispered hearing 610 cms each ear.

(ii) Audiometric test . . . Audiometric loss should not exceed + 10 db in frequencies between 250 Hz and 4000 Hz

(f) Routine ECG and EEG should be within normal limits.

3. The medical standards for candidates of Naval Aviation Branch will be the same as for flying duties of Air Force.

4. Detection of any disability in the course of a special test carried out prescribed for one service, may render the candidate unfit for any other service(s), if so considered as disqualifying by Medical Board.

APPENDIX III

(Brief Particulars of service etc.)

(A) FOR CANDIDATES JOINING THE INDIAN MILITARY ACADEMY, DEHRA DUN.

1. Before the Candidate joins the Indian Military academy—

(a) he will be required to sign a certificate to the effect that he fully understands that he or his legal heirs shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which he may sustain in the course of or as a result of the training or where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise;

(b) his parent or guardian will be required to sign a bond to the effect that if for any reason considered within his control, the candidate wishes to withdraw before the completion of the course or fails to accept a commission if offered he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances, received as may be decided upon by Government.

2. Candidates finally selected will undergo a course of training for about 18 months. Candidates will be enrolled under the Army Act as 'gentlemen cadets'. Gentlemen-cadets will be dealt with for ordinary disciplinary purposes under the rules and regulations of the Indian Military Academy, Dehra Dun.

3. While the cost of training including accommodations, books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by Government, candidate will be expected to meet their pocket expenses themselves. The minimum expenses at the Indian Military Academy are not likely to exceed Rs. 55.00 per mensem. If a cadet's parent or guardian is unable to meet wholly or partly even this expenditure financial assistance may be granted by the Government. No cadet whose parent or guardian has an income of Rs. 500.00 per mensem or above would be eligible for the grant of the financial assistance. The immovable property and other assets and income from all sources are also taken into account for determining the eligibility for financial assistance.

The parent/guardian of a candidate desirous of having any financial assistance, should immediately after his son/ward has been finally selected for training at the Indian Military Academy submit an application through the District Magistrate of his District who will, with his recommendation, forward the application to the Commandant, Indian Military Academy, Dehra Dun.

4. Candidate finally selected for training at the Indian Military Academy will be required to deposit the following amount with the Commandant on arrival :—

(a) Pocket allowance for five months at Rs. 55.00 per month—Rs. 275.00.

(b) For items of clothing and equipment—Rs. 800.00

Total : Rs. 1075.00

Out of the amount mentioned above the following amount is refundable to the cadets in the event of financial assistance being sanctioned to them :—

Pocket allowance for five months at Rs. 55.00 per month Rs. 275.00.

5. The following scholarships are tenable at the Indian Military Academy :—

(1) PARSHURAM BHAU PATWARDHAN Scholarship—This scholarship is awarded to cadets from MAHARASHTRA AND KARNATAKA. The value of one scholarship is up to the maximum of Rs. 500.00 per annum for the duration of a cadet's stay at the Indian Military Academy subject to the cadet's making satisfactory progress. The cadets who are granted this scholarship will not be entitled to any other financial assistance from the Government.

(2) COLONEL KENDAL FRANK MEMORIAL Scholarship.—This Scholarship is of the value of Rs. 360.00 per annum and is awarded to an eligible maratha cadet who should be a son of ex-serviceman. The Scholarship is in addition to any financial assistance from the Government.

6. An outfit allowance at the rates and under the general conditions applicable at the time for each cadet belonging to the Indian Military Academy will be placed at the disposal of the Commandant of the Academy. The unexpired portion of this allowance will be—

(a) handed over to the cadet on his being granted a Commission; or

(b) if he is not granted a commission refunded to the state

On being granted a commission, article of clothing and necessaries purchased from this allowance shall become the personal property of the cadet. Such articles will, however, be withdrawn from a cadet who resigns while under training or who is removed or withdrawn prior to commissioning. The article withdrawn will be disposed of to the best advantage of the State.

7. No candidate will normally be permitted to resign whilst under training. However, Gentleman Cadet resigning after the commencement of training may be allowed to proceed home pending acceptance of their resignation by Army HQ. Cost of training, messing and allied services will be recovered from them before their departure. They and their parents/guardians will be required to execute a bond to this effect before the candidates are allowed to join Indian Military Academy. A Gentleman Cadet who is not considered suitable to complete the full course of training may, with permission of the Government be discharged. An Army candidate under these circumstances will be reverted to his Regiment or Corps.

8. Commission will be granted only on successful completion of training. The date of commission will be that following the date of successful completion of training. Commission will be permanent.

9. Pay and allowances, pensions, leave and other conditions of service after the grant of commission will be identical with those applicable from time to time to regular officers of the army.

Training

10. At the Indian Military Academy, Army Cadets are known as Gentlemen Cadets and are given strenuous military training for a period of 18 months aimed at turning out officers capable of leading infantry sub-units. On successful completion of training Gentlemen Cadets are granted Permanent Commission in the rank of 2nd Lt. subject to being medically fit in S.H.A.P.E.

11. Terms and Conditions of Service

(i) PAY

Rank	Pay Scale	Rank	Pay Scale
2nd Lieut . . .	Rs. 750—790	Lt. Colonel (Time scale)	1900 fixed
Lieut . . .	830—950	Colonel	1950—2175
Captain . . .	1100—1450	Brigadier	2200—2400
Major . . .	1450—1800	Maj. General	2500—125/2 2750
		Major (Selection Grade Pay)	1800—50—1900
		Lt. Colonel . . .	1750—1950
		(By Selection) . . .	Lt. General 3000 p.m. (Army Commanders)
		Lt. Colonel (Selection Grade Pay)	2050—50—2100

(ii) QUALIFICATION PAY AND GRANT

Officers of the rank of Lt Col and below possessing certain prescribed qualifications are entitled to a lump sum grant of Rs. 1600/-, 2400/-, 4500/- or 6000/- based on the qualifications held by them. Flying Instructors (Cat. 'B') are authorised qualification pay @ Rs. 70/- p.m.

(iii) ALLOWANCES

In addition to pay an officer at present receives the following allowances—

- (a) Compensatory (city) and Dearness Allowances are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to be civilian Gazetted Officers from time to time.
- (b) A kit maintenance allowance of Rs. 50 p.m.
- (c) Expatriation Allowance is admissible when serving outside India. This varies from 25% to 40% of the corresponding single rate of foreign allowance.
- (d) Separation allowance : Married officers posted to non-family stations are entitled to receive separation allowance of Rs. 70 p.m.
- (e) Outfit Allowance :—Initial outfit allowance is Rs. 1400/-.

A fresh outfit allowance @ Rs. 1200/- is to be claimed, after every seven years of the effective service commencing from the date of first commission.

(iv) POSTING

Army officers are liable to serve anywhere in India and abroad.

(v) PROMOTION

(a) Substantive promotion

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks :—

by time scale

Lt. . . .	2 years of Commissioned Service
Capt. . . .	6 years of Commissioned Service
Major	13 years of Commissioned Service
Lt. Col. from Major (if not promoted by Selection)	25 years of Commissioned Service

by selection

Lt. Col. . . .	16 years of Commissioned Service
Col. . . .	20 years of Commissioned Service
Brigadier	23 years of Commissioned Service
Major Gen. . . .	25 years of Commissioned Service
Lt. Gen. . . .	28 years of Commissioned Service
General	No restriction

(b) Acting promotion

Officers are eligible for being promoted to higher ranks on completion of the following minimum Service limits subject to availability of vacancies :

Captain	3 years
Major	5 years
Lt. Colonel	6½ years
Colonel	8½ years
Brigadier	12 years
Major General	20 years
Lt. General	25 years

(B) FOR CANDIDATES JOINING THE NAVAL ACADEMY, COCHIN.

1. (a) Candidates finally selected for training at the Academy will be appointed as cadets in the Executive Branch of the Navy. They will be required to deposit the following amount with the Officer-in-Charge, Naval Academy, Cochin.

(1) Candidates not applying for government financial aid :

(i) Pocket allowance for five months @ Rs. 45.00 per month	Rs. 225.00
(ii) For items of clothing and equipment	Rs. 460.00
Total	Rs. 685.00

(2) Candidates applying for Government financial aid :

(i) Pocket allowance for two months @ 45.00 per month	Rs. 90.00
(ii) For items of clothing and equipment	Rs. 460.00
Total	Rs. 550.00

(b) (i) Selected Candidates will be appointed as cadets and undergo training in Naval Ships and Establishments as under :

- (a) Cadets Training including afloat training for 6 months 1 year
- (b) Midshipmen afloat Training 6 months
- (c) Acting Sub-Lieutenant Technical Course 12 months
- (d) Sub-lieutenants

On completion of the above training, the officers will be appointed on board Indian Naval Ships for obtaining full Naval Watch-keeping certificate for which a minimum period of six months is essential.

(ii) The cost of training including accommodation and allied services, books, uniform, messing and medical treatment of the cadets at the Naval Academy will be borne by the Government. Parents or guardians or cadets will however, be required to meet their pocket and other private expenses while they are cadets. When a cadet's parent or guardian has an income less than Rs. 500 per mensem and is unable to meet wholly or partly the pocket expenses of the cadet, financial assistance up to Rs. 55 per mensem may be granted by the Government. A candidate desirous of securing financial assistance may immediately after his selection submit an application through the District Magistrate of his District, who will with his recommendations, forward the application to the Director of Personnel Service, Naval Headquarters, New Delhi :

Provided that in a case where two or more sons or wards of a parent or guardian are simultaneously undergoing training at Naval ships establishments, financial assistance as aforesaid may be granted to all of them for the period they simultaneously undergo training, if the income of the parent or guardian does not exceed Rs. 600 p.m.

(iii) Subsequent training in ships and establishments of the Indian Navy is also at the expense of the Government. During the first six months of their training after leaving the Academy financial concession similar to those admissible at the Academy vide sub para (ii) above will be extended to them. After six months of training in ships and establishments of the Indian Navy, when Cadets are promoted to the rank of Midshipmen they begin to receive pay and parents are not expected to pay for any of their expenses.

(iv) In addition to the uniform provided free by the Government cadets should be in possession of some other items of clothing. In order to ensure correct pattern and uniformity these items will be made at Naval Academy and cost will be met by the parents or guardians of the cadets. Cadets applying for financial assistance may be issued with some of these items of clothing free or on loan. They may only be required to purchase certain items.

(v) During the period of training Service Cadets may receive pay and allowances of the substantive rank held by them as a sailor or as a boy or as an apprentice at the time of selection as cadets. They will also be entitled to receive increments of pay, if any, admissible in that rank. If the pay and allowances of their substantive rank be less than the financial assistance admissible to direct cadets and provided they are eligible for such assistance they will also receive the difference between the two amounts.

(vi) No cadet will normally be permitted to resign while under training. A cadet who is not considered suitable to complete the full course at the Indian Naval Ships and establishment may, with the approval of the Government be withdrawn from training and discharged. A service cadet under these circumstances may be reverted to his original appointment. A cadet thus discharged or reverted will not be eligible for re-admission to a subsequent course. Cases of cadets who are allowed to resign on compassionate grounds may, however, be considered on merits.

2. Before a candidate is selected as a cadet in the Indian Navy his parent or guardian will be required to sign—

- (a) A certificate to the effect that he fully understands that he or his son or ward shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which his son or ward may sustain in the course of or as a result

of the training or whose bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.

- (b) A bond to the effect that if for any reason considered within the control of the candidate, he wishes to withdraw from training or fails to accept a commission, if offered, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of the tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by the Government.

3. PAY AND ALLOWANCES

(a) PAY

Rank	Pay Scale
General Service	
(1)	(2)
Midshipman	Rs. 560
Ag. Sub. Lieut.	Rs. 750
Sub. Lieut.	Rs. 830—870
Lieut	Rs. 1100—1450
Lieut Cdr	Rs. 1450—1800
Commander (By Selection)	Rs. 1750—1950
Commander (By time scale)	Rs. 1900 fixed
Captain	Rs. 1950—2400 (Commandor receives pay to which entitled according to seniority as Captain).
Rear Admiral	Rs. 2500—125/2 2750
Vice Admiral	Rs. 3000

(b) ALLOWANCES

In addition to pay, an officer receives the following allowances :—

- (i) Compensatory (City) and dearness allowances are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the Civilian Gazetted Officers from time to time.
- (ii) A kit maintenance allowance of Rs. 50 p.m.
- (iii) When officers are serving outside India expatriation allowance ranging from Rs. 50 to Rs. 250 p.m. depending on rank held; is admissible.
- (iv) A separation allowance of Rs. 70 p.m. is admissible to—
 - (i) married officers serving in non-family station and
 - (ii) married officers serving on board I.N. Ships for the period during which they remain in ships away from the base ports.

- (v) Free ration for the period they remain in the ships away from the base ports.

NOTE I:—In addition certain special concessions like hard-lying money, sub-marine allowance, sub-marine pay, survey bounty, qualification pay/grant and diving pay are admissible to officers.

NOTE II:—Officers can volunteer for Service in Sub-marine or Aviation Arms. Officers selected for Service in these arms are entitled to enhanced pay and special allowances.

4. PROMOTION

(a) By time scale

Midshipmen to Ag. Sub. Lieut	1/2 year
Ag. Sub. Lieut to Sub Lieut	1 year
Sub. Lieut to Lieut	3 years as Ag. and confirmed Sub. Lt. (Subject to gain/forfeiture of seniority)
Lieut to Lieut Cdr	8 years seniority as Lieut,
Lieut. Cdr. to Cdr. (if not promoted by selection)	24 years (reckonable commissioned service)

(b) By selection

Lieut. Cdr. to Cdr.	2-8 years seniority as Lieut Cdr.
Cdr. to Capt.	4 years seniority as Cdr
Capt to Rear Admiral and above	No service restriction.

5. POSTING

Officers are liable to serve anywhere in India and abroad

NOTE.—Further information, if desired, may be obtained from the Director of Personnel Service Naval Headquarters, New Delhi-110011.

(C) FOR CANDIDATES JOINING THE OFFICERS TRAINING SCHOOL, MADRAS.

1. Before the candidate joins the Officers Training School Madras—

- (a) he will be required to sign a certificate to the effect that he fully understands that he or his legal heirs shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which he may sustain in the course of or as a result of the training, or where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.
- (b) his parent or guardian will be required to sign a bond to the effect that, if for any reason considered within his control the candidate wishes to withdraw before the completion of the course or, fails to accept a commission if offered or marries while under training at the Officers' Training School, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by the Government.

2. Candidates finally selected will undergo a course of training at the Officers' Training School, for an approximate period of 9 months. Candidates will be enrolled under the Army Act as gentlemen cadets. Gentlemen cadets will be dealt with for ordinary disciplinary purposes under the rules and regulations of the Officers' Training School.

3. While the cost of training, including accommodations, books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by Government, candidates will be expected to meet their pocket expenses themselves. The minimum expenses during pre-Commission training are not likely to exceed Rs. 55 per month but if the cadets pursue any hobbies such as photography, Shukar, hiking etc. they may require additional money. In case, however, the cadet is unable to meet wholly or partly even the minimum expenditure, financial assistance at rates which are subject to change from time to time, may be given provided the cadet and his parent/guardian have an income below Rs. 500 per month. The rate of assistance under the existing orders is Rs. 55 per month. A candidate desirous of having financial assistance should immediately after being finally selected for training submit an application on the prescribed form through the District Magistrate of his district who will forward the application to the Commandant Officers Training School, MADRAS along with his verification report.

4. Candidates finally selected for training at the Officers Training School will be required to deposit the following amount with the Commandant on arrival :—

(a) Pocket allowance for ten months at Rs 55.00 per month.	Rs. 550.00
(b) For items of clothing and equipment	Rs. 500.00
Total	Rs. 1050.00

Out of the amount mentioned above, the amount mentioned in (b) above is refundable to the Cadets in the event of financial assistance being sanctioned in them.

5. Outfit allowance will be admissible under orders as may be issued from time to time.

On being granted a commission articles of clothing and necessities purchased from this allowance shall become the personal property of the cadet. Such articles, will however, be withdrawn from a cadet who resigns while under training or who is removed or withdrawn prior to commissioning. The articles withdrawn will be disposed of to the best advantage of the State.

6. No candidate will normally be permitted to resign whilst under training. However, Gentlemen Cadets resigning after the commencement of training may be allowed to proceed home pending acceptance of their resignation by Army HQ; cost of training, messing and allied services will be recovered from them before their departure. They and their parents/guardians will be required to execute a bond to this effect before the candidates are allowed to join Officers' Training School.

7. A Gentleman Cadet who is not considered suitable to complete the full course of training may with permission of Government be discharged. An Army candidate under these circumstances will be reverted to his Regiment or Corps.

8. Pay and allowances, pension, leave and other conditions of service, after the grant of commission, are given below.

9. Training

1. Selected candidates will be enrolled under the Army Act as Gentlemen Cadets and will undergo a course of training at the Officers Training School for an approximate period of nine months. On successful completion of training Gentlemen Cadets are granted Short Service Commission in the rank of 2/Lt. from the date of successful completion of training.

10. Terms and conditions of Service

(a) *Period of probation*

An officer will be on probation for a period of 6 months from the date he receives his Commission. If he is reported on within the probationary period as unsuitable to retain his commission, it may be terminated at any time, whether before or after the expiry of the probationary period.

(b) *Posting*

Personnel granted Short Service Commission are liable to serve anywhere in India and abroad.

(c) *Tenure of Appointment and Promotion*

Short Service Commission in the Regular Army will be granted for a period of five years. Such officers who are willing to continue to serve in the Army after the period of five years' Short Service Commission may if eligible and suitable in all respects, be considered for the grant of Permanent Commission in the last year of their Short Service Commission in accordance with the relevant rules. Those who fail to qualify for the grant of Permanent Commission during the tenure of five years, would be released on completion of the tenure of five years.

(d) *Pay and Allowances*

Officers granted Short Service Commission will receive pay and allowances as applicable in the regular officers of the Army.

Rates of pay 2/Lt. and Lejut. are :—

(i) Second Lieut. Rs. 750—790 p.m.
 (ii) Lieut. Rs. 830—950 p.m. plus other allowances as laid down for regular officers.

(e) Leave : For leave, these officers will be governed by rules applicable to Short Service Commission Officers as given in Chapter V of the Leave Rules for the Service Vol. I-Army. They will also be entitled to leave on passing out of the Officers Training School and before assumption of duties under the provisions of Rule 91 ibid.

(f) *Termination of Commission*: An officer granted Short Service Commission will be liable to serve for five years but his Commission may be terminated at any time by the Government of India—

- (i) for misconduct or if services are found to be unsatisfactory; or
 - (ii) on account of medical unfitness; or
 - (iii) If his services are no longer required; or
 - (iv) if he fails to qualify in any prescribed test or course.

An officer may on giving three months notice be permitted to resign his Commission on compassionate grounds of which the Government of India will be the sole judge. An officer who is permitted to resign his Commission on compassionate grounds will not be eligible for terminal gratuity.

(g) Pensionary benefits

(i) These are under consideration.

(ii) SSC officers on expiry of their five years term are eligible for terminal gratuity of Rs. 5,000.00.

(h) Reserve Liability

On being released on the expiry of five years Short Service Commission or extension thereof they will carry a reserve liability for a period of five years or up to the age of 40 years whichever is earlier.

(i) *Miscellaneous*: All other terms and conditions of Service where not at variance with the above provisions will be the same as for regular officers.

(D) FOR CANDIDATES JOINING THE AIR FORCE ACADEMY

1. *Selection*.—Recruitment to the Flying Branch (Pilots) of the IAF is carried out through two sources i.e. Direct entry through UPSC and NCC (Senior Division Air Wing).

(a) *Direct Entry*.—Selection is made through a written examination conducted by the commission twice a year normally in May and November. Successful candidates are then sent to the Air Force Selection Boards for tests and interview.

(b) *NCC Entry*.—Applications from NCC candidates are invited by Director General NCC through respective NCC units and forwarded to Air HQ. Eligible candidates are directed to report to AFSBs for tests and interview.

2. *Detailing for Training*.—Candidates recommended by the AFSBs and found medically fit by appropriate medical establishment are detailed for training strictly on the basis of merit and availability of vacancies. Separate merit lists are prepared for Direct Entry candidates through UPSC and for NCC candidates. The merit list for Direct Entry Flying (Pilot) candidates is based on the combined marks secured by the candidates in the tests conducted by the UPSC and at the AF Selection Boards. The merit list for NCC candidates is prepared on the basis of marks secured by them at AFSBs.

3. *Training*.—The appropriate duration of training for Flying Branch (Pilots) at the Air Force Academy will be 75 weeks.

4. Career Prospects

After successful completion of training, the candidates pass out in the rank of Pilot Officer and become entitled to the pay and allowances of the rank. At the existing rates, Officers of the Flying Branch get approximately Rs. 2450/- p.m. which includes flying pay of Rs. 750/- p.m. Air Force offers good career prospects though it varies from branch to branch.

There are two types of promotions in the IAF i.e. grant of higher Acting rank and Substantive rank. Each higher rank carries with it extra emoluments. Depending on the number of vacancies, one has a good number of chances to get promotion to the higher Acting rank. Time-scale promotion to the rank of Squadron Leader and Wing Commander is

granted after successful completion of 11 years for Flying (Pilot) branch and 24 years of service respectively. Grant of higher rank from Wing Commander and above is by selection carried out by duly constituted promotion Boards. Promising Officers have good chances of higher promotions.

5. PAY AND ALLOWANCES

Substantive Rank	Flying Branch
Plt Offr.	Rs. 825--865
Flg. Offr.	910--1030
Flt. Lt.	1150--1550
Sqn. Ldr.	1450--1800
Wg. Cdr.	1550--1950
Gp. Capt.	1950--2175
Air Comde.	2200--2400
Air Vice Marshal	2500--2750
Air Marshal	3000/-

Dearness and Compensatory Allowance.—Officers are entitled to these allowances at the rates under condition applicable to civilian employees of Government of India.

Kit Maintenance Allowance.—Rs. 50/- p.m. Flying Pay: Officers of the Flying Branch are entitled to get Flying Pay at the following rates :—

Wg. Cdr. and below	Rs. 750.00 P.M.
Gp. Capt. and Air Comde	Rs. 666.00 P.M.
Air Vice Marshal and above	Rs. 600.00 P.M.

Qualification Pay.—Officers of the rank of Wing Commander and below who have completed two or more years of commissioned service are eligible for qualification pay/grant at prescribed rates in respect of certain specified qualifications. Rates of qualification pay are Rs. 70/- and 100/- and grants are Rs. 6,000/-, Rs. 4,500/-, Rs. 2,400/- and Rs. 1,600/-.

Expatiation Allowance.—Ranging from 25% to 40% (depending upon the rank held) of the Foreign Allowance admissible to a single Third Secretary/Second Secretary/First Secretary/Counsellor, serving in the country where IAF Officers are required to move as body of troop.

Separation Allowance.—Married Officers posted to Units/Formations located at non-family stations/areas notified as such by Government for this purpose, where families are not permitted to accompany them will receive separation allowance of Rs. 70/- p.m.

Outfit Allowance.—Rs. 1400/- initially (as modified from time to time) towards cost of uniform/equipment which an officer has to possess : Rs. 1,200/- for renewal after every seven years.

Caring Kit.—Free issue at the time of commissioning.

6. Leave and Leave Travel Concession

Annual Leave.—60 days a year.

Casual Leave.—20 days a year, not more than 10 days at a time.

Officers and their families are entitled to free conveyance when proceeding on annual/casual leave irrespective of its duration one year after commissioning. Once in a block of two years, commencing from January, 1971 the conveyance is admissible from place of duty (unit) to home. The year in which this concession is not availed of, free conveyance for a distance of 96¹ kms each way is admissible for self and wife.

In addition officers of Flying Branch employed on regular flying duties in vacancies in authorised establishment are allowed, while proceeding on leave, once every year, on warrant, a free rail journey in the appropriate class upto a total distance of 1600 kms for the forward and return journeys both inclusive.

Officers when travelling on leave at their own expense are entitled to first class travel on payment of 60% of the fare for self, wife and children from unit to any place within India thrice in a calendar year. One of these may be availed of for the entire family. In addition to wife and children family includes parents, sisters and minor brothers residing with and wholly dependent upon the officers.

7. PENSIONARY BENEFITS

Retiring Rank (Substantive)	Minimum length of qualifying service	Standard rate of Retiring Pension	Rs.
Plt offr/Fg offr.	20 years	525 Pm	
Fg Ldr	20 years	750 ..	
Sqn. Ldr.	22 years	875 ..	
Wg Cdr (Time Scale)	26 years	925 ..	
Wg Cdr (Select'Ve)	24 years	950 ..	
Gp Capt	26 years	1100 ..	
Air Comde	28 years	1175 ..	
Air Vice Marshal	30 years	1275 ..	
Air Marshal	30 years	1375 ..	
Air Chief Marshal	30 years	1700 ..	

8. Retiring Gratuity

Retiring gratuity at the discretion of the President as under :—

- (a) For 10 years service—Rs. 12,000/- less 1 $\frac{1}{2}$ months pay of rank last held.
- (b) for every additional year—Rs 1200/- less $\frac{1}{2}$ month's pay of rank last held.

In addition to pension or gratuity a death-cum-retirement gratuity, equal to 1 $\frac{1}{2}$ th of emoluments for each completed six monthly period of qualifying service subject to a maximum of 16 $\frac{1}{2}$ times of the emoluments not exceeding Rs. 36,000/- is admissible. In case of death while in service the amount of death-cum-retirement gratuity will be as follows :—

- (a) Two months pay, if death occurs in the first year of service;
- (b) Six months pay, if death occurs after the first year, but before completion of five years,
- (c) Minimum of 12 months pay, if death occurs after five years.

Disability pension and Special Family Pensionary award, including awards to children and dependents (parents, brothers and sisters) are also payable in accordance with the prescribed rules.

9 Other privileges

The Officers and their families are entitled to free medical aid, accommodation on concessional rent, group insurance scheme, group housing scheme, family assistance scheme, canteen facilities etc

APPENDIX IV

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India

This is to certify that Shri _____ son of Shri _____ of village/town* _____ in District/Division* _____ of the State/Union Territory* _____ belongs to the _____ Caste/Tribe* which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe* under :—

the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951*

[as amended by the Scheduled Castes and Schedule Tribes lists (Modification) Order, 1956 the Bombay Reorganisation Act 1960 the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970 the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976]

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956*

the Constitution (Andaman and Nicobar Island) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes orders (Amendment) Act, 1976*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry), Scheduled Castes Order, 1964*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*

the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978*

the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978*

2. Shri _____ and/or* his family ordinarily reside(s) in village/town* _____ of _____ District/Division* of the State/Union Territory* of _____

Signature.....

**Designation.....
State/Union Territory*
(with seal of office)

Place.....

Date.....

*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term 'ordinarily reside(s)' used here will have the same meaning as in Section 20 of the representation of the People Act, 1950.

**Officers competent to issue Caste/Tribe Certificates :

- (i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

†(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate)

- (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

- (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.

- (iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.

- (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.

APPENDIX V

CANDIDATES INFORMATION MANUAL

A. OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write answers. For each question (hereinafter referred to as item) several suggested answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one answer to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

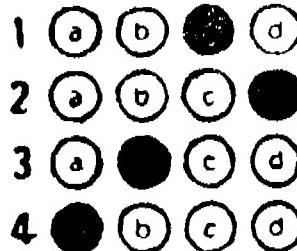
B. NATURE OF THE TEST

The question paper will be in the form of a TEST BOOKLET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3, etc. Under each item will be given suggested answers marked a, b, c, d. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best answer. (See "sample items" at the end). In any case, in each item you have to select only one answer; if you select more than one, your response will be considered wrong.

C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET (a specimen copy of which will be supplied to you along with the Admission Certificate) will be provided to you in the examination hall. You have to mark your response on the answer sheet. Response marked on the Test Booklet or in any paper other than the Answer Sheet will not be examined.

In the Answer Sheet, number of the items from 1 to 160 have been printed in four 'Parts'. Against each item, circular spaces marked, a, b, c, d, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given answer is correct or the best, you have to mark the circle containing the letter of the selected answer by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the circles on the Answer Sheet.



IT IS IMPORTANT THAT—

1. You should bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.
2. To change a wrong marking, erase it completely and remark the new choice. For this purpose, you must bring along with you an eraser also.
3. Do not handle your Answer Sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

D SOME IMPORTANT REGULATIONS

1. You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.
2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
3. No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.
4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the Answer Sheet to the Invigilator/Supervisor. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.
5. You will be required to fill in some particulars on the Answer Sheet in the examination hall. You will also be required to encode some particulars on the Answer Sheet. Instructions about this will be sent to you alone with your Admission Certificate.
6. You are required to read carefully all instructions given in the Test Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the Answer Sheet is ambiguous you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.

7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you a clip-board or a hard-board or a card-board on which nothing should be written. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you on demand. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your Answer Sheet at the end of the test.

E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall, the Invigilator will give you the Answer Sheet. Fill up the required information on the Answer Sheet. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet, on receipt of which you must ensure that it contains the booklet number, otherwise get it changed. You are not allowed to open the Test Booklet until you are asked by the Supervisor, to do so.

F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All items carry equal marks. Attempt all of them. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Remain in your seat and wait till the invigilator collects all the necessary material from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet, the answer sheet and the sheet for rough work out of the examination Hall.

SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

(Note :—*denotes the correct/best answer-option)

1. (General Studies)

Bleeding of the nose and the ears is experienced at high altitudes by mountain climbers because

- (a) the pressure of the blood is less than the atmospheric pressure
- *(b) the pressure of the blood is more than the atmospheric pressure
- (c) the blood vessels are subjected to equal pressures on the inner and outer walls
- (d) the pressure of the blood fluctuates relative to the atmospheric pressure

2. (English)**(Vocabulary—Synonyms)**

There was a *record* turnout of voters at the municipal elections.

- (a) exactly known
- (b) only those registered
- (c) very large
- *(d) largest so far

3. (Agriculture)

In Arhar, flower drops can be reduced by one of the measures indicated below

- *(a) spraying with growth regulators
- (b) planting wider apart
- (c) planting in the correct season
- (d) planting with close spacing

4. (Chemistry)

The anhydride of $H_5 VO_4$ is

- (a) VO_3
- (b) VO_4
- (c) V_2O_3
- *(d) V_2O_5

5. (Economics)

Monopolistic exploitation of labour occurs when

- *(a) wage is less than marginal revenue product
- (b) both wage and marginal revenue product are equal
- (c) wage is more than the marginal revenue product
- (d) wage is equal to marginal physical product

6. (Electrical Engineering)

A coaxial line is filled with a dielectric of relative permittivity 9. If C denotes the velocity of propagation in free space, the velocity of propagation in the line will be

- (a) $3C$
- (b) C
- *(c) $C/3$
- (d) $C/9$

7. (Geology)

Plagioclase in a basalt is

- (a) Oligoclase
- *(b) Labradorite
- (c) Albite
- (d) Anorthite

8. (Mathematics)

The family of curves passing through the origin and satisfying the equation

$$\frac{d^2y}{dx^2} - \frac{dy}{dx} = 0$$

is given by

- (a) $y=ax+b$
- (b) $y=ax$
- (c) $y=aex+be^{-x}$
- *(d) $y=aex^{-x}$

9. (Physics)

An ideal heat engine works between temperatures $400^\circ K$ and $300^\circ K$. Its efficiency is

- (a) $3/4$
- *(b) $(4-3)/4$
- (c) $4/(3+4)$
- (d) $3/(3+4)$

10. (Statistics)

The mean of a binomial variate is 5. The variance is

- (a) 4^2
- *(b) 3
- (c) ∞
- (d) -5

11. (Geography)

The Southern part of Burma is most prosperous because

- (a) it has vast deposits of mineral resources
- *(b) it is the deltaic part of most of the rivers of Burma,
- (c) it has excellent forest resources
- (d) most of the oil resources are found in this part of the country.

12. (Indian History)

Which of the following is NOT true of Brahmanism?

- (a) Brahmanism always claimed a very large following even in the heyday of Buddhism
- (b) Brahmanism was a highly formalised and pretentious religion
- *(c) With the rise of Brahmanism, the Vedic sacrificial fire was relegated to the background
- (d) Sacraments were prescribed to mark the various stages in the growth of an individual

13. (Philosophy)

Identify the atheistic group of philosophical system in the following :

- (a) Buddhism, Nyāya, Cārvāka, Mīmāṃsā
- (b) Nyāya, Vaisesika, Jainism and Buddhism
Cārvāka
- (c) Advaitā, Vedānta, Sāṃkhya, Cārvāka Yoga
- *(d) Buddhism, Sāṃkhya, Mīmāṃsā, Cārvāka

14. (Political Science)

'Functional representation' means

- *(a) election of representatives to the legislature on the basis of vocation
- (b) pleading the cause of a group or a professional association
- (c) election of representatives in vocational organization
- (d) indirect representation through Trade Unions

15. (Psychology)

Obtaining a goal leads to

- (a) increase in the need related to the goal
- *(b) reduction of the drive state
- (c) instrumental learning
- (d) discrimination learning

16. (Sociology)

Panchayati Raj Institutions in India have brought about one of the following :

- *(a) formal representation of women and weaker sections in village government
- (b) untouchability has decreased
- (c) land-ownership has spread to deprived classes
- (d) education has spread to the masses.

NOTE :—Candidates should note that the above sample items (questions) have been given merely to serve as examples and are not necessarily in keeping with the syllabus for this examination.

